राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 3 अंक 94

मूल्य ₹6 .00, नई दिल्ली, गुरुवार, 12 सितंबर 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 16

फुटबॉल विश्व कप क्वालीफायर में भारत की दीवार बने गुरप्रीत सिंह संधू

>> 14

सरोकार

वैक्सीन के जरिये मलेरिया पर लगेगा अंकुश

लखनऊ : भारतीय वैज्ञानिक मलेरिया का मर्म पकड़ चुके हैं। अब वैक्सीन के जरिये वे इस रोग से दो-दो हाथ करने को तैयार हो रहे हैं। केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान (सीडीआरआइ) के वैज्ञानिक इस प्रयास में जुट गए हैं। वैक्सीन निर्माण की प्रारंभिक प्रक्रिया के नतीजे बेहद उत्साहजनक रहे हैं। (पेज-10)

जागरण विशेष

'बांसुरी थेरेपी' से किया जा रहा गायों का इलाज

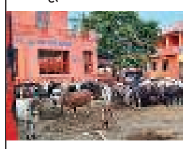

जम्मू : पर्वतीय राज्य जम्मू-कश्मीर के अंबफला (जम्मू)स्थित गोशाला में बांसुरी थेरेपी से गायों का इलाज किया जा रहा है। इससे न केवल उनका स्वभाव बदला है, बल्कि दुग्ध उत्पादन में भी आशातीत वृद्धि हुई है। (पेज-10)

ओम व गाय का नाम सुनते ही कुछ लोगों को लगता है करंट : मोदी

आशीष भटनागर, मथुरा

- प्रधानमंत्री ने कहा, ऐसी सोच रखने वालों ने ही देश को बर्बाद कर दिया
- कृष्ण की भूमि पर आयोजित कार्यक्रम में राधे-राधे बोलकर शुरू किया संबोधन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर से विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने उन आलोचकों पर तीखा प्रहार किया जो कहते हैं कि ओम और गाय शब्द का उल्लेख भारत को सदियों पीछे ले जाता है। उन्होंने कहा कि ओम शब्द सुनकर कुछ लोगों के कान खड़े हो जाते हैं तो कुछ लोगों के कानों में गाय शब्द पड़ते ही उनके बाल खड़े हो जाते हैं। दोनों शब्द सुनकर उनको करंट लग जाता है। ऐसी सोच रखने वालों के ज्ञान ने ही देश को बर्बाद कर रखा है। पीएम का निशाना उन लोगों पर था जो योग का विरोध सिर्फ इसलिए करते हैं क्योंकि इसमें ओम का उच्चारण किया जाता है। वह बुधवार को मथुरा स्थित दीनदयाल उपाध्याय वेटरनरी विवि में नेशनल एनिमल डिजीज कंट्रोल प्रोग्राम (राष्ट्रीय पशु निरोग अभियान) के तहत आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। कृष्ण की जन्मभूमि पर उन्होंने अपना संबोधन राधे-राधे बोलकर शुरू किया। इस अवसर पर सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित सरकार और पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

टीकाकरण अभियान लांच

पीएम ने राष्ट्रीय पशु निरोग अभियान के तहत मुंह एवं खुरपका और ब्रूसेलोसिस टीकाकरण अभियान लांच किया। इसके तहत देशभर में 51 करोड़ गाय-भैंसों को टीके लगाए जाएंगे। योजना पर 15343 करोड़ खर्च होंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को उत्तर प्रदेश की कृष्ण नगरी मथुरा में स्थित वेटेरिनरी विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय पशु निरोग अभियान की शुरुआत की। इस मौके पर गोमाता को गेहूं-गुड़ भी खिलाया। जागरण

इनका किया शिलान्यास

- 13 करोड़ से आगरा व मुरादाबाद में रूरल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड (आरआइडीएफ) से बने पॉलीक्लीनिक।
- 117 करोड़ से बनाए 165 पशु चिकित्सालय।
- हापुड़ में 31 करोड़ रुपये की लागत से बना वर्गीकृत वीर्य उत्पादन केंद्र।
- पशुओं के इलाज हेतु किसान हेल्पलाइन संजीवनी को सभी जिलों में लागू किया जाना।

पाक को आगे भी सबक सिखाएंगे

मोदी ने कहा, 11 सितंबर को ही शिकागो में स्वामी विवेकानंद ने दुनिया को भारतीय संस्कृति का संदेश दिया और 11 सितंबर को ही अमेरिका में आतंकियों ने बड़ी घटना को अंजाम दिया। आतंकवाद की जड़ें पड़ोसी देश में सींची जा रही हैं। आतंकवाद के पोषकों को हमने पहले भी सबक सिखाया है और आगे भी सबक सिखाते रहेंगे।

प्लास्टिक का उपयोग बंद करें

'स्वच्छता ही सेवा' अभियान की शुरुआत करते हुए मोदी ने कहा, प्लास्टिक कचरा समस्या बनता जा रहा है। संकल्प लें कि सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग बंद कर देंगे। खरीदारी करने थैला लेकर जाएंगे। कूड़े से पॉलीथिन छांटने वाली महिलाओं से बातचीत का जिक्र करते हुए कहा, दो अक्टूबर तक एकत्रित कचरा प्रशासन रिसाइकिल करेगा, जो बचेगा उसे सीमेंट की फैक्ट्री या सड़क निर्माण के काम में ले लिया जाएगा। दो अक्टूबर तक घर व कार्यक्षेत्र को प्लास्टिक मुक्त कर दें। बापू की जयंती पर यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

उबर के खिलाफ जांच को सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी

नई दिल्ली, प्रेट्र : सर्वोच्च न्यायालय ने भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआइ) से कहा है कि वह उबर इंडिया सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ छह महीनों के भीतर जांच पूरी करे। रेडिया टैक्सी सेवा प्रदाता कंपनी उबर पर आक्रामक प्राइसिंग के माध्यम से प्रतिस्पर्धी कंपनियों को नुकसान पहुंचाने का आरोप है। एक अपीलीय प्राधिकरण ने मेरू कैब्स के इस आरोप की जांच का आदेश वर्ष 2016 में भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के महानिदेशक को दिया था। उबर ने इस आदेश के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। इसकी सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने सीसीआइ के महानिदेशक को तीन सितंबर से अगले छह महीनों के भीतर मामले की जांच पूरी करने को कहा है। ज्ञात हो, जनवरी 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने इसी मामले में सीसीआइ को यथास्थिति का आदेश दिया था।

न्यूज गैलरी

राज-नीति ▶ पृष्ठ 4

मप्र में कमलनाथ सरकार के खिलाफ भाजपा का घंटानाद

भोपाल : मध्य प्रदेश में कमलनाथ सरकार के खिलाफ बुधवार को भाजपा ने पूरे राज्य में घंटानाद आंदोलन कर विपक्ष के तेवर में दिखाए। विधानसभा चुनाव 2018 में पराजित होने के नौ महीने बाद भाजपा कार्यकर्ता जनता के मुद्दों को लेकर सड़क पर उतरे और गिरफ्तारियां भी दीं।

नेशनल न्यूज ▶ पृष्ठ 5

बच्ची को गोली मारने वाला लश्कर आतंकी मुठभेड़ में ढेर

श्रीनगर : राज्य में पाबंदियों में ढील के बाद दुकानें खोलने वालों को निशाना बना रहे लश्कर आतंकी आसिफ मकबूल को पुलिस ने सोपोर में मुठभेड़ के दौरान मार गिराया। उसने ही बीते दिनों ढाई साल की बच्ची समेत चार को गोली मारी थी। मुठभेड़ के दौरान तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए।

अंतरराष्ट्रीय ▶ पृष्ठ 13

ब्रिटेन ने बदला वीजा नियम भारतीय छात्रों को होगा लाभ

लंदन : ब्रिटेन ने वीजा नियमों में बड़ा बदलाव करने की घोषणा की है। सरकार की ओर से कहा गया है कि अगले साल से विदेश से आने वाले छात्रों को पोस्ट-स्टडी वीजा दिया जाएगा। इसके तहत विदेशी छात्र अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद ब्रिटेन में दो साल तक रहकर नौकरी कर सकेंगे या काम तलाश सकेंगे। नए नियम से भारतीय छात्रों को लाभ होने की संभावना जताई जा रही है।

स्पोर्ट्स ▶ पृष्ठ 14

मिशन स्पिन की तैयारी में जुटी दक्षिण अफ्रीकी टीम

धर्मशाला : दक्षिण अफ्रीका की टीम बल्लेबाजों की कमजोर कड़ी रही स्पिन गेंदबाजी से उबरने के लिए मेहनत कर रही है, ताकि 15 सितंबर को धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले टी-20 मुकाबले में भारत के स्पिन गेंदबाजों पर उसके बल्लेबाज फतह पा सकें। टीम के अंतरिम निदेशक इनोक क्वे ने नए खिलाड़ियों को नए रंग में रंगने का प्लान बनाया है।

संयुक्त राष्ट्र ने भी कश्मीर पर मध्यस्थता की अपील ठुकराई

पाक को झटका ▶ कहा, इस मुद्दे पर हमारे रुख में कोई बदलाव नहीं

दोनों देश आपसी बातचीत से मसला सुलझाएं

संयुक्त राष्ट्र, प्रेट्र : संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने कश्मीर पर मध्यस्थता की पाकिस्तान की अपील ठुकरा दी है। इस विश्व निकाय का कहना है कि इस मुद्दे पर उसका रुख पहले की तरह है और उसमें कोई बदलाव नहीं हुआ है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतेरस ने भारत और पाकिस्तान दोनों से इस मसले को आपसी बातचीत से हल करने की अपील की है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने दैनिक प्रेस वार्ता में बताया कि एंटोनियो गुतेरस ने भारत और पाकिस्तान दोनों के नेताओं से बात की थी। उन्होंने पिछले महीने फ्रांस में जी-7 सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी और पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी से भी बात की थी। सोमवार को गुतेरस ने संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान की स्थायी प्रतिनिधि मलीहा लोधी के अनुरोध पर उनसे कश्मीर मसले पर मुलाकात की थी। दुजारिक ने कहा, 'सभी के लिए उनका संदेश निजी और सार्वजनिक तौर पर एक ही रहा है कि वह भारत और पाकिस्तान के बीच किसी भी संभावित तनाव के प्रति बेहद चिंतित हैं। वह दोनों पक्षों से वार्ता के जरिये इस मसले से निपटने की अपील करते हैं।' दुजारिक से सवाल किया गया कि क्या इस माह के आखिर में होने वाली संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के दौरान गुतेरस की योजना कश्मीर मसले पर भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता करने की है क्योंकि इस बैठक के लिए दोनों ही देशों के प्रधानमंत्री वहां पहुंच रहे हैं? इस पर दुजारिक ने कहा, 'आप रुख जानते हैं... सैद्धांतिक रूप से मध्यस्थता पर हमारा रुख हमेशा से एक जैसा रहा है।' संयुक्त राष्ट्र महासचिव कहते रहे हैं कि उनका कार्यालय तभी उपलब्ध होगा जब दोनों पक्ष इसका अनुरोध करें। भारत अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समक्ष साफ कर चुका है कि कश्मीर उसका आंतरिक मसला है और इसमें तीसरे पक्ष की मध्यस्थता की जरूरत नहीं है। दुजारिक ने आगे कहा, 'और जैसा कि संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) की उच्चायुक्त कह चुकी हैं कि कश्मीर के हालात का समाधान मानवाधिकारों के पूरे सम्मान के साथ ही किया जा सकता है।'

मालूम हो कि जिनेवा में यूएनएचआरसी के 42वें सत्र में भारत ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 हटाने के अपने संप्रभु फैसले का बचाव किया था, जबकि पाकिस्तान ने इसे गैरकानूनी कृत्य करार देते हुए वैश्विक अधिकार निकाय द्वारा अंतरराष्ट्रीय जांच की मांग की थी। भारतीय विदेश मंत्रालय में सचिव (पूर्व) विजय ठाकुर सिंह का कहना था कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 को हटाना भारत का संप्रभु फैसला था और वह देश के अंदरूनी मामलों में कोई हस्तक्षेप स्वीकार नहीं कर सकता। उन्होंने कश्मीर मसले पर पाकिस्तानी दुष्प्रचार पर निशाना साधते हुए उसके राज्य प्रायोजित आतंकवाद की कड़ी निंदा की थी।

यूएनएचआरसी में पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी के बयान पर जवाब देने के अधिकार का इस्तेमाल करते हुए विदेश मंत्रालय में प्रथम सचिव विमर्श आर्यन ने कहा था कि भारतीय संविधान में अनुच्छेद-370 एक अस्थायी प्रावधान था। उनका कहना था, 'झूठे विवरणों वाले पाकिस्तान के उन्मादी बयानों से हम कतई आश्चर्यचकित नहीं हैं क्योंकि उनका मकसद इस फोरम का राजनीतिकरण और ध्रुवीकरण करना है। पाकिस्तान समझ चुका है कि हमारे फैसले ने उसके पैरों के नीचे से जमीन खींच ली है और उसके सीमापार आतंकवाद को प्रायोजित करने में बाधा उत्पन्न कर दी है।'

संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने प्रेस वार्ता में कश्मीर पर मध्यस्थता की अपील ठुकराए जाने की जानकारी दी। रायटर

इमरान बोले, मुजफ्फराबाद में कल करूंगा बड़ा जलसा

इस्लामाबाद : कश्मीरियों के प्रति घंटेभर के लिए एकजुटता प्रदर्शन (सोलिडॉरिटी ऑवर) के फुस्स पटाखा साबित होने के बाद पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने अब मुजफ्फराबाद में शुक्रवार को बड़ा जलसा करने की घोषणा की है। इमरान ने बुधवार को ट्वीट कर इस बात की जानकारी दी है (पेज-13)

मोटर अधिनियम मामले में राजनीति की सेंध

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- झारखंड, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, हिमाचल, हरियाणा कर रहे आनाकानी
- पंजाब, मप्र, बंगाल ने लागू करने से किया इन्कार किया, केरल जुर्माना कम करेगा

यातायात नियमों के उल्लंघन के लिए सख्त पेनाल्टी की व्यवस्था ने राज्य सरकारों के लिए राजनीतिक संकट खड़ा कर दिया है तो केंद्र के लिए असहज स्थिति पैदा कर दी है। यही कारण है कि कांग्रेस शासित ही नहीं भाजपा शासित राज्यों ने भी इसमें जल्द से जल्द बदलाव की कवायद शुरू कर दी है। अब केंद्र से भी लचीले रुख का संकेत दिया जाने लगा है और यह बताया जाने लगा है कि राज्य अपने स्तर पर कुछ बदलाव कर सकते हैं।

मध्य प्रदेश और पंजाब ने जहां सीधे तौर पर इसे लागू करने से मना कर दिया है और कहा कि वह अध्ययन कर रहे हैं। वहीं उत्तराखंड ने कैबिनेट की बैठक बुलाकर कुछ जुर्माने (पेनाल्टी) को बदलने का निर्णय ले लिया। झारखंड ने दूसरे राज्यों में चल रही कवायद पर नजर रखने का आदेश दिया है। केरल सरकार ने कहा है कि उसने जुर्मानाकम करने के बारे में अध्ययन शुरू कर दिया है। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने जुर्माने को अत्यंत कठोर बताते हुए कहा, वह संशोधित मोटर वाहन अधिनियम लागू नहीं करेंगी। ओडिशा सरकार ने पुलिस अफसरों से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि लोग परेशान नहीं हों।

जाहिर है कि कुछ माह में होने वाले चुनाव के मद्देनजर अंदर कसमसाहट है और जल्द ही इस कानून में बदलाव होंगे। हिमाचल प्रदेश में अभी तक यह लागू नहीं है। माना जा रहा है कि वहां भी कैबिनेट के जरिये बदलाव के बाद ही इसे लागू किया जाएगा। हरियाणा में कुछ दिनों तक तो यह लागू रहा, बाद में अनौपचारिक रूप से पुलिस को कहा गया कि बड़े चालान न काटें। महाराष्ट्र में नए नियम को स्थगित कर दिया गया है।

केंद्र की भाजपा सरकार के लिए यह असहज है क्योंकि बड़ी मशक्कत के साथ इसे संसद से पारित कराया गया था। विपक्ष की ओर से इसे स्थायी समिति में भेजने का दबाव था। बताया तो यह भी जा रहा है कि पूर्व की बैठकों में भाजपा की सभी राज्य सरकारों ने समर्थन किया था लेकिन अब जनता के रोष को देखते हुए हाथ पांव फूलने लगे हैं।

राज्यों की मजबूरी अब केंद्र सरकार को भी समझ आ रही है। यही कारण है कि अब केंद्र की ओर से बताया जा रहा है कि राज्य चाहें तो वह कुछ बदलाव ला सकते हैं। पर्वतीय राज्य उत्तराखंड ने यह बदलाव लाया है, लेकिन महाराष्ट्र ने औपचारिक रूप से और हरियाणा ने अनौपचारिक रूप से इसे रोक ही दिया है। अगले साल होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव के मद्देनजर प्रदेश भाजपा भी ऐसा आग्रह लेकर केंद्र सरकार के सामने पहुंची है। माना जा रहा है कि केंद्र भी देर सबेर कुछ बदलाव की सोच सकता है।

वास्तविक कब्जे और कानूनी कब्जे में अंतर : मुस्लिम पक्ष

नई दिल्ली : अयोध्या में राम जन्मभूमि पर मालिकाना हक के मुकदमे में बुधवार को मुस्लिम पक्ष ने दलील पेश कीं और कहा, कानूनी रूप से वहां हक मुस्लिम पक्ष का है। हिंदू पक्ष को साबित करना होगा कि 22-23 दिसंबर 1949 (जब अंदर मूर्तियां रखी गईं थी) के पहले उनका वहां क्या अधिकार था। (पेज-3)

चिन्मयानंद प्रकरण : पैनल ने छात्रा का मेडिकल परीक्षण किया

शाहजहांपुर : पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वामी चिन्मयानंद पर दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली छात्रा का बुधवार को मेडिकल परीक्षण कराया गया। वहीं, छात्रा ने एसआइटी के आइजी को पत्र देकर आरोप लगाया कि हॉस्टल के कक्ष में रखे साक्ष्यों से छेड़छाड़ की गई। छवि खराब करने के लिए कुछ आपत्तिजनक वस्तुएं रख दी गईं। (पेज-6)

उन्नाव दुष्कर्म पीड़िता का बयान लेने एम्स पहुंची अदालत

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- बंद कमरे में हुई सुनवाई, आरोपित विधायक कुलदीप सेंगर भी हुआ पेश

उन्नाव दुष्कर्म कांड से जुड़े मामले की गंभीरता और पीड़िता की हालत को देखते हुए अदालत खुद एम्स (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान) पहुंची, जहां पीड़िता का इलाज चल रहा है। एम्स में बनाई गई विशेष अदालत में पीड़िता का बयान दर्ज किया गया। गुरुवार को आरोपित पक्ष के वकील पीड़िता से जिरह करेंगे। ध्यान रहे इस मामले में किसी भी गवाह, पीड़िता का नाम और उसका बयान प्रकाशित करने पर भी अदालत ने पाबंदी लगा रखी है।

बुधवार को तीस हजारी अदालत के सत्र न्यायाधीश धर्मेश शर्मा एम्स के कांफ्रेंस रूम में बनाई गई अस्थायी अदालत में पहुंचे। बंद कमरे में हुई इस सुनवाई के दौरान केस से संबंधित लोगों के अलावा किसी मौजूद रहने की अनुमति नहीं थी। सीबीआइ तथा पीड़िता के वकील धर्मेंद्र मिश्रा ने पीड़िता का बयान दर्ज कराया। वहीं आरोपित विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को भी पेश किया गया था। देर शाम तक बयान दर्ज करने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद सेंगर के वकील ने पीड़िता से जिरह शुरू की, जो गुरुवार तक के लिए टाल दी गई।

कोर्ट को सीबीआइ ने 5 सितंबर को बताया था कि पीड़िता की हालत स्थिर है। वह बयान दर्ज करा सकती है, लेकिन अस्पताल से बाहर जाने लायक नहीं है। इसके बाद हाईकोर्ट की मंजूरी पर अस्पताल में अस्थाई अदालत लगी।

आम्रपाली के होमबायर्स बकाया चुकाएं : सुप्रीम कोर्ट

- कहा-वरना परियोजनाओं को बंद करना पड़ेगा

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने आम्रपाली समूह के प्रोजेक्टों के घर खरीदारों (होम बायर्स) को बकाया रकम चुकाने को कहा है। देश की सबसे बड़ी अदालत ने कहा, अगर वह अपने फ्लैटों या विला की बकाया रकम नहीं चुकाते तो धन की कमी के चलते इन परियोजनाओं को बंद करना पड़ सकता है।

जस्टिस अरुण मिश्रा और यूयू ललित की खंडपीठ ने बुधवार को कहा, कोर्ट की ओर से नियुक्त रिसीवर के जरिये होम बायर्स को वैध करार दिए जाने के बाद उन्हें बकाया धनराशि चुकाने के लिए नोटिस भेजा जाएगा। अगर बायर्स बकाया रकम चुकाने को तैयार नहीं हैं तो हमें इन प्रोजेक्टों को समेटना पड़ेगा। पीठ ने कहा, 'वह आम्रपाली ग्रुप से कम कीमत पर फ्लैट खरीदने की इजाजत नहीं देगी। खरीदार सभी बकाया रकम चुकाएं अन्यथा उनके फ्लैट के पंजीकरण को रद किया जाएगा।'

कंस्ट्रक्शन प्लान की दुहाई : इससे पहले एक खरीदार की ओर से तर्क दिया गया कि उसका फ्लैट आम्रपाली लेजर पार्क सी-कैटेगरी में आता है। बिल्डर-बायर समझौते के तहत पेमेंट प्लान तो कंस्ट्रक्शन से लिंक किया गया है। यानी बिल्डिंग पूरी होने के क्रम में ही तय राशि समय-समय पर बिल्डर को दी जाती है। जमीन पर अभी तक कुछ भी नहीं हुआ है तो पूरी रकम क्यों चुकाऊं।

बकाया चुकाने को तैयार रहें : सुप्रीम कोर्ट ने कहा, अगर आप (घर खरीदार) रकम नहीं चुकाना चाहते तो हम आपको वापस घर लौट जाने को कहेंगे। अगर आप चाहते हैं कि इन परियोजनाओं का निर्माण पूरा हो तो बकाया रकम चुकानी होगी। आप सब बकाया रकम को जमा करने के लिए तैयार रहिए।

बकाएदारों की सूची वेबसाइटों पर होगी पेज>>7

सार्थक कदम

तकनीकी शिक्षा के स्तर को बढ़ाना देना मोदी सरकार की प्राथमिकता में रहा है, यही कारण है कि इस दिशा में तमाम कदम उठाए जा रहे हैं

देश के 10 और शहरों में खुलेंगी अटल अकादमी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर बनाने के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय का फैसला
- पांच शहरों में परीक्षण के तौर पर एक साल पहले से चल रही हैं केंद्र सरकार की ये अकादमी

तकनीकी शिक्षा को नई ऊंचाई देने और गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए केंद्र सरकार ने देश के 10 और बड़े शहरों में अटल (ऑल इंडिया काउंसिल ऑफ टेक्नीकल एजुकेशन-ट्रेनिंग एवं लर्निंग) अकादमी खोलने का फैसला लिया है। फिलहाल जिन 10 शहरों में अकादमी खोलने का निर्णय लिया गया है, उनमें पटना, कानपुर, देहरादून, भोपाल, चेन्नई, मुरथल, बेंगलुरु, श्रीनगर, हैदराबाद और कोलकाता शामिल हैं।

ऑल इंडिया काउंसिल ऑफ टेक्नीकल एजुकेशन (एआइसीटीई) ने पिछले साल ही देशभर में इस तरह की अकादमी खोलने का निर्णय लिया था। इसके तहत बतौर ट्रायल जयपुर, वडोदरा, त्रिवेंद्रम, गुवाहाटी और चंडीगढ़ में यह अकादमी शुरू की गई हैं। मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने बुधवार को एआइसीटीई (अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद) के कार्यक्रम में इसका एलान किया। इसके साथ ही उन्होंने तकनीकी संस्थानों को स्टार्टअप को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया।

एआइसीटीई से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक देश में और अटल अकादमी खोलने का यह फैसला ट्रायल के तौर पर शुरू की गईं सभी पांचों अकादमी से मिले अच्छे रुझानों के बाद लिया गया है। आने वाले दिनों में अटल अकादमी देश के सभी बड़े शहरों में स्थापित की जाएंगी। मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता को मजबूत बनाने की यह कवायद ऐसे समय शुरू की है जब देश में खराब गुणवत्ता और खाली सीटों के चलते पिछले कुछ वर्षों में करीब 800 तकनीकी संस्थान बंद हो चुके हैं। साथ ही देश के करीब 200 और तकनीकी संस्थानों ने बंद करने की अनुमति मांगी है। संस्थानों के बंद होने के पीछे योग्य शिक्षकों की कमी और खराब इंफ्रास्ट्रक्चर बड़ी वजह हैं। इसके चलते इनकी ज्यादातर सीटें खाली रह जाती हैं।

AICTE
अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद
ALL INDIA COUNCIL FOR TECHNICAL EDUCATION

कैसी होंगी अटल अकादमी

एआइसीटीई के मुताबिक अटल अकादमी में शोध, नवाचार और प्रशिक्षण से जुड़े कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। इनमें उस क्षेत्र के सभी तकनीकी संस्थानों को जोड़ा जाएगा जहां इन संस्थानों के शिक्षक, छात्र सहित इस क्षेत्र से जुड़ा कोई भी शोधार्थी अपने सपनों को साकार कर सकेगा। अकादमी में एक वर्कशॉप भी स्थापित होगी, जिसमें आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस, रोबोटिक्स, ब्लॉकचेन, डाटा साइंस, साइबर सिक्योरिटी, थ्री-डी प्रिंटिंग एंड डिजाइनिंग, वर्चुअल रियलिटी और आगुमेंटेड रियलिटी आदि गतिविधियां शामिल होंगी।

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
LIVE/ONLINE Classes Available
www.visionias.in

9 IN TOP 10 SELECTIONS IN CSE 2018
from various programs of VISION IAS

1 AIR KANISHAK KATARIA
2 AIR AKSHAT JAIN
3 AIR JUNAID AHMAD
4 AIR SHREYANS KUMAT
5 AIR SRUSHTI JAYANT DESHMUKH

फाउंडेशन कोर्स
सामान्य अध्ययन 2020
6 Aug | 12 Sept

इनोवेटिव क्लासरूम प्रोग्राम के घटक
- प्रारंभिक, मुख्य परीक्षा और निबंध के लिए महत्वपूर्ण सभी टॉपिक का विस्तृत कवरेज
- मौलिक अवधारणाओं की समझ के विकास एवं विश्लेषणात्मक क्षमता निर्माण पर विशेष ध्यान
- निबंध लेखन - शैली, PT 365, Mains 365, सीसैट कक्षाएं
- मुख्य परीक्षा, निबंध, PT, सीसैट टेस्ट सीरीज

MAINS 365
मुख्य परीक्षा 2019
हेतु 1 वर्ष का समसामयिक घटनाक्रम
ENGLISH Medium | हिन्दी माध्यम
प्रवेश प्रारम्भ

DELHI
- 635, Opp. Signature View Apartments, Banda Bahadur Marg, Mukherjee Nagar
- 2nd Floor, Apsara Arcade, Near Metro Gate 6, 1/8 B, Pusa Road, Karol Bagh
- Contact : 8468022022, 9019066066

JAIPUR 9001949244 | PUNE 8007500096 | HYDERABAD 9000104133 | AHMEDABAD 9909447040 | LUCKNOW 8468022022

38.2 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रहा दिल्ली में बुधवार को। यह सामान्य से पांच डिग्री ज्यादा है। न्यूनतम तापमान 28.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से तीन डिग्री अधिक है। मानसून में 34 फीसद कम बारिश होने के चलते गर्मी कम होने का नाम नहीं ले रही है।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
गुरुवार 12 सितंबर 2019

प्रदूषण जांच के नाम पर हो रही औपचारिकता

मनमानी ▸ जांच में फेल हुए बीस हजार वाहनों को भी जुगाड़ या पैसे से जारी कर दिया प्रमाण पत्र

दस दिनों में करीब चार लाख वाहनों को प्रदूषण जांच के बाद प्रमाण पत्र जारी हो गए हैं

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

प्रदूषण जांच केंद्रों पर लगी वाहनों की कतार में सभी वाहन पास नहीं हो पा रहे हैं। इनमें पांच प्रतिशत वाहन ऐसे भी हैं, जो प्रदूषण जांच में फेल हो रहे हैं। हालांकि किसी न किसी तरह से इन वाहनों को भी प्रदूषण जांच में पास होने का प्रमाण पत्र मिल रहा है। इसके लिए प्रदूषण जांच केंद्र पर कई प्रकार से काम किया जा रहा है।

हालांकि कुछ जांच केंद्र ऐसे हैं, जो जांच में फेल होने वाले वाहनों को प्रमाण पत्र देने से साफ मना कर रहे हैं। कई ऐसे भी हैं, जो दूसरे वाहन की रीडिंग के आधार पर प्रमाण पत्र जारी कर रहे हैं। दस दिनों में करीब चार लाख वाहनों को प्रदूषण जांच के बाद प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं। इन वाहनों में से करीब 20 हजार वाहन जांच में फेल हुए हैं, लेकिन उन्हें भी प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं। इसके लिए कहीं पैसा तो कहीं जुगाड़ काम कर रहा है। एक जांच केंद्र के कर्मचारी ने बताया कि जिन लोगों के वाहन यहां जांच में फेल हो रहे हैं, वे दूसरे केंद्र पर जाकर प्रमाण पत्र ले रहे हैं। वहां किसी अन्य वाहन की रीडिंग के आधार पर प्रदूषण की जांच करके प्रमाण पत्र मिल रहे हैं।

सिविक सेंटर के पास स्थित प्रदूषण जांच केंद्र पर वाहनों की जांच के लिए लगी लोगों की भीड़। जागरण

जांच में फेल वाहनों पर नहीं होती मौके पर कार्रवाई : प्रदूषण जांच केंद्र पर जो वाहन जांच में फेल हो जाते हैं, उन पर मौके पर कोई कार्रवाई नहीं होती है। ये वाहन बिना प्रदूषण प्रमाण पत्र के भी सड़कों पर दौड़ते रहते हैं। व्यवस्था को बेहतर करने के लिए जरूरी है कि जांच में फेल होने वाले वाहनों में तत्काल उस कमी को दूर किया जाए, जिसकी वजह से वाहन प्रदूषण फैला रहा है। अगर वाहन स्वामी उस कमी को दूर नहीं कराता है, तो मौके पर उसका चालान किए जाने की भी व्यवस्था होनी चाहिए।

क्या है उत्सर्जन मानक

गाड़ियों के ईंधन के जलने से निकलने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए मापदंड तय किए जाते हैं, जिन्हें उत्सर्जन मानक कहा जाता है। सभी ऑटोमोबाइल कंपनियों को इन मानकों का पालन भी करना होता है जिससे वायु प्रदूषण को नियंत्रित किया जा सके। वाहनों का उत्पादन करते समय, इंजन में एक उपकरण का इस्तेमाल किया जाता है, ताकि प्रदूषण कम से कम हो। भारत सरकार के पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के अंतर्गत केंद्रीय प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड की ओर से उत्सर्जन मानक की जांच और तय समय-सीमा के अंदर इसे पूरी तरह से लागू करने का काम किया जाता है।

कैसे मिल रहे हैं, फेल वाहनों को प्रमाण पत्र : वाहनों के प्रदूषण के स्तर की जांच करने के लिए जिस उपकरण का प्रयोग किया जाता है, उससे पता लगता है कि वाहन के स्टार्ट होने पर वह कितनी मात्रा में धुआं दे रहा है। उसमें कार्बन डाईआक्साइड की मात्रा कितनी है और अन्य गैसों की मात्रा कितनी है। अगर कोई वाहन मानक से अधिक धुआं छोड़ रहा है, तो जांच में उसे फेल कर दिया जाता है। लेकिन उसे पास करने के लिए वाहन का फोटो लेने के बाद किसी अन्य वाहन की रीडिंग ले ली जाती हैं, जो जांच में पास हो जाता है। ऐसे में गलत रीडिंग के आधार पर प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को भी प्रमाण पत्र जारी किए जा रहे हैं।

बीएस-3 और बीएस-4 वाहनों के लिए अलग-अलग है जांच प्रक्रिया : प्रदूषण जांच केंद्र पर बीएस-3 और बीएस-4 वाहनों की जांच के लिए अलग व्यवस्था है। इसमें बीएस-3 वाहनों की जांच के लिए सायलेंसर में एक उपकरण लगाया जाता है, जिससे इंजन से निकलने वाले धुएं के स्तर का पता लगता है। वहीं बीएस-4 इंजन वाले वाहनों के लिए सायलेंसर में उस उपकरण को लगाने के साथ इंजन के राउंड प्रति मिनट (आरपीएम) से जांच की जाती है। इससे पता लगता है कि कितने आरपीएम पर वाहन से कितना धुआं निकल रहा है। इसके आधार पर प्रमाण पत्र जारी किया जाता है।

डीजल और पेट्रोल के वाहनों के लिए अलग-अलग है जांच व्यवस्था : प्रदूषण जांच केंद्र पर डीजल, पेट्रोल और सीएनजी के वाहनों के लिए उपकरण अलग-अलग हैं। पेट्रोल इंजन के वाहन की जांच के लिए सायलेंसर में जो उपकरण लगाया जाता है, वह काफी पतला होता है। वहीं डीजल इंजन वाहन के लिए जिस उपकरण का प्रयोग किया जाता है, वह कार के सायलेंसर में पूरी तरह से फिट बैठता है। उससे निकलने वाला धुआं बाहर निकलने के बजाय एक मशीन के अंदर जाता है। इससे वाहन से निकलने वाले धुएं में शामिल गैसों के स्तर का पता लगता है। इसके अलावा डीजल इंजन के लिए आरपीएम को भी जांच जाता है।

दिल्ली सरकार ने दिए चालान की रकम कम करने के संकेत

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

दिल्ली सहित देशभर में एक सितंबर से नया मोटर व्हीकल एक्ट 2019 लागू होने के बाद हजारों वाहन चालकों के चालान हो चुके हैं। इस बीच गुजरात सरकार की ओर से ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन के 24 मामलों में जुर्माने की दर 90 फीसद तक कम किए जाने के बाद अब ऐसे कई अन्य राज्य भी जुर्माना राशि घटाने पर विचार कर रहे हैं, जहां नए मोटर व्हीकल एक्ट को लेकर अधिसूचना जारी नहीं हुई है। इस बीच दिल्ली सरकार भी जुर्माना राशि कुछ कम करने पर विचार कर रही है, ताकि इसे मौके पर ही चुकाया जा सके।

दिल्ली सचिवालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि मोटर व्हीकल एक्ट में 61 उल्लंघन/अपराध हैं। 27 मामलों में दिल्ली सरकार कुछ नहीं कर सकती है, लेकिन 34 मामलों में जुर्माना राशि में राहत मिल सकती है। यह सड़क सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा है, इसलिए इस पर संबंधित विभागों के साथ ही अन्य राज्यों द्वारा लिए गए निर्णयों का अध्ययन करने के बाद ही आगे बढ़ा जाएगा। इस मामले में सरकार जल्द अपनी राजनीतिक इच्छा शक्ति दिखाएगी।

उन्होंने कहा कि केरल, गोवा सहित कई ऐसे राज्य हैं जहां ऐसा हो चुका है, लेकिन इसके क्या अधार हैं, सरकार इसका पूरी तरह से अध्ययन कर रही है। दरअसल, मोटर व्हीकल एक्ट के सेक्शन 200 के तहत कंपाउंडिंग चालान की राशि संबंधित राज्य सरकारें कम कर सकती हैं।

डीएल आवेदन के लिए 30 फीसद तक बढ़ी भीड़

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : यातायात को लेकर नए नियम लागू होने के बाद परिवहन विभाग के क्षेत्रीय कार्यालयों में ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) बनवाने वालों की संख्या में करीब 30 फीसद की बढोतरी हो गई है। इसके अलावा वाहनों से जुड़े अन्य दस्तावेज दुरुस्त कराने के लिए भी लोग पहुंच रहे हैं। परिवहन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पहले लर्निंग लाइसेंस के लिए यदि प्रतिदिन सौ लोगों को ऑनलाइन समय दिया जाता था, तो करीब 60 लोग ही आते थे। लेकिन अब जितने लोगों को समय दिया जाता है वे तो पहुंच ही रहे हैं, साथ ही अन्य लोग भी जल्द डीएल बनाए जाने के लिए विभाग से अनुरोध करते देखे जा रहे हैं। दूसरे अब ऐसे लोग भी आ रहे हैं, जिनका लाइसेंस 2015, 2016 या 2017 में निरस्त हो चुका था। अब ये लोग उसका नवीनीकरण कराने आ रहे हैं। आरसी को लेकर भी पहले से लोगों की संख्या बढ़ी है। परिवहन विभाग के कार्यालयों पर लगाई गई हेल्प डेस्क पर भी लोगों की संख्या बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि इन कार्यालयों में स्टाफ बढ़ाए जाने पर भी विचार किया जा रहा है।

न्यूज गैलरी

फ्लैट दिलाने के नाम पर फर्जीवाड़ा डीडीए ने किया सावधान

नई दिल्ली : दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) को वसंत कुंज में डीडीए फ्लैट दिलवाने के नाम पर फर्जीवाड़ा करने की सूचना मिली है। पता चला है कि आवासीय योजना-2019 की प्रतीक्षा सूची और असफल आवेदकों के मोबाइल पर दोबारा ड्रॉ किए जाने का संदेश भेजा जा रहा है। इस संदेश में असफल आवेदकों को ड्रॉ में भाग लेने के लिए पंजीकरण शुल्क जमा कराने के लिए एक बैंक खाता नंबर भी दिया जा रहा है। इस तरह की शिकायत पर डीडीए ने जनता को फर्जी कॉल और ठगों से सावधान रखने के लिए कहा है। साथ ही डीडीए की वेबसाइट पर देख कर ही किसी भी प्रकार की भी योजना में हिस्सा लेने की अपील की है। डीडीए अधिकारी की तरफ से बताया गया कि प्राधिकरण के नाम पर फर्जी कॉल सेंटर चलाया जा रहा है। इसके लिए पहले डीडीए की योजना के प्रतीक्षा सूची और असफल आवेदकों को मैसेज भेजा जा रहा है, जिसमें जवाब देने पर उन्हें डीडीए के कथित फर्जी कॉल सेंटर नंबर 18002122593 से कॉल किया जा रहा है। इसमें उन्हें वसंत कुंज में डीडीए की योजना में दोबारा ड्रॉ निकालने की बात कही जाती है, जिसमें भाग लेने के लिए दो लाख रुपये जमा करने को भी कहा जा रहा है। इसके साथ डीडीए के नाम पर फर्जी अकाउंट नंबर भी आइएफएससी कोड के साथ उपलब्ध कराया जा रहा है। (जासं)

झारखंड से लाई गई दस किलो हेरोइन समेत तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली : झारखंड के नक्सल प्रभावित क्षेत्र से दिल्ली लाई गई दस किलो हेरोइन को स्पेशल सेल ने पकड़ा है। पुलिस ने तीन तस्करों जयचंद सक्सेना, सोनू गोस्वामी और श्याम को गिरफ्तार किया है। तीनों को रोहिणी सेक्टर-दस से मंगलवार को पकड़ा गया है। पुलिस ने आरोपितों की हुंडई वरना कार भी जब्त कर ली है। पूछताछ में जयचंद सक्सेना ने बताया कि म्यांमार से हेरोइन लाकर झारखंड के जंगलों में छिपाई जाती है। वहां से कार के जरिये दिल्ली लाकर उसकी जगह-जगह सप्लाई की जाती है। इसके अलावा पंजाब में भी दिल्ली से हेरोइन की तस्करी की जाती है। (जासं)

घरेलू सहायिका ने 16वीं मंजिल से कूदकर की आत्महत्या

गुरुग्राम : सेक्टर-67 मेरलिन सोसायटी की 16वीं मंजिल की बालकनी से कूदकर एक घरेलू सहायिका ने मंगलवार रात आत्महत्या कर ली। परिजनों ने किसी के खिलाफ कोई शिकायत नहीं दी है। मूल रूप से उत्तरप्रदेश के रायबरेली के गांव पैना निवासी 19 वर्षीय बिट्टर लगभग एक महीने से सोसायटी की 16वीं मंजिल स्थित एक फ्लैट में काम कर रही थी। वह फ्लैट में ही रहती थी। (जासं)

रोहिणी में ट्रक मालिक ने एक लाख 41 हजार का जुर्माना भरा

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

नया मोटर वाहन अधिनियम लागू होते ही रोजाना चालान से जुड़ी कई खबरें सामने आ रही हैं। कहीं पर प्रदर्शन हो रहा है तो कहीं कोई चालान की भारी-भरकम राशि को देखकर अपने वाहन को आग के हवाले कर रहा है। इस बीच बाहरी दिल्ली से अब तक के सबसे ज्यादा रुपये का चालान भरने का मामला सामने आया है।

रोहिणी में एक लाख 41 हजार 700 रुपये का चालान कटा है। राजस्थान के एक ट्रक मालिक ने रोहिणी कोर्ट में चालान की पूरी रकम का भुगतान कर दिया है। ट्रक मालिक राजस्थान के बीकानेर का रहने वाला है, जिसका दिल्ली में पांच सितंबर को ओवरलोडिंग की वजह से 70 हजार रुपये का चालान हुआ था। ट्रक में ज्यादा माल लादने पर उसके मालिक पर भी 70 हजार का और चालान किया गया। ट्रक मालिक का कहना है कि इसके अतिरिक्त लगभग 1700 रुपये का चालान और किया गया था। चालान की कुल राशि एक लाख 41 हजार 700 रुपये हो गई। नौ सितंबर को उन्होंने चालान की रकम का भुगतान रोहिणी कोर्ट में कर दिया है।

चालान भरने की अब तक की सबसे बड़ी रकम

एक सितंबर से देश में नया मोटर वाहन अधिनियम लागू होने के बाद एक के बाद एक अजोबोगरीब मामले सामने आए हैं। अब तक यह खबर आ रही थी कि किसी को 15 हजार तो किसी को 25 हजार और किसी को 60 हजार रुपये तक चालान के रूप में देने पड़े, लेकिन रोहिणी कोर्ट में एक लाख 41 हजार 700 रुपये का चालान जमा कराने की बात सामने आई है।

चालकों को नए नियमों की पूरी जानकारी नहीं : देश में नए मोटर वाहन अधिनियम को लागू हुए 11 दिन हो गए हैं। वाहन चालकों को नियमों की सही जानकारी नहीं होने के कारण वे लगातार इस तरह की गलतियां कर रहे हैं। नए एक्ट में जुर्माना राशि में भारी वृद्धि के बाद देश के अलग-अलग हिस्सों से मोटी रकम चालान के तौर पर भरने की बात आ रही है।

अवैध कॉलोनियों ने किया यमुना का विनाश : एनजीटी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल यानी एनजीटी ने कहा है कि धड़ल्ले से बनी अवैध कॉलोनियों ने यमुना का विनाश कर दिया है। हालात ऐसे हो गए हैं कि यमुना पर बेहद बुरा असर पड़ रहा है। हालात सिर्फ दिल्ली में ही नहीं, बल्कि हरियाणा और उत्तर प्रदेश में भी खराब है। पिछले 20 साल के अनुभव से पता चलता है कि कैसे अवैध कॉलोनियों के अनियंत्रित विस्तार ने सड़कों, जल निकासी या सीवरेज प्रणाली को प्रभावित किया है।

विशेषज्ञ बीएस सेजवान और दिल्ली की पूर्व मुख्य सचिव की रिपोर्ट पर एनजीटी यमुना को बचाने के लिए सुनवाई कर रहा है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 2015 में 255 अवैध कॉलोनियों की सीवरेज प्रणाली थी, जो अब 2019 में बढ़कर 384 हो गई है और भविष्य में यह संख्या 432 हो जाएगी।

एनजीटी ने दिल्ली विकास प्राधिकरण से कहा है कि तीन माह में यमुना का डूब क्षेत्रों को वापस ले, जहां अवैध कब्जा हो गया है। उन डूब क्षेत्रों को विकसित कर बायो डाइवर्सिटी पार्क विकसित किए जाएं। अगर डीडीए ऐसा नहीं कर पाया तो अप्रैल 2020 से हर माह पांच लाख रुपये जमा कराने होंगे।

राष्ट्र निर्माण में पुस्तकों की अहम भूमिका : अग्रवाल

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

भारतीय व्यापार संवर्धन परिषद (आइटीपीओ) के कार्यकारी निदेशक राजेश अग्रवाल ने 25वें दिल्ली पुस्तक मेले का शुभारंभ करते हुए कहा कि किताबें राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। साथ ही यह ज्ञान का सबसे महत्वपूर्ण स्रोत हैं। डिजिटल युग में किताबों के संरक्षण के लिए उनका डिजिटलीकरण करना भी महत्वपूर्ण है। नई पीढ़ी की सुविधाओं को ध्यान में रखकर किताबों को डिजिटल किया जाना चाहिए।

आइटीपीओ और भारतीय प्रकाशक संघ (एफआइपी) के संयुक्त तत्वावधान में प्रगति मैदान के हॉल नंबर-7 में आयोजित पुस्तक मेले का आगाज बुधवार से हो गया है, जो रविवार तक चलेगा। इस बार मेले की थीम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का 150वां जयंती वर्ष है। मेले में उनके व्यक्तित्व व कृतित्व से जुड़ा साहित्य तो उपलब्ध है ही, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति (राजघाट) की सहभागिता से एक ऐसा सेल्फी कॉर्नर बनाया गया है, जिसके चारों तरफ गांधी जी का कटआउट और चित्र लगे हैं। इसके अलावा मेले में 10 चरखों की व्यवस्था भी की गई है, जिन्हें गांधी समिति से जुड़े लोग चलाते हैं। अगर कोई पाठक चरखा चलाकर सूत कातना चाहता है, तो उसे ऐसा करने की भी छूट है। बहुत से लोगों ने बुधवार को चरखा भी चलाया।

प्रगति मैदान में शुरू हुए दिल्ली पुस्तक मेले में पुस्तकें देखते युवा। ध्रुव कुमार

एफआइपी के अध्यक्ष रमेश कुमार मित्तल और कोषाध्यक्ष नवीन गुप्ता के मुताबिक मेले में प्रवेश मुफ्त है और प्रगति मैदान के गेट नं. एक और 10 से प्रवेश किया जा सकता है। मेले का समय सुबह 11 से शाम सात बजे तक रखा गया है। पुस्तक मेले के साथ ही स्टेशनरी मेला, ऑफिस ऑटोमेशन मेला और कॉरपोरेट उपहार मेले का भी अवलोकन किया जा सकता है। बुधवार को पहले ही दिन मेले में पाठकों की अच्छी चहल-पहल देखने को मिली। बड़ी संख्या में लोगों ने पुस्तकें खरीदीं।

सदस्यता रद करने को लेकर अलका लांबा को विधानसभा का नोटिस

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : आम आदमी पार्टी (आप) छोड़कर कांग्रेस का हाथ थामने वाली चांदनी चौक से विधायक अलका लांबा की सदस्यता जल्द रद हो सकती है। आप के मुख्य प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने लांबा की सदस्यता रद करने की याचिका विधानसभा की याचिका समिति में दी है। इस पर विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल की ओर से विधानसभा ने अलका लांबा को नोटिस जारी कर 18 सितंबर दोपहर तीन बजे तक जवाब मांगा गया है। इसकी सुनवाई उसी दिन चार बजे विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष होगी। नोटिस में कहा गया है कि विधायक सौरभ भारद्वाज ने आपकी सदस्यता रद करने की याचिका विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष पेश की है। याचिका का गहनता से अध्ययन करने के बाद विधानसभा अध्यक्ष ने पाया कि आपको (अलका लांबा) व्यक्तिगत रूप से सुनवाई के दौरान अपना वक्तव्य पेश करना है।

बता दें कि अलका ने आप की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफे के एलान के बाद कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ले ली थी। आप ने कई दिनों तक उनके इस्तीफे का इंतजार किया है। भारद्वाज का कहना है कि चूंकि अलका ने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा नहीं दिया है, इसलिए पार्टी द्वारा उन्हें अयोग्य घोषित करने के लिए याचिका दाखिल की गई है।

ईरान के राजदूत ने केजरीवाल से की कई मुद्दों पर चर्चा

दिल्ली सचिवालय में ईरान के राजदूत डॉ. अली चेगेनी ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार के दृष्टिकोण को साझा किया। सौजन्य : दिल्ली सरकार

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

ईरान के राजदूत डॉ. अली चेगेनी ने बुधवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की। दिल्ली सचिवालय में हुई इस मुलाकात के दौरान उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन भी उपस्थित थे। चेगेनी ने शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में दिल्ली सरकार की पहल के लिए मुख्यमंत्री को बधाई दी और कहा कि तेहरान और दिल्ली में कई चीजें समान हैं और दोनों शहर एक-दूसरे से सीख सकते हैं। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने दिल्ली के लिए अपनी सरकार के दृष्टिकोण को साझा करते हुए आपसी महत्व के मुद्दों पर व्यापक चर्चा की।

इस दौरान स्वास्थ्य, शिक्षा और पर्यावरण जैसे मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। चेगेनी ने कहा कि तेहरान और दिल्ली में कई समानताएं हैं और दोनों के सामने एक जैसी समस्याएं भी हैं। राजदूत ने बताया कि सर्दी के मौसम में दिल्ली में धुंध का सामना करना पड़ा था, पिछले दिनों तेहरान में भी ऐसी ही समस्या थी। दोनों शहरों को एक-दूसरे से चर्चा करनी चाहिए और एक-दूसरे से सीखना चाहिए कि ऐसे मुद्दों को कैसे सुलझाया जाए। राजदूत ने वायु-प्रदूषण और इसे दुनिया भर में नीचे लाने की जरूरत भी बात की।

इसके बाद उपमुख्यमंत्री सिसोदिया और स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने राजदूत चेगेनी को शिक्षा और स्वास्थ्य में दिल्ली सरकार के कार्यों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

आम्रपाली हार्टबीट सिटी के घर खरीदारों को सुप्रीम कोर्ट ने दी राहत

जागरण संवाददाता, नोएडा : आम्रपाली हार्टबीट सिटी के घर खरीदारों को सुप्रीम कोर्ट ने राहत दी है। हार्टबीट सिटी का फॉरेंसिक ऑडिट कराया जाएगा। इसका निर्माण भी नेशनल बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कंपनी (एनबीसीसी) ही करेगी। आम्रपाली प्रबंधन का कहना था कि हार्टबीट उनकी परियोजना नहीं है। यह सिर्फ मार्केटिंग राइट्स के आधार पर ही थी, लेकिन अदालत ने इसे भी आम्रपाली का हिस्सा माना और 30 सितंबर तक इसकी ऑडिट रिपोर्ट देने को कहा।

सेक्टर-107 में बनी हार्टबीट सिटी में करीब 2200 घर खरीदार हैं जो कि पांच साल से आशियाने के इंतजार में हैं। बिल्डर को 2014 में पजेशन देना था, लेकिन साइट पर सिर्फ स्ट्रक्चर के अलावा और कुछ भी नहीं बन सका है। हार्टबीट के फेज-1 में करीब 700 फ्लैटों का निर्माण किया जाना है। इसी तरह फेज-2 में 1200 फ्लैटों का निर्माण होना है। 2011 से बुकिंग शुरू की गई। यहां के घर खरीदारों ने बताया कि हम सभी को फ्लैट आम्रपाली के एवज में ही बेचे गए। पंपलेट से लेकर विज्ञापन में भी आम्रपाली का ही नाम था। यही नहीं 25 फीसद की शेयरिंग भी आम्रपाली की बताई गई, जिसके बाद बुकिंग की गई। खरीदारों ने बताया कि अब तक पांच फीसद की शेयरिंग आम्रपाली की हार्टबीट सिटी में है। इसका कंस्ट्रक्शन तेजी से किया गया।

मतदान आज, 500 से ज्यादा शिक्षकों की लगाई गई ड्यूटी

डूसू चुनाव

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव के लिए गुरुवार को मतदान होगा। सुबह के कॉलेजों में 8.30 से दोपहर एक बजे तक और इवनिंग कॉलेजों में दोपहर तीन बजे से शाम 7.30 बजे तक मतदान होगा। डूसू चुनाव समिति के मुख्य चुनाव अधिकारी अशोक के प्रसाद ने कहा कि डीयू के 45 कॉलेजों, छह विभागों (बुद्धिस्ट स्टडीज, लाइब्रेरी एंड इंफो साइंस, सामाजिक कार्य विभाग, लॉ फैकल्टी, लॉ सेंटर-1, लॉ सेंटर-2) व साउथ कैंपस में मतदान केंद्र बनाए गए हैं। चुनाव में 500 से ज्यादा शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है। वे अपने-अपने कॉलेजों में ड्यूटी करेंगे। सभी कॉलेजों एवं विभागों में चुनाव समिति ने पर्यवेक्षक को भेजा है। वह चुनाव प्रक्रिया पर नजर रखेंगे। सभी कॉलेजों को मतदान के लिए तकनीकी व्यवस्था भी प्राप्त हो सके, इसके भी इंतजाम किए गए हैं।

डूसू चुनाव समिति ने सभी कॉलेजों को दिशा-निर्देश दिए हैं। उन्हें बूथों पर दिव्यांग छात्रों के लिए व्यवस्था करने के लिए कहा गया है। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) सभी बूथों पर एक समान रूप से अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव और संयुक्त सचिव के क्रम में लगानी होंगी। डूसू चुनाव और कॉलेज के छात्र संघ चुनाव के लिए एक ही जगह पर ईवीएम लगाने का निर्देश दिया गया है, जिससे कि मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाई जा सके। छात्र को बूथ पर कोई एक पहचान पत्र जैसे कि कॉलेज का आइ कार्ड, फीस की रसीद अपनी फोटो के साथ, ड्राइविंग लाइसेंस, आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर आइडी कार्ड दिखाना होगा। चुनाव में नोटा का विकल्प भी है। डीयू के 17 कॉलेजों में डूसू चुनाव नहीं होते हैं।

डूसू चुनाव समिति ने कॉलेजों के प्रचार्यों को 31 अगस्त को निर्देश दिया था कि वे डूसू चुनाव लड़ रहे सभी उम्मीदवारों की मार्कशीट की जांच कराएं। यह काम पूरा कर लिया गया है।

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव के मद्देनजर दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए हैं। डीयू के 45 कॉलेजों व छह विभागों में मतदान होंगे। मतदान में कहीं कोई गड़बड़ी न हो, इसके लिए हर मतदान केंद्र पर पुलिस के अलावा पैरा मिलिट्री के जवान भी तैनात रहेंगे। वरिष्ठ अधिकारी गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते रहेंगे। पुलिस अधिकारी के मुताबिक नॉर्थ कैंपस में 14 मतदान केंद्र बनाए गए हैं।

योजना

वर्टिकल गार्डनिंग से ईको फ्रेंडली बनेगा एक्सप्रेस वे

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस वे को हरा-भरा बनाने की तैयारी, करीब दो हजार पौधे रोपने का काम शुरू, यूपी गेट से मेरठ तक आधा दर्जन पुलों पर होगी वर्टिकल गार्डनिंग

सौरभ पांडेय, साहिबाबाद

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस वे के निर्माण के साथ ही नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआइ) ने इसे ईको फ्रेंडली बनाने की भी तैयारी कर ली है। यूपी गेट से मेरठ तक करीब दो हजार पौधे रोपने का काम शुरू हो चुका है। अगले चरण में एनएचएआइ ने एक्सप्रेस वे के दोनों ओर पुलों पर वर्टिकल गार्डनिंग करने की योजना तैयार की है। यूपी गेट से मेरठ तक आधा दर्जन पुलों पर वर्टिकल गार्डनिंग की जाएगी।

एनएचएआइ ने सराय काले खां से यूपी गेट तक दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस वे के पहले चरण का निर्माण पूरा कर लिया है। दूसरे और तीसरे चरण का काम यूपी गेट से डासना और डासना से मेरठ के बीच जारी है। प्रयोग के तौर पर दिल्ली में यमुना पुल के दोनों और वर्टिकल गार्डनिंग की गई है। इससे न सिर्फ पर्यावरण संरक्षण किया जा रहा है, बल्कि यह देखने में भी बेहद आकर्षक लगता है।

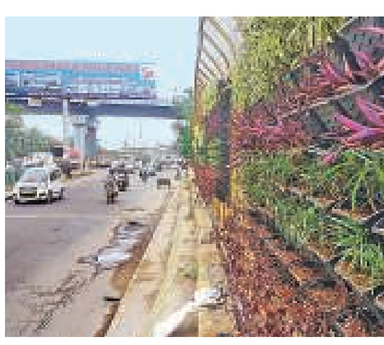
हिंडन पुल पर हो रही वर्टिकल गार्डनिंग। (सांकेतिक)

क्या है वर्टिकल गार्डनिंग

वर्टिकल गार्डनिंग ऐसी हरियाली होती है जो दीवार के साथ-साथ नीचे से ऊपर की ओर की जाती है। किसी भी पुल के किनारे लोहे की जाली लगाकर उस पर स्टैंड बनाकर प्लॉस्टिक के गमले लगाए जाते हैं। इन गमलों में पौधे व बेल लगाई जाती हैं। इससे पुल के दोनों तरफ हरियाली रहती है।

यूपी गेट से मेरठ तक आधा दर्जन पुलों पर होगी तैयारी : यूपी गेट से मेरठ के बीच आधा दर्जन पुल हैं जिन पर वर्टिकल गार्डनिंग की जाएंगी। यूपी गेट से आगे हिंडन नहर पर बन रहा पुल, विजयनगर पर हरनंदी पर निर्माणाधीन पुल और चार अन्य पुल-पुलियाओं पर वर्टिकल गार्डनिंग कर इन्हें हरा भरा बनाया जाएगा। पौधों को पानी के लिए गार्डन के बीच से ही एक पाइपलाइन डाली जाएगी। पुल के पास ही एक मोटर लगाकर नहर अथवा नदी के पानी से इसकी सिंचाई की जाएगी।

दो हजार पौधे लगाने का अभियान है जारी : एनएचएआइ ने पहले ही दो हजार पौधे लगाने का अभियान शुरू कर दिया है। एनएचएआइ के प्रोजेक्ट मैनेजर आरपी सिंह ने बताया कि एक्सप्रेस वे के दोनों ओर हरियाली बढ़ाने के लिए एनएचएआइ ने अभियान शुरू किया है। एक्सप्रेस वे को पूरी तरह से ईको फ्रेंडली बनाने के लिए एनएचएआइ भरपूर प्रयास कर रहा है। इससे न सिर्फ लोगों को ताजी हवा मिल सकेगी बल्कि एक्सप्रेस वे की सुंदरता भी बढ़ेगी।

जीआरसी और छात्र आमने-सामने

जेएनयू छात्र संघ चुनाव

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में प्रशासन और छात्र एक बार फिर आमने-सामने नजर आ रहे हैं। विश्वविद्यालय की ग्रीवांस रिड्रेसल सेल (जीआरसी) के अध्यक्ष एवं स्टूडेंट वेलफेयर डीन प्रो. उमेश अशोक कदम ने सोमवार को छात्र संघ चुनाव समिति को लिंग्दोह समिति की सिफारिशों के उल्लंघन पर नोटिस भेजकर बुधवार सुबह दस बजे तक जवाब देने को कहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव समिति के कई सदस्यों के साथ छात्र दोपहर बाद तीन बजे मेरे कार्यालय में आए और धरना देने लगे। कार्यालय के गेट के आगे बैठ गए। शाम 5.30 बजे दफ्तर बंद होने के बाद भी मुझे और मेरे स्टाफ को परेशान करते रहे। मुझे कई घंटे तक दफ्तर में बंधक बनाकर रखा गया। वहीं, छात्रों का कहना है कि जब वे स्पष्टीकरण देने गए तो उन्हें कार्यालय में प्रवेश नहीं करने दिया गया।

प्रो. उमेश ने कहा कि नियमों के उल्लंघन पर चुनाव समिति से दस बिंदुओं पर जवाब मांगा गया था। चुनाव समिति में कुल 54 सदस्य हैं। इनमें से 28 सदस्यों को बुधवार सुबह दस बजे तक जवाब देना था और 11 बजे उनका पक्ष सुना जाना था। बाकी 26 सदस्यों को गुरुवार तक का समय दिया गया था। यह भी व्यवस्था की गई थी कि ये सभी एक ही पत्र के जरिये जवाब दे सकते हैं, लेकिन उन्हें उस पत्र में हस्ताक्षर करना होगा। सुबह 10 बजे से दोपहर 2.30 बजे तक चुनाव समिति के सदस्य उनके कार्यालय पर नहीं पहुंचे। दोपहर बाद तीन से 5.30 बजे के दौरान सिर्फ 15 सदस्यों ने ही जवाब दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव समिति के कई सदस्यों के साथ छात्र बुधवार को उनके कार्यालय में पहुंचे। छात्र कार्यालय के बाहर नारेबाजी कर रहे थे, जिस वजह से मेरा रक्तचाप (बीपी) बढ़ गया। मैं अपनी गाड़ी में बैठा तो उसे घेर लिया गया। चुनाव समिति से जुड़े कुछ छात्रों ने साढ़े पांच बजे के बाद मेरे दफ्तर में स्पष्टीकरण भेजा। गुरुवार को सभी स्पष्टीकरण पढ़ने के बाद जीआरसी कोई निर्णय ले सकेगी। जिन छात्रों ने मेरा घेराव किया और सुरक्षाकर्मियों से सही व्यवहार नहीं किया, सीसीटीवी फुटेज से उनकी पहचान कर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

वहीं, छात्रों का आरोप है कि जब वे स्पष्टीकरण देने गए तो उन्हें प्रो. उमेश के कार्यालय में मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने अंदर नहीं प्रवेश करने दिया। हम पत्रों को कार्यालय से रिसीव कराना चाहते थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जीआरसी की ओर से जारी नोटिस का जवाब देने गए चुनाव समिति के एक सदस्य ने आरोप लगाते हुए कहा कि हम दोपहर तीन बजे छात्र कल्याण दफ्तर पहुंच गए थे, लेकिन हमें सुरक्षाकर्मियों ने अंदर ही नहीं जाने दिया। हमने अपने स्पष्टीकरण पर छात्र डीन के हस्ताक्षर देने के लिए कहा तो बताया गया कि हस्ताक्षर साढ़े पांच बजे के बाद होंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव समिति के सदस्यों को बहुत गलत तरीके से नोटिस सौंपे गए। किसी को रात दस बजे तो किसी को देर रात एक बजे नोटिस सौंपा गया। महिला सदस्यों को भी रात में नोटिस दिया गया।

73 फीसद भारतीय मानते हैं कि देश सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। मार्केट रिसर्च फर्म इप्सोस के सर्वे में भारत ने निराशावाद की वैश्विक प्रवृत्ति के खिलाफ मत व्यक्त किया है। वहीं, 58 फीसद विदेशी मानते हैं कि उनका देश गलत रास्ते पर है।

पीएम के प्रधान सचिव बने पीके मिश्रा, सिन्हा प्रमुख सलाहकार

ड़ॉ पीके मिश्रा ने बुधवार को प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। एएनआइ

नई दिल्ली, एएनआइ : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पूर्व अतिरिक्त प्रधान सचिव पीके मिश्रा बुधवार को उनके प्रधान सचिव बनाए गए हैं। सरकार ने पूर्व कैबिनेट सचिव पीके सिन्हा को प्रधानमंत्री का प्रधान सलाहकार नियुक्त किया है।

मिश्रा ने बुधवार को अपना कार्यभार संभाल लिया। उन्होंने नृपेंद्र मिश्रा का स्थान लिया है जो वर्ष 2014 से प्रधानमंत्री मोदी के प्रधान सचिव थे। मिश्रा को कृषि संबंधी कार्यों के प्रबंधन, आपदा प्रबंधन, ऊर्जा क्षेत्र, आधारभूत वित्तपोषण आदि के क्षेत्र में गहरा अनुभव है। उन्होंने अपने करियर में शोध, प्रकाशन, नीति निर्माण व कार्यक्रम तथा परियोजना प्रबंधन के क्षेत्र में बेहतरीन काम किया है। उधर, सिन्हा को 30 अगस्त को प्रधानमंत्री कार्यालय में विशेष कार्याधिकारी बनाया गया था। कार्मिक मंत्रालय के बयान के अनुसार, 'कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने पीके सिन्हा को पीएम के प्रधान सलाहकार के रूप में नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। उनकी नियुक्ति 11 सितंबर 2019 से प्रभावी है।' सिन्हा की नियुक्ति प्रधानमंत्री के कार्यकाल या अगले आदेश तक प्रभावी रहेगी।

आइआइटी और आइआइएम की तर्ज पर देश में बनेंगे तीन आइआइएस

शिलान्यास ▶ आइआइएस के मुंबई केंद्र की मंत्री डॉ. महेंद्रनाथ पांडेय ने रखी आधारशिला

पीपीपी के तहत उत्तर प्रदेश के कानपुर व गुजरात के अहमदाबाद में भी बनाए जाएंगे ऐसे संस्थान

ओमप्रकाश तिवारी, मुंबई

उद्योग जगत की जरूरत के अनुरूप कार्यबल तैयार करने के लिए निजी क्षेत्र की भागीदारी से देश में तीन कौशल विकास संस्थान बनाए जाएंगे। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आइआइटी) और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आइआइएम) की तर्ज पर मुंबई, अहमदाबाद एवं कानपुर में बनने वाले इन संस्थानों से निकले युवा न सिर्फ देश के लिए उपयोगी होंगे, बल्कि विदेश में भी इन्हें हाथों हाथ लिया जाएगा। देश के पहले इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल (आइआइएस) का बुधवार को मुंबई में शिलान्यास किया गया।

मुंबई के सायन स्थित नेशनल स्किल ट्रेनिंग स्कूल परिसर में केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्री डॉ. महेंद्रनाथ पांडेय ने आइआइएस की आधारशिला रखने के बाद दैनिक जागरण से खास बातचीत की। उन्होंने कहा, तीनों संस्थान कौशल के क्षेत्र में भारत को दुनिया की राजधानी का दर्जा दिलाने में कामयाब होंगे। इनका निर्माण पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल के तहत नॉट फॉर प्रॉफिट के आधार पर किया जाएगा। मुंबई व अहमदाबाद के संस्थानों में केंद्र एवं राज्य सरकारों के साथ टाटा समूह भागीदार होगा। मुंबई में संस्थान का निर्माण 4.5 एकड़ भूमि पर होगा, जिसके लिए टाटा समूह 300 करोड़ रुपये खर्च करेगा। इसमें 2021-22 से प्रशिक्षण शुरू होने की उम्मीद है। इन तीनों संस्थानों में से प्रति वर्ष 5000 युवाओं को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है।

मुंबई में आइआइएस के पहले केंद्र का भूमि पूजन करते केंद्रीय केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्री डॉ. महेंद्रनाथ पांडेय। जागरण

टाटा ट्रस्ट तैयार करेगा कोर्स, कई औद्योगिक समूह होंगे शामिल

कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय के सचिव केपी कृष्णन ने बताया कि आइआइएस मुंबई और अहमदाबाद में टाटा एजुकेशन डेवलपमेंट ट्रस्ट (टीईडीटी) भागीदार होगा। उद्योग जगत की जरूरत के अनुरूप कोर्स भी वही तैयार करेगा। टीईडीटी प्रशिक्षण के लिए एक माह के अपग्रेडेशन कोर्स से लेकर एक साल के सर्टिफिकेट, दो साल के डिप्लोमा तथा तीन साल के डिग्री कोर्स की रूपरेखा तैयार कर रहा है। कोर्स तैयार करने एवं प्रशिक्षण में टीईडीटी देश-विदेश के अन्य औद्योगिक समूहों को भी शामिल कर रहा है। प्रयास है कि आइआइएस से प्रशिक्षित होकर निकलने वाले युवा उद्योग जगत के लिए उपयोगी साबित हों और विदेश में भी उन्हें अधिक वेतन पर नौकरियां मिल सकें।

देश की परंपरा व क्षेत्र की जरूरत का रखा जाएगा ध्यान

केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्री डॉ. पांडेय कहते हैं कि इन संस्थानों में भारत की परंपराओं और क्षेत्रों की जरूरत को देखते हुए कोर्स तैयार किए जाएंगे। अभी 10वीं व 12वीं कक्षा के बाद आइटीआइ में विभिन्न प्रकार के कोर्सों के तहत कौशल प्रशिक्षण दिया जाता है। 12वीं के बाद आइआइएस में दाखिला लेने वाले छात्रों को एडवांस कोर्स प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही आज की औद्योगिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए ऑटोमेशन, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, मशीन लर्निंग, साइबर टेक्नोलॉजी, ऊर्जा संरक्षण आदि का भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। चूंकि कौशल की परिभाषा देश भर में बदल रही है, इसलिए ऐसे संस्थान हमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाएंगे। उल्लेखनीय है कि भारत में इस प्रकार के संस्थान तैयार करने का विचार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को करीब दो साल पहले उनके सिंगापुर दौरे के समय आया था।

नियमित जमानत के लिए हाई कोर्ट पहुंचे चिदंबरम

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- अर्जी में कहा-राजनीतिक द्वेष में की गई है कार्रवाई
- यायिक हिरासत में भेजने के आदेश को दी चुनौती

आइएनएक्स मीडिया मामले में न्यायिक हिरासत में चल रहे पूर्व केंद्रीय वित्तमंत्री पी चिदंबरम ने हाई कोर्ट में नियमित अर्जी दायर की है। उन्होंने निचली अदालत के न्यायिक हिरासत में भेजने के आदेश को चुनौती दी है। अर्जी में कहा गया है कि उनके खिलाफ राजनीतिक द्वेष में कार्रवाई की गई है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेसी नेता चिदंबरम ने अदालत में दाखिल अपनी अर्जी में कहा कि उनके खिलाफ न तो आर्थिक अपराध का आरोप है, न कोष को कोई नुकसान हुआ है और न ही यह कोई बैंक घोटाला है। इस मामले में जनता के पैसे की कोई भूमिका नहीं है। यह कोई ऐसा बैंक घोटाला नहीं है, जिसमें पैसा देश से बाहर गया हो या निवेशकों से धोखा किया गया हो या फिर किसी कंपनी से धन की चोरी की गई हो। जहां तक मौजूदा मामले की बात है तो 305 करोड़ रुपये आइएनएक्स मीडिया में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआइ) के तौर पर आए। इसमें से 26 करोड़ रुपये भारतीय कंपनी आइएनएक्स न्यूज में निवेश हुए।

चिंदबरम की ओर से कहा गया है कि विदेशी निवेश बोर्ड के मुखिया आर्थिक मामलों के सचिव होते हैं। इसके अलावा उद्योग, वाणिज्य, विदेश मामले और प्रवासी भारतीय मामले विभाग से सचिव भी इस बोर्ड में होते हैं। सीबीआइ हिरासत के दौरान तत्कालीन अवर सचिव आर प्रसाद, ओएसडी पीके बग्गा, निदेशक प्रबोध सक्सेना, संयुक्त सचिव अनूप पुजारी और अतिरिक्त सचिव सिद्धश्री खुल्लर से आमना-सामना कराया गया था। ये सभी अधिकारी इस मामले की मंजूरी प्रक्रिया में शामिल थे। इन सभी ने निवेश की मंजूरी से संबंधित प्रक्रिया के बारे में बताया और किसी ने भी इसमें कुछ गलत होने की बात नहीं कही। किसी ने भी नहीं कहा कि पी चिदंबरम ने उन्हें इस प्रक्रिया के दौरान कोई दिशा-निर्देश दिया था। चिदंबरम ने याचिका में यह भी कहा है कि वह इस केस की जांच से कोई छेड़छाड़ नहीं कर सकते, क्योंकि सभी दस्तावेज सरकार के पास हैं और वे राजनीतिक द्वेष के पीड़ित हैं।

पी चिदंबरम फाइल फोटो

वास्तविक और कानूनी कब्जे में अंतर : मुस्लिम पक्ष

माला दीक्षित, नई दिल्ली

अयोध्या की पुकार
सुनवाई का 21वां दिन

- मुस्लिम पक्ष की दलील-निर्मोही अखाड़ा राम चबूतरे पर ही पूजा करता था
- सिर्फ 22-23 दिसंबर की रात को रखी गई मूर्तियों के कारण अंदर दावा किया है

अयोध्या राम जन्मभूमि पर मालिकाना हक के मुकदमे में बुधवार को मुस्लिम पक्ष ने दलील दी कि जन्मस्थान पर मूर्ति रखकर दावा जरूर किया जा रहा है लेकिन कानूनी रूप से वहां हक मुस्लिम पक्ष का है। मुस्लिम पक्ष के वकील राजीव धवन ने कहा कि हिंदू पक्ष को साबित करना होगा कि 22-23 दिसंबर 1949 (जब अंदर मूर्तियां रखी गईं थी) के पहले उनका वहां क्या अधिकार था। निर्मोही अखाड़ा बाहर राम चबूतरे पर पूजा किया करता था। उसने कभी अंदर अधिकार का दावा नहीं किया था। 22-23 दिसंबर की रात हुई गलती के कारण वे अंदर अधिकार का दावा कर रहे हैं। मुस्लिम पक्ष की बहस गुरुवार को भी जारी रहेगी।

धवन ने निर्मोही अखाड़ा के मुकदमे की कानूनी कमजोरियां उजागर करते हुए कोर्ट से कहा, उनका मुकदमा स्वीकार करने लायक नहीं है। धवन ने कानून की निगाह में एक बार हुई गलती के लगातार जारी रहने और उससे अधिकार सृजित होने की अवधारणा का विरोध करते हुए पूर्व के फैसलों का हवाला दिया।

मौजूदा मामला वास्तविक कब्जे का :राजीव धवन ने कहा, वास्तविक कब्जे और कानूनी कब्जे में बड़ा अंतर है। कानून की निगाह में अगर कोई गलती होती है तो उससे जो हानि होती है उसका हर्जाना मिलता है। मौजूदा मामला वास्तविक कब्जे का है। 22-23 दिसंबर 1949 की रात एक दुष्कृति हुई। इसके बाद पांच जनवरी 1950 का मजिस्ट्रेट का आदेश है (यथास्थिति बनाए रखने)। मजिस्ट्रेट के आदेश से दुष्कृति कानून में हर्जाना मिलने का अधिकार खत्म हो गया। इन दलीलों पर जस्टिस एसए बोबडे ने कहा, आपका कहना है कि कोर्ट को दुष्कृति के कानून पर विचार करना चाहिए न कि प्रभावित पार्टी को पहुंची पीड़ा पर।

साबित करें1949 से पहले निर्मोही अखाड़ा का क्या अधिकार था : धवन ने कहा कि मौजूदा मामले में 22-23 दिसंबर 1949 को एक गलती हुई, जो कि पांच जनवरी 1950 को मजिस्ट्रेट का आदेश होने के बाद भी लगातार चलती रही। उसके आधार पर अधिकार सृजित होने लगे। इसके आधार पर अधिकार का दावा नहीं किया जा सकता। उसे आधार बनाकर मजिस्ट्रेट से यह नहीं कहा जा सकता कि उन्हें उस जगह का अधिकार दे दिया जाए। उन्हें पहले साबित करना होगा कि 22-23 दिसंबर की रात से पहले इनका क्या अधिकार था। इन दलीलों पर जस्टिस अशोक भूषण ने कहा, हिंदू शुरू से उस जगह के उपयोग (पूजा) का दावा करते रहे हैं। धवन ने कहा कि मजिस्ट्रेट को गलती जारी रखने के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। मजिस्ट्रेट पर मुकदमा नहीं हो सकता। मजिस्ट्रेट सिर्फ कानून के प्रति कर्तव्य निर्वहन करता है। इसलिए इसे लगातार जारी रहने वाली गलती नहीं कहा जाएगा और इस आधार पर उनका मुकदमा समय बाधित नहीं माना जाएगा।

ट्रस्टी और सेवादार में अंतर है : धवन ने कहा, कानून की निगाह में ट्रस्टी और सेवादार में अंतर है। सेवादार मालिक नहीं होता। निर्मोही अखाड़ा सिर्फ सेवादार है। इसलिए उसकी अपील में अन्य चीजों पर जताया गया हक सही नहीं है। निर्मोही बाहर राम चबूतरे पर पूजा करते थे उन्होंने अंदर कभी हक नहीं जताया सिर्फ 22-23 दिसंबर की रात की घटना के बाद से वह अंदर दावा कर रहे हैं।

अयोध्या मामले के लाइव प्रसारण पर 16 को होगी सुनवाई

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट अयोध्या राम जन्मभूमि मामले की सुनवाई के लाइव प्रसारण की मांग पर 16 सितंबर को सुनवाई करेगा। बुधवार को गोविंदाचार्य की ओर से पेश वरिष्ठ वकील विकास सिंह ने अयोध्या मामले की सुनवाई कर रही मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय पीठ के समक्ष याचिका का जिक्र करते हुए शीघ्र सुनवाई की मांग की। विकास सिंह ने कहा कि यह याचिका चल रही सुनवाई से संबंधित है इसलिए कोर्ट को इस पर जल्दी सुनवाई करनी चाहिए।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि उन्होंने याचिका को सुनवाई पर लगाने का चैम्बर में प्रशासनिक आदेश जारी किया है और इस याचिका पर कोर्ट 16 सितंबर को सुनवाई करेगा। याचिका में गोविंदाचार्य ने सुप्रीम कोर्ट के गत वर्ष के आदेश को आधार बनाते हुए कहा है कि अगर लाइव प्रसारण संभव न हो तो कम से कम रिकार्डिंग ही कराई जाए और बाद में उसकी ब्योरा जारी किया जाए।

कांग्रेस ने कहा, आर्थिक मंदी दूर करने की कमान खुद थामें प्रधानमंत्री

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- आटो सेक्टर मंदी के लिए ओला-उबर पर ठीकरा फोड़ने के लिए वित्त मंत्री को लिया आड़े हाथ
- सिंघवी ने कहा- मंदी का असर चौतरफा, रोजगार से लेकर बाजार में वस्तुओं-सेवाओं की मांग घटी

कांग्रेस ने अर्थव्यवस्था को गहरे संकट में घिरे होने का आरोप लगाते हुए कहा है कि समस्या का समाधान निकालने की बजाय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण हालात का मजाक उड़ा रही हैं। आटोमोबाइल सेक्टर में मंदी के लिए ओला-उबर को जिम्मेदार ठहराने के वित्त मंत्री के बयान को हास्यास्पद बताते हुए पार्टी ने कहा कि अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में मंदी का असर है। ऐसे में प्रधानमंत्री को खुद हालत संभालने के लिए आगे आकर कदम उठाना चाहिए।

कांग्रेस प्रवक्ता अभिषेक सिंघवी ने पीएम की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा, आखिर वह क्यों हालत पर बोलने से बच रहे हैं? मंदी की इस हालत में भारत पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य कैसे हासिल करेगा? वाहन उद्योग में मंदी के लिए एप आधारित टैक्सी सेवा कंपनियों ओला-उबर को जिम्मेदार ठहराकर वित्त मंत्री हास्यास्पद बातें कर रही हैं। उन्हें देश से माफी मांगनी चाहिए। सिंघवी ने कहा, जीडीपी दर में गिरावट को भी उन्होंने विकास का हिस्सा करार दिया था। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि आटोमोबाइल सेक्टर का संकट बीते एक साल से अधिक से चल रहा है मगर सरकार ने बजट में इसका हल नहीं निकाला। वाहन उद्योग के संगठन सियाम के ताजा आंकड़ों के अनुसार अगस्त में वाहनों की ब्रिकी में 31 फीसद की गिरावट आई है जो पिछले 19 सालों की सबसे खराब स्थिति है। 30,000 से ज्यादा लोगों की नौकरी गई है। सिंघवी ने कहा कि साफ है कि आर्थिक मंदी का असर चौतरफा गांव-शहर सभी जगह है।

आटो सेक्टर की मंदी के लिए नए जमाने के लोगों की सोच को जिम्मेदार ठहराने के वित्त मंत्री के बयान का उल्लेख करते हुए सिंघवी ने कहा कि इस तर्क के हिसाब से सरकार रियल एस्टेट सेक्टर की मंदी के लिए भी इसी वर्ग को दोषी मान रही हैं। क्योंकि अर्थव्यवस्था की मौजूदा हालत में यह वर्ग मकान खरीदने की बजाय किराए के मकान में रहने को तवज्जो दे रहा है। रियल एस्टेट सेक्टर अर्थव्यवस्था की सेहत का बड़ा संकेतक माना जाता है और हकीकत यह है कि महानगरों और 30 बड़े शहरों में 12.76 लाख नए बने मकान खरीदारों की बाट जोह रहे हैं। जिन्हें बिकने में चार से सात साल लग जाएंगे।

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि आर्थिक मंदी की वजह से मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में 35 लाख तो कृषि क्षेत्र में 2.60 करोड़ से अधिक रोजगार के अवसर घट गए हैं। भारत का निर्यात और व्यापार कई वर्षों के मुकाबले सबसे निचले स्तर पर आ गया है। सरकार का वित्तीय घाटा काफी बढ़ गया है और इसके असली आंकड़े छिपाए जा रहे हैं, जिस पर कैग ने भी सवाल उठाया है। सिंघवी ने कहा कि अर्थव्यवस्था की इन चुनौतियों की वजह से वजह से बाजार में वस्तुओं और सेवाओं की मांग घटी है और वित्त मंत्री सच कुबूलने की बजाय बेतुके बयान देकर हालत की गंभीरता को छुपाने का नाकाम प्रयास कर रही हैं।

चीन सीमा पर अगले माह सेना का बड़ा संयुक्त युद्धाभ्यास

- अरुणाचल में जुटेंगे सेना की माउंटेन स्ट्राइक कोर के 5000 जवान
- वास्तविक युद्ध जैसी स्थिति से निपटने का करेंगे अभ्यास, वायुसेना देगी साथ

नई दिल्ली, एएनआइ : भारतीय सेना की माउंटेन कोर के 5000 जवान वायुसेना के सहयोग से अरुणाचल प्रदेश में चीन सीमा के करीब अगले माह बड़ा युद्धाभ्यास करेंगे। ये जवान वास्तविक युद्ध जैसी स्थिति से निपटने के कौशल का अभ्यास करेंगे। हाल ही में गठित 17 माउंटेन स्ट्राइक कोर के जवान पूर्वी कमान के अंतर्गत पिछले पांच-छह महीने से इसकी तैयारी कर रहे हैं। चीन सीमा के करीब पहली बार इस प्रकार के युद्धाभ्यास का आयोजन किया जाएगा।

सेना के शीर्ष सूत्रों के अनुसार, 'युद्धाभ्यास के तहत तेजपुर के 4 कोर को अपने क्षेत्र की रक्षा के लिए ऊंचाई पर तैनात किया जाएगा। दूसरी तरफ, उनके खिलाफ युद्ध के लिए वायुसेना 17 माउंटेन स्ट्राइक कोर के एक ब्रिगेड आकार के बल (2500 से ज्यादा सैनिक) को एयरलिफ्ट करेगी।' उन्होंने बताया कि बंगाल के बागडोगरा से सैनिकों को एयरलिफ्ट करने के लिए सी-17, सी-130जे सुपर हरक्युलस और एएन-32 जैसे एयरक्राफ्ट का इस्तेमाल किया जाएगा। इन सैनिकों को अरुणाचल प्रदेश के 'युद्ध क्षेत्र' के करीब छोड़ा जाएगा।

17 माउंटेन स्ट्राइक कोर 59 माउंटेन डिवीजन का हिस्सा होगी। यह लाइट होवित्जर तोपों, अत्याधुनिक हथियारों व वाहनों से लैस होगी। अभ्यास का उद्देश्य पहाड़ी क्षेत्र में चीन के साथ युद्ध की स्थिति के लिए 17 माउंटेन स्ट्राइक कोर को प्रभावी बनाना है। इसके तहत युद्ध रचना को समेकित युद्ध समूहों (आइबीजी) में तब्दील किया जा रहा है। यह कवायद जनरल विपिन रावत की पुनर्गठन प्रक्रिया का हिस्सा है।

सूत्रों ने बताया कि आइबीजी गठित होने के बाद इसे युद्ध कुशल इकाई में तब्दील कर दिया जाएगा। यह दुश्मनों के खिलाफ ज्यादा तेजी से कार्रवाई और उसे ज्यादा चोट करने की क्षमता रखेगी। आइबीजी में इनफेंट्री, टैंक रेजीमेंट्स, आर्टिलरी, इंजीनियर और सिग्नलों को समेकित रूप से शामिल किया जाएगा।

लड़कियों को परिवार को सौंपने पर आज फैसला सुनाएगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि वह बिहार के मुजफ्फरपुर शेल्टर होम की लड़कियों को उनके परिवार को सौंपने के बारे में आदेश दे सकता है। शेल्टर होम में यौन हमले की शिकार लड़कियों का मामला पिछले वर्ष सुर्खियों में रहा था। एनजीओ संचालित शेल्टर होम में कई लड़कियां यौन हमले की शिकार हुई थी। इसका सोशल आडिट करने वाले टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस (टीआइएसएस) की रिपोर्ट के बाद यह मुद्दा सामने आया था।

जस्टिस एनवी रमाना और जस्टिस अजय रस्तोगी की पीठ ने कहा कि वह लड़कियों को उनके परिवार को सौंपे के बारे में गुरुवार को फैसला सुनाएगी। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि टीआइएसएस की फील्ड एक्शन प्रोजेक्ट 'कोशिश' ने उसके सामने सील बंद लिफाफे में स्थिति रिपोर्ट सौंपी है। कहा है कि आठ लड़कियां उनके परिवारों को सौंपने के लायक हैं। टीआइएसएस की ओर से पेश वकील ने पीठ से कहा कि कोशिश ने पांच लड़कियों के परिवार से संपर्क किया है, उनके घर का दौरा करना बाकी है। कोशिश ने कहा है कि कुछ लड़कियों का परिवार उन्हें वापस लेने की इच्छा रखता है।

ग्राहक को ब्याज समेत चार करोड़ वापस करे बिल्डर

- राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने कहा, अपार्टमेंट पर कब्जा देने के लिए ग्राहक को अनिश्चितकाल तक इंतजार नहीं कराया जा सकता

नई दिल्ली, प्रेट्र : राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) ने एक बिल्डर को अपने ग्राहक को चार करोड़ रुपये से अधिक की राशि ब्याज समेत वापस करने का आदेश देते हुए कहा कि शिकायतकर्ताओं को अपार्टमेंट के कब्जे के लिए अनिश्चितकाल तक इंतजार नहीं कराया जा सकता।

आयोग ने हरियाणा के बिल्डर 'गोल्डन पीकॉक रेजीडेंसी प्राइवेट लिमिटेड' को आलोक कुमार नामक ग्राहक को चार करोड़ 12 लाख रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया। आलोक इस समय जापान में रहते हैं। आयोग ने इस बात पर गौर किया कि बुकिंग की तिथि से छह साल से अधिक समय के बाद भी निर्माण अभी पूरा नहीं हुआ है।

एनसीडीआरसी अध्यक्ष आरके अग्रवाल और इसकी सदस्य एम श्रीशा से कहा, 'शिकायतकर्ता को इकाई का कब्जा देने के लिए अनिश्चितकाल तक इंतजार नहीं कराया जा सकता।' आयोग ने इस पर भी गौर किया कि आलोक ने अपार्टमेंट खरीदने के लिए एक बैंक से कर्ज लिया था। इसने बिल्डर को आदेश दिया कि वह आलोक को मूल रकम के साथ ब्याज का भी भुगतान करे। इसके साथ ही आलोक को मुकदमे की लागत के तौर पर 25,000 रुपये देने को कहा है।

शिकायतकर्ता के अनुसार वह टोक्यो से भारत लौटने पर अपने लिए एक अपार्टमेंट बुक करना चाहते थे और इसीलिए उन्होंने 'गोल्डन पीकॉक रेजीडेंसी' की गुरुग्राम स्थित 'माइकल शूमाकर वर्ल्ड टावर' परियोजना में एक अपार्टमेंट बुक कराया तथा सितंबर 2015 तक कुल चार करोड़ 12 लाख रुपये दिए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि वह 2015 में जब भारत आए तो यह जानकर 'हैरानी' हुई कि 2015 से निर्माण कार्य पूरी तरह बंद है। बिल्डर से इस बारे में संपर्क किया तो उसकी ओर से बार-बार आश्वासन दिए जाने के बावजूद निर्माण कार्य आरंभ नहीं हुआ और अप्रैल 2018 में उन्होंने पाया कि बिल्डर का कार्यालय बंद है।

फारुख के लिए वाइको ने लगाई सुप्रीम कोर्ट में अर्जी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- राज्यसभा सदस्य वाइको ने याचिका दाखिल कर फारुख अब्दुल्ला को कोर्ट में पेश करने की मांग की है
- साथ ही उन्हें तमिलनाडु में 15 सितंबर को होने वाले कार्यक्रम में शामिल होने की छूट मांगी है

राज्यसभा सदस्य वाइको ने सुप्रीम कोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दाखिल कर जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारुख अब्दुल्ला को कोर्ट में पेश किए जाने की मांग की है। साथ ही याचिका में उन्हें 15 सितंबर को तमिलनाडु में होने जा रहे कार्यक्रम में शामिल होने की छूट देने की मांग की गई है।

वाइको की ओर से यह याचिका बुधवार को दाखिल की गई। याचिका में एमडीएमके पार्टी के महासचिव व राज्यसभा सदस्य वाइको ने कहा है कि वह हर साल तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री अन्नादुरई की याद में कांफ्रेंस रखते हैं। इस कांफ्रेंस में विभिन्न दलों के नेता बुलाए जाते हैं और वे कार्यक्रम में शामिल होते हैं। इस वर्ष 15 सिंतबर को यह कांफ्रेंस है। वाइको ने कहा है कि उन्होंने इसमें जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारुख अब्दुल्ला को निमंत्रण दिया है इस बारे में गत चार अगस्त को फारुख ने कांफ्रेंस में शामिल होने की सहमति जताई थी, लेकिन उसके बाद कोशिश करने पर उनसे संपर्क नहीं हो सका।

वाइको ने कहा है कि फारुख उनके पुराने मित्र हैं और उनके कार्यक्रमों में शामिल हो चुके हैं। कहा गया है कि याचिकाकर्ता ने गत 29 अगस्त को सरकार को चिट्ठी लिखी थी कि फारुख को कार्यक्रम में शामिल होने की इजाजत दी जाए, लेकिन सरकार की ओर से उनके पत्र का कोई जवाब नहीं दिया गया है।

फारुख अब्दुल्ला

वाइको फाइल फोटो

अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर मामले

आरोपित गौतम खेतान के वकील को लगाई कड़ी फटकार

सुप्रीम कोर्ट की तीखी टिप्पणी, न्याय खरीदा नहीं जा सकता

नई दिल्ली, प्रेट्र : अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर घोटाला मामले में कालाधन कानून को पिछली तारीख से लागू करने के मसले पर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस अरुण मिश्रा की अध्यक्षता वाली पीठ ने आरोपित गौतम खेतान के वकील को कड़ी फटकार लगाई। नाराज पीठ ने कहा, 'न्याय को इस तरह खरीदा नहीं जा सकता।'

दरअसल, गौतम खेतान के वकील दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ केंद्र सरकार की अपील पर जवाब दाखिल करने के लिए समय की मांग कर रहे थे। उनके इस रुख से नाराज सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह देर करने और मामले की सुनवाई कर रही पीठ से बचने की तरकीब है। पीठ ने कहा, 'हम आपकी कोशिश समझते हैं। हम इसके खिलाफ हैं। कुछ मत बोलिए। हम बेहद नाराज हैं। यह कोई तरीका नहीं है। आप इस पीठ से बचना चाहते हैं। न्याय को इस तरह विलंबित नहीं किया जा सकता। यह बकवास मत कीजिए। न्याय को इस तरह खरीदा नहीं जा सकता।' केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ से कहा कि इस मामले में कानून का महत्वपूर्ण सवाल निहित है।

जब पीठ ने कहा कि वह इस मामले पर 17 सितंबर को सुनवाई करेगी तब गौतम खेतान के वकील ने कहा, 'हम अपना जवाब (केंद्र की याचिका पर) दाखिल करना चाहते हैं। जवाब दाखिल करने के लिए हमें चार हफ्ते का समय दिया जाए।' उनकी इस दलील ने पीठ को और नाराज कर दिया। पीठ ने कहा, 'नहीं, इस तरह नहीं। इस तरह के काम की हम निंदा करते हैं। अदालत में आचरण का यह कोई तरीका नहीं है। इस तरीके से नहीं। यह खुली अदालत में नहीं होना चाहिए था। आप जो कर रहे हैं वो बेहद आपत्तिजनक है।'

पीठ ने आगे कहा, 'आप लोग वकील हैं और आपको कानून की रक्षा करनी चाहिए। आपने जिस तरह का आचरण किया है वह सही नहीं है।' इसके बाद गौतम खेतान के वकील ने माफी मांगते हुए कहा, 'मैं सिर्फ जवाब दाखिल करने के लिए समय देने का अनुरोध कर रहा था वो भी उतना, जितना अदालत देना चाहे।' इसके बाद अदालत ने उन्हें 17 सितंबर तक का समय दे दिया और मामले की अगली सुनवाई 18 सितंबर तय कर दी।

प्रवर्तन निदेशालय ने महिला मित्र से रतुल पुरी की मुलाकात पर जताया एतराज

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर घोटाले में छह दिन की रिमांड खत्म होने के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को रतुल पुरी को राउज एवेन्यू की विशेष अदालत में पेश किया। ईडी ने कहा कि पुरी को आठ दिन की रिमांड पर दिया जाए, लेकिन कोर्ट ने पांच दिन की ही रिमांड मंजूर की। ईडी ने रतुल की एक महिला मित्र से मुलाकात पर एतराज जताया, क्योंकि मामले में उनकी भूमिका संदिग्ध लग रही है।

रिमांड पर बहस के दौरान ईडी के वकील डीपी सिंह ने कहा कि छापेमारी के दौरान कुछ अहम कागजात बरामद किए गए थे और रतुल पुरी को इस मामले में एक अहम गवाह केके खोसला से आमना-सामना कराना है। ऐसे में जांच एजेंसी की आठ दिन की रिमांड मंजूर की जाए। रतुल के अधिवक्ता ने कहा कि ईडी फिर से आठ दिन की रिमांड मांग रही है, जो गलत है। जो दस्तावेज ईडी के अधिकारी यह कहकर दिखा रहे हैं कि ये रतुल के यहां से बरामद किए गए थे, हम वे दस्तावेज देख नहीं सकते। हर बार कोई न कोई काम कराने के लिए रिमांड मांगी जाती है।

ईडी ने 20 लोगों को समन भेजा, लेकिन छह दिन की रिमांड में उनसे पूछताछ नहीं हो पाई? अगर रतुल पुरी कुछ बता ही नहीं रहे और जांच में सहयोग नहीं कर रहे तो रिमांड लेने का क्या मतलब? फिर तो रतुल को जेल ही भेज दिया जाए। अदालत ने ईडी की दलीलें सुनने के बाद पांच दिन की रिमांड मंजूर कर दी।

कह के रहेंगे माधव जोशी

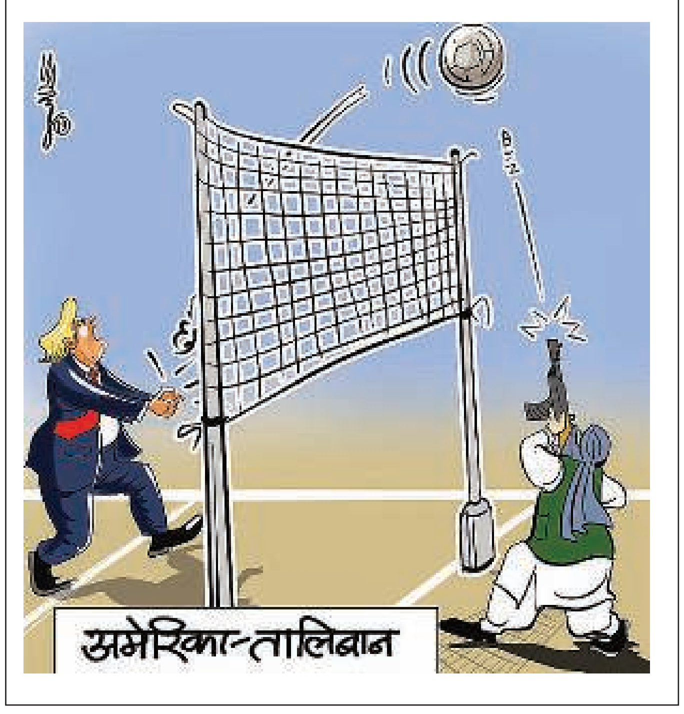

3.44 करोड़ नए किसान लाभार्थी जोड़े गए हैं प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से 100 दिन में। इसके तहत किसानों को सालाना छह हजार रुपये की राशि दी जाती है।

खुरपका–मुंहपका उन्मूलन में चुनौती बन सकती है वैक्सीन की कमी

सुरेंद्र प्रसाद सिंह, नई दिल्ली

- **तीन घरेलू कंपनियों की सालाना उत्पादन क्षमता है 61 करोड़ खुराक**
- **देश में हैं 60 करोड़ गाय–भैंस व 21 करोड़ भेड़–बकरियां**

मवेशियों के संक्रामक रोग खुरपका-मुंहपका (एफएमडी) के उन्मूलन अभियान को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को मथुरा से हरी झंडी दिखा दी है, लेकिन वैक्सीन की कमी इसकी सफलता की राह की सबसे बड़ी चुनौती बन सकती है। वैक्सीन का घरेलू उत्पादन मौजूदा जरूरत के मुकाबले बहुत कम है।

देश में एफएमडी जैसे घातक वायरस के चलते हर साल 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक का प्रत्यक्ष व परोक्ष नुकसान होता है। बरेली स्थित इंडियन वेटनरी इंस्टीट्यूट के एक वैज्ञानिक का कहना है कि भारत में एफएमडी के तीन तरह के वायरस पहचाने गए हैं। पशुओं में इस रोग का प्रकोप हो जाने के बाद उसका स्वास्थ्य, गर्भ धारण और दूध देने की क्षमता बुरी तरह प्रभावित होती है। कई बार तो पशुओं की मौत भी हो जाती है। सांड़ के पीड़ित होने पर कम से कम छह महीने तक उसका उपयोग गर्भाधान के लिए नहीं किया जा सकता। ऐसे पशुओं के मांस के निर्यात में भी मुश्किलें आती हैं।

इस बार अभियान में ऊंट, सूअर और याक आदि को भी किया गया शामिल : एफएमडी वैक्सीन बनाने वाली तीन घरेलू कंपनियों में हैदराबाद की इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स व ब्रिलिएंट बायोफार्मा और बेंगलुरु की बायोवेट प्राइवेट लिमिटेड की सालाना उत्पादन क्षमता 61 करोड़ खुराक है। इसके मुकाबले देश में गाय और भैंसों की संख्या 60 करोड़ और बकरी व भेड़ की संख्या 21 करोड़ है। इस बार के देशव्यापी अभियान में गाय, भैंस, बकरी व भेड़ के साथ ऊंट, सूअर और याक को भी शामिल किया गया है। इस हिसाब से वैक्सीन की सालाना एकल खुराक सीमित पशुओं को भी देने पर 20 करोड़ खुराक की कमी हो जाएगी। केंद्रीय पशुधन मंत्री गिरिराज सिंह ने पिछले सप्ताह कहा था कि यह अभियान देशव्यापी होगा, जो पोलियो की तर्ज पर साल में दो बार चलाया जाएगा। पूर्व में यह अभियान बारिश से पहले और खत्म होने के बाद चलाया जाता था।

वैक्सीन उत्पादन के क्षेत्र में निवेश बढ़ाने की सख्त जरूरत : वेटनरी वैज्ञानिकों के मुताबिक एशियाई देशों में तीन तरह के वायरस चिन्हित किए गए हैं। इन्हीं के हिसाब से भारत में वैक्सीन का उत्पादन किया जाता है। ऐसे में वैक्सीन का उत्पादन बढ़ाए बगैर एफएमडी मुक्त भारत बनाने का सपना पूरा करना आसान नहीं होगा। चालू वित्त वर्ष में 12.5 हजार करोड़ रुपये से अधिक का बजटीय प्रावधान किया गया है। वैक्सीन उत्पादन के क्षेत्र में निवेश बढ़ाने की सख्त जरूरत है। इस बार तो टीका लगाने के बाद पशुओं की टैगिंग की भी जाएगी, ताकि उस पशु के बारे में पूरी जानकारी मिलती रहे।

सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग बंद करने की अपील...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को मथुरा से 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग बंद करने की अपील की। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस मौके पर प्रधानमंत्री प्लास्टिक कचरा बीनने वाली महिलाओं से मिले व कचरा साफ करने में उनका हाथ भी बंटाया। जागरण

आज झारखंड से पूरे देश के लिए किसान मान धन योजना लांच करेंगे पीएम

राज्य ब्यूरो, रांची : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को झारखंड की धरती से राज्य व देश की जनता को कई अहम सौगात देंगे। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय स्तर पर किसान मान धन योजना, खुदरा व्यापारिक एवं स्वरोजगार पेंशन योजना तथा एकलव्य मॉडल विद्यालय का शुभारंभ रांची से करेंगे। इसके साथ ही झारखंड विधानसभा के नए भवन और साहिबगंज के मल्टी मॉडल टर्मिनल (बंदरगाह) का उद्घाटन कर वह झारखंड के लोगों को भी विशेष तोहफा देंगे। प्रधानमंत्री यहां 1,238 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले झारखंड सचिवालय के नए भवन का भी शिलान्यास करेंगे। किसानों को सामाजिक सुरक्षा कवच उपलब्ध कराने के लिए मासिक पेंशन के रूप में प्रधानमंत्री किसान मान धन योजना लागू की जा रही है। इस योजना के तहत 18 से 40 वर्ष के उम्र के किसानों का रजिस्ट्रेशन हो सकेगा। किसानों को 60 साल की उम्र पूरी होने के बाद 3000 रुपये मासिक पेंशन मिलेगी।

देश के खुदरा व्यापार करने वाले दुकानदारों और स्वरोजगार करने वाले को पेंशन की योजना से जोड़ने की पहल की है। इसके तहत 18 से 40 वर्ष के खुदरा व्यापारियों एवं दुकानदारों को भी 60 साल की उम्र पूरी होने के बाद 3000 रुपये प्रतिमाह पेंशन मिलेगी।

मप्र सरकार के खिलाफ भाजपा का घंटानाद

जताया विरोध ▶ 15 साल बाद फिर विपक्ष के तेवर में दिखाई दी भाजपा

विपक्ष में रहने के दौरान कांग्रेस खड़ा नहीं कर पाई थी कोई बड़ा आंदोलन

धनंजय प्रताप सिंह, भोपाल

मध्य प्रदेश में कमलनाथ सरकार के खिलाफ बुधवार को भाजपा ने पूरे राज्य में एकसाथ घंटानाद आंदोलन किया। 15 साल तक सत्ता सुख भोगने के बाद पहली बार भाजपा विपक्ष के तेवर में दिखाई दी। विधानसभा चुनाव 2018 में पराजित होने के नौ महीने बाद भाजपा कार्यकर्ता जनता के मुद्दों को लेकर सड़क पर उतरे और गिरफ्तारियां भी दीं।

घंटानाद आंदोलन के जरिये कमलनाथ सरकार के खिलाफ भाजपा ने जो हल्ला बोला है, उसने वर्ष 2002 में हुए विधानसभा के घेराव की याद ताजा कर दी। इसमें पार्टी ने बिजली-पानी और सड़क के मुद्दे पर तत्कालीन दिग्विजय सिंह सरकार के खिलाफ आंदोलन किया था। उसी तर्ज पर बुधवार को भाजपा के नेता सड़कों पर उतरे, अपना विरोध जताया और आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार हर मोर्चे पर फेल हुई है। कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद पहली बार भाजपा की तरफ से सूबे में राज्य सरकार के खिलाफ यह पहला राज्यव्यापी आंदोलन था।

मध्य प्रदेश सरकार के खिलाफ भाजपा के प्रदेश स्तरीय 'घंटानाद' प्रदर्शन के दौरान राजधानी भोपाल में बुधवार को पार्टी प्रदेश अध्यक्ष राकेश सिंह की अगुआई में कलक्ट्रेट का घेराव किया गया। इस दौरान पार्टी द्वारा तैयार करवाए गए रथ में कुंभकरण की वेशभूषा में एक कार्यकर्ता बैठा था। नईदुनिया

बड़े नेताओं ने लिया बढ़-चढ़कर हिस्सा : घंटानाद आंदोलन में पार्टी के सारे बड़े नेताओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रदेशाध्यक्ष राकेश सिंह ने जहां भोपाल की कमान संभाली, वहीं पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान विदिशा की सड़कों पर नजर आए। नेता प्रतिपक्ष गोपाल भार्गव ने जबलपुर में गिरफ्तारी दी तो इंदौर में पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन और पूर्व प्रदेशाध्यक्ष नंदकुमार सिंह चौहान ने मोर्चा संभाला। सागर में राज्यसभा सदस्य प्रभात झा शामिल हुए। सारे नेताओं ने जेपी आंदोलन की तर्ज पर घंटे, घड़ियाल, मंजीरे, शंख और थालियां बजाकर प्रदेश के सभी कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया। कई जगह पुलिस से झड़प भी हुई।

सरकार को नींद से जगाने को सड़क पर उतरेः राकेश सिंह : आंदोलन का मकसद बताते हुए भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष राकेश सिंह ने कहा कि हमने तय किया था कि कुंभकरण की नींद में सोने वाली इस कांग्रेस सरकार को नींद से जगाएंगे, इसीलिए ये घंटानाद आंदोलन कर पूरे प्रदेश में कार्यकर्ता सड़क पर उतरे। अगर अभी भी ये नींद से नहीं जागे तो भाजपा लगातार जनता के हितों के लिए सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन करेगी।

सरकार नहीं, गिरोह काम कर रहा है : नंदकुमार : इंदौर में आंदोलन खत्म होने के बाद भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष नंदकुमार सिंह चौहान ने मीडिया से चर्चा में कहा कि मप्र में सरकार नहीं बल्कि गिरोह काम कर रहा है। इसकी वजह से आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

झा बोले – कुर्सी छोड़ दें कमलनाथ : सागर में भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रभात झा ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस की कमलनाथ सरकार जनता के बीच गिर चुकी है। अब सदन में गिरना शेष है। मेरी उन्हें सलाह है कि यदि वे सरकार नहीं चला पा रहे हैं तो कुर्सी छोड़ दें।

एएसआइ को आया अटैक : इंदौर में प्रदर्शन के दौरान भीड़ को रोक रहे रावजी बाजार थाने के एएसआइ मोइनुद्दीन शेख को हार्ट अटैक आ गया। उन्हें तत्काल पुलिस वाहन में अस्पताल ले जाया गया।

कमलनाथ ने आठ माह की तुलना 15 साल से करने को कहा : झाबुआ के पॉलीटेक्निक कॉलेज परिसर में बुधवार को जनसभा करते हुए मुख्यमंत्री कमलनाथ ने अपने आठ माह के कार्यकाल को भाजपा के 15 साल से तुलना करने को कहा। साथ ही अपने कार्यकाल को बेहतर बताया। वहीं, भाजपा के आंदोलन पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया विभाग की अध्यक्ष शोभा ओझा ने कहा कि आंदोलन के बजाय भाजपा को अपनी नाकामियों पर श्वेत पत्र लाना था।

हरियाणा में व्यापारियों और गरीबों को बीमा कवच, कर्मचारियों का बढ़ा वेतन

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

हरियाणा में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बड़े वर्ग को कवर करते हुए जनहित की करीब एक दर्जन बड़ी घोषणाएं की हैं। मुख्यमंत्री ने व्यापारियों, आम लोगों, किसानों और कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने वाली इन योजनाओं को वित्त विभाग की मंजूरी के बाद घोषित किया। सरकार ने करीब चार लाख छोटे और मंझोले व्यापारियों को मुख्यमंत्री-व्यापारी निजी दुर्घटना बीमा योजना तथा क्षतिपूर्ति बीमा योजना का लाभ दिया है।

इन दोनों योजनाओं में जीएसटी में रजिस्टर्ड व्यापारी लाभान्वित होंगे। इनकी संख्या करीब चार लाख है। राज्य सरकार ने आयुष्मान योजना में एक लाख 80 हजार रुपये तक की सालाना आय वाले सभी परिवारों को पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज देने की भी बड़ी घोषणा की है। अभी तक करीब 16 लाख लोग ही इस योजना में कवर हो रहे थे। अब आठ से दस लाख नए लोग आयुष्मान योजना का लाभ उठा सकेंगे।

बुधवार को विभागीय अधिकारियों के साथ मैराथन बैठकों के बाद मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने इन योजनाओं की शुरुआत की। सरकार ने अलग-अलग श्रेणी के कर्मचारियों का वेतन भी बढ़ाया है। मुख्यमंत्री-व्यापारी निजी दुर्घटना बीमा योजना में जीएसटी में रजिस्टर्ड व्यापारियों को असमय मृत्यु, बड़ी दुर्घटना और अपंगता की स्थिति में पांच लाख रुपये तक का लाभ दिया जाएगा। इन दोनों योजनाओं में समस्त बीमा प्रीमियम राज्य सरकार भरेगी, जो करीब 38 करोड़ रुपये सालाना है।

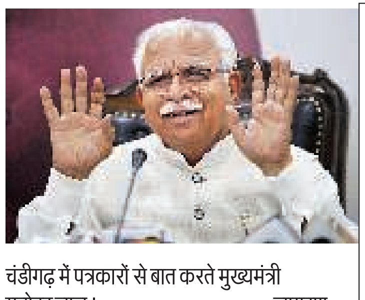

चंडीगढ़ में पत्रकारों से बात करते मुख्यमंत्री मनोहर लाल। जागरण

- **चुनाव से पहले मुख्यमंत्री मनोहर लाल हुए हर वर्ग पर मेहरबान**
- **जीएसटी में रजिस्टर्ड चार लाख व्यापारियों को पांच लाख तक दुर्घटना बीमा**
- **किसी भी कारण से बर्बाद हुए सामान की पांच से 25 लाख तक क्षतिपूर्ति**
- **आयुष्मान योजना में हरियाणा के 10 लाख नए लोगों को लाभ**

सोने चांदी के मुकुट उपहार में लेना मेरी संस्कृति नहीं

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़ : सोशल मीडिया पर वायरल हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल का एक वीडियो चर्चा में है। कांग्रेस ने सवाल उठाए तो मनोहर लाल ने उसे ही घेर लिया। कहा कि सोने–चांदी के मुकुट उपहार में ग्रहण करना उनकी संस्कृति नहीं रही है। यह कांग्रेस की संस्कृति है और कार्यकर्ता से सोने–चांदी के मुकुट मेरे ग्रहण नहीं करने को मुद्दा बनाना कांग्रेस के गले की फांस बनेगा। सीएम का वायरल वीडियो उनकी जनआशीर्वाद यात्रा के दौरान उकलाना का बताया जा रहा है, जिसमें सांसद बृजेंद्र सिंह मुख्यमंत्री को फरसा भेंट करते हैं। तभी पीछे से एक नेता मुख्यमंत्री को मुकुट पहनाने की कोशिश करता है। मुख्यमंत्री इस पर गुस्सा करते हैं और अपने कार्यकर्ता को कुछ बोलते हैं। यह वीडियो पूरा दिन सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला, पूर्व सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने इस वायरल वीडियो पर कहा कि ग़ुस्सा और अहंकार सेहत के लिए हानिकारक हैं।

अमेठी में बढ़ेंगी रेल सुविधाएं, बनेगा पर्यटन का हब : स्मृति

जागरण संवाददाता, अमेठी : केंद्रीय महिला एवं बाल विकास व वस्त्र मंत्री स्मृति ईरानी बुधवार को दो दिवसीय दौरे पर अपने संसदीय क्षेत्र अमेठी पहुंचीं। यहां उन्होंने रेल परियोजनाओं का निरीक्षण किया और पर्यटन की दृष्टि से अमेठी शहर को विकसित करने की योजना को अमलीजामा पहनाने का फिर भरोसा दिलाया।

स्मृति की पहल पर नगर पंचायत बोर्ड ने सगरा तालाब को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव पास कर शासन को भेज दिया है। जिले के पांच अन्य धार्मिक स्थल भी स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत विकसित किए जाएंगे। स्मृति ने कहा कि वह अमेठी को रेलवे व पर्यटन की दृष्टि से विकसित करना चाहती हैं। रेलवे परियोजनाओं के निरीक्षण के साथ ही उन्होंने यात्री सुविधाओं में बढ़ोतरी करते हुए अमेठी-रायबरेली रेलखंड के पांच रेलवे स्टेशनों पर वाई-फाई सेवा का भी शुभारंभ किया।

जिले के मुसाफिरखाना कस्बे में गौरीगंज मार्ग पर ओवरब्रिज के नीचे केंद्रीय मंत्री व अमेठी सांसद स्मृति ईरानी के विरोध में पोस्टर लगाए गए हैं। पोस्टर में लिखा है अमेठी के किसानों का अपमान करने वालीं सांसद स्मृति आप बताइए कि आपने अमेठी में कहां किसानों को कीचड़ से अनाज चुनते हुए देखा। पोस्टर में जय बहादुर यादव का नाम भी लिखा हुआ है।

राकांपा के वरिष्ठ नेता गणेश नाइक 48 सभासदों के साथ भाजपा में

राज्य ब्यूरो, मुंबई

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के वरिष्ठ नेता व पूर्व मंत्री गणेश नाइक दो पुत्रों और नवी मुंबई म्यूनिसिपल कारपोरेशन के 48 सभासदों के साथ बुधवार को भाजपा में शामिल हो गए। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व मंत्री हर्षवर्धन पाटिल ने भी भाजपा का दामन थाम लिया। इस दौरान महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस भी उपस्थित रहे।

नाइक के आने से भाजपा को नवी मुंबई में व पाटिल से राकांपा प्रमुख शरद पवार के गढ़ बारामती में मजबूती मिलेगी। इन दोनों नेताओं के भाजपा में शामिल होने पर न सिर्फ कांग्रेस-राकांपा, बल्कि शिवसेना में भी बेचैनी साफ दिख रही है। कांग्रेस में रहे पाटिल ने कुछ समय पहले एक रैली करके राकांपा की तीखी आलोचना की थी।

इस पर कटाक्ष करते हुए शरद पवार की पुत्री एवं बारामती से राकांपा सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि झगड़ा जेठ से था तो पति को छोड़ने की क्या जरूरत थी? यानी, पाटिल को शिकायत राकांपा से थी तो कांग्रेस क्यों छोड़ी? दूसरी ओर, शिवसेना सांसद संजय राउत ने दल बदलने वालों को नसीहत दी है कि वे सिर्फ विधायक या सांसद बनने के लिए भाजपा या शिवसेना में न आएं। पहले हिंदुत्व की विचारधारा स्वीकार करें, फिर राजग की ओर रुख करें।

▶ **राकांपा से खिन्न कांग्रेस नेता हर्षवर्धन पाटिल भी हुए भाजपा के**

फड़नवीस ने कहा–पीएम मोदी के काम से प्रभावित नेता हो रहे भाजपा में शामिल

पार्टी में आने वाले नेताओं का स्वागत करते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने कहा कि अन्य दलों के नेता पद के लिए नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कामों से प्रभावित होकर भाजपा में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोग टिप्पणियां कर रहे हैं कि भाजपा में मेगा भर्ती अभियान चालू है। ऐसा कहने वालों को यह भी विचार करना चाहिए कि लोग उनकी पार्टी छोड़कर क्यों जा रहे हैं। फड़नवीस के अनुसार, लोगों को राज्य एवं देश में हो रहे काम दिखाई दे रहे हैं। इसलिए, लोगों का भरोसा भाजपा में बढ़ रहा है। माना जा रहा था कि एक दिन पहले ही कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे चुके वरिष्ठ नेता कृपाशंकर सिंह भी भाजपा में शामिल हो सकते हैं, लेकिन उन्होंने अभी किसी और दल में शामिल होने का फैसला नहीं किया है।

रैली से पहले नजरबंद किए गए पूर्व सीएम चंद्रबाबू समेत तेदेपा के कई नेता

अमरावती, एएनआइ : आंध्र प्रदेश में चलो अत्माकुर रैली में भाग लेने से रोकने के लिए पुलिस ने चंद्रबाबू समेत तेदेपा के कई नेताओं को नजरबंद कर दिया। सत्ताधारी वाईएसआर कांग्रेस पर राजनीतिक हिंसा का आरोप लगाते हुए तेदेपा ने बुधवार को रैली का आह्वान किया था। नजरबंद किए गए नेताओं ने राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और तेदेपा प्रमुख का बेटा नारा लोकेश भी शामिल है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा है कि मौजूदा राज्य सरकार नजरबंद कर उन्हें और तेदेपा के अन्य नेताओं पर नियंत्रण नहीं पा सकती।

आंध्र प्रदेश के पुलिस महानिदेशक डीजी सावांग ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू को एहतियात के तौर पर हिरासत में लिया गया है क्योंकि वह तनाव पैदा कर रहे थे और कानून एवं व्यवस्था की स्थिति बिगाड़ रहे थे। सत्ताधारी वाईएसआरसीपी के नेता लाव श्रीकृष्णा देवरायालु ने आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री गुंटूर जिले के पालनाडु में राजनीतिक प्रतिशोध की झूठी खबरें फैला रहे हैं। यह उनका रोजमर्रा का काम है। वह हमेशा हर चीज का राजनीतिकरण करते रहते हैं।

पुलिस ने बुधवार को तेदेपा प्रमुख चंद्रबाबू नायडू और उनके बेटे नारा लोकेश को अमरावती में उनके आवास में एहतियातन हिरासत में ले लिया। इसके विरोध में नायडू भूख हड़ताल पर बैठ गए। कृष्णा जिले में पूर्व विधायक और तेदेपा नेता तांगिराला सौम्या को को नंदीगामा कस्बे में नजरबंद कर दिया गया। जिस समय वह रैली में भाग लेने के लिए रवाना हो रही थीं उसी समय पुलिस ने कार्रवाई की। इसके विरोध में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ अपने घर के सामने वह धरने पर बैठ गईं। इसी तरह राज्य के विभिन्न हिस्सों में तेदेपा विधान पार्षदों पूर्व विधायकों एवं अन्य कार्यकर्ताओं को पुलिस ने नजरबंद कर दिया है। विजयवाड़ा में पूर्व मंत्री भूमा अखिल प्रिया को होटल के कमरे से बाहर नहीं आने दिया गया है।

क्या है तेदेपा के आरोप : तेदेपा ने वाईएसआर कांग्रेस पार्टी पर राजनीतिक हिंसा करने का आरोप लगाया है। पार्टी ने आरोप लगाया है कि सत्ताधारी दल के कार्यकर्ताओं ने उसके कम से कम आठ कार्यकर्ताओं की हत्या की है और कई पर हमले किए हैं।

अमरावती में बुधवार को तेदेपा प्रमुख चंद्रबाबू नायडू के बेटे नारा लोकेश को अत्माकुमार रैली से पहले ही पुलिस ने रोक दिया। एएनआइ

कोयंबटूर की बुजुर्ग महिला को धर्मेंद्र प्रधान ने दिलाया मुफ्त एलपीजी कनेक्शन

धर्मेंद्र प्रधान फाइल

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : कोयंबटूर में एक रुपये में इडली खिलाने वाली 80 वर्षीय बुजुर्ग महिला के संघर्ष की कहानी पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को छू गई। उन्होंने त्वरित कार्रवाई करते हुए महिला के काम को आसान बनाने के लिए मुफ्त एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध करा दिया। मंत्री की तत्परता की सोशल मीडिया पर खूब प्रशंसा हो रही है।

बुजुर्ग कमलाथल के संघर्ष और सेवा की कहानी देश के बड़े उद्योगपति आनंद महिंद्रा को भा गई। उन्होंने कमलाथल के संघर्ष की कहानी एक वीडियो के साथ ट्विटर पर साझा की और लिखा, एक व्यक्ति अपनी इच्छाशक्ति से समाज में बड़े और बदलाव लाने वाला काम कर सकता है। उन्होंने लोगों से महिला का पता लगाने की गुजारिश करते हुए उसकी मदद की इच्छा जाहिर की।

प्रधान ने अबूधाबी से ही कोयंबटूर के अधिकारियों को दिया निर्देश : केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को जब महिला के संघर्ष की कहानी पता चली तो उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात के अबूधाबी से ही कोयंबटूर स्थित भारत पेट्रोलियम के अधिकारियों से बात की। उन्होंने बुजुर्ग महिला को मुफ्त एलपीजी कनेक्शन मुहैया कराने का निर्देश दिया।

खुश हैं गांव के लोग, मंत्री को दिया धन्यवाद : बुजुर्ग को मुफ्त एलपीजी सिलेंडर मिलने से गांव के लोग खुश हैं। केंद्रीय मंत्री ने जिस तत्परता से महिला को सिलेंडर उपलब्ध कराया, उसकी सोशल मीडिया पर काफी प्रशंसा हो रही है। लोगों ने मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को धन्यवाद दिया।

संभावना

जनता दल यूनाइटेड को छह फीसद वोट मिलें तो मिल जाएगी तीन राज्यों में क्षेत्रीय दल की मान्यता

जदयू के लिए झारखंड से खुल सकता है राष्ट्रीय दल का दरवाजा

अरविंद शर्मा, पटना

नवंबर-दिसंबर में संभावित झारखंड विधानसभा चुनाव से बिहार की आस भी जुड़ी है। खासकर जदयू को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा प्राप्त करने के लिए एक महत्वपूर्ण बाधा पार कर जाने की उम्मीद है। अगर छह फीसद या उससे अधिक वोट मिल गए तो जदयू को बिहार समेत तीन राज्यों में क्षेत्रीय पार्टी का दर्जा मिल जाएगा।

नियमों के मुताबिक, किसी भी दल को राष्ट्रीय पार्टी बनने के लिए लोकसभा की दो फीसद सीटों के साथ कम से कम चार राज्यों में छह फीसद वोट चाहिए। झारखंड से जदयू के लिए आगे का रास्ता खुल सकता है। एक कदम का सफर बाकी रह जाएगा, जिसे जम्मू-कश्मीर से पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है।

लोकसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन नहीं करने के आधार पर चुनाव आयोग ने 18 जुलाई को भाकपा, राकांपा और तृणमूल कांग्रेस को नोटिस जारी करके पूछा था कि निर्धारित न्यूनतम वोट और सीटें नहीं मिलने के कारण क्यों न आपकी राष्ट्रीय मान्यता समाप्त कर दी जाए। नोटिस से साफ हो गया है कि कई दल अवसान की ओर हैं, जबकि जदयू का ग्राफ ऊपर चढ़ रहा है। लोकसभा में इसके 16 और राज्यसभा में छह सदस्य हैं।

बिहार के अलावा जदयू को अरुणाचल प्रदेश में भी क्षेत्रीय दल का दर्जा है। कुल 60 सदस्यीय विधानसभा में सात विधायक हैं। वोट फीसद 9.88 है। नगालैंड में पार्टी का एक विधायक है, लेकिन मतों के मामले में डेढ़ फीसद की कमी रह गई। 2018 के विधानसभा चुनाव में जदयू ने 13 प्रत्याशी उतारे थे। वोट मिले थे 4.5 फीसद। मणिपुर में भी अच्छी स्थिति है। झारखंड में पार्टी ने जोर लगा दिया है।

नीतीश कुमार फाइल

> राकांपा, तृणमूल, भाकपा, माकपा और बसपा जैसी पार्टियां अवसान की ओर हैं, जबकि जदयू उत्थान की ओर। जदयू को पहले भी राष्ट्रीय दर्जा प्राप्त था। फिर मिलेगा। झारखंड में अच्छी स्थिति है। जम्मू–कश्मीर से भी उम्मीद है। उसे मैं खुद देख रहा हूं।
>
> **–केसी त्यागी, राष्ट्रीय प्रधान महासचिव, जदयू**

सभी 81 सीटों पर लड़ने की तैयारी : जदयू के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव केसी त्यागी के मुताबिक, नीतीश कुमार की झारखंड में अच्छी स्वीकार्यता है। प्रशांत किशोर भी लगे हैं। सालखन मुर्मू को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने के बाद पार्टी की हैसियत तेजी से बढ़ी है। सभी 81 सीटों पर लड़ने की तैयारी है। वैसे तालमेल का विकल्प भी खुला है।

झारखंड में सत्ता में भी रह चुका है जदयू : बिहार से अलग होने के बाद झारखंड में भी जदयू का बेहतर प्रदर्शन रहा है। 2005 में हुए विधानसभा के प्रथम चुनाव में जदयू ने 18 सीटों पर प्रत्याशी उतारे थे, जिनमें छह विधायक जीत कर आए थे। चार फीसद वोट मिले थे। राजग सरकार में जदयू की भी हिस्सेदारी थी। हालांकि, 2009 में वोटों और सीटों दोनों में गिरावट आई। भाजपा के साथ गठबंधन में 14 सीटें मिलीं, जिनपर मात्र दो में जीत मिली। वोट भी घटकर चार से 2.78 फीसद पर आ गया। अब फिर से उठने का प्रयास है।

नीतीश ही बिहार में एनडीए के कैप्टन : सुशील मोदी

राज्य ब्यूरो, पटना : एनडीए के घटक दलों के कुछ मंझोले नेताओं की जुबानी जंग के बीच गठबंधन के दो दिग्गजों ने साफ कर दिया कि बिहार में अगला विधानसभा चुनाव भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा। बेशक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एनडीए का राष्ट्रीय चेहरा बने रहेंगे। बिहार की नैया नीतीश के नाम पर ही पार लगेगी। राज्य के उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी ने कहा कि नीतीश कुमार बिहार में एनडीए के कैप्टन हैं। 2020 के विधानसभा चुनाव में भी वही कैप्टन रहेंगे। जब कैप्टन चौका–छक्का लगाकर प्रतिद्वंदी टीम को परास्त कर रहा हो तो उसे बदलने का सवाल कहां उठता है। केंद्रीय मंत्री और लोजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामविलास पासवान ने कहा– नीतीश अच्छा काम कर रहे हैं। वही बिहार में एनडीए के नेता हैं। 2020 के विधानसभा चुनाव में राजग 225 सीट जीतेगा। उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी ने भी ट्वीट में कहा है कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में राजग 2020 का विधानसभा लड़ेगा। मालूम हो कि मोदी ने विधानसभा के बजट सत्र में भी जोर देकर कहा था कि नीतीश कुमार की अगुआई में ही बिहार विधानसभा का अगला चुनाव लड़ा जाएगा। बता दें कि दो दिन पहले भाजपा के एमएलसी संजय पासवान ने नीतीश कुमार को केंद्र की राजनीति करने की सलाह दी थी। इसके बाद से जदयू के कुछ नेता भी जुबानी जंग में शामिल हो गए थे। लोजपा सुप्रीमो रामविलास पासवान ने कहा कि बिहार में नीतीश कुमार ही राजग के सर्वमान्य नेता हैं।

37 दिनों में 245 से अधिक बार संघर्ष विराम तोड़ा है पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर में। आतंकवादियों की घुसपैठ करवाने के लिए पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा पर पिछले चार दिनों में ही 10 बार गोलाबारी की है।

फिर पख्तून और अफगान आतंकियों को घाटी में भेज रहा पाकिस्तान

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- गुलाम कश्मीर में लांच पैड पर घुसपैठ की फिराक में बड़ी संख्या में मौजूद हैं आतंकी
- अफगानी पासपोर्ट देकर पाकिस्तानी आतंकियों को भारत भेजने की भी कोशिश

पाकिस्तान तीस साल बाद एक बार फिर तालिबान से जुड़े पख्तून और अफगानी आतंकियों को कश्मीर में झोंकने की कोशिश में जुटा है। सुरक्षा एजेंसियों को मिल रही खुफिया रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान के कब्जे वाले गुलाम कश्मीर में बड़ी संख्या में आतंकियों को घाटी में घुसपैठ के लिए एकत्रित किया गया है। इनमें कई पख्तून और अफगान आतंकी भी शामिल हैं। यही नहीं, कुछ पाकिस्तानी आतंकियों को अफगानी पासपोर्ट देकर भी भारत भेजा जा रहा है। एजेंसियों को अफगानी पासपोर्ट पर ऐसे चार पाकिस्तानी आतंकियों के भारत पहुंचने की सूचना है।

सुरक्षा एजेंसियों से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि 1990 में आतंकवाद के शुरुआती समय में पाकिस्तान अफगान और पख्तून आतंकियों को कश्मीर भेजता रहा था। लेकिन धीरे-धीरे उसने उन्हें भेजना बंद कर दिया और घाटी के स्थानीय आतंकियों की भर्ती के साथ-साथ पाकिस्तान के पंजाब और गुलाम कश्मीर के युवाओं के ट्रेनिंग देकर घाटी में भेजने लगा। पिछले 30 साल में पहली बार पाकिस्तान को पख्तून और अफगान आतंकियों का सहारा लेना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यह पाकिस्तान की हताशा को दिखा रहा है कि घाटी में अशांति फैलाने के लिए वह किसी भी हद तक जा सकता है।

वहीं भारतीय सुरक्षा एजेंसियों का दावा है कि वह पाकिस्तान की हर चाल को नाकाम करने के लिए तैयार हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि 1990 और 2019 के बीच जमीन-आसमान का अंतर है। 1990 में घाटी में कानून व्यवस्था की स्थिति ध्वस्त थी। सीमा पर सुरक्षा के इंतजाम नहीं होने के कारण आतंकियों के आने-जाने पर कोई लगाम नहीं थी। हालात यह थे कि अकेले घाटी में पांच हजार से अधिक आतंकी सक्रिय थे। वहीं पिछले तीन दशक में सीमा पर घुसपैठ को नियंत्रित करने में काफी हद तक सफलता मिली है। हालात यह है कि मौजूदा समय में पाकिस्तान को घाटी में सक्रिय आतंकियों की संख्या को 200 से 300 के बीच बनाए रखने में पसीना बहाना पड़ रहा है, जो कि आतंकवाद को जिंदा रखने के लिए न्यूनतम संख्या मानी जाती है। पाकिस्तान की कोशिश नवंबर में बर्फबारी होने के पहले अधिक से अधिक आतंकियों को घुसपैठ कराने की है, क्योंकि बर्फ गिरने के बाद घुसपैठ करना आसान नहीं होगा। वहीं भारतीय सुरक्षा एजेंसियों की कोशिश किसी भी तरह अक्टूबर तक घुसपैठ को नहीं होने देने की है।

अफगान पासपोर्ट पर भारत में आने वाले पाकिस्तानी आतंकियों के बारे में पूछ जाने पर वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि खुफिया जानकारी मिलने के बाद उनकी पहचान की कोशिश की जा रही है। दरअसल अफगानिस्तान के साथ भारत के अच्छे रिश्ते के कारण अफगानियों को आसानी से भारतीय वीजा मिल जाता है। लेकिन अफगानिस्तान में तालिबान की मौजूदगी के कारण सुरक्षा एजेंसियां उन पर कड़ी नजर भी रखती है।

जम्मू-कश्मीर राज्य के पुनर्गठन को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

जेएनएन, जम्मू : जम्मू कश्मीर का पुनर्गठन कर इसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांटने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका को हाई कोर्ट ने खारिज कर दिया है। अब्दुल गनी भट्ट की तरफ से दायर याचिका में जम्मू कश्मीर पुनर्गठन कानून 2019 को असंवैधानिक घोषित करने की मांग की गई थी। साथ ही केंद्र सरकार को राज्य की स्वायत्तता में हस्तक्षेप न करने की हिदायत देने की अपील की थी।

याचिकाकर्ता ने दलील दी कि जब जम्मू कश्मीर का भारत में विलय हुआ तो रक्षा, विदेश मामलों व संचार सेवाओं को छोड़ संसद की ओर से पारित सभी कानून व आदेश राज्य में सीधे प्रभावी नहीं होने की मंजूरी दी गई थी। इसके लिए राज्य सरकार की मंजूरी अनिवार्य कर दी गई। केंद्र सरकार ने इन शर्तों का उल्लंघन कर जम्मू कश्मीर का पुनर्गठन किया है, लिहाजा इसे खारिज किया जाना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट में पहले से ही इन मुद्दों पर कई याचिकाएं दायर : हाई कोर्ट के जस्टिस अली मोहम्मद मार्गे ने पूरे मामले पर गौर करने के बाद पाया कि याची ने जो मुद्दे उठाए हैं, उन सभी को लेकर सुप्रीम कोर्ट में पहले से ही कई याचिकाएं दायर हैं। पांच सदस्यीय बेंच को अक्टूबर के पहले सप्ताह में इन पर सुनवाई करनी है।

डीजीपी ने कहा-बीते माह से राज्य का कोई युवा नहीं बना आतंकी

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

- पाकिस्तान हालात बिगाड़ने के लिए हर संभव कोशिश कर रहा
- बार्डर और एलओसी पर तैनात जवान घुसपैठ की साजिशों को कर रहे नाकाम

श्रीनगर में पत्रकारों को संबोधित करते जम्मू-कश्मीर के डीजीपी दिलबाग सिंह। एएनआइ

पुलिस महानिदेशक दिलबाग सिंह ने दावा किया है कि 5 अगस्त को अनुच्छेद 370 हटने के बाद से अब तक राज्य में एक भी स्थानीय युवा की आतंकी भर्ती नहीं हुई है। पहले जरूर कुछ नौजवान गुस्से में, शरारती तत्वों के दुष्प्रचार से गुमराह होकर जरूर आतंकवाद की तरफ चले गए थे। उनमें से कई को मुख्यधारा में वापस लाया गया है।

सोपोर में लश्कर आतंकी आसिफ मकबूल के मारे जाने के बाद पत्रकारों से बातचीत में डीजीपी ने कहा कि घाटी में तनाव के बावजूद हालात शांतिपूर्ण हैं। पाकिस्तान हालात बिगाड़ने के लिए हर संभव साजिश रच रहा है। सरहद पार से लगातार घुसपैठ की कोशिशें हो रही हैं। राजौरी, पुंछ, मच्छल, गुरेज, करनाह समेत विभिन्न सेक्टरों में बीते एक माह से लगातार घुसपैठ के प्रयास हो रहे हैं। बार्डर और एलओसी पर तैनात जवानों ने इन्हें पूरी तरह नाकाम बनाया है। घुसपैठ से संबधित कुछ सूचनाएं हैं।

तेजी से सामान्य हो रहे हालात : पुलिस महानिदेशक ने कहा कि मुझे खुशी है कि लोगों ने कानून व्यवस्था व शांति बनाए रखने में पूरा सहयोग किया है। स्थिति तेजी से सामान्य हो चली है। जम्मू संभाग के सभी 10 जिलों में स्थिति पूरी तरह सामान्य है, सभी स्कूल कॉलेज खुल रहे हैं, बाजार खुल रहे हैं, सड़कों पर आम लागों की आवाजाही सामान्य हो चुकी है। लेह व कारगिल में भी हालात पूरी तरह सामान्य हैं और वहां किसी भी तरह की प्रशासनिक पाबंदी नहीं हैं। घाटी में भी 90 प्रतिशत इलाके में दिन की प्रशासनिक पाबंदियों को पूरी तरह हटाया जा चुका है। नागरिक वाहनों की आवाजाही लगातार बढ़ रही है।

इंटरनेट पर जारी रहेगी रोक : डीजीपी ने कहा कि लैंडलाइन सेवा को पूरी तरह बहाल किया जा चुका है। उत्तरी कश्मीर के दो जिलों में मोबाइल सेवा भी बहाल हो चुकी है। वादी के अन्य जिलों में भी स्थिति की लगातार समीक्षा की जा रही है और जल्द ही वहां भी मोबाइल फोन सेवा बहाल होगी। हालांकि, इंटरनेट सेवाओं पर कुछ और समय तक पाबंदी रहेगी।

सभी लैंडलाइन बहाल, स्वास्थ्य केंद्र सक्रिय

बदलते हालात ▸ कुपवाड़ा में पोस्टपेड मोबाइल सेवा काम करने लगे हैं, सभी बैंकों के एटीएम भी चालू हो गए

आम लोगों की सुविधा के लिए 12 अतिरिक्त एयर टिकट काउंटर स्थापित किए गए हैं

नई दिल्ली, एएनआइ : जम्मू-कश्मीर में सभी लैंडलाइन फोन सेवा बहाल कर दी गई हैं। कुपवाड़ा जिले में पोस्टपेड मोबाइल फोन सेवा अब काम करने लगे हैं। इसके साथ ही स्कूलों में शिक्षकों और छात्रों की उपस्थिति में सुधार देखा जा रहा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी दी। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ने ट्वीट किया है, 'सभी लैंडलाइन बहाल हो गए हैं। कुपवाड़ा में पोस्टपेड मोबाइल काम कर रहे हैं। स्कूलों में शिक्षक-छात्र उपस्थिति सुधर गई है। सभी स्वास्थ्य केंद्र पूरी तरह से काम कर रहे हैं।'

प्रवक्ता ने कहा है कि सभी बैंक एटीएम काम कर रहे हैं और केवल जे एंड के बैंक से लोगों ने 108 करोड़ रुपये की निकासी की है। अन्य बैंकों का ब्योरा नहीं मिला है। पेट्रोलियम उत्पादों और अनाज का भंडार पर्याप्त है। हर जिला मुख्यालय में ई-टेंडरिंग, छात्रवृत्ति फार्म, रोजगार आवेदन के लिए इंटरनेट की व्यवस्था की गई है। आम लोगों और पर्यटकों की सुविधा के लिए 12 अतिरिक्त एयर टिकट काउंटर स्थापित किए गए हैं। जम्मू-कश्मीर प्रशान ने सूचित किया है कि राज्यपाल के सलाहकार के. स्कंदन ने राज्य परिवहन निगम के कामकाज की समीक्षा की है।

पंच, सरपंच ने मानदेय के नियमित भुगतान का आग्रह किया : जम्मू-कश्मीर में कुछ पंचों और सरपंचों ने गृह मंत्रालय से अपने मासिक मानदेय का नियमित भुगतान सुनिश्चित करने का आग्रह किया और मिलने वाली राशि को अत्यंत मामूली बताया। पंचों और सरपंचों के एक प्रतिनिधिमंडल ने गृह राज्यमंत्री जी कृष्ण रेड्डी से मुलाकात की और उन्हें अपने अनियमित भुगतान के बारे में बताया। उन्हें प्रतिमाह 2500 रुपये मानदेय मिलता है।

कश्मीर के ज्यादातर क्षेत्रों से दिन की निषेधाज्ञा हटाई

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

- सामान्य जनजीवन बहाल, श्रीनगर में जाम की स्थिति रही
- संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा कड़ी, दफ्तरों में उपस्थिति सामान्य रही

कश्मीर में हालात में सुधार आते ही बुधवार को प्रशासन ने ज्यादातर क्षेत्रों से दिन की निषेधाज्ञा हटा ली है। अधिकतर क्षेत्रों में दुकानें खुली रहीं। सड़कों पर वाहनों की आवाजाही बढ़ी है। श्रीनगर में तो कई जगह जाम की स्थिति पैदा हो गई। वहीं, शरारती तत्वों से निपटने के लिए सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त रहे।

गौरतलब है कि अनुच्छेद 370 निष्प्रभावी किए जाने के बाद कश्मीर में एहतियातन पाबंदियां लगाई गईं। हालात में सुधार देख प्रशासन ने पाबंदियों को धीरे-धीरे हटाना शुरू कर दिया है। अलबत्ता, मोहर्रम पर जरूर तीन दिन तक संवेदनशील क्षेत्रों में पाबंदियां लगाई गई थीं। बुधवार सुबह वादी के 111 में से करीब 96 पुलिस थाना क्षेत्रों से दिन की निषेधाज्ञा पूरी तरह हटा ली गई। कई इलाकों में रोजमर्रा के सामान से संबंधित दुकानें खुली रहीं। रेहड़ी-फड़ी वाले भी विभिन्न क्षेत्रों में मौजूद रहे। वाहनों और लोगों की आवाजाही भी सड़कों पर खूब रही। अंतर जिला टैक्सी सेवा व तिपहिया वाहन नजर आए। श्रीनगर के कर्णनगर, बटमालू, लालचौक, डलगेट सेक्शन पर कई जगहों पर जाम की स्थिति रही। सरकारी कार्यालयों में कर्मचारियों की उपस्थिति सामान्य रही। सभी आवश्यक सेवाएं भी दिनभर बहाल रहीं। हालांकि शरारती तत्वों से निपटने के लिए लालचौक और डाउन-टाउन के अलावा अन्य संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा के कड़ा बंदोबस्त रहे। अर्धसैनिकबलों की तैनाती बढ़ाई गई थी। शहर के बाहरी हिस्सों में कुछेक जगहों पर शरारती तत्वों ने बहाल होती सामान्य जिंदगी में खलल डालने का प्रयास किया, लेकिन उन्हें सुरक्षाकर्मियों ने नाकाम बना दिया। पुलिस नियंत्रण कक्ष में मौजूद एक अधिकारी ने बताया कि वादी में स्थिति पूरी तरह शांत और नियंत्रित रही है।

बुधवार को डल झील का आनंद लेने नौका लेकर निकले लोग। एएनआइ

यासीन मलिक के खिलाफ ताजा वारंट जारी

जेएनएन, जम्मू

राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और देश के तत्कालीन गृहमंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी डॉ. रूबिया सईद के अपहरण और वायुसेना के पांच अधिकारियों की हत्या मामले में टाडा कोर्ट ने जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) के मुखिया यासीन मलिक के खिलाफ ताजा वारंट जारी किया है। कोर्ट ने तिहाड़ जेल के प्रभारी को अगली सुनवाई के दौरान मलिक को पेश करने का निर्देश दिया है।

कोर्ट ने आरोप तय या खारिज करने पर बहस शुरू करने के लिए पहली अक्टूबर की तारीख निर्धारित की है। इसके साथ ही इस मामले में अन्य आरोपितों शौकत बख्शी, मुहम्मद रफीक, जावेद अहमद मीर, मंजूर अहमद सोफी, जावेद अहमद जरगर, मीर रफीक, वजाहत बशीर, मंजूर अहमद, मेहराज-उद-दीन व जमन मीर के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी करते हुए उनकी जमानत देने वालों को पेश करने का निर्देश दिया है।

गौरतलब है कि डॉ. रूबिया सईद अपहरण मामले में सीबीआइ चालान के मुताबिक श्रीनगर के सदर पुलिस स्टेशन में 8 दिसंबर 1989 को रिपोर्ट दर्ज हुई थी, जिसके अनुसार रूबिया मिनी बस में ललदेद अस्पताल श्रीनगर से नौगाम स्थित अपने घर जा रही थी। तभी कुछ अज्ञात बंदूकधारियों ने उसका अपहरण कर लिया था। सीबीआइ ने जांच पूरी करने के बाद 18 सितंबर 1990 को जम्मू की टाडा कोर्ट में आरोपितों के खिलाफ चालान पेश किया। सीबीआइ के दूसरे चालान के मुताबिक 25 जनवरी 1990 की सुबह करीब साढ़े सात बजे रावलपोरा में किराये पर रह रहे एयरफोर्स अधिकारी गाड़ी के लिए सनत नगर क्रॉसिंग पर खड़े थे, तभी आतंकियों ने उन पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। उस समय वहां एक महिला समेत करीब 40 एयरफोर्स अधिकारी मौजूद थे, जो गंभीर रूप से घायल हो गए। दो अधिकारियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य ने बाद में दम तोड़ दिया। यासीन मलिक इस समय नई दिल्ली की तिहाड़ जेल में कैद है।

यासीन मलिक। फाइल फोटो

- केस की अगली सुनवाई पहली अक्टूबर को निर्धारित
- तिहाड़ जेल के प्रभारी को अगली सुनवाई पर कोर्ट में पेश करने का निर्देश

बच्ची को गोली मारने वाला लश्कर आतंकी मुठभेड़ में ढेर

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

- सोपोर में हुई मुठभेड़ में तीन पुलिसकर्मी भी घायल
- धमकी भरे पोस्टर जारी कर जबरन बंद कराता था आसिफ मकबूल

राज्य में पाबंदियों में ढील के बाद दुकानें खोलने वालों को निशाना बना रहे लश्कर आतंकी आसिफ मकबूल को पुलिस ने सोपोर में मुठभेड़ के दौरान मार गिराया। उसने ही बीते दिनों ढाई साल की बच्ची समेत चार को गोली मारी थी। मुठभेड़ के दौरान तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। हालांकि सज्जाद मीर उर्फ अबु हैदर व अन्य आतंकी पकड़ में नहीं आए। उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है।

पुलिस महानिदेशक दिलबाग सिंह ने इसे सुरक्षाबलों के लिए बड़ी कामयाबी बताया है। आसिफ धमकी भरे पोस्टर जारी कर इलाके में जबरन बंद करा रहा था। उसने ही सोपोर फल मंडी को जबरन बंद कराया था। सोपोर के एसएसपी जावेद इकबाल ने बताया कि सोमवार को पकड़े गए लश्कर के आठ सदस्यीय माड्यूल से हमें कुछ अहम सुराग मिले थे। उस आधार पर हमने सज्जाद मीर उर्फ अबु हैदर व उसके साथियों को पकड़ने के लिए एक विशेष अभियान चलाया। बुधवार तड़के पता चला कि आसिफ मकबूल नूरबाग इलाके में है और वह किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने वाला है। इसके बाद सेना और सीआरपीएफ के जवानों के साथ मिलकर पुलिस ने कुछ जगहों पर विशेष नाके लगाए। नूरबाग के पास सुबह करीब नौ बजे एक नाका पार्टी ने रोका तो आतंकियों ने फायरिंग कर दी। मुठभेड़ में तीन सुरक्षाकर्मी जख्मी हो गए और आतंकी आसिफ मारा गया।

मालूम हो कि आसिफ मकबूल तीन माह पहले ही आतंकी बना था। उसने ही साथियों के साथ मिलकर बीते सप्ताह सोपोर में एक बाहरी श्रमिक शफीक सफी आलम पर हमला किया था। शुक्रवार को उसने बड़े फल व्यापारी हमीदुल्ला राथर की ढाई साल की पौत्री आसमा जान, उनके पुत्र अरशद हुसैन व दो अन्य व्यापारियों को भी गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। इन व्यापारियों ने दुकानें खोली थी, जिससे वह नाराज थे।

ब्लॉक विकास परिषद के चुनाव अक्टूबर के पहले पखवाड़े में

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर : राजनीतिक गतिविधियों को गति देने और लोकतंत्र को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने के लिए राज्य प्रशासन ने ब्लॉक विकास परिषद (बीडीसी) के गठन की प्रक्रिया को 31 अक्टूबर तक पूरा करने का फैसला किया है। इसके चुनाव इस माह के अंत में या फिर अक्टूबर के पहले पखवाड़े में होंगे। मतदाता सूचियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

गौरतलब है कि राज्य में पंचायत चुनाव बीते साल दिसंबर में संपन्न हुए थे, लेकिन ब्लॉक विकास परिषद और जिला योजना एवं विकास बोर्ड का गठन तत्कालीन परिस्थितियों के कारण नहीं हो पाया था। राज्य प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार पंचायत राज व्यवस्था के दूसरे चरण को पूरा करने के लिए बीडीसी चुनाव जल्द कराना चाहती है। इस प्रक्रिया के बहाल होने से राज्य में 37 दिनों जारी हालात और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। इससे राज्य में विशेषकर कश्मीर में आम लोगों को राजनीतिक व लोकतांत्रिक गतिविधियों में शामिल करने में मदद मिलेगी। इससे ग्रामीण इलाकों में विकास कार्य तेज होंगे।

नैफेड पांच हजार करोड़ का सेब खरीदेगा

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

- आज से शुरू होगी खरीद, पूरी हुई तैयारी
- नैफेड पांच से आठ फीसद अतिरिक्त दाम पर खरीदेगा सेब

जम्मू-कश्मीर के फल उत्पादक अब बिचौलियों से मुक्त हो जाएंगे। नैफेड ने गुरुवार से राज्य की कुछ बड़ी मंडियों में सेब की खरीदारी की तैयारी पूरी कर ली है। पहले चरण में दो हजार करोड़ रुपये का बजट रखा गया है और सीजन की समाप्ति तक कुल पांच करोड़ रुपये सेब खरीदा जाएगा।

राष्ट्रीय भारतीय कृषि सहकारिता विपणन फेडरेशन (नैफेड) पहली बार किसानों से सेब खरीदेगा। राज्य सरकार ने प्रदेश से कुल आठ हजार करोड़ के सेब खरीदने की घोषणा की थी और इसके लिए नैफेड से संपर्क किया गया था। पहली बार उत्पादक बिना बिचौलियों के और वह भी बीते साल की तुलना में पांच से आठ प्रतिशत ज्यादा दामों पर सेब बेच सकेंगे। भुगतान भी चौबीस घंटे के भीतर बैंक खातों में स्थानांतरित होगा।

नैफेड के प्रबंध निदेशक संजीव चड्डा भी इस संदर्भ में बीते 20-22 दिनों में दो बार कश्मीर का दौर कर चुके हैं। राज्य बागवानी विभाग के एक अधिकारी के अनुसार सेब की खरीद का समय छह माह रखा गया है जो इसी माह से शुरू हो चुका है। इन छह महीनों के दौरान आठ हजार करोड़ रुपये का सेब खरीदने का लक्ष्य रखा गया है। नैफेड से कहा गया था कि वह किसानों से उनकी पूरी फसल खरीदे। अलबत्ता, वह साठ फीसद फसल खरीदने को राजी हुआ है। दिसंबर माह तक पांच हजार करोड़ रुपये का सेब खरीदने पर नैफेड ने अपनी सहमति दी है। पहले दो माह के दौरान श्रीनगर, सोपोर और शोपियां में करीब दो हजार करोड़ रुपये का निवेश नैफेड करेगा।

> नैफेड के सेब खरीदने से स्थानीय किसानों को लगभग दो हजार करोड़ रुपये का लाभ होगा। कुल मिलाकर इस प्रक्रिया से जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था में करीब पांच हजार करोड़ की बढ़ोतरी होगी। किसानों के लिए ही नहीं ट्रक चालकों, क्लीनरों, श्रमिकों के लिए भी रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।
>
> **-बीवीआर सुब्रहमण्यम, राज्य मुख्य सचिव**

देश में सेब के कुल उत्पादन का 73 फीसद के करीब जम्मू कश्मीर में ही पैदा होता है। बीते साल कश्मीर घाटी में 20 लाख मीट्रिक टन सेब पैदा हुआ था। स्थानीय अर्थव्यवस्था के विशेषज्ञों के अनुसार, कश्मीर में सेब उत्पादन व इससे जुड़ी इंडस्ट्री करीब 13 हजार करोड़ रुपये की है। वादी में पांच अगस्त के बाद से पैदा कानून व्यवस्था की स्थिति के चलते स्थानीय सेब उत्पादक देश के बाहर विभिन्न मंडियों में अपनी फसल का निर्यात नहीं कर पा रहे थे। आतंकी उन्हें मंडियों से दूर रहने का फरमान सुना रहे हैं और फरमान न मानने वालों को निशाना बना रहे हैं। किसानों की हालत को देखते हुए केंद्र सरकार ने नैफेड को स्थानीय किसानों से सेब खरीदने के लिए कहा।

पहले दो माह में दो हजार करोड़ की होगी खरीद : एक अधिकारी ने बताया कि केंद्र सरकार ने सेब उत्पादकों के लिए डायरेक्ट बेनिफिट स्कीम डीबीटी को लागू किया है। शुरुआत में श्रीनगर, सोपोर व शोपियां की मंडी में सेब की खरीद होगी। जैसे जैसे आवक बढ़ेगी, नई मंडियां बनाई जाएंगी। कोई अवांछित तत्व लाभ न ले सके, इसलिए प्रत्येक सेब उत्पादक की केवाईसी, आधार कार्ड और वोटर कार्ड के आधार पर पुष्टि कर उससे उसकी फसल खरीदी जाएगी।

लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की उठी मांग

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने जनजाति बहुल लद्दाख की सांस्कृतिक विरासत को बचाए रखने के लिए इसे संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग की है। आयोग ने इसे लेकर केंद्रीय गृह मंत्री और जनजातीय कार्य मंत्री को पत्र लिखे हैं।

आयोग की बुधवार को इस मुद्दे पर उच्चस्तरीय बैठक भी हुई। इसी में मांग को सरकार तक पहुंचाने का फैसला लिया गया। आयोग के अध्यक्ष नंदकुमार साय ने पत्र में कहा है कि लद्दाख ऐसा क्षेत्र है, जहां जनजाति की आबादी 97 प्रतिशत से अधिक है। ऐसे में इस क्षेत्र को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल किया जाना चाहिए।

आयोग का मानना है कि छठी अनुसूची में शामिल होने से पूरे क्षेत्र में शक्तियों का लोकतांत्रिक हस्तांतरण, विशिष्ट संस्कृति का संरक्षण और प्रोत्साहन, भूमि अधिकार सहित कृषि अधिकारों का संरक्षण तथा क्षेत्र के तीव्र विकास के लिए धन की उपलब्धता को बढ़ावा मिलेगा।

सच्चाई

कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के बाद गोपीनाथन ने दिया था इस्तीफा, कर्तव्यों का पालन नहीं करने पर गृह मंत्रालय ने मांगा था जवाब

कन्नन को जुलाई में मिला था कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली, आइएएनएस : कश्मीर घाटी में प्रतिबंध का हवाला देकर अगस्त में नौकरी छोड़ने वाले भारतीय प्रशासनिक अधिकारी (आइएएस) कन्नन गोपीनाथन को जुलाई में कर्तव्यों का पालन नहीं करने के विभिन्न मामलों में संलिप्त पाए जाने पर गृह मंत्रालय की तरफ से कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। केरल में 2018 में बाढ़ आने पर गोपीनाथन (33) के काम की प्रशंसा की गई थी। उन्होंने यह कहते हुए 21 अगस्त को अपने प्रतिष्ठित पद से इस्तीफा दे दिया था कि वे जम्मू एवं कश्मीर में पांच अगस्त से लागू प्रतिबंधों से परेशान हैं।

लेकिन अब यह तथ्य सामने आया है कि आइएएस अधिकारी के इस्तीफा देने से पहले उन्हें आठ जुलाई को कारण बताओ नोटिस भेजा गया था। इसमें केंद्र शासित प्रदेशों दमन एवं दीव और दादरा एवं नगर हवेली ने उनके मामले में गृह मंत्रालय को उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का प्रस्ताव भेजा था। केरल से एजीएमयूटी कैडर के 2012 बैच के अधिकारी को दादरा एवं नगर हवेली में बिजली एवं गैर पारंपरिक ऊर्जा विभाग के सचिव के रूप में तैनात किया गया था। दोनों केंद्र शासित प्रदेशों ने गृह मंत्रालय को बताया था कि गोपीनाथन ने कई मामलों में अपने कर्तव्यों का पालन नहीं किया है। यह अखिल भारतीय सेवा (व्यवहार) कानून 1968 के नियम (3) का उल्लंघन है। इसके बाद केंद्र ने गोपीनाथन को नोटिस जारी कर दिया था।

कन्नन गोपीनाथम। फाइल फोटो

केंद्र शासित प्रदेशों ने मंत्रालय को 11 जून को पत्र लिखकर बताया कि गोपीनाथन अवज्ञा, काम में ढीले-ढाले रवैये और ड्यूटी नहीं करने के मामलों में संलिप्त हैं। अधिकारी पर स्थाई प्रमाण पत्र जारी करने से संबंधित नीति में संशोधन करने के लिए एक फाइल दाखिल करने में नौ महीने की देरी करने समेत अन्य आरोप लगाए गए थे। दादरा एवं नगर हवेली में नरोली से शहीद चौक से समरवानी तक सड़क मार्गों के सुंदरीकरण के लिए अधिकारी को बिजली के तारों को अंडरग्राउंड बिछाने और बिजली के खंभों को एक स्थान से हटाकर दूसरे स्थान पर लगाने का काम मई 2018 तक पूरा करने का निर्देश दिया गया था। लेकिन खंभे दूसरे स्थान पर मार्च 2019 तक नहीं लगाए गए। नोटिस में कहा गया कि गोपीनाथन ने निर्धारित रिपोर्टिंग माध्यम को भी नजरअंदाज किया। नोटिस में कहा गया 26 जून 2018, 16 जुलाई 2018 और 15 अक्टूबर 2018 की तारीख के डीएनएच ऊर्जा वितरण कंपनी लिमिटेड के बोर्ड निदेशक की नियुक्ति के ऐसे तीन मामले भी इसमें शामिल हैं। गोपीनाथन ने सीधे प्रशासक के पास फाइल जमा की थी। नोटिस में लिखा है कि गोपीनाथन ने केरल में भारी बाढ़ के बीच संबंधित अधिकारियों से मुलाकात करने और बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए केंद्र शासित प्रदेश की तरफ से मदद करने की योजना तैयार करने के लिए केरल का दौरा किया। लेकिन उन्होंने वहां से लौटने पर कोई रिपोर्ट जमा नहीं की। इसके अलावा, उनको सार्वजनिक प्रशासन में नवोन्मेष की विभिन्न श्रेणियों में प्रधानमंत्री के पुरस्कार के लिए नामांकन तैयार करने का निर्देश दिया गया। लेकिन उन्होंने यह भी नहीं किया।

कश्मीर पर पटेल सही थे, नेहरू गलत : रविशंकर

राज्य ब्यूरो, अहमदाबाद

- केंद्रीय मंत्री बोले-सरदार अधिक समय जीवित रहते तो राममंदिर भी बन जाता

केंद्रीय कानून एवं न्यायमंत्री रविशंकर ने कहा है कि जम्मू और कश्मीर के मामले में सरदार पटेल सही थे, पंडित नेहरू गलत थे। सरदार अधिक समय तक जीवित रहते तो राममंदिर भी बन गया होता। रविशंकर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत आज वैश्विक शक्ति बनकर उभरा है। आर्थिक मजबूती, रोजगार व नए मोटर व्हीकल एक्ट के समर्थन में भी रविशंकर खुल कर बोले।

केंद्र सरकार के दूसरे कार्यकाल के 100 दिन पूरे होने पर अहमदाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन के सभागार में पत्रकारों को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री रविशंकर ने बताया कि जम्मू कश्मीर को लेकर यह मान लिया गया था कि वहां कुछ नहीं हो सकता लेकिन अनुच्छेद 370 हटाकर केंद्र ने एक ऐतिहासिक व युगांतकारी काम किया है। उन्होंने कहा कि कश्मीर मुद्दे पर देश के प्रथम गृहमंत्री सरदार पटेल सही थे जबकि प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू गलत थे। भाजपा के एक कार्यक्रम में रविशंकर ने यह भी कहा कि सरदार अधिक समय जीवित रहते तो राममंदिर बन गया होता। गौरतलब है कि सोमनाथ मंदिर के जिर्णोद्धार का पूरा श्रेय सरदार को ही जाता है।

रविशंकर ने कहा कि सरकार ने 100 दिन में दमदार पहल व निर्णायक फैसले किए हैं। फिर मामला तत्काल तीन तलाक का हो, लैंगिक उत्पीड़न से बच्चों के संरक्षण के अधिनियम का हो या जनहित में बड़े फैसले करना हो। रविशंकर ने दोहराया कि सरकार कश्मीरियों की जमीन नहीं लेगी। वहां की सरकारी जमीन का ही औद्योगिक विकास के लिए उपयोग करेगी। उनका कहना है कि कश्मीर में एक भी गोली नहीं चली। अलगाववाद व आतंकवाद पर नकेल कस दी गई है। रविशंकर ने यह भी कहा कि अनुच्छेद 370 के कारण कश्मीर में भारत के कई अहम कानून लागू नहीं होते थे। इनमें से एक प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट भी है। अब वहां हुई सरकारी धन की लूट की जांच होगी। कश्मीर व तीन तलाक को लेकर कांग्रेस के रुख पर रविशंकर ने नाराजगी जताते हुए कहा कि उनके नेताओं के अलग-अलग विरोधाभासी बयान आने से पार्टी का रुख ही स्पष्ट नहीं हो सका है। उन्होंने कहा कि महिला उत्पीड़न व दुष्कर्म जैसे मामलों में पीड़िता को तुरंत न्याय दिलाने के लिए 1023 फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाएगी, ताकि महिलाओं को तुरंत न्याय मिल सके। इनमें से अकेले गुजरात में 35 फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित होंगी। रविशंकर ने कहा कि सरकार अब तक 1500 पुराने कानूनों को समाप्त कर चुकी है तथा इस सरकार के 100 दिन के कार्यकाल में 58 नए कानून बनाए गए व 56 भ्रष्ट अफसरों को हटाया गया।

उन्होंने कहा कि भारत आर्थिक मोर्चे पर मजबूती से खड़ा है। मंदी जैसी बात को सिरे से खारिज करते हुए रविशंकर बोले की महंगाई, मुद्रास्फीति नियंत्रण में है। विकास दर एक तिमाही की भले पांच फीसद रही है लेकिन उससे देश की सेहत पर खास असर नहीं है। उनका कहना है कि आर्थिक गति के सभी पैमानों में भारत मजबूती से आगे बढ़ रहा है। रोजगार छिन जाने के आंकड़ों पर रविशंकर ने कहा कि एनएसएसओ के पूर्वाग्रह व गलत ड्राफ्ट के चलते ऐसा हुआ।

2219 करोड़ रुपये के एमओयू साइन हुए हैं हिमाचल प्रदेश में। बाहरी निवेशकों को लुभाने के लिए मनाली में हुए मिनी कॉन्क्लेव में देश व प्रदेश के 200 से अधिक निवेशकों ने भाग लिया।

कस्टम अधिकारियों के लिए सिरदर्द बनी जब्त की गई विलायती शराब

हरिकिशन शर्मा, नई दिल्ली

उपाय सुझाने के लिए लिकर डिस्पोजल कमेटी बनाने का फैसला

जांच और छापेमारी में जब्त हुई विदेशी शराब कस्टम अधिकारियों के लिए सिरदर्द बन गई है। इस शराब को कहां बेचा जाए या इसका निपटारा किस तरह किया जाए, अफसरों के लिए यह चुनौती बन गया है। यही वजह है कि सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्सेज एंड कस्टम (सीबीआइसी) ने लिकर डिस्पोजल कमेटी (एलडीसी) बनाने का फैसला किया है जो अब तक जब्त की गई विदेशी शराब के निपटारे का तरीका सुझाएगी।

सूत्रों ने बताया कि कस्टम विभाग के एडीशनल कमिश्नर या ज्वाइंट कमिश्नर रैंक के अधिकारी की अध्यक्षता में बनने वाली एलडीसी में तीन और अधिकारी शामिल होंगे। यह कमेटी जरूरत पड़ने पर बैठक करेगी और जब्त की गई विदेशी शराब का निपटारा कैसे किया जाए, इस बारे में अपने सुझाव देगी। सीबीआइसी को यह कदम उठाने की जरूरत इसलिए पड़ी है क्योंकि कस्टम के गोदामों में भारी मात्रा में विदेशी शराब पड़ी है और इसका निपटारा नहीं हो पा रहा है। दरअसल अब तक कस्टम विभाग होटलों, रेस्टोरेंट, क्लब, इंडियन टूरिज्म डेवलपमेंट कारपोरेशन (आइटीडीसी) और रक्षा मंत्रालय की सीएसडी कैंटीनों को यह शराब बेच देता था, लेकिन अब वे इसकी खरीद नहीं कर रहे हैं। सीएसडी इसमें रुचि नहीं ले रहे हैं जबकि होटलों, रेस्टोरेंट और क्लब को कस्टम विभाग से यह शराब खरीदने के लिए स्टेट एक्साइज डिपार्टमेंट और फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआइ) से मंजूरी नहीं मिल रही है। वहीं, स्टेट एक्साइज अधिकारी इस शराब को बेचने की अनुमति भी नहीं दे रहे हैं। कस्टम के क्षेत्रीय अधिकारियों ने जब यह मामला बोर्ड के संज्ञान में लाया तो सीबीआइसी ने सीएसडी और एफएसएसएआइए के साथ इसकी चर्चा की। सीएसडी ने बोर्ड को दो टूक कह दिया कि वे विदेशी ब्रांड की शराब बड़ी मात्रा में सीधे खरीद रहे हैं और कस्टम के पास पड़ी जब्त विदेशी शराब को खरीदने की स्थिति में नहीं हैं। वहीं एफएसएसएआइ ने साफ कहा कि गुणवत्ता की जांच और अनापत्ति प्रमाणपत्र प्राप्त किए बगैर जब्त की गई विदेशी शराब को सेवन के लिए बाजार में नहीं बेचा जा सकता। अगर कस्टम विभाग इसे बाजार में बेचना चाहता है तो उसे 100 एमएल के दो सेंपल उसके पास भेजने होंगे जिनकी प्रयोगशाला में जांच की जाएगी। अगर ये सेंपल एफएसएसएआइ की जांच में फेल हो जाते हैं तो कस्टम को पूरे स्टॉक को नष्ट करना होगा।

यही वजह है कि सीबीआइसी ने बुधवार को इस संबंध में दिशानिर्देश जारी कर विदेशी शराब के निपटारे के लिए एलडीसी गठन करने का फैसला किया। अब कस्टम विभाग विदेशी शराब बेचने के लिए एफएसएसएआइ से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेगा और अगर उन्हें यह प्रमाणपत्र मिल जाता है तो विभाग ऑनलाइन नीलामी के जरिये इस शराब को बेच सकता है। अगर अनापत्ति प्रमाणपत्र नहीं मिलता है तो उस शराब को नष्ट कर दिया जाएगा।

सीबीआइ ने शोभन व अपरूपा की आवाज के नमूने लिए

जागरण संवाददाता, कोलकाता : आखिरकार नारद कांड में आवाज के नमूने देने के लिए कोलकाता के पूर्व मेयर शोभन चटर्जी और तृणमूल सांसद अपरूपा पोद्दार सीबीआइ के समक्ष पेश हुए। जांच अधिकारियों ने दोनों की आवाज के नमूने लिए। बता दें नारद मामले में गत दो सप्ताह के अंदर मंत्री सुब्रत मुखर्जी, सांसद प्रसून बनर्जी, पूर्व मंत्री मदन मित्रा, सांसद सौगत राय, आइपीएस एसएमएच मिर्जा आदि वॉयस सैंपल दे चुके हैं।

सूत्रों के अनुसार बुधवार पूर्वाह्न करीब साढ़े ग्यारह बजे पूर्व मेयर एवं वर्तमान में भाजपा नेता शोभन चटर्जी अपनी महिला मित्र वैशाखी बनर्जी के साथ निजाम पैलेस स्थित सीबीआइ कार्यालय पहुंचे। जांच अधिकारियों ने नारद स्टिंग मामले में उनकी आवाज के नमूने रिकार्ड किए। सूत्रों की माने तो स्टिंग ऑपरेशन के वीडियो फुटेज में शोभन चटर्जी जो बातें कहते हुए मिले थे उन्हीं बातों को लिखकर उनसे पढ़वाया गया। नमूनों को जांच के लिए फोरेंसिक लैब में भेजा जाएगा। सीबीआइ ने इससे पहले भी पूर्व मेयर शोभन और तृणमूल सांसद अपरूपा को तलब किया था। लेकिन शोभन ने पारिवारिक कार्य की वजह से दिल्ली में होने तथा अपरूपा ने बीमारी का हवाला देकर हाजिर होने में असमर्थता जताई थी।

सेक्स रैकेट में नाम आने के बाद विधायक की गिरफ्तारी की तैयारी

जागरण संवाददाता, आरा

पुलिस ने कोर्ट में दी अर्जी, अदालत ने आइओ से मांगी केस डायरी, भूमिगत विधायक की तलाश में जुटी पुलिस

बिहार के पटना और भोजपुर के चर्चित सेक्स रैकेट कांड में बुधवार को संदेश से राजद विधायक अरुण यादव की गिरफ्तारी को वारंट जारी करने के लिए पुलिस ने कोर्ट में अर्जी दाखिल की। कोर्ट ने मामले में डायरी समर्पित करने का आदेश दिया है।

बुधवार को केस के आइओ चन्द्रशेखर गुप्ता बुधवार की दोपहर आरा सिविल कोर्ट पहुंचे। पीड़िता के दोबारा दर्ज कराए गए 164 के बयान का हवाला देते हुए अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (प्रथम) सह पॉक्सो कोर्ट के विशेष न्यायाधीश आरके सिंह की अदालत में राजद विधायक की गिरफ्तारी का वारंट निर्गत करने के लिए अर्जी दी। पुलिस के अनुसार कोर्ट से वारंट निर्गत होने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल विधायक भूमिगत हो गए हैं। इस प्रकरण में कानूनी शिकंजा कसने के बाद अरुण यादव की मुश्किलें बढ़ गई हैं। पुलिस ने विधायक की तलाश शुरू कर दी है। अभी तक कोई सुराग नहीं मिल सका है। इस कांड की जांच में एसआइटी ने एक मोबाइल फोन भी जब्त किया है। मामले की मॉनीटरिंग पटना पुलिस मुख्यालय में वरीय अधिकारी भी कर रहे हैं। इस प्रकरण में अब तक संचालिका अनीता, उसके दलाल संजीत और अभियंता अमरेश के अलावा सेक्स रैकेट के संचालक संजय यादव उर्फ जीजा को पुलिस जेल भेज चुकी है।

बताते चलें कि छह सितंबर को पीड़ित किशोरी द्वारा आरा कोर्ट में दोबारा बयान दर्ज कराया गया था। दोबारा दिए गए बयान में पीड़िता ने साफ कहा है कि संचालिका अनिता पटना स्थित विधायक के आवास पर उसे लेकर गई थी। जहां उसके साथ गंदा काम किया गया। पीड़िता ने संचालिका पर उत्तर प्रदेश के लखनऊ एवं आरा में इंजीनियर के आवास पर ले जाने का आरोप भी लगाया है।

18 जुलाई को पटना में संचालित सेक्स रैकेट गिरोह के चंगुल से भागकर भोजपुर पुलिस के पास पहुंची किशोरी ने इंजीनियर समेत पटना सचिवालय स्थित एक विधायक के आवास पर भेजे जाने की बात कही थी। पकड़ी गई संचालिका अनीता देवी ने किशोरी को विधायक के आवास पर भेजे जाने की बात स्वीकार भी की थी। पीड़िता का पहली बार 20 जुलाई को आरा कोर्ट में बयान दर्ज हुआ था।

एसआइटी को चेतावनी जांच में तेजी नहीं तो केस सीबीआइ को देंगे

जागरण संवाददाता, नैनीताल : उत्तराखंड हाई कोर्ट ने करीब पांच सौ करोड़ के छात्रवृत्ति घोटाला मामले की जांच में ढिलाई पर एसआइटी को सख्त चेतावनी दी है। कोर्ट ने कहा है कि जांच में तेजी नहीं आई तो केस सीबीआइ को ट्रांसफर कर दिया जाएगा। कोर्ट ने एसआइटी के हलफनामे से असंतुष्ट होकर जल्द से जल्द हर बिंदु की जांच रिपोर्ट 30 सितंबर तक तथा हर दो सप्ताह में प्रगति रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। बुधवार को हाई कोर्ट में घोटाले की जांच के लिए बनी एसआइटी के 11 जिलों के अध्यक्ष आइजी संजय गुंज्याल व देहरादून व हरिद्वार जिले के अध्यक्ष एसपी मंजूनाथ टीसी हाई कोर्ट में पेश हुए। आइजी ने कोर्ट को बताया कि 11 अगस्त को एसआइटी गठित की गई थी, जिसके बाद समाज कल्याण विभाग से घोटाले से संबंधित सूचनाएं मांगी गईं। अब भी कुछ जिलों से सूचनाएं मिलनी बाकी हैं। जिलों में एसपी-एसएसपी के अधीन एसआइटी बना दी गई है। छह सितंबर को समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक हो चुकी है। वहीं एसपी मंजूनाथ ने भी दो जिलों में की गई जांच रिपोर्ट पेश की। कोर्ट ने अब तक जांच पर नाराजगी प्रकट करते हुए हर दो सप्ताह में जांच रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए।

हिमाचल के बद्दी में फैला डायरिया, बरेली की दो बच्चियों की मौत

संवाद सूत्र, बद्दी : हिमाचल प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्र बद्दी में डायरिया ने पांव पसार लिए हैं। डायरिया ने उत्तर प्रदेश के बरेली निवासी दो बच्चियों की जान ले ली। इसकी चपेट में आए करीब 40 लोग विभिन्न अस्पतालों में भर्ती हैं। दूषित पानी पीने से फैली बीमारी के शिकार अधिकतर उत्तर प्रदेश के बदायूं और बरेली जिले के रहने वाले हैं। ये हिमाचल व हरियाणा राज्य की सीमा से सटे क्षेत्र शाहपुर गांव में बनी झुग्गियों में रहते हैं।

हिमाचल व हरियाणा दोनों राज्यों के स्वास्थ्य विभाग ने अलर्ट जारी कर क्षेत्र के जलस्रोतों की जांच शुरू कर दी है। मरीजों को उपचार के लिए बद्दी, नालागढ़, कालका व चंडीगढ़ ले जाया गया है। इस गांव में करीब 200 झोपड़ियों में बरेली व बदायूं जिले के लोग कई वर्षों से रह रहे हैं। ये लोग हिमाचल के जिला सोलन स्थित बद्दी औद्योगिक क्षेत्र में काम करते हैं।

चिकित्सकों ने बताया कि शाहपुर में एक साथ कई लोग उल्टी व दस्त की चपेट में आ गए हैं। यह दूषित पानी पीने से हुआ है। लोग जमीन से निकल रहे जल स्रोत से पानी पी रहे थे। मरने वालों में नौ साल की भावना पुत्री खिदयाल और ढाई साल की ललिता पुत्री तिलक शामिल हैं। दोनों गांव बारी खेड़ा, आंवला, जिला बरेली, उत्तर प्रदेश की रहने वाली थीं।

सोलन के सीएमओ एनके गुप्ता का कहना है कि रोग दूषित पानी से फैला है। यह क्षेत्र हरियाणा में आता है, इसलिए बद्दी व नालागढ़ से भी चिकित्सकों की टीमें मौके पर भेजी हैं। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. गगन को मौके पर तैनात कर दिया गया है।

उत्तर प्रदेश में भाजपा विधायक ने अभियंता को दीं भद्दी–भद्दी गालियां

अभद्रता ▸ अधीक्षण अभियंता ने बैरिया विधायक सुरेंद्र सिंह के विरुद्ध कोतवाली में दी तहरीर

दोनों के बीच हुई बातचीत मोबाइल फोन में रिकॉर्ड है

जागरण संवाददाता, बलिया

राजनीतिक शुचिता और शिष्टाचार की बात करने वाली भाजपा के विधायक अपनी ओछी हरकतों से पार्टी को लगातार शर्मसार कर रहे हैं फिर भी उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं हो रही है। जबकि कैलाश विजयवर्गीय के बेटे द्वारा अधिकारी को बल्ले से पीटे जाने के मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो टूक कहा था कि इस तरह का अभद्र व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, चाहे कोई भी हो। यहां बात कर रहे हैं बलिया के बैरिया विधायक सुरेंद्र सिंह की। इस बार उन पर विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता राम किशोर को भद्दी-भद्दी गालियां देने का आरोप है। अधीक्षण अभियंता ने उनके खिलाफ कोतवाली थाने में तहरीर दी है।

तहरीर के अनुसार, विधायक सुरेंद्र सिंह बुधवार को मोबाइल फोन पर विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता से बात कर रहे थे। बातचीत के क्रम में ही विधायक ने बदजुबानी की और सारी सीमाएं लांघ दीं। दोनों के बीच हुई बातचीत मोबाइल फोन में रिकार्ड है। इसमें वह एक अवर अभियंता का तबादला न होने पर अधीक्षण अभियंता को धमका रहे हैं कि तुम मुझे जानते नहीं हो, जिस दिन मिल जाओगे बेइज्जत हो जाओगे। इसके बाद गाली दे रहे हैं।

बोले विधायक,-'नहीं दी गाली' : इस मामले में विधायक सुरेंद्र सिंह ने कहा कि वह विद्युत अधीक्षण अभियंता से बातचीत करने गए थे। बैरिया विधानसभा में दर्जनों ट्रांसफार्मर जले पड़े हैं। इसकी शिकायत अधिकारी नहीं सुन रहे हैं। अधीक्षण अभियंता से शिकायत करने पर वे कहने लगे, हम ट्रांसफार्मर नहीं लगा सकते। आप सरकार में हैं, ऊपर बात कीजिए। इसके अलावा और कोई बात नहीं हुई है। गाली देने की बात सही नहीं है। यह आरोप पूरी तरह गलत है।

अभियंता ने कहा, 'विधायक ने धमकी दी' : अधीक्षण अभियंता राम किशोर ने कहा कि विधायक ने अपशब्द कहते हुए धमकी दी। इसकी शिकायत जिलाधिकारी से मिलकर की गई है। उन्हें आडियो भी सुनाया गया।

पूर्व में भी रह चुके हैं विवादित : विधायक पूर्व में भी कई बार अपने कारनामों और बयानों से पार्टी की किरकिरी करा चुके हैं। बलिया के डीआइओएस रहे नरेंद्र देव के साथ जिलाधिकारी की बैठक में ही पिछले साल सितंबर माह में उनकी हाथापाई हुई थी। उन्नाव रेप कांड के संबंध में भी विधायक ने पीड़िता के खिलाफ अपना बयान दिया था। पिछले साल ही जून में एक कानूनगो के साथ विधायक के भतीजे ने विवाद कर दिया था। 2017 के अक्टूबर माह में वन विभाग के कर्मचारियों के साथ भी विधायक का विवाद हुआ था, उसमें एक वन दरोगा का पैर तक टूट गया था।

मोबाइल में रिकार्ड बातचीत

विधायक का फोन आते ही अधीक्षण अभियंता बोलते हैं...प्रणाम सर,

विधायक : प्रणाम...प्रणाम, एक बात बताइए एसई साहब, किसी काम को कई बार कहने पर आप करते हैं।

अभियंता : 'क्या हुआ सर?

विधायक : मैने एक जेई को हटाने के लिए कहा था, उसे हटाया क्यों नहीं?

अभियंता : 'अभी सभी जेई प्रदेश स्तर पर आंदोलनरत हैं...

लेकिन विधायक उनकी बात काट देते हैं–'मुझे प्रदेश से मतलब नहीं है, अपने यहां से मतलब है। तुम मेरे बारे में नहीं जानते, सुनो एसई...जिस दिन मिल जाओगे न, बेइज्जत हो जाओगे।

इसके बाद अपशब्द...और बाद फोन कट जाता है।

▸ **एक अवर अभियंता का तबादला न होने पर अधीक्षण अभियंता को धमकाया**

▸ **विधायक ने कहा कि वह जले ट्रांसफरों की बात कर रहे थे**

पार्टी पूरे प्रकरण की जांच करेगी और उसके आधार पर नेतृत्व फैसला करेगा।

–डा. चंद्रमोहन, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता

मामला संज्ञान में आया है। प्रथम दृष्टया यह संज्ञेय अपराध प्रतीत हो रहा है। मुकदमा दर्ज करने के आदेश दे दिए गए हैं।

–भवानी सिंह खंगारौत, जिलाधिकारी

नायब तहसीलदार ने मांगी रिश्वत तो कार से भैंस बांध गया किसान

नायब तहसीलदार की कार से बंधी भैंस। नईदुनिया

नईदुनिया, विदिशा

मध्य प्रदेश के विदिशा जिले की सिरोंज तहसील का मामला

मध्य प्रदेश में विदिशा जिले की सिरोंज तहसील के परिसर में बुधवार को कार से भैंस बंधी देखकर लोग चौंक गए। दरअसल, नायब तहसीलदार ने बंटवारे के लिए 25 हजार रुपये रिश्वत मांगी तो किसान उनकी कार से अपनी भैंस बांध गया।

सिरोंज तहसील के ग्राम पथरिया के किसान भूपत रघुवंशी ने बुधवार को अपनी भैंस नायब तहसीलदार सिद्धार्थ सिंह सिंहला की कार से बांध दी थी। उसने एसडीएम को शिकायती आवेदन देकर आरोप लगाया कि उसकी जमीन के बंटवारे का प्रकरण सात माह से लंबित है। नायब तहसीलदार 25 हजार रुपये मांग रहे हैं। इतनी राशि नहीं होने पर वह अपनी भैंस नायब तहसीलदार के लिए छोड़कर जा रहा है। नायब तहसीलदार सिंहला ने आरोप को बेबुनियाद बताया। इस बारे में कलेक्टर कौशलेंद्र सिंह ने बताया कि मामले की जांच सिरोंज एसडीएम संजय जैन को सौंपी है। जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

चिन्मयानंद प्रकरण में पैनल ने किया छात्रा का मेडिकल परीक्षण

जासं, शाहजहांपुर

पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वामी चिन्मयानंद पर दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली छात्रा का मेडिकल परीक्षण कराया गया। दूसरी ओर छात्रा ने एसआइटी के आइजी को पत्र देकर आरोप लगाया कि हॉस्टल के कमरे में रखे साक्ष्यों से छेड़छाड़ की गई। छवि खराब करने के लिए कुछ आपत्तिजनक वस्तुएं रख दी गईं। उसने स्वामी चिन्मयानंद पर दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज करने की मांग की।

बुधवार को महिला अधिकारियों के साथ एसआइटी टीम छात्रा के घर पहुंची। दोपहर करीब 12 बजे छात्रा को जिला महिला अस्पताल ले जाया गया। वहां महिला सीएमएस डॉ. अनीता धस्माना के अलावा दो अन्य डॉक्टर इंद्रा राजेश व तिलहर सीएचसी की डॉ. शालिनी सिंह के पैनल ने छात्रा का मेडिकल किया। दुष्कर्म के आरोपों की पुष्टि के लिए स्लाइड बनाई गई। इस दौरान छात्रा के पिता, उसका भाई अस्पताल में मौजूद रहे।

आज आ सकती है रिपोर्ट : बताया जा रहा है कि स्लाइड लैब भेज दी गई। माना जा रहा है कि गुरुवार तक रिपोर्ट आ सकती है। छात्रा के लगाए गए आरोप सही पाए जाने पर स्वामी चिन्मयानंद की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

छात्रा ने कहा, जल्द हो गिरफ्तारी : छात्रा ने एसआइटी प्रभारी आइजी नवीन अरोड़ा को पत्र भेजा है, जिसमें लिखा कि दिल्ली के लोधी रोड थाने में दर्ज कराई गई दुष्कर्म व यौन शोषण की शिकायत के आधार पर स्वामी चिन्मयानंद की जल्द गिरफ्तारी की जाए। पांच सितंबर को यह शिकायत दर्ज कराई गई थी।

स्वामी व उनके लोगों से खतरा : छात्रा का कहना है कि 10 सितंबर को जब एसआइटी ने हॉस्टल का मेरा कमरा खोला तो मुझे भी बुलाया, लेकिन वहां कई साक्ष्यों से पहले ही छेड़छाड़ कर दी गई। कुछ महत्वपूर्ण साक्ष्य वहां से हटाए गए हैं। उसके चरित्र पर लांछन लगाने के मकसद से कुछ सामान वहां रख दिए गए। छात्रा का आरोप है कि यह सब स्वामी चिन्मयानंद व उनके लोगों ने किया।। स्वामी कानूनी प्रक्रिया के दौरान अन्य साक्ष्यों व गवाहों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

रंगदारी प्रकरण में स्वामी के अधिवक्ता से पांच घंटे पूछताछ

एसआइटी ने रंगदारी प्रकरण में भी जांच तेज कर दी। स्वामी चिन्मयानंद के प्रवक्ता एवं अधिवक्ता ओम सिंह को बुलाया गया। प्रकरण के बाबत उनसे कई जानकारियां ली गईं। अधिवक्ता ओम सिंह की ओर से 24 अगस्त को चौक कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया गया था। जिसमें कहा गया कि स्वामी चिन्मयानंद के मोबाइल पर अज्ञात नंबर से वाट्सएप मैसेज आया, जिसमें पांच करोड़ की रंगदारी मांगी गई। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर इस मामले में भी एसआइटी को जांच सौंपी गई थी।

भीम आर्मी महासचिव सहित 700 लोगों के खिलाफ मुकदमा

जागरण संवाददाता, सहारनपुर : उप्र के सहारनपुर स्थित गांव घुन्ना और नाजिरपुरा में हुए बवाल में भीम आर्मी के संस्थापक चंद्रशेखर के दो भाइयों और राष्ट्रीय महासचिव कमल वालिया सहित 700 लोगों को आरोपित करते हुए पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। मंगलवार को घुन्ना गांव में बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा टूटने के बाद बवाल हो गया था। पथराव हुआ था, जिसमें पुलिस अधिकारियों सहित 10 पुलिसकर्मी जख्मी हो गए थे। पुलिस को लाठीचार्ज तक करना पड़ा था।

बुधवार को गांव में सन्नाटा पसरा रहा। तनाव के मद्देनजर गांव घुन्ना में सीओ, दो थानेदार व पीएसी कैंप किए हुए हैं। आंबेडकर प्रतिमा स्थल पर भी पुलिस तैनात है। घुन्ना के रहने वाले नरेश की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ प्रतिमा तोड़े जाने की रिपोर्ट दर्ज की गई है। हालांकि पुलिस ने नई प्रतिमा मंगलवार को ही लगवा दी थी। अभी तक इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

संघ प्रमुख के काफिले में शामिल कार ने मारी टक्कर, बच्चे की मौत

जागरण संवाददाता, जयपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत के काफिले में शामिल कार एक बाइक से टकरा गई। इस हादसे में बाइक सवार एक बच्चे की जान चली गई। यह हादसा उस वक्त हुआ, जब संघ प्रमुख अलवर जिले के गहनकर गांव में 123 वर्षीय बाबा कमलनाथ से मुलाकात कर जयपुर लौट रहे थे। टक्कर लगने के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई। गुस्साए लोगों ने हंगामा करते हुए जाम लगा दिया। कुछ युवकों ने रास्ते में टायर और अन्य सामान जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। हालांकि, पुलिस ने समझाइश कर मामला शांत कराया। पुलिस ने कार को जब्त कर लिया है।

जानकारी के अनुसार बुधवार को अलवर जिले के गहनकर गांव में बाबा कमलनाथ से भागवत ने मुलाकात की। जब वह वापस जयपुर जा रहे थे, इसी दौरान अलवर जिले के हरसोली कस्बे में संघ प्रमुख के काफिले में चल रही एक कार की टक्कर से बाइक सवार छह साल के बच्चे टिंकू की मौत हो गई। हादसे में बाइक चालक चेतराम यादव गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल भेजा गया है। चेतराम यादव मुंडावर के सरपंच हैं। यादव को टक्कर मारने वाली कार को बहरोड़ में रोक लिया गया । मामला अधिक नहीं बिगड़े इसको ध्यान में रखते हुए मौके पर पुलिसकर्मियों को तैनात कर दिया गया। इसके साथ ही पीड़ितों के परिजनों से मिलने प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे। आरएसएस के स्थानीय पदाधिकारी भी परिजनों से मिलने पहुंचे।

भागवत ने जन्मदिन पर लिया बाबा का आशीर्वाद लिया : 69 वर्षीय भागवत ने जन्मदिन पर बाबा कमलनाथ का आशीर्वाद लिया। इस दौरान विभिन्न विषयों पर उनसे चर्चा की। गौरतलब है कि बिहार के गोविंदपुर में 1896 में जन्में बाबा कमलनाथ करीब 80 साल पहले अलवर जिले में तिजारा के जंगलों में आकर रहने लगे थे। इसके बाद 1965 में वह गहनकर गांव में रहने लगे।

32 साल पुराने रूप कंवर सती मामले में 17 को आएगा फैसला

जागरण संवाददाता, जयपुर : राजस्थान के 32 साल पुराने और चर्चित रूप कंवर सती मामले में 17 सितंबर को फैसला सुनाया जाएगा। पहले बुधवार को ही फैसला सुनाए जाने की उम्मीद थी, मगर आरोपितों से जिरह के बात तारीख बढ़ा दी गई।

जानकारी के अनुसार बुधवार को जयपुर की सती निवारण कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान अभियोजन पक्ष (सरकारी) के वकील नरपत सिंह द्वारा पेश किए गए प्रार्थना पत्र के आधार पर आरोपितों के वकील सुरेंद्र सिंह नरूका ने जवाब दिया।

अभियोजन पक्ष के वकील ने आठ आरोपितों से कुछ विषयों पर जिरह की। अतिरिक्त गवाह पेश किए। इसके बाद बताया गया कि जज पुरुषोत्तम लाल सैनी ने इस मामले में 17 सितंबर को फैसला सुनाएंगे।

यह है पूरा मामला : सीकर जिले के दिवराला गांव में 18 वर्षीय रूप कंवर चार सितंबर, 1987 को अपने पति माल सिंह शेखावत की चिता पर बैठ कर सती हो गई थी। रूप कंवर का घटना के सात माह पहले ही विवाह हुआ था। बीमारी के कारण माल सिंह की मौत हो गई थी। इस मामले में स्थानीय लोगों ने रूप कंवर को सती का दर्जा देते हुए पूजा-अर्चना शुरू कर दी थी।

पुलिस ने सती महिमा मंडन के आरोप में 45 आरोपितों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में 22 सितंबर,1988 को मामला दर्ज किया था। लंबी सुनवाई के बाद अक्टूबर,1996 में 25 आरोपितों को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप से बरी कर दिया गया। छह आरोपितों सुनील कुमार, जूथा राम, रामेश्वर, शिवसिंह, तेज सिंह और कालूराम की मौत हो चुकी है। वहीं आठ आरोपितों उदय सिंह, दशरथ सिंह, भंवर सिंह, नारायण सिंह, भंवर सिंह, निहाल सिंह,महेंद्र सिंह एवं श्रवण सिंह के खिलाफ कोर्ट में अब भी मामला लंबित है। इस मामले में छह आरोपित फरार हैं।

इंसानियत

मध्य प्रदेश के विदिशा जिले में लोगों ने दिया साहस का परिचय, अस्पताल में हुआ प्रसव, जच्चा और बच्चा दोनों स्वस्थ

गर्भवती को युवकों ने कंधे पर बैठाकर पार कराई उफनती नदी

नईदुनिया, विदिशा

मध्य प्रदेश के विदिशा जिले में करीब दो दर्जन युवकों के साहस ने गर्भवती महिला को कंधे पर बैठाकर उफनती नदी पार कराई। इसके बाद महिला को एंबुलेंस से जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां सुरक्षित प्रसव कराया गया। उसने बेटे को जन्म दिया। अब जच्चा और बच्चा दोनों ही स्वस्थ हैं।

जिले के गांव मोहना खेजड़ा और हिरनई के बीच सेऊ नदी मंगलवार को उफान पर थी। ग्रामीण गजेंद्र सिंह राजपूत के मुताबिक खेजड़ा निवासी गीताबाई मालवीय को प्रसव पीड़ा हो रही थी। परिजन की सूचना पर जननी एक्सप्रेस आ गई, लेकिन नदी के पुल पर तीन फीट ऊपर पानी होने से वह दूसरी तरफ ही खड़ी रही। तब गांव के रवि विश्वकर्मा, रीतेश अहिरवार, रघुवीर अहिरवार, गजराज लोधी, रवि लोधी सहित 25 युवकों की टीम बनी। बड़े रस्से का एक छोर नदी के इस तरफ ट्रैक्टर खड़ा कर उससे बांधा गया। कुछ युवक दूसरा छोर लेकर नदी के दूसरी पार गए। वहां उसे पेड़ से बांध दिया। फिर छह लोगों ने गर्भवती को कंधे पर बैठाकर रस्सा पकड़ा और धीरे-धीरे दूसरी तरफ खड़ी जननी एक्सप्रेस तक पहुंचाया। वहां से गर्भवती को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां करीब एक घंटे बाद उसने बेटे को जन्म दिया। गीताबाई ने दैनिक जागरण के सहयोगी प्रकाशन नईदुनिया से चर्चा में मददगार युवकों को धन्यवाद दिया। साथ ही कहा कि यदि वे लोग मदद नहीं करते तो समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पाती। ऐसे में उसकी और गर्भस्थ शिशु की जान पर खतरा था। अब वह और उसका नवजात बेटा स्वस्थ है।

गर्भवती को कंधे पर बैठाकर उफनती सेऊ नदी पार कराते ग्रामीण। नईदुनिया

इस मानसून में महाबलेश्वर में 8000 एमएम बारिश रिकॉर्ड हुई

सतारा (महाराष्ट्र), आइएएनएस : पश्चिम भारत का लोकप्रिय हिल स्टेशन महाबलेश्वर इस बार के मानसून में सबसे ज्यादा भींगा। बुधवार को हिल स्टेशन ने एक नया रिकार्ड कायम किया। मौसम विभाग के उपनिदेशक केएस होसलिकर ने बताया कि जिले में बारिश का रिकार्ड 8000 मिलीमीटर (800 सेमी) को पार कर गया।

होसलिकर ने कहा, 'महाबेलेश्वर में बारिश का रिकार्ड 8000 एमएम को पार कर 8012.1 पर पहुंच गया। मानसून के दौरान सामान्य रूप से इस हिल स्टेशन पर 5530.1 एमएम बारिश होती है।' उन्होंने कहा कि कई बार 24 घंटे के दौरान महाबलेश्वर में वर्षा ने 300 एमएम का रिकार्ड पार किया। उत्तर पूर्व में मेघालय का चेरापूंजी को देश में सबसे अधिक वर्षा के लिए जाना जाता था। लेकिन अब उसके पड़ोस के मावस्यानराम को यह दर्जा प्राप्त है जहां सालाना 11,870 एमएम वर्षा होती है। चेरापूंजी में सालाना 11,777 एमएम वर्षा होती है।

4,440 फीट या 1353 मीटर की ऊंचाई पर स्थित महाबलेश्वर के लिए बारिश को अच्छा माना जाता है। यह स्ट्राबेरी क्षेत्र के रूप में भी जाना जाता है। देश में 85 फीसद स्ट्राबेरी यही क्षेत्र देता है। पश्चिमी घाट में इसकी ढलान पर खेती होती है। देश की चौथी सबसे बड़ी कृष्णा सहित कम से कम पांच नदियां भी इस हिल स्टेशन से निकलती हैं।

▸ **कृष्णा सहित कम से कम पांच नदियां भी इस हिल स्टेशन से निकलती हैं।**

राष्ट्रीय संस्करण www.jagran.com
दैनिक जागरण
गुरुवार 12 सितंबर 2019

2219 करोड़ के एमओयू साइन किए गए हिमाचल प्रदेश में बाहरी निवेशकों को लुभाने के लिए मनाली में आयोजित मिनी कॉन्क्लेव में। इसमें देश व प्रदेश के 200 से अधिक निवेशकों ने भाग लिया।

विधायक के वाहन ने बाइक सवार को मारी टक्कर, मौत

जागरण संवाददाता, उरई : दतिया से पीतांबरा मंदिर में दर्शन कर लौट रहे बस्ती जिले की रुधौली विधानसभा सीट से विधायक संजय प्रताप जायसवाल की तेज रफ्तार गाड़ी ने बंगरा रोड पर मिझौना के पास बाइक में टक्कर मार दी। बाइक सवार तीन युवक गंभीर घायल हो गए। एक युवक ने अस्पताल पहुंचने से पहले ही दम तोड़ दिया। अन्य दो युवकों को जिला अस्पताल से नाजुक हालत में झांसी रेफर किया गया है। सीओ माधौगढ़ राहुल पांडेय का कहना है कि गाड़ी जब्त कर ली गई है। तहरीर मिलते ही मुकदमा दर्जकर कार्रवाई की जाएगी।

विधायक अपने पांच करीबियों संग फार्च्युनर कार से लौट रहे थे। वह रास्ता भटक गए तो गूगल मैप का सहारा लेकर बढ़ने लगे, जिससे हाईवे छोड़ माधौगढ़ से गुजरने लगे। शाम चार बजे के आसपास उनकी गाड़ी माधौगढ़ क्षेत्र में बंगरा रोड पर ग्राम मिझौना के पास जैसे ही पहुंची, बंगरा की तरफ से तीन युवक एक बाइक पर आ रहे थे। विधायक की तेज रफ्तार गाड़ी ने उसमें टक्कर मार दी। हादसा होते ही भीड़ जमा हो गई। घायल युवकों बिजदुवां निवासी 28 वर्षीय उपेंद्र, 25 वर्षीय प्रिंस व मध्य प्रदेश के लहार निवासी 15 वर्षीय नितिन को जिला अस्पताल भेजा गया। अधिक रक्तस्राव की वजह से उपेंद्र की रास्ते में ही मौत हो गई। प्रिंस और नितिन को प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज झांसी भेजा गया है। दूसरी ओर, विधायक रात तक सीओ कार्यालय में बैठे रहे। जानकारी पाकर स्थानीय भाजपा नेता भी उनसे मिलने पहुंचे।

पाक पुलिस ने इस्लाम कुबूलने का बनाया था दबाव

खोले राज ▶ इमरान की पार्टी के पूर्व विधायक बलदेव कुमार ने पड़ोसी मुल्क की करतूतों से उठाया पर्दा

कहा–लोगों के लिए निजी हितों को किया दरकिनार

सचिन आनंद, खन्ना (लुधियाना)

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के पूर्व विधायक बलदेव कुमार ने बुधवार को पाकिस्तान की गई करतूतों से पर्दा उठाया। बलदेव ने बताया कि कैसे पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों को मुस्लिम बनाने के लिए सरकार का हर महकमा अभियान चलाता है। हत्या के झूठे आरोप में गिरफ्तारी के बाद जब पुलिस ने उन्हें 14 दिन के रिमांड पर लिया, तो बहुत यातनाएं दी गईं। उन्हें कहा गया कि अगर वह इस्लाम कुबूल कर लेते हैं, तो उन्हें बरी कर दिया जाएगा। खैबर पख्तूनख्वा के मंत्री शौकत यूसुफजई के बयान, 'बलदेव जहां जाता है जाए' पर बलदेव ने कहा कि वह यह याद करें कि वह हर संघर्ष में एक-दूसरे के साथ थे। उन्होंने कभी उनका साथ नहीं छोड़ा। उन्होंने शौकत को चेतावनी दी कि केपीके सरकार की पोल खुली तो सब की सलवारें खुल जाएंगी।

बलदेव ने उसे लगातार मिल रही धमकियों के चलते केंद्र और पंजाब सरकार से सुरक्षा की मांग की है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के इशारे पर उन्हें व उनके परिवार को जानी नुकसान पहुंचाया जा सकता है। उन्हें परिवार की सुरक्षा की चिंता सताने लगी है।

पाकिस्तान के पीएम इमरान खान की पार्टी के पूर्व विधायक बलदेव कुमार। जागरण

इमरान आर्मी के इशारों पर काम न करें : बलदेव ने कहा कि मैंने पाकिस्तान में आम लोगों की लड़ाई लड़ी। मैंने मुसलमानों के हक के लिए भी आवाज उठाई, लेकिन अब पाक नेता उनके खिलाफ बयान दे रहे हैं। उन्होंने इमरान खान को नसीहत दी कि दूसरों के दरवाजे खटखटाने की जगह अपनी दहलीज दुरुस्त करें। हमारी धरती मां को बर्बाद कर दिया। आर्मी के इशारों पर न काम करें।

भारत के मैच हारने पर चिढ़ाते थे : बलदेव ने कहा कि रोजमर्रा की जिंदगी में पाक में हिंदू और सिखों पर ताने मारे जाते थे। जब भारत क्रिकेट मैच हारता था तो कहते थे कि आपका भारत हार गया। उस देश ने हिंदुओं और सिखों को कभी नहीं अपनाया। वे पाक के लिए दी गई हमारी कुर्बानियों को भी भूल गए। अगर 50 साल पहले ही हमारे परिवार भारत आ जाते तो हालात बेहतर होते।

अब खालिस्तान समर्थक गोपाल चावला ने दी बलदेव को अंजाम भुगतने की धमकी

जागरण संवाददाता, खन्ना (लुधियाना)

पाकिस्तान से जान बचाकर शरण लेने भारत पहुंचे खैबर पख्तूनख्वा विधानसभा में बारीकोट सीट से पूर्व विधायक बलदेव कुमार को धमकियां मिलने का सिलसिला जारी है। पाकिस्तानी गायक जस्सी लयलपुरिया की धमकी के बाद अब खालिस्तान समर्थक आइएसआइ एजेंट व पाकिस्तान सिख प्रबंधक कमेटी के पूर्व प्रधान गोपाल चावला ने भी बलदेव को धमकी दी है।

अपनी फेसबुक आइडी से जारी वीडियो क्लिप में चावला ने बलदेव को अंजाम भुगतने की चेतावनी दी। इसमें वह स्वीकार कर रहा है कि वह खालिस्तान समर्थक है। वीडियो से साफ है कि पाकिस्तान की नापाक हरकतों का पर्दाफाश होने से वह परेशान है।

▶ फेसबुक आइडी से जारी की वीडियो क्लिप

गोपाल चावला। फाइल फोटो

धमकी से डरने वाला नहीं: बलदेव : बलदेव कुमार ने कहा कि उन्हें खुशी है कि गोपाल चावला ने माना कि वह खालिस्तानी है। उन्हें शर्म आती है चावला जैसों को भाई कहते हुए। आप जो कर रहे हो, वह हकीकत खुद सामने आ रही है। पंजे वाला स्थान (गुरुद्वारा पंजा साहिब) आपको तबाह करेगा। सिखों को अपने फायदे के लिए बदनाम न करो। कितनी भी धमकी दो वह डरने वाला नहीं है। गोपाल चावला यह बताएं कि उन्हें प्रबंधक कमेटी से क्यों निकाला गया। आप गुरु घरों का पैसा खाते हैं। इसकी सजा वाहेगुरु देगा।

पाक गायक जस्सी लयलपुरिया भी दे चुका है धमकी : पाकिस्तान के मशहूर सिख पंजाबी गायक जस्सी लयलपुरिया ने भी मंगलवार को वॉट्सएप के जरिए कॉल कर बलदेव कुमार को धमकी दी थी। दोनों में फोन पर तीखी बहस हुई थी। बलदेव को कई तरह की धमकियां वायस मैसेज और फोन कॉल के जरिए पाकिस्तान से मिल रही हैं।

भारत के खिलाफ जहर उगलता रहा है चावला : गोपाल चावला भारत के खिलाफ वीडियो के जरिए कई बार जहर उगल चुका है। पिछले साल उसने एक वीडियो में हाथ में बंदूक लेकर भारत की ईंट से ईंट बजाने की धमकी दी थी। इसके अलावा पंजाब में खालिस्तानी मूवमेंट व रेफरेंडम-2020 का भी उसने समर्थन किया था। करतारपुर कॉरिडोर के नींव पत्थर समारोह में गोपाल चावला को शामिल किए जाने पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई थी।

15 दिन में पीसीएस के 2029 अभ्यर्थियों का साक्षात्कार

राज्य ब्यूरो, प्रयागराज : उप्र लोकसेवा आयोग (यूपीपीएससी) पीसीएस अभ्यर्थियों के चयन में नया रिकॉर्ड बनाने जा रहा है। पीसीएस 2017 की मुख्य परीक्षा में सफल 2029 अभ्यर्थियों का महज 15 दिन में इंटरव्यू होगा। इस भर्ती के 676 पदों के लिए साक्षात्कार का कार्यक्रम यूपीपीएससी ने जारी कर दिया है। पहली बार रविवार को भी यह साक्षात्कार कराए जा रहे हैं। 16 से 30 सितंबर तक इंटरव्यू अनवरत चलेंगे।

उप्र लोकसेवा आयोग ने सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा यानी पीसीएस 2017 की मुख्य परीक्षा का परिणाम सात सितंबर को घोषित किया था। मुख्य परीक्षा में कुल 12295 अभ्यर्थी शामिल हुए थे। इस भर्ती के 676 पदों के लिए 2029 अभ्यर्थियों को इंटरव्यू में शामिल होने के लिए सफल घोषित किया गया था। अब उसका विस्तृत कार्यक्रम जारी हुआ है। इंटरव्यू 16 सितंबर से ही शुरू होंगे और 30 सितंबर तक चलेंगे। इस दौरान 22 व 29 सितंबर को रविवार पड़ रहा है, उस दिन यानी साप्ताहिक अवकाश को भी पहली बार साक्षात्कार कराए जाएंगे। परीक्षा नियंत्रक अरविंद कुमार मिश्र की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि 30 सितंबर को केवल कृषि वर्ग के अभ्यर्थियों का साक्षात्कार होगा। किस तारीख को किस अभ्यर्थी को साक्षात्कार में पहुंचना है इसके लिए वे वेबसाइट पर जाकर घोषित अनुक्रमांक देख सकते हैं। इसके लिए ऑनलाइन फार्मेट भरने व उसे डाउनलोड करने की पूरी प्रक्रिया जल्द ही जारी होगी।

सिडनी के कोर्ट ने योग गुरु आनंद गिरि को किया बरी

जागरण संवाददाता, प्रयागराज

चार माह से आस्ट्रेलिया में अमर्यादित आचरण के आरोप का सामना कर रहे योग गुरु आनंद गिरि को बुधवार सुबह बड़ी राहत मिली। सिडनी की अदालत ने उन्हें आरोपमुक्त करते हुए बरी कर दिया। साथ ही उनका पासपोर्ट तत्काल जारी करने का निर्देश देते हुए उन्हें भारत लौटने की इजाजत भी दे दी। उन्हें प्रयागराज लौटने में करीब एक सप्ताह लगेगा।

वह सनातन धर्म के प्रचार और शिष्यों को योग का प्रशिक्षण देने के लिए अप्रैल 2019 में आस्ट्रेलिया गए थे। दो युवतियों ने उन पर अमर्यादित आचरण का गंभीर आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज करा दी थी। दी। छह मई 2019 को सिडनी पुलिस ने आनंद गिरि को हिरासत में ले लिया था। कोर्ट में पेश किए जाने के बाद उन्हें कुछ दिन सिडनी की जेल में रहना पड़ा। हालांकि, उन्हें जमानत भी जल्द ही मिल गई थी। सिडनी के कोर्ट में कई तारीखों पर सुनवाई हुई। निर्णय होने तक उनके भारत आने या देश छोड़ने पर रोक लगा दी गई। इस बीच युवतियों की ओर से आरोप वापस लेने, पुलिस विवेचना में उनके खिलाफ साक्ष्य न मिलने की रिपोर्ट दाखिल होने पर कोर्ट ने उन्हें कुछ धाराओं में राहत दी थी। बुधवार को सिडनी के कोर्ट में फिर सुनवाई हुई। पुलिस ने अपनी जांच में आनंद गिरि के खिलाफ लगे आरोप खारिज कर दिए। इस पर कोर्ट ने उन्हें दोषमुक्त करार दिया और स्वदेश लौटने की इजाजत दे दी।

आनंद गिरी। फाइल फोटो

> सच की हमेशा जीत होती है। भगवान के घर देर है, अंधेर नहीं। आनंद गिरि पर लगाए गए आरोप मनगढ़ंत थे। यह मैं शुरू से ही कह रहा हूं। अब सिडनी कोर्ट ने भी इसे स्वीकार कर लिया है।
>
> **–महंत नरेंद्र गिरि, अध्यक्ष अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद**

ओणम के जश्न की तैयारी...

अच्छी उपज की कामना के साथ मनाए जाने वाले दक्षिण भारत के प्रमुख पर्व ओणम के जश्न के लिए सजे–धजे गजराजों के बीच इंतजार में महावत। कहा जाता है कि केरल में महाबली नाम के असुर राजा के आदर–सत्कार में यह महोत्सव धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इसका खेती और किसानों से भी गहरा संबंध है। इस मौके पर किसान फसलों की सुरक्षा और अच्छी उपज के लिए श्रावण देवता व पुष्पा देवी का आराधना करते हैं। रायटर

बकाएदारों की सूची वेबसाइटों पर होगी

▶ प्रथम पृष्ठ से आगे

खंडपीठ ने कहा, परियोजनाओं के क्रम में जिन खरीदारों पर रकम बकाया है, उनके नाम यूको बैंक, नोएडा प्राधिकरण और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की वेबसाइटों पर अपलोड किए जाएंगे। बाद में खरीदारों के नामों को वरिष्ठ अधिवक्ता आर.वेंकटरमानी वैध घोषित करेंगे। जब कोर्ट रिसीवर ब्योरों को वैध करार देंगे,तब उन सभी को बकाया रकम चुकाने के लिए नोटिस भेजा जाएगा।

छह बैंकों को रकम जारी करने का नोटिस

फारेंसिक ऑडिटरों के मुताबिक यह रकम करीब 3,600 करोड़ रुपये है। अदालत ने निर्देश दिया कि सुप्रीम कोर्ट स्थित यूको बैंक की शाखा पर अलग खाते खोले जाएं, जहां होम बायर्स अपनी बकाया रकम जमा करेंगे। अदालत ने बैंक ऑफ बड़ौदा, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, सिंडीकेट बैंक, बैंक ऑफ इंडिया और बैंक ऑफ महाराष्ट्र (छह बैंकों) को नोटिस जारी किया है। साथ ही निर्देशित किया है कि होम बायर्स की बकाया किस्तों को उनके होम लोन या प्रापर्टी लोन के खाते में ट्रांसफर कर दें।

आडिटरों से आडिट पूरा करने को कहा : अदालत ने फारेंसिक आडिटरों पवन अग्रवाल और रवि भाटिया को दो बाकी बचे प्रोजेक्ट- हार्टबीट सिटी और ओटू वैली का आडिट पूरा करने को कहा है। इन प्रोजेक्ट का पंजीकरण रेरा कानून के तहत सुप्रीम कोर्ट ने रद कर दिया था। ताकि 30 सितंबर तक कंपनी की ओर से बरती गई अनियमितताओं की जांच हो सके। फॉरेंसिक ऑडिट अदालत में कंपनी के रिकार्डों का विस्तृत आडिट होता है।

एनबीसीसी बेचे 5,229 फ्लैट : खंडपीठ ने एनबीसीसी को निर्देश दिया कि वह आम्रपाली समूह के बिना बिके 5,229 फ्लैटों को बेच दे। साथ ही कहा कि रुके हुए प्रोजेक्टों को पूरा करने के लिए धन की भारी कमी है। इसलिए धन मिलने के सभी उपाय किए जा रहे हैं।

10 जनवरी तक 66 करोड़ चुकाने के निर्देश : आम्रपाली के प्रमुख प्रोजेक्ट ग्रेटर नोएडा स्थित रायल गोल्फ लिंक सिटी इस साल की शुरुआत में इसके फ्लैटों और विला में किसी तीसरी पार्टी को खड़ा करने पर रोक लगा दी थी। कोर्ट ने अब इसकी 50 फीसद प्रापर्टी से प्रतिबंध हटाते हुए आगामी दस जनवरी तक करीब 66 करोड़ रुपये चुकाने के निर्देश दिए हैं।

हिमाचल प्रदेश में बहुतकनीकी संस्थान में रैगिंग, छात्र निलंबित

जागरण संवाददाता, हमीरपुर : हिमाचल प्रदेश में हमीरपुर के बड़ू स्थित बहुतकनीकी संस्थान के प्रथम वर्ष के छात्रों से रैगिंग करने पर प्राचार्य दिनेश शर्मा ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग तृतीय वर्ष के छात्र कर्ण कुमार को निलंबित कर दिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार सात सितंबर को शाम करीब चार बजे आरोपित छात्र कर्ण कुमार प्रथम वर्ष के छात्रों की रैगिंग कर रहा था। पता चला है कि वह दोस्तों के साथ मिलकर छात्रों से हफ्ता भी वसूलता था। वह छात्रों को 50 से 100 रुपये इकट्ठा करने को कहता था और फिर दोस्तों के साथ उनके कमरे में जाकर पैसे ले जाता था। पीजी में संस्थान के करीब 30 छात्र रहते हैं। छात्रों ने उन्हें तंग करने के बारे में पीजी प्रबंधक को अवगत करवाया था, लेकिन उसने कोई ध्यान नहीं दिया। एक छात्र ने अभिभावकों को इस बारे में बताया। उन्होंने प्राचार्य को घटना के बारे में बताया। प्राचार्य ने संस्थान की एंटी रैगिंग कमेटी से चर्चा करने के बाद छात्र को निलंबित किया और पुलिस थाना सदर हमीरपुर को सूचना दी।

इंडियन टेक्नोमेक कंपनी की 288.91 करोड़ की संपत्ति जब्त

राज्य ब्यूरो, शिमला

▶ हिमाचल प्रदेश के सबसे बड़े कर्ज घोटाले में ईडी ने की कार्रवाई

▶ कंपनी पर है 17 बैंकों के 1600 करोड़ कर्ज घोटाले का आरोप

हिमाचल प्रदेश के सबसे बड़े कर-कर्ज घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने इंडियन टेक्नोमेक कंपनी की 288.91 करोड़ की संपत्ति जब्त की है। यह कार्रवाई 17 बैंकों के 1600 करोड़ रुपये के कर्ज घोटाले में की गई है।

इंडियन टेक्नोमेक कंपनी और इसके प्रोमोटर की 288.91 करोड़ की प्रॉपर्टी जब्त की गई है। इसमें कंपनी की सिरमौर के पांवटा साहिब के प्लांट, मशीनरी, भूमि, बिल्डिंग व कृषि योग्य भूमि शामिल है। मुख्य आरोपित राकेश कुमार की दिल्ली के महरौली की जमीन और निदेशक रहे हिमाचल के विनय कुमार शर्मा की पांवटा के डामोर माजरी मरपुर की प्रॉपर्टी भी शामिल है।

ईडी ने शुरुआती जांच में पाया कि कंपनी ने बैंकों के साथ धोखाधड़ी की है। कर्ज तो करीब 1600 करोड़ का लिया, लेकिन इसे चुकाया नहीं। यह पैसा नॉन परफॉर्मिंग एसेट (एनपीए) घोषित करना पड़ा। अब यह पैसा ब्याज समेत दो हजार करोड़ से अधिक हो गया है। इसी संबंध में ईडी ने प्रीवेंशन ऑफ मनी लांड्रिंग एक्ट 2002 के तहत कार्रवाई की है। ऐसा हिमाचल सीआइडी में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर किया है।

मुख्य आरोपित विदेश फरार : मुख्य आरोपित दिल्ली निवासी राकेश शर्मा भगौड़ा घोषित हो चुका है। उसके खिलाप रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया है। ईडी के अलावा हिमाचल प्रदेश की सीआइडी ने भी कर्ज घोटाले की जांच की है। दो चार्जशीट कोर्ट में दाखिल हो गई हैं।

करीब 6000 करोड़ का है घोटाला : कंपनी ने करीब छह हजार रुपये का घोटाला किया है। कंपनी ने हिमाचल सरकार के आबकारी व कराधान विभाग को 2100 करोड रुपये की चपत लगाई है। बैंकों से लिए 1600 करोड़ के कर्ज को भी नहीं लौटाया। यह राशि अब ब्याज समेत दो हजार करोड़ से अधिक हो चुकी है। इसके अलावा आयकर विभाग को करीब एक हजार करोड़ की चपत लगाई।

'राज्य सरकारें कम कर सकती हैं जुर्माना'

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

▶ गडकरी ने कहा–कानूनी रूप से केवल कंपाउंडिंग अपराध में हो सकता है बदलाव

▶ सड़क मंत्रालय के अफसर कर रहे कानूनी राय लेने की बात

यातायात नियमों के उल्लंघन के लिए भारी जुर्माने से परेशान राज्य सरकारों के रुख को देखते हुए सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने स्थिति स्पष्ट की कि राज्यों को अपने जुर्माने तय करने का अधिकार है। हालांकि अब तक मंत्रालय के अधिकारियों का कहना था कि राज्यों को जुर्माने बढ़ाने का अधिकार तो है घटाने का नहीं है। गडकरी ने गुजरात में जुर्माने की राशि में की गई भारी कटौती का समर्थन किया। गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कुछ मामलों में दस हजार जुर्माने को कम कर एक हजार रुपये कर दिया है।

बुधवार को गडकरी ने कहा कि चूंकि मोटर वाहन कानून समवर्ती सूची में आता है, लिहाजा केंद्र व राज्य सरकारों को नियमों में संशोधन के साथ ही नए नियम बनाने का अधिकार है। बुधवार को कहा गया कि मुख्य एक्ट की धारा 200 में राज्यों को कंपाउंडिंग वाले अपेक्षाकृत कम गंभीर उल्लंघनों में बदलाव का अधिकार है। कंपाउंडिंग के तहत बिना पास या टिकट के यात्रा, अधिकारी के मांगने पर कागजात न दिखाना, अनधिकृत व्यक्ति को वाहन चलाने की अनुमति देना, अनफिट वाहन चलाना, लाइसेंस निलंबन के बाद भी गाड़ी चलाना, खतरनाक ढंग से गाड़ी चलाना, शारीरिक रूप से अनफिट होने पर भी गाड़ी चलाना, रेसिंग, असुरक्षित वाहन चलाना, वाहन में फेरबदल कर बेचना, रजिस्ट्रेशन के बगैर वाहन चलाना, ओवरलोड वाहन चलाना, बिना बीमा के वाहन चलाना तथा बिना अधिकार के वाहन चलाना शामिल है। जबकि रेड लाइट क्रास करना, शराब पीकर गाड़ी चलाना जैसे अपराध नान कंपाउंडिंग की श्रेणी में आएंगे। नियम के तहत उसमें बदलाव नहीं किया जा सकता है।

इंडियन फाउंडेशन ऑफ ट्रांसपोर्ट रिसर्च एंड ट्रेनिंग के एसपी सिंह ने कहा कि मोटर एक्ट को जिस हड़बड़ी में पास कराया गया उसके बाद यह स्थिति पैदा होनी ही थी। जिस तरह एक्ट में जुर्माने को समस्त यातायात समस्याओं के साथ दुर्घटना उन्मूलन का समाधान माना गया है वह अपने आपमें भ्रामक है। जुर्माना बढ़ाने से शुरू में तो डर के कारण सुधार दिखता है, लेकिन धीरे-धीरे चीजें फिर पुराने ढर्रे पर चलने लगती हैं। 1988 में जब जुर्माने बढ़ाए गए थे तब भी कुछ समय के लिए दुर्घटनाएं कम हुई थीं। लेकिन बाद में सब जस का तस हो गया। जब तक उल्लंघन करने वालों के लाइसेंस, परमिट और वाहन निलंबित और जब्त करने पर ध्यान नहीं दिया जाएगा, तब तक असली सुधार संभव नहीं है।

बिहार में ट्रैफिक नियम तोड़ने पर पुलिसकर्मियों के वेतन से कटेगा दोगुना जुर्माना

राज्य ब्यूरो, पटना : बिहार राज्य पुलिस परिवहन मुख्यालय ने आदेश जारी कर कहा है कि यातायात नियम सभी के लिए एक समान हैं। अगर कोई पुलिसकर्मी या पदाधिकारी यातायात के नियमों का उल्लंघन करता है तो उनसे आम नागरिकों की अपेक्षा दोगुना जुर्माना वसूला जाएगा। ऐसे पुलिसकर्मी या पदाधिकारी के वेतन से जुर्माने की राशि काटी जाएगी और उन पर कठोर अनुशासनिक कार्रवाई की जाएगी। कांस्टेबल से लेकर अधिकारियों तक पर ये आदेश लागू होगा।

आइआइटी के आरोपित प्रोफेसर से पूछताछ, छात्रों के दर्ज होंगे बयान

जागरण संवाददाता, कानपुर : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) कानपुर में विदेशी छात्रा से छेड़छाड़ मामले की जांच कर रही आंतरिक कमेटी ने सक्रियता बढ़ा दी है। बुधवार को टीम ने आरोपित प्रोफेसर से लंबी पूछताछ की। अब कमेटी छात्रों के बयान भी दर्ज करने की तैयारी कर रही है। मामले में दोषी पाए जाने पर प्रोफेसर को निलंबित करने के साथ ही समय से पहले सेवानिवृत्ति दी जा सकती है।

फॉरेन एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत विदेशी छात्र-छात्राएं यहां पढ़ने आते हैं। एक वरिष्ठ प्रोफेसर के मुताबिक संस्थान के किसी प्रोफेसर पर पहली बार ऐसा आरोप लगा है। इससे अन्य प्रोफेसरों में बेचैनी है वह चिंतित हैं कि ऐसे माहौल में कैसे काम कर सकेंगे। माना ये भी जा रहा है कि संस्थान में तनाव के माहौल को देखते हुए कुछ प्रोफेसर विदेशी शिक्षण संस्थानों का भी रुख कर सकते हैं। बुधवार को यही हालात नजर आए। प्रयोगशालाओं, कक्षाओं में फैकल्टी मेंबर और छात्रों की जुबां पर इसी मामले की चर्चा रही। कुछ प्रोफेसरों ने परिसर का माहौल सुधारने को जरूरी बताया।

आजम की पत्नी और बेटों पर मुकदमा दर्ज करने का आदेश

जागरण संवाददाता, रामपुर

हमसफर रिसॉर्ट में सरकारी जमीन मिलने पर अब सांसद आजम खां की पत्नी डॉ. तजीन फात्मा और दोनों बेटों अदीब व विधायक अब्दुल्ला फंस गए हैं। जिलाधिकारी आन्जनेय कुमार सिंह ने तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के आदेश उप जिलाधिकारी सदर को दिए हैं।

पिछले दिनों भाजपा लघु उद्योग प्रकोष्ठ के क्षेत्रीय संयोजक आकाश सक्सेना की शिकायत पर प्रशासन ने हमसफर रिसॉर्ट पर छापा मारा था, जिसमें वहां पर बिजली चोरी मिली थी, जिस पर राज्यसभा सदस्य डॉ. तजीन फात्मा के खिलाफ बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज किया गया था। इसके साथ ही सरकारी जमीन होने की शिकायत पर डीएम ने एसडीएम सदर को जांच सौंपी थी। इसके बाद राजस्व विभाग की टीम ने रिसॉर्ट की जमीन की पैमाइश की थी। पैमाइश के दौरान टीम को यहां पर एक गाटे पर खाद का गड्ढा मिला था, जबकि दो गाटों पर चकरोड थी। एसडीएम की जांच रिपोर्ट के आधार पर पहले तीनों के खिलाफ परिवाद दर्ज किए गए। अब डीएम ने एसडीएम सदर को थाने में आइपीसी की धाराओं में मुकदमा दर्ज कराने के आदेश दिए हैं।

आजम के जिस रिसॉर्ट की कटी बिजली, उसी में रहेंगे अखिलेश : सांसद आजम खां पर प्रशासन की ओर से की जा रही ताबड़तोड़ कार्रवाई के बाद अब समाजवादी पार्टी उनके बचाव में आ गई है। पार्टी के मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव खुद रामपुर आ रहे हैं। वह 13 सितंबर को यहां आएंगे और उनके हमसफर रिसॉर्ट में एक रात भी बिताएंगे। सपा जिलाध्यक्ष अखिलेश कुमार ने बताया कि रिसॉर्ट में पहले से दो बड़े जेनरेटर हैं। हमने बिजली-पानी समेत सारी व्यवस्थाएं मुकम्मल कर ली हैं।

आचार संहिता उल्लंघन के मुकदमे में फंसे सांसद आजम खां बुधवार को कोर्ट में पेश नहीं हुए। कोर्ट ने अब उन्हें पहली अक्टूबर को हाजिर होने का समय दिया है।

आदमी को वफादार पति और अच्छा प्रेमी होना चाहिए : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, आइएएनएस : छत्तीसगढ़ की एक विवादित शादी के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि वह अंतर-धर्म और अंतर-जातीय विवाह के खिलाफ नहीं है बल्कि वह उन्हें प्रोत्साहित करना चाहता है। साथ ही शीर्ष अदालत ने टिप्पणी की कि पुरुष को एक वफादार पति और अच्छा प्रेमी होना चाहिए।

▶ छत्तीसगढ़ के एक विवादित विवाह के मामले में की टिप्पणी

इस मामले में हिंदू महिला (23) ने एक मुस्लिम पुरुष (33) से विवाह किया था। पुरुष का कहना है कि महिला के परिवार वाले उसे स्वीकार कर लें इसलिए उसने पिछले साल हिंदू धर्म स्वीकार कर लिया है। लेकिन महिला के परिवार वालों ने उसके धर्म परिवर्तन को महज दिखावा बताया। सुप्रीम कोर्ट इस मामले की पहले भी सुनवाई कर चुका है।

बुधवार को जस्टिस अरुण मिश्रा और जस्टिस एमआर शाह की पीठ के समक्ष महिला के पिता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने जोर देकर कहा कि यह महिला को फंसाने का एक गिरोह है। इस पर शीर्ष अदालत ने पुरुष से हलफनामा दाखिल करके अपनी सदाशयता प्रदर्शित करने को कहा। पीठ ने पुरुष से पूछा कि क्या उसने आर्य समाज मंदिर में शादी करने बाद अपना नाम बदला है और क्या उसने नाम बदलने के लिए समुचित कानूनी कदम भी उठाए हैं। चूंकि मुकुल रोहतगी ने कहा कि महिला को सुरक्षा की जरूरत नहीं है, लिहाजा शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार से इस पर जवाब तलब किया है। मुकुल रोहतगी ने बताया कि पुरुष ने फिर इस्लाम धर्म अपना लिया है, इस पर शीर्ष अदालत ने कहा कि वह इस मामले को देखेंगे। इस बीच, महिला के वकील गोपाल शंकरनारायण ने कहा कि उसे अपने पिता को छोड़कर किसी अन्य से सुरक्षा की जरूरत नहीं है। इस दौरान उन्होंने केरल के हदिया मामले में शीर्ष अदालत के फैसले का हवाला भी दिया। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की कि यह कानून का मामला नहीं है बल्कि वे यह देखना चाहते हैं कि महिला की भविष्य की योजना क्या है... क्या होगा अगर महिला का पति उसे छोड़ दे। इसलिए वे उसका भविष्य सुरक्षित करने के प्रयास करना चाहते हैं।

बता दें कि पिछले साल तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश जस्टिस दीपक मिश्रा की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस मामले में फैसला सुनाया था कि अगर महिला चाहे तो वह अपने माता-पिता के पास लौट सकती है। इसके बाद महिला अपने माता-पिता के साथ रहने लगी थी। लेकिन बाद में पुलिस ने महिला को उसके माता-पिता से अलग कर दिया था। इसके बाद मामला छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट पहुंचा था। हाई कोर्ट का कहना था कि महिला अपने पति के साथ रहने की इच्छुक है, लिहाजा उसने युगल को साथ रहने की अनुमति दे दी थी।

बंगाल में उन्मादी भीड़ ने एक और को पीट–पीटकर मार डाला

जागरण न्यूज नेटवर्क, कोलकाता

▶ प्रिवेंशन ऑफ लिंचिंग बिल 2019 पास होने के बाद दूसरी घटना

बंगाल में भीड़ द्वारा हमला और लिंचिंग (उन्मादी भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या) का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा। आलम यह है कि करीब सप्ताह भर के भीतर उत्तर दिनाजपुर, मुर्शिदाबाद, आसनसोल और कूचबिहार जिले से आधे दर्जन से अधिक लिंचिंग के मामले प्रकाश में आए हैं। अकेले आसनसोल से सात दिनों में चार लिंचिंग के मामले सामने आए हैं।

बुधवार सुबह भीड़ ने पश्चिम बर्धमान जिले के आसनसोल में एक शख्स को बच्चा चोर बताकर पीट पीटकर हत्या कर दी। इस दिन सुबह आसनसोल में तीन युवक को लोगों ने इलाके का चक्कर लगाते देखा। उनसे पूछताछ की गई तो सटीक उतर नहीं मिला, फिर क्या था भीड़ ने युवकों को पकड़ने की कोशिश की। इनमें दो तो भाग निकले, लेकिन एक भीड़ के हत्थे चढ़ गया। युवक को पुलिस आसनसोल जिला अस्पताल ले गई जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आरोप है कि पुलिस मौके पर काफी देर से पहुंची।

घटना के संदर्भ में पुलिस उपायुक्त अभिषेक गुप्ता ने कहा कि हम पीड़ित की पहचान करने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस बीच पुलिस की ओर से लोगों को सचेत करते हुए प्रचार भी किया जा रहा है।

30 अगस्त को राज्य विधानसभा द्वारा प्रिवेंशन ऑफ लिंचिंग बिल 2019 पास किए जाने के बाद ये इस तरह के दूसरा मामला है जब पीड़ित की मौत हो गई है। इसके अलावा भीड़ द्वारा हमले के तीन अन्य पीड़ितों ने किसी तरह अपने जान बचाई। मंगलवार को ही कूचबिहार जिले के दिनहाटा स्थित बड़ाईबाड़ी में एक मानसिक विक्षिप्त युवक को भीड़ ने बच्चा चोर समझ कर जमकर मारापीटा था। हालांकि समय रहते पुलिस पहुंच गई और उसकी जान बचाई जा सकी।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
गुरुवार 12 सितंबर 2019

दैनिक जागरण

ध्यान की दौलत से कार्य करने की क्षमता अपने आप बढ़ती है

कौशल विकास की योजना

उद्योग जगत की आवश्यकता के अनुरूप कार्यबल तैयार करने के उद्देश्य से देश के पहले कौशल विकास संस्थान की मुंबई में आधारशिला रखते हुए केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्री महेंद्रनाथ पांडेय ने जानकारी दी कि ऐसे दो और संस्थान कानपुर और अहमदाबाद में खोले जाएंगे। चूंकि ये संस्थान निजी क्षेत्र की भागीदारी से खोले जाने हैं इसलिए यह आशा की जाती है कि वे जल्द स्थापित होकर अपना काम शुरू कर देंगे। अच्छा होता कि इस तरह के संस्थान अब तक अस्तित्व में आ जाते, क्योंकि कौशल विकास की योजना जुलाई 2015 में ही शुरू कर दी गई थी। चूंकि इसे मोदी सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक माना गया था इसलिए उसके बेहतर क्रियान्वयन की उम्मीद की जा रही थी। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि ऐसा नहीं हो सका। इस योजना के तहत बीते चार सालों में देश भर में जो तमाम कौशल विकास केंद्र खुले वे अभीष्ट की पूर्ति में कठिनाई से ही सहायक साबित हो सके। शायद यही कारण रहा कि उद्योग जगत इस तरह की शिकायत लगातार करता रहा कि उसे जैसे युवा चाहिए वैसे उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। वास्तव में यह शिकायत अभी भी नहीं दूर हो सकी है। देश के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में स्थापित कल-कारखानों के बाहर इस तरह की तख्तियां सहज ही देखने को मिल जाती हैं कि अमुक-अमुक कार्य में दक्ष कामगारों की आवश्यकता है। ये तख्तियां कौशल विकास योजना के साथ ही हमारी शिक्षा प्रणाली पर भी सवाल खड़े करती हैं।

क्या यह समय की मांग नहीं कि हमारे शिक्षा संस्थान डिग्री धारकों की फौज तैयार करने के बजाय हुनरमंद युवाओं को तैयार करें? कम से कम अब तो यह मांग प्राथमिकता के आधार पूरी की जानी चाहिए। इस दौरान यह भी ध्यान रखा जाना आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य है कि मशीनीकरण के अलावा आधुनिक तकनीक और खासकर आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के बढ़ते चलन के कारण काम की प्रकृति बदल रही है। इसी कारण परंपरागत नौकरियां तेजी से कम होती जा रही हैं। स्पष्ट है कि शिक्षा संस्थानों के साथ कौशल विकास संस्थानों को वैसे युवा तैयार करने पर गंभीरता से ध्यान देना होगा जो तेजी से बदलते उद्योग जगत की जरूरत को पूरा कर सकें। बेहतर हो कि मुंबई के साथ कानपुर और अहमदाबाद में कौशल विकास संस्थान की स्थापना के लिए सक्रिय सरकार इसकी भी चिंता करे कि आइटीआइ और पॉलीटेक्निक सरीखे संस्थान कौशल की बदलती हुई प्रकृति को सही तरह समझें। यह इसलिए और भी आवश्यक है, क्योंकि इतने बड़े देश में केवल तीन कौशल विकास संस्थान उद्योग जगत की जरूरतों को पूरा करने में समर्थ नहीं हो सकते।

मॉब लिंचिंग और कानून

कुछ दिन पहले ही बंगाल में मॉब लिंचिंग के खिलाफ विधानसभा में बिल पारित कर नया कानून बनाया गया है जिसमें दोषियों को मृत्यु दंड तक का प्रावधान किया गया है, परंतु देखा जा रहा है कि बिल पास होने के बाद अब तक तीन लोगों की पीटकर हत्या हो चुकी है। पिछले सात दिनों में मॉब लिंचिंग की करीब सात घटनाएं हो चुकी हैं। ताजी घटना आसनसोल में बुधवार को हुई है जहां एक शख्स को भीड़ ने बच्चा चोर बताकर पीट पीटकर मार डाला। पुलिस उपायुक्त अभिषेक गुप्ता ने कहा कि हम पीड़ित की पहचान करने की कोशिश कर रहे हैं। बता दें कि 30 अगस्त को राज्य विधानसभा में मॉब लिंचिंग रोकथाम बिल पास किए जाने के बाद यह दूसरा मामला है जब पीड़ित की मौत हो गई है। इसके अलावा भीड़ द्वारा हमले के तीन अन्य पीड़ितों ने किसी तरह से अपनी जान बचाई। यही नहीं भीड़ इतनी उन्मादी थी कि पीड़ित को छुड़ाने की कोशिश कर रहे पुलिस अधिकारियों पर भी हमला कर दिया था। इससे पहले मंगलवार रात को कूचबिहार में भी एक मानसिक रूप से विक्षिप्त शख्स को गांव वालों ने पेड़ से बांधकर बुरी तरह पीटा। हालांकि पुलिस ने उसे मौके पर पहुंचकर बचा लिया। मॉब लिंचिंग को लेकर बिल पास हुए अभी चार दिन भी नहीं हुए थे कि मुर्शिदाबाद जिले के बरहमपुर में एक शख्स को पीटकर मार दिया गया था। इसके बाद फिर से एक और की हत्या कर दी गई है। अभी तीन दिन पहले ही आसनसोल समेत तीन अलग जगहों पर हुई मॉब लिंचिंग की घटनाओं में 9 लोग घायल हो गए थे। उत्तर दिनाजपुर, आसनसोल और कूचबिहार में बच्चा चोर के संदेह में लोगों ने अनजान शख्स को पकड़ कर पिटाई कर दी। यही नहीं मौके पर जब पुलिस पहुंची तो उन्हें भी नहीं बख्शा गया। जिसमें पांच पुलिसकर्मी और सिविक वॉलिंटियर घायल हो गए थे। नया कानून लागू होने के बावजूद भी लोगों में कानून को हाथ में लेने की घटनाएं कम नहीं हो रही हैं। खुद ही लोग सजा देने पर उतारू हो जा रहे हैं। ऐसी प्रवृत्ति को रोकने के लिए सिर्फ कानून बनाने से काम नहीं होगा। लोगों में पुलिस प्रशासन के प्रति विश्वास पैदा करना होगा। ऐसे लोग क्यों उन्मादी हो रहे हैं? इसकी जड़ों में जाना होगा। क्या पुलिस प्रशासन पर लोग भरोसा नहीं कर रहे हैं? इसीलिए खुद से कानून को हाथ में ले रहे हैं। इस विषय पर गंभीरता से सोचने की जरूरत है। नहीं तो सिर्फ कानून बनाने से स्थिति नहीं सुधरेगी।

मंदी से निपटने की चुनौती

विवेक कौल

सरकार को चाहिए कि वह हर जगह अपना दखल बढ़ाने के बजाय कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दे

जॉन मेनार्ड कींस बीसवीं सदी के पूर्वार्ध के सबसे प्रसिद्ध अर्थशास्त्री थे। 1929 में शुरू हुए ग्रेट डिप्रेशन यानी महामंदी का अध्ययन करने के बाद उन्होंने पैराडॉक्स ऑफ थ्रिफ्ट यानी किफायत के विरोधाभास की अवधारणा पेश की। थ्रिफ्ट शब्द मूल रूप से पैसों के सावधानीपूर्वक उपयोग से जुड़ा है। कींस ने 1929 की महामंदी के बाद व्याप्त आर्थिक स्थितियों को समझाने के लिए उसका इस्तेमाल किया। 1929 में शेयरों और वस्तुओं की कीमतों में गिरावट के बाद लोगों ने बड़े पैमाने पर अपना खर्च घटा लिया। यदि कोई व्यक्ति अपने खर्च में कटौती करता है तो यह अलग बात है, लेकिन अगर यही चीज सामूहिक स्तर पर होने लगे तो एक बड़ी समस्या खड़ी हो जाती है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि एक व्यक्ति का खर्च दूसरे व्यक्ति की आय है। इसलिए जब भी कभी समाज का एक बड़ा हिस्सा पैसा खर्च करना कम कर देता है तो अर्थव्यवस्था के लिए संकट खड़ा हो जाता है। इसे ही पैराडॉक्स ऑफ थ्रिफ्ट कहते हैं। पिछले कुछ महीनों में ऐसा ही कुछ भारतीय अर्थव्यवस्था में देखने को मिल रहा है। गाड़ियों, दोपहिया वाहनों, ट्रैक्टरों और वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री बहुत ज्यादा गिरी है। अगर अगस्त के महीने को ही देखें तो यात्री कारों की बिक्री करीब 41.1 प्रतिशत गिरी। वहीं दोपहिया वाहनों की बिक्री में 22.2 फीसद गिरावट आई। इसी तरह कमर्शियल वाहनों की बिक्री 38.7 प्रतिशत गिरी है। इसके अलावा लोग बिस्कुट जैसी वस्तुओं का भी कम ही उपभोग कर रहे हैं। ये सभी पैराडॉक्स ऑफ थ्रिफ्ट का जीता जागता उदाहरण हैं।

यदि आबादी का एक बड़ा हिस्सा अपने खर्च में कटौती करता है तो लगभग पूरी आबादी की आय प्रभावित होती है। इस श्रेणी में बड़े कारोबारियों से लेकर किराने की दुकान चलाने वाले व्यापारी तक सभी शामिल हैं। यह अर्थव्यवस्था के लिए शुभ संकेत नहीं होता। इस स्थिति में प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए व्यापारी कर्मचारियों को नौकरी से निकालते हैं। ऐसा अभी वाहन और उससे जुड़े क्षेत्रों में देखा भी जा सकता है। कई कंपनियां उत्पादन में कटौती कर रही हैं। इन सभी चीजों से खर्च में और कमी आती है। अब प्रश्न यही है कि ऐसे हालात में क्या किया जा सकता है? कींस का मानना था कि ऐसी स्थिति में किफायत के विरोधाभास को तोड़ना बहुत जरूरी है। यह तभी हो सकता है जब सरकार अपनी तरफ से ज्यादा पैसा खर्च करे। इस खर्च से लोगों की आय बढ़ेगी और फिर वे उस पैसे को खर्च करेंगे और धीरे-धीरे किफायत के विरोधाभास का तिलिस्म टूटेगा।

2008 में वित्तीय संकट की दस्तक के बाद भारत सरकार ने कुछ ऐसा ही करते हुए जमकर पैसा खर्च किया था। सरकारी बैंकों ने भी उदारता के साथ कर्ज दिए। इसके पीछे यही कोशिश थी कि किफायत का विरोधाभास पैठ न बनाने पाए। इसके अनुकूल नतीजे भी मिले। 2009 से 2011 के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था काफी तेजी से बढ़ी, मगर उसके बाद एक-एक करके समस्याएं आनी शुरू हो गईं। मसलन मुद्रास्फीति यानी महंगाई की दर दस प्रतिशत से ज्यादा हो गई। बैंकों के कर्ज फंसने से उन पर एनपीए का बोझ बढ़ने लगा। चूंकि देश अभी भी इस संकट से जूझ रहा है इसीलिए सरकारी खर्च में बेतहाशा इजाफा उचित नहीं होगा। ऐसी स्थिति में सरकार और क्या कर सकती है? सरकार सीधा पैसा खर्च करने के बजाय लोगों के हाथों में पैसा दे सकती है जिसे वे खर्च कर उपभोग बढ़ा सकते हैं।

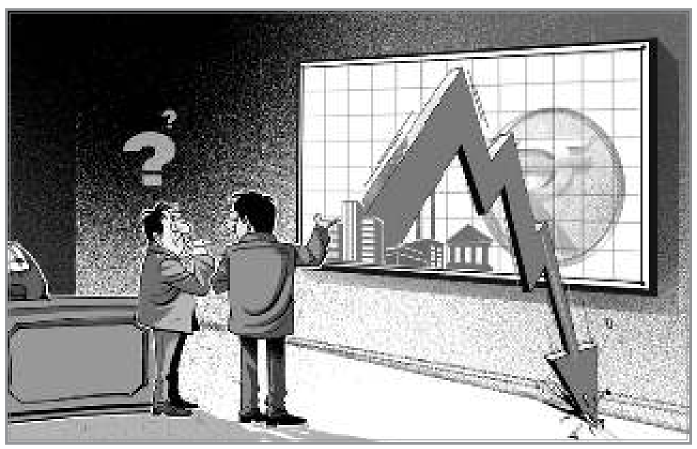

अवधेश राजपूत

यह प्रत्यक्ष रूप से आयकर कटौती और अप्रत्यक्ष करों के मोर्चे पर जीएसटी दरों में कटौती के माध्यम से किया जा सकता है। जीएसटी की फिटमेंट कमेटी ने कहा है कि गाड़ियों पर जीएसटी की दर को कम नहीं किया जाएगा, क्योंकि इससे राजस्व का नुकसान होगा, मगर जब कर की ऊंची दरों पर गाड़ियों की बिक्री ही नहीं होगी तब उसके एवज में सरकार को राजस्व कहां से मिलेगा? अगर दर घटाई गई तो ज्यादा गाड़ियां बिक सकती हैं और सरकार को अधिक राजस्व मिल सकता है। यहां नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अर्थशास्त्री रिचर्ड थालर की बात पर गौर करना होगा।

हाल में फाइनेंशियल टाइम्स को दिए एक साक्षात्कार में थालर ने कहा, 'यदि आप चाहते हैं कि लोग कुछ करें तो उस काम को आसान बनाएं।' इस बात को ध्यान में रखते हुए यह कहा जा सकता है कि अब यह जरूरी हो गया है कि जीसएटी की पेचीदगियों को सुलझाया जाए। इन पेचीदगियों की वजह से सरकार को अपेक्षित राजस्व भी हासिल नहीं हो पा रहा है। इसमें एक या दो दरें होनी चाहिए, जैसा की जीएसटी अपनाने वाले अधिकांश देशों में है। इससे व्यापारियों को भी लाभ होगा। तमाम छोटे व्यापारियों के लिए जीसएटी बड़ा सिरदर्द बन गया है। इसके साथ ही अब समय आ गया है कि सरकार घाटे में चल रहे तमाम सरकारी उपक्रमों पर पैसा बर्बाद करना बंद करे। इनमें विनिवेश के साथ ही इन कंपनियों की रियल एस्टेट परिसंपत्तियों को भी भुनाने की दरकार है। इससे राजकोषीय घाटे के मोर्चे पर भी सरकार को मदद मिलेगी यानी सरकार को बाजार से कम उधार लेना होगा और ब्याज दरें भी मौजूदा स्तर पर कायम रहेंगी। इसी के साथ जिन सार्वजनिक उपक्रमों का निजीकरण हो सकता है, उनका निजीकरण किया जाना चाहिए। अंग्रेजी में एक कहावत है 'द बिजनेस ऑफ द गवर्नमेंट इज नॉट बिजनेस।' यानी सरकार का काम कारोबार करना नहीं है। अब वक्त आ गया है कि इसे लागू किया जाए। सरकार को हर जगह अपना दखल बढ़ाने के बजाय कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों पर खास तौर पर ध्यान दे।

समय की यह भी मांग है कि देश में उद्यमशीलता की प्रक्रिया को वास्तविक रूप से आसान बनाया जाए। इंस्पेक्टर राज से पूरी तरही मुक्ति पानी होगी। इतिहास साक्षी है कि किसी अर्थव्यवस्था में नौकरियां तभी बढ़ती हैं जब छोटी कंपनियों का दायरा बड़ा होता है। भारत में अमूमन छोटी कंपनियां छोटी रह जाती हैं या और सिकुड़ जाती हैं। जमीन खरीदने और बेचने की प्रक्रिया को आसान बनाने की जरूरत है। खासतौर से भूमि उपयोग कानूनों में बदलाव लाने की जरूरत है। क्लियर लैंड टाइटल्स से भी उद्यमशीलता को बढ़ावा मिलेगा। रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए सरकार को विभिन्न क्षेत्रों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश यानी एफडीआइ की और अनुमति देनी चाहिए। मिसाल के तौर पर मल्टी ब्रांड रिटेल में शत प्रतिशत एफडीआइ से जहां कृषि आपूर्ति श्रृंखला में सुधार होगा वहीं युवाओं को नौकरियां भी मिलेंगी। इससे किसान भी लाभान्वित होंगे। यहां जिन कदमों की चर्चा की गई है उनमें से अधिकांश दीर्घावधि में ही फायदेमंद साबित होंगे। ध्यान रहे कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता।

(स्तंभकार अर्थशास्त्री और इजी मनी ट्राइलॉजी के लेखक हैं)

response@jagran.com

सुधारनी है धरती की भी सेहत

देश की राजधानी दिल्ली से सटे ग्रेटर नोएडा में कॉप-14 (कांफ्रेंस ऑफ पार्टीज) सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब यह कहा कि भारतीय परंपरा में पृथ्वी को माता का दर्जा दिया गया है और उसकी सेहत की चिंता की जानी चाहिए तो लोगों का ध्यान इस पर गया कि धरती के समक्ष कैसे-कैसे खतरे उत्पन्न हो चुके हैं? अच्छी बात यह है कि भारत सरकार इन खतरों से निपटने के लिए मरुस्थलीकरण रोकने, वन क्षेत्र बढ़ाने, सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने जैसे उपाय कर रही है। इसके अलावा सरकार जीरो बजट प्राकृतिक खेती पर ध्यान देने के साथ-साथ जल संरक्षण को भी जनांदोलन बना रही है। साथ ही स्वच्छ भारत मिशन की तरह अब पर्यावरण संरक्षण की मुहिम शुरू की गई है। देखा जाए तो धरती की सेहत बिगाड़ने में एक बड़ा योगदान रासायनिक उर्वरकों-कीटनाशकों का रहा है। इसी को देखते हुए इस साल स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्र के नाम संबोधन में प्रधानमंत्री ने पर्यावरण अनुकूल खेती पर जोर देते हुए रासायनिक उर्वरकों-कीटनाशकों के उपयोग को धीरे-धीरे कम करने और अंततः इनका इस्तेमाल बंद करने का आह्वान किया था। उन्होंने यह भी कहा था कि एक किसान के रूप में हमें धरती को बीमार बनाने का हक नहीं है। इस साल के बजट में भी जीरो बजट खेती का एलान किया गया है। इसमें खेती के लिए जरूरी बीज, खाद, पानी आदि का इंतजाम कुदरती रूप से किया जाता है।

केंद्र सरकार ने जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए परंपरागत कृषि विकास योजना बनाई है। इसके तहत तीन साल के लिए प्रति हेक्टेयर 50,000 रुपये की सहायता दी जा रही है। मोदी सरकार की धरती बचाने की यह पहल अकारण नहीं है। देश में रासायनिक उर्वरकों-कीटनाशकों के अंधाधुंध इस्तेमाल से एक ओर धरती की उर्वरा शक्ति नष्ट हो रही है तो दूसरी ओर अनाज-सब्जियों के माध्यम से यह जहर लोगों के शरीर में भी पहुंच रहा है। अभी तक यह भ्रामक धारणा थी कि रासायनिक उर्वरकों का इस्तेमाल बंद करने से उत्पादन घट जाएगा, लेकिन कई अध्ययनों से यह साबित हो गया है कि रासायनिक उर्वरक-कीटनाशक मुक्त खेती से न केवल लागत में कमी आती है, बल्कि उत्पादन में भी बहुत फर्क नहीं पड़ता। अंतरराष्ट्रीय कृषि विकास कोष (आइएफएडी) द्वारा भारत और चीन में किए गए अध्ययनों के आधार पर इस बात की पुष्टि की गई है कि प्राकृतिक खेती अपनाने से किसानों की आमदनी में काफी बढ़ोतरी होती है।

रमेश कुमार दुबे

रासायनिक उर्वरक–कीटनाशक न केवल धरती की उर्वरा शक्ति नष्ट कर रहे, बल्कि लोगों की सेहत भी बिगाड़ रहे हैं

UNCCD
COP14
NEW DELHI | INDIA 2019
Restore land Suste

सेंटर फॉर साइंस एंड एंवायरनमेंट की रिपोर्ट के मुताबिक देश की 30 फीसद जमीन बंजर होने के कगार पर है। इसका कारण यूरिया का अंधाधुंध इस्तेमाल है जिसे हरित क्रांति के दौर में उत्पादन बढ़ाने का अचूक मंत्र मान लिया गया था। यूरिया इस्तेमाल के दुष्प्रभाव के अध्ययन के लिए वर्ष 2004 में सरकार ने सोसायटी फॉर कंजरवेशन ऑफ नेचर की स्थापना की थी। उसने भी यूरिया को धरती की सेहत के लिए घातक बताया था। रासायनिक उर्वरक-कीटनाशक आधारित खेती की शुरुआत यूरोप में औद्योगिक क्रांति के साथ हुई थी, ताकि कम भूमि में अधिक पैदावार हासिल किया जा सके। भारत ने भी इसी नीति का अनुसरण किया। परिणामस्वरूप देश भर में उर्वरक कारखाने लगे और गेहूं एवं धान के संकरित बीजों को रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों के साथ उगाया जाने लगा। इससे शुरू में तो उत्पादकता बढ़ी, लेकिन आगे चलकर मिट्टी की नमी और उसके भुरभुरेपन में कमी आई और कृषि मित्र जीव-जंतुओं का बड़े पैमाने पर विनाश हुआ। जैसे-जैसे मिट्टी की प्राकृतिक शक्तियां घटीं वैसे-वैसे रासायनिक उर्वरकों की जरूरत भी बढ़ी। इसके साथ ही उत्पादकता में भी ढलान आनी शुरू हुई। उदाहरण के लिए 1960 में एक किलोग्राम रासायनिक खाद डालने पर उत्पादन में 25 किलोग्राम की बढ़ोतरी होती थी, जो 1975 में 15 किलोग्राम तथा 2009 में मात्र 6 किलोग्राम रह गई। इस प्रकार रासायनिक उर्वरकों की खपत बढ़ने से जहां एक ओर लागत बढ़ी वहीं दूसरी ओर उत्पादकता में गिरावट आने से किसानों के लाभ में भी कमी आई। रासायनिक उर्वरकों की बढ़ती खपत का सीधा प्रभाव सब्सिडी पर पड़ा। 1976-77 में 60 करोड़ रुपये की उर्वरक सब्सिडी दी गई थी, जो वर्ष 2007-08 में 40,338 करोड़ रुपये हो गई। वर्ष 2019-20 में इसके 80,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है।

पिछली सरकारों ने रासायनिक उर्वरकों के संतुलित इस्तेमाल की ओर ध्यान नहीं दिया जिससे उर्वरक सब्सिडी यूरिया केंद्रित बनकर रह गई। इसका नतीजा यह हुआ कि यूरिया नमक से भी सस्ती बिकने लगी। इससे उर्वरकों के असंतुलित इस्तेमाल को बढ़ावा मिला। उदाहरण के लिए 83 फीसद रासायनिक उर्वरकों का इस्तेमाल देश के महज 292 जिले करते हैं, जबकि शेष 433 जिलों के हिस्से में 17 फीसद यूरिया आती है। नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश का आदर्श अनुपात 4:2:1 है, लेकिन पंजाब में यह अनुपात 31:8:1 और हरियाणा में 28:6:1 तक बिगड़ चुका है। कमोबेश यही स्थिति दूसरे राज्यों की भी है। यूरिया के अत्यधिक इस्तेमाल ने नाइट्रोजन चक्र को बुरी तरह प्रभावित किया है। नाइट्रोजन चक्र बिगड़ने का दुष्परिणाम केवल मिट्टी-पानी तक सीमित नहीं रहा है। नाइट्रस ऑक्साइड के रूप में यह एक ग्रीनहाउस गैस भी है और वैश्विक जलवायु परिवर्तन में इसका बड़ा योगदान है। ग्रीनहाउस गैस के रूप में कार्बन डाईऑक्साइड के मुकाबले नाइट्रस ऑक्साइड 300 गुना अधिक प्रभावशाली है।

सस्ती यूरिया से न सिर्फ जमीन बंजर बनी, बल्कि तस्करी के जरिये यह बड़े पैमाने पर नेपाल और बांग्लादेश पहुंचने लगी। इतना ही नहीं यूरिया का इस्तेमाल नकली दूध, विस्फोटक बनाने आदि में भी होने लगा था। इसी को देखते हुए साल 2015 में मोदी सरकार ने नीम कोटेड यूरिया का उत्पादन करना अनिवार्य कर दिया जिससे यूरिया का दुरुपयोग रुक गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने धरती की सेहत सुधारने की जो बहुआयामी मुहिम छेड़ी वह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर साबित हो, इसकी कोशिश सभी को करनी चाहिए।

(लेखक केंद्रीय सचिवालय सेवा में अधिकारी हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

सफलता

किसी भी कार्य की सिद्धि के लिए जिज्ञासा उत्पन्न होना स्वाभाविक है। इसलिए शास्त्रों में सिद्धि प्राप्ति का सर्वप्रथम आधार जिज्ञासा माना गया है। रबींद्रनाथ टैगोर ने कहा था कि हमारा सारा ज्ञान एवं योग्यताएं जिज्ञासा के बिना व्यर्थ हैं। जिज्ञासी होगी, तभी हम किसी काम को सीख सकते हैं या लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं। साफ है यदि जिज्ञासा न हो तो आगे तनिक भी प्रगति नहीं हो सकती है। इस संसार में जिस किसी ने जो भी प्राप्त किया है, वह इच्छाशक्ति के परिणामस्वरूप जिज्ञासा को आत्मसात कर अपनी आकांक्षा के आधार पर ही प्राप्त किया है। इस संदर्भ में रामायण में भी हम लोगों को स्पष्टतः संदेश मिलता है कि 'जेहि कर जेहि पर सत्य सनेहू, सो तेहि मिलत न कछु संदेहू।' यह संसार प्रभु की स्वर्ग तुल्य कृति है, यहां पर किसी भी प्रकार का अभाव नहीं है, यहां पर सब कुछ प्राप्त किया जा सकता है।

गीता में भी कई जगहों पर भगवान ने कहा है कि 'अनन्य भाव से चिंतन करने वाले को मैं उसके अभीष्ट विषय में सफलता प्रदान करता हूं।' यह सर्वविदित है कि जीवन हार-जीत का खेल है, सफल वही है जो दोनों में समदर्शी की भांति समान बना रहे। हतोत्साहित ना हो, क्योंकि जीत का लक्ष्य रखने पर यदि हार को स्वीकार करना ही पड़े तो उसके लिए बड़े विशाल हृदय की आवश्यकता होती है। हार यदि उस मनुष्य को अनुभवी बना दे, हार होने पर यदि वह हिम्मत नहीं हारे, हार जाने पर यदि वह दोगुने उत्साह से काम करे तो उसके जीवन में सदा के लिए विजय के द्वार खुल जाते हैं।

आज हार का हकदार है तो कल जीत का सेहरा भी तुम्हारा होगा। ऐसे जिंदादिलों के दिलों में प्राण फूंक प्रबल पुरुषार्थी बना देने की प्रेरणा देने वाले उदाहरण व्यावहारिक जीवन में साधारण सी घटनाओं के द्वारा भी दिखाई देते हैं। जैसे कुएं के मुंह पर पड़े हुए पत्थरों पर रस्सी की रगड़ के निशान पड़ जाते हैं वैसे ही परिश्रम की रगड़ से कठिन से कठिन कार्य भी पूर्ण हो जाते हैं। निरंतर यदि हम थोड़ा-थोड़ा परिश्रम करते रहे तो कुछ ही समय में बड़ी सफलता अर्जित कर सकते हैं।

देवेंद्रराज सुथार

स्वास्थ्य मानकों की अनदेखी

मंजूषा

शहरीकरण में आई तेजी के चलते लोगों के खानपान के तौर–तरीकों में हाल के वर्षों में काफी परिवर्तन आया है

हाल ही में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के जॉर्ज इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ द्वारा 12 देशों में किए गए एक सर्वे में कहा गया है कि विश्व के दूसरे देशों की तुलना में भारतीय डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों में संतृप्त वसा यानी खराब वसा, चीनी, नमक और ऊर्जा की मात्रा जरूरत से ज्यादा है। इससे यहां न सिर्फ मोटापा और टाइप-2 डायबिटीज को बढ़ावा मिल रहा है, बल्कि ये हृदय संबंधी बीमारियों का प्रमुख कारण भी बन रहे हैं। यह सर्वे 12 देशों के चार लाख से ज्यादा खाद्य और पेय पदार्थों के नमूनों की जांच के आधार पर किया है। साफ है कि हमारे देश में मिलने वाले अधिकांश डिब्बाबंद खाद्य एवं पेय पदार्थ लोगों की सेहत को बिगाड़ रहे हैं। इस सर्वे में शामिल देशों को हेल्थ स्टार रेटिंग सिस्टम के आधार पर नंबर दिए गए हैं। बेहतर डिब्बाबंद खाद्य और पेय पदार्थ के मामले में सबसे ऊपर ब्रिटेन (2.83 स्टार रेटिंग) है। फिर अमेरिका (2.82) और उसके बाद ऑस्ट्रेलिया (2.81) का स्थान है। इसमें भारत को 2.27 की रेटिंग मिली है, वहीं चीन को 2.43 और चिली को 2.44 की रेटिंग दी गई है।

इससे स्पष्ट होता है कि दुनिया भर डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों का क्रेज बहुत तेजी से बढ़ रहा है और लोग भी इसके आदी होते जा रहे हैं। दरअसल इसकी वजह शहरीकरण में आई तेजी और कामकाज के स्वरूप में आया बदलाव है। इसके चलते लोगों के खानपान के तौर-तरीकों में हाल के वर्षों में काफी परिवर्तन आया है। भारत में भी जन जागरूकता बढ़ने के कारण महिलाएं जब से जॉब के लिए बाहर निकलने लगी हैं, तब से डिब्बाबंद खाने का चलन और तेजी से बढ़ने लगा है।

देखा जाए तो लोगों की इनमें रुचि बढ़ने की वजह इनके उपयोग में आने वाली सहूलियत है। ये शहरी कामकाजी परिवारों को खाने बनाने के बोझ से छुटकारा दे देते हैं। इससे उनका वक्त भी बचता है, लेकिन चिंता की बात यह है कि इसे तैयार करने वाली कई कंपनियां लोगों की मजबूरी का फायदा उठाकर स्वास्थ्य के मानकों का उल्लंघन कर रही हैं।

हालांकि एक अच्छी बात यह है कि भारत में सरकार द्वारा इन दिनों लोगों को इन डिब्बाबंद खाद्य एवं पेय पदार्थों के दुष्प्रभाव से बचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस कड़ी में भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक (लेवलिंग एंड डिस्प्ले) विनियमावली 2019 का मसौदा तैयार किया है, जिसके तहत डिब्बाबंद उत्पाद बनाने वाली खाद्य कंपनियों को अपने उत्पादों में मौजूद चीनी, नमक, ऊर्जा और वसा के उच्च स्तर के बारे में लाल रंग में बताना होगा। उन्हें इस बात का भी जिक्र करना होगा कि डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों में कितनी मात्रा में क्या-क्या पदार्थ मिलाए गए हैं? जाहिर है डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों की निगरानी के लिए देश में और भी उपाय किए जाने चाहिए, क्योंकि यह सीधे लोगों की सेहत से जुड़ा मामला है। बहरहाल लोगों को भी अपने स्तर जागरूक रहना होगा। जल्दबाजी में कुछ भी खाने से पहले थोड़ी जांच-परख कर लें तो बेहतर होगा।

(लेखिका शिक्षिका हैं)

खतरनाक सुझाव

मंदी को मात देने के उपाय शीर्षक से प्रकाशित डॉ. भरत झुनझुनवाला का आलेख पढ़ा। इसमें उन्होंने मंदी दूर करने के उपायों की चर्चा की है। उन्होंने कहा है कि भारत सरकार को सरकारी बैंकों और शिक्षा व्यवस्था का पूरी तरह से निजीकरण कर देना चाहिए, ताकि इन क्षेत्रों की क्षमता और उत्पादकता में अपेक्षित बढ़ोतरी हो सके। उन्होंने आगे सुझाव दिया है कि राजकोषीय घाटे को नियंत्रित रखने के लिए सरकारी कर्मचारियों का वेतन फ्रिज कर देना चाहिए। साथ ही उत्पादकता बढ़ाने और लागत कम करने के लिए श्रम कानूनों में भी उद्यमियों के पक्ष में संशोधन करना चाहिए। मैं लेखक से पूछना चाहता हूं कि क्या वह सच में ऐसा चाहते हैं? यदि बैंकों का निजीकरण ही मंदी का हल होता तो 2008 में लेहमैन ब्रदर्स सहित दुनिया भर में सौ से ज्यादा बैंक तबाह नहीं हुए होते। आप राजकोषीय घाटे को नियंत्रित करने के लिए कर्मचारियों के वेतन को फ्रिज करने की बात कर रहे हैं, जबकि आज सबसे बड़ी चिंता यह है कि कैसे देश में उपभोग बढ़ाया जाए। मैं बताना चाहूंगा कि विश्व बाजार में चीन की धाक हायर एंड फायर नीति के कारण नहीं है, बल्कि वहां के उत्पादकों को चीनी सरकार का यह आश्वासन है कि उनके सभी उत्पादों को वह खरीद लेगी। आज भी शिक्षा का सबसे अच्छा माध्यम सरकारी स्कूल-कॉलेज बने हुए हैं। फिर भी भरत झुनझुनवाला इसका पूरी तरह निजीकरण कर देना चाहते हैं। उनका यह लेख निश्चित रूप से निजीकरण का झंडा बुलंद करने वालों में उत्साह पैदा करेगा, लेकिन इस विध्वंसकारी नव उदारवादी दौर के खिलाफ संघर्ष कर रहे देश के तमाम मेहनतकश और नागरिक समाज को हतोत्साहित कर रहा है।

अविनाश कुमार मिश्रा, प्रयागराज

मेलबाक्स

जुर्माने की राशि घटाना ठीक नहीं

नए मोटर वाहन कानून में भारी जुर्माने का प्रावधान होने और इसे लागू करने के बाद लोगों ने यातायात के नियमों का पालन करना शुरू कर दिया है। जिनके वाहनों में कोई कमी है, वे उसे ठीक कराने में लगे हैं और जो बिना लाइसेंस के वाहन चलाया करते थे, वे भी अब लाइसेंस बनवाने के लिए आवेदन कर रहे हैं। इससे यह साबित होता है कि यातायात नियमों को लागू कराने के लिए जुर्माने की बड़ी राशि कारगर है। अब कुछ राज्य सरकारें इसे कम करने की कोशिश कर रही हैं, जो उचित नहीं है। ज्यादा जुर्माने से लोगों पर बोझ तो पड़ रहा है, लेकिन उनकी आदतें भी सुधर रही हैं। यह कार्रवाई केवल लाइसेंस न होने, प्रदूषण प्रमाणपत्र एवं बीमा आदि तक सीमित न रखा जाए, बल्कि बेवजह हार्न बजाने, ओवर टेक करने एवं वाहन चलाते समय तेज संगीत बजाने आदि पर जुर्माने की कार्रवाई की जानी चाहिए। इससे भी लोगों को काफी परेशानी होती है। कभी-कभी तेज हार्न बजाने से आगे चल रहे व्यक्ति का संतुलन बिगड़ जाता है और वह हादसे का शिकार हो जाता है। सड़कों पर अनावश्यक ओवरटेक की भी बड़ी समस्या है। कहीं जरा सा जाम लगने पर पीछे वाले वाहन आड़ा तिरछा होकर अपने वाहने आगे निकालने लगते हैं? इससे जाम और भयंकर रूप ले लेता है। ऐसे में जो जाम दो मिनट में खुल सकता था, वह काफी समय ले लेता है। इसमें पुलिस को भी सुधरने की जरूरत है। वह अपने ऊपर इसे लागू नहीं कर रही है। अभी भी बहुत से पुलिस वाले बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन चलाते दिख रहे हैं। आम लोगों के साथ होने वाली कार्रवाई पुलिस वालों के साथ भी होनी चाहिए, अन्यथा इसका कोई ज्यादा फायदा नहीं होगा।

विजय कुमार धनिया, नई दिल्ली

फिरोज गांधी की याद

दैनिक जागरण के 11 सितंबर के अंक में प्रकाशित ए. सूर्यप्रकाश का लेख, भूले -बिसरे फिरोज गांधी, में उन्होंने बहुत अच्छी जानकारी दी है। फिरोज गांधी में इतना स्वाभिमान था कि उन्होंने तीनमूर्ति भवन में रहना स्वीकार नहीं किया भले ही उनकी पत्नी वहां रहीं। उन्होंने अपनी ही सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाई और सरकार को झुकने के लिए मजबूर किया। उन्हीं के प्रयास से आज एलआइसी की विश्वसनीयता बरकरार है। यह विडंबना है कि उनके जन्म एवं पुण्यतिथि पर उन्हें याद तक नहीं किया जाता। उनके गुण यथा सादगी, स्वाभिमान सदैव युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक बने रहेंगे।

शैलेंद्र सक्सेना, नई दिल्ली

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई–मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें :

दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी–210–211, सेक्टर–63, नोएडा
ई–मेल : mailbox@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त. पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन. संपादकीय निदेशक-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग,रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई शुल्क अतिरिक्त।

14 हजार अमेरिकी सैनिक तैनात हैं अफगानिस्तान में, जो इस देश में शांति और स्थिरता कायम रखने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण है।

आजकल

तालिबान पर अमेरिकी रुख से भारत को राहत

बीते करीब 18 वर्षों से अफगानिस्तान में तालिबान का वर्चस्व तोड़ने और इस दशा को बनाए रखने में अमेरिका कामयाब रहा है। इस दौरान यह देश तरक्की की राह पर आगे बढ़ा जिसमें भारत ने भी भरपूर योगदान दिया। बीते कुछ वर्षों से तालिबान फिर से यहां उभरने की कोशिश में है जिससे अमेरिका तो परेशान है ही, भारत के लिए भी चुनौती कम नहीं है। लिहाजा अमेरिका ने तालिबान से बातचीत शुरू कर दी थी, किंतु डोनाल्ड ट्रंप ने एकबारगी कह दिया है कि वह अब तालिबान से कोई बात नहीं करेंगे। ऐसे में यह कदम भारत के हित में है

अवधेश कुमार
वरिष्ठ पत्रकार

प्रतीकात्मक फोटो

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कब क्या कर देंगे या क्या बोल देंगे, इस बारे में कोई भी भविष्यवाणी जोखिम भरी होगी। बावजूद इसके तालिबान से बातचीत को खत्म करने की उनकी घोषणा राहतकारी है। जब पिछले दो अगस्त को घोषणा हुई कि अमेरिका और तालिबान के बीच समझौते को अंतिम रूप दे दिया गया है तो पूरी दुनिया में भविष्य को लेकर कई प्रकार की आशंकाओं के स्वर उभरने लगे। उस घोषणा के अनुसार अमेरिका नाटो सहित अपनी फौजों को वापस कर लेगा। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के अंदर इस बात पर सहमति है कि हमें किसी तरह अफगानिस्तान से निकल भागना है। इसीलिए जल्मे खलीलजाद को विशेष प्रतिनिधि बनाकर भेजा गया और वह पिछले दिसंबर से कतर की राजधानी दोहा में तालिबान के साथ नौ दौर की बातचीत के बाद समझौते के एक मसौदे पर पहुंचे थे। इससे साफ लगने लगा था कि अमेरिका और तालिबान इस पर हस्ताक्षर करने ही वाले हैं। इसी बीच अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोंपियो ने घोषणा कर दी कि वे इस समझौते से सहमत नहीं हैं। हालांकि तब भी कुछ विशेषज्ञ यह मान रहे थे कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने विदेश मंत्री को दरकिनार कर स्वयं हस्ताक्षर कर देंगे। हालांकि तत्काल तो ट्रंप ने वही किया जो उनके विदेश मंत्री चाहते थे। लेकिन प्रश्न यह है कि आगे क्या?

काबुल हमला तात्कालिक कारण : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने तालिबान के साथ वार्ता से पीछे हटने की वजह पांच सितंबर को काबुल में तालिबान द्वारा किया गया हमला बताया है जिसमें एक अमेरिकी सैनिक समेत 12 लोग मारे गए। माइक पोंपियो ने कहा है कि अगर तालिबान अपना रवैया बदले तो वार्ता फिर हो सकती है। यह वार्ता तालिबान के लिए कितना अनुकूल था इसका पता ट्रंप के निर्णय के बाद आए उसके बयान से चलता है। तालिबान ने कहा कि इससे सबसे ज्यादा नुकसान वॉशिंगटन को होगा, लेकिन वह भावी वार्ता के लिए द्वार खुला छोड़ता है। तालिबान की ओर से ट्विटर पर जारी बयान में उसके प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा कि हम अब भी विश्वास करते हैं कि अमेरिकी पक्ष को यह समझ में आएगा। पिछले 18 सालों से हमारी लड़ाई ने अमेरिकियों के लिए साबित कर दिया है कि जब तक हम उनके कब्जे का पूर्ण समापन नहीं देख लेते, तब तक हम संतुष्ट नहीं बैठेंगे। इस पूरे बयान का अर्थ तो यही है कि तालिबान अपनी शर्तों पर बातचीत कर रहा था। उसका यह मानना है कि अमेरिका उसको पराजित नहीं कर सकता, इसलिए हारकर समझौता वार्ता करने आया। इसमें धमकी भी है कि हम अमेरिका के कब्जे को पूरी तरह खत्म कर देंगे।

भारत ने किया था वार्ता का विरोध : नौ दौर की वार्ता के बाद भी यदि तालिबान में इतना दंभ है तो फिर इससे समझा जा सकता है कि खलीलजाद साहब किस शैली में वार्ता कर रहे थे। भारत ने हमेशा इस वार्ता का विरोध किया था। भारत का मानना था कि इससे आतंकवादियों का मनोबल बढ़ेगा और वे अफगानिस्तान के शासन पर कब्जा करने के लिए संघर्ष करेंगे। उनकी आज जैसी ताकत है उसमें वे गठबंधन सेनाओं की वापसी के बाद कब्जा करके फिर अपने मन का इस्लामी शासन लागू करेंगे, जिसमें अब तक खड़ा किया गया सारा आधुनिक ढांचा ध्वस्त कर दिया जाएगा। अफगानिस्तान में लोकतंत्र की स्थापना में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उसके चुनाव में हमारे चुनाव आयोग और पर्यवेक्षक तक लगे। भारत की व्यापक चुनाव मशीनरी ने अफगानिस्तान में चुनाव में सहयोग किया। उसका संसद भवन भारत ने बनाया। इसी तरह शिक्षा और स्वास्थ्य के कई केंद्र भारत ने बनाए। तालिबान के लिए ये सब इस्लामी विचारधारा के विरुद्ध है। तो वे इसे बनाए क्योंकर रखेंगे? इस बीच जो शिक्षालय वहां अस्तित्व में आए हैं, मीडिया विकसित हुई है, फिल्में बन रहीं हैं, थिएटर भी शुरू हुए हैं, युवक-युवतियां खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने लगे हैं, तालिबान इन सबको खत्म करेगा यह निश्चित है।

कुंदूज पर कब्जा : सच यही है कि अमेरिका भले तालिबान से वार्ता करता रहा, लेकिन उनकी हिंसा जारी रही। तालिबान ने समझौता पर सहमति की घोषणा के बाद सात सितंबर को कुंदूज शहर पर कब्जे का प्रयास किया था। इसके अगले दिन उसके आतंकवादियों ने बगलान प्रांत की राजधानी पुल-ए-खुमरी पर धावा बोला था। कुंदूज और अन्य उत्तरी इलाकों में हिंसा जारी है। कुंदूज में पुलिस चेकपोस्ट पर आत्मघाती हमलावर ने खुद को उड़ा लिया। इस हमले में दो पुलिस अधिकारी मारे गए और सात घायल हुए।

आम धारणा यही है कि 18 सालों में तालिबान इस समय सबसे ज्यादा मजबूत स्थिति में है। अमेरिकी नेतृत्व में गठबंधन सेना की कार्रवाई के बावजूद तालिबान का अफगानिस्तान के आधे भूभाग पर कब्जा कायम है। आसानी से समझा जा सकता है कि अफगानिस्तान में मौजूद करीब 20 हजार नाटो सैनिकों के हटने के बाद वहां के हालात क्या होंगे।

हालांकि अफगानिस्तान सरकार ने अपना मत स्पष्ट कर दिया था। राष्ट्रपति अशरफ गनी ने बयान दिया कि बेगुनाह लोगों की हत्या करने वाले समूह से शांति समझौता करना निरर्थक है। यह कितनी अजीब वार्ता थी इसका अंदाजा इसी से चल जाता है कि इसमें अफगानिस्तान की सरकार शामिल ही नहीं थी। तालिबान ने अमेरिका के सामने शर्त रखी थी कि सरकार से हम वार्ता नहीं करेंगे। अमेरिका ने इस शर्त को मान लिया तो यह तालिबान का मनोबल बढ़ाने वाला ही साबित हुआ। समझौता मसौदे के बारे में जितना कुछ बाहर आया है उसे समझने की कोशिश करें। खलीलजाद ने एक इंटरव्यू में कहा था कि समझौते के बाद अमेरिका 135 दिनों में अफगानिस्तान से अपने 5,400 से ज्यादा सैनिकों को हटाएगा। फिर 14 से 24 माह में अफगानिस्तान से सारे अमेरिकी सैनिक हटा दिए जाएंगे, जिनकी संख्या करीब 14 हजार है।

इधर तालिबान ने अलकायदा जैसे आतंकी संगठनों से दूर रहने का वादा किया है। तालिबान अफगानिस्तान को फिर से आतंकवादियों का अड्डा नहीं बनने देगा। सत्ता साझा करने के मसले पर तालिबान अफगान सरकार के साथ वार्ता करेगा। खलीलजाद ने यह भी कहा था कि इससे हिंसा में कमी आएगी और स्थायी शांति का रास्ता खुलेगा।

अमेरिका को भागने की जल्दी! : जरा सोचिए, एक आतंकवादी संगठन अफगानिस्तान को आंतकवाद का अड्डा नहीं बनने देगा और अल कायदा से दूर रहेगा, यह संभव है क्या? जो संगठन अफगानिस्तान सरकार को वार्ता तक में शामिल होने देने के लिए तैयार नहीं, वह सत्ता साझा करने के लिए उससे बात करेगा? इसे ही कहते हैं मूर्खों के स्वर्ग में रहना। अमेरिका वहां से भागने की जल्दबाजी में सब कुछ समझते हुए आगे बढ़ रहा था। खलीलजाद समझौता मसौदा लेकर अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी से मिले। जो जानकारी आई है उसके अनुसार गनी ने कहा कि मसौदे पर गौर करने के बाद दो दिन के अंदर अपनी राय से अवगत कराएंगे। भारत से उनका निरंतर संपर्क बना हुआ था। पाकिस्तान द्वारा तालिबान को संरक्षण देने को लेकर वे लगातार बयान दे रहे थे। लेकिन अमेरिका ने पाकिस्तान के प्रति अपना व्यवहार अचानक बदल दिया था। उसे लगता था कि पाकिस्तान इसमें भूमिका निभा सकता है। भारतीय कूटनीति भी इस दिशा में सक्रिय थी। जब रूस ने आइएस को अफगानिस्तान से बाहर रखने के नाम पर तालिबान से दो बार अनौपचारिक बातचीत की तो उन्होंने भारत को बुलाया। भारत के प्रतिनिधि गए तो, लेकिन वार्ता से अलग ही रहे। भारत ने अमेरिका को इस बारे में लगातार आगाह किया। सूचना यह है कि स्वयं प्रधानमंत्री ने जी-7 के सम्मेलन से इतर द्विपक्षीय बातचीत में डोनाल्ड ट्रंप को इसके खतरनाक परिणामों से अवगत कराया एवं साफ कह दिया कि भारत इससे सहमत नहीं है। विदेश मंत्री अमेरिका के विदेश मंत्री के साथ संपर्क में थे।

पाकिस्तान का परोक्ष आधिपत्य : दरअसल भारत की समस्या अफगानिस्तान और पाकिस्तान दोनों हैं। अफगानिस्तान में तालिबान के वर्चस्व का मतलब पाकिस्तान का परोक्ष आधिपत्य है। भारत की अफगानिस्तान में अब तक जो प्रभावी उपस्थिति दर्ज कराई गई सबके मटियामेट होने का खतरा मंडरा सकता है। पिछले कुछ महीनों से पाकिस्तान इस बातचीत को लेकर कितना उत्साहित था यह बताने की आवश्यकता नहीं है। उसने तालिबान के सह संस्थापक मुल्ला बरादर को दोहा बातचीत में शामिल होने के लिए जेल से रिहा कर दिया था। पाकिस्तान को यह भी उम्मीद थी कि अफगानिस्तान के माध्यम से वह कश्मीर पर भारत को दबाव में ला सकता है। ऐसे में अमेरिका के हालिया फैसले से कम से कम तत्काल पाकिस्तान के सारे मंसूबों पर पानी फिर गया है। अगर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने रुख पर कायम रहे तो अमेरिका में पाकिस्तान को मिलने वाली तरजीह खत्म हो जाएगी। हालांकि अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी ट्रंप का चुनावी वादा है। इस कारण से वह हर हाल में वहां से अमेरिकी सेना को निकालना चाहते थे। जॉन बोल्टन तो बिना समझौते के ही निकलने के पक्ष में थे जिन्हें ट्रंप ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार पद से हटा दिया। तो देखना होगा अमेरिका आगे क्या करता है। लेकिन तत्काल भारत और पूरे क्षेत्र के लिए यह राहत की खबर है। हमारा लक्ष्य तालिबान को परास्त करने का है।

क्षेत्रीय सहयोग के लिए अफगानिस्तान में शांति जरूरी

अफगानिस्तान दक्षिण एशिया में भारत का एक महत्वपूर्ण साथी है। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध पारंपरिक रूप से मजबूत और दोस्ताना रहे हैं। 1980 के दशक में भारत-अफगान संबंधों को एक नई पहचान मिली, लेकिन 1990 के अफगान-गृहयुद्ध और वहां तालिबान के सत्ता में आ जाने के बाद से दोनों देशों के संबंध कमजोर होते चले गए। इन संबंधों को एक बार फिर तब मजबूती मिली, जब वर्ष 2001 में तालिबान सत्ता से बाहर हो गया और इसके बाद अफगानिस्तान के लिए भारत मानवीय और पुनर्निर्माण सहायता का सबसे बड़ा क्षेत्रीय प्रदाता बन गया। क्षेत्रीय सहयोग के लिए अफगानिस्तान जैसे पड़ोसी देश में शांति कायम होना बेहद जरूरी है। साथ ही यह भी जरूरी है कि एक पड़ोसी के रूप में भारत को अफगानिस्तान का साथ मिलता रहे। इसके लिए अफगानिस्तान में विकास कार्यों के अलावा भारत को अफगानिस्तान सहित अन्य पड़ोसी देशों के साथ भी क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता है। भारत ने वर्ष 2011 में भयंकर सूखे से जूझ रहे अफगानिस्तान को ढाई लाख टन गेहूं दिया था। अफगानिस्तान के हेरात में सलमा बांध भारत की मदद से बना। यह बांध 30 करोड़ डॉलर की लागत से बनाया गया और इसमें दोनों देशों के करीब 1,500 इंजीनियरों ने अपना योगदान दिया था। भारत ने कंधार में अफगान नेशनल एग्रीकल्चर साइंस एंड टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी की स्थापना और काबुल में यातायात के सुधार के लिए एक हजार बसें देने का भी वादा किया है। काबुल में मौजूद भारतीय दूतावास के अनुसार अब तक भारत अफगानिस्तान में लगभग दो बिलियन डॉलर का निवेश कर चुका है और भारत इस देश में शांति, स्थिरता और तरक्की के लिए प्रतिबद्ध है।

खरी-खरी

शिक्षक खड़ा बजार में

हनुमान सुकुल 'नश्तरी'

अहा! ओहो! मैं सितंबरायमान हो रहा हूं। क्यों न होऊं? सितंबर में हो जाता है ऐसा। आखिर मैं देश का एक जिम्मेदार नागरिक हूं। शिक्षक दिवस इसी सितंबर में होता है। इसी सितंबर में बुद्धिजीवी और बुद्धि-परजीवी हिंदी की चिंता में खोता है।

मौका-ए-वारदात पर पिछले दिनों शिक्षक दिवस पकड़ में आ गया। अपने नए-पुराने गुजरे जमाने के शिक्षक याद आए। कहना बेकार है कि ऐसा हर बार होता है। मगर अब कह दिया तो कह दिया। अड़ियल आदमी ऐसा ही होता है। मैं गर्व से कहता हूं कि मैं अड़ियल हूं। यह गौरव मुझे मेरे शिक्षकों से प्राप्त हुआ। उनके बल का प्रयोग मुझ पर खूब हुआ। मुझमें अड़ियलपन की प्रतिभा का जन्म हुआ। एक गुरुजी के पास पहुंचा। बचपन में वे गुरु थे। अब गुरुघंटाल हो गए हैं। उनके चारों तरफ शिष्यों की भीड़ थी। गुरुजी टीशर्ट और जीन्स में कमाल लग रहे थे। टीशर्ट में लिखा था- अपना टाइम आएगा। मैन पूछा- गुरुदेव, चारों ओर शिष्यों की भरमार है। फीस के बादलों से रुपयों की बौछार है। फिर भी आपको अपने किस टाइम का इंतजार है? गुरुजी मुझे पहचान गए। हर बात पर सवाल करने वाले पहचाने जाते हैं। गुरुजी ने अपनी दिव्यदृष्टि खोली। बोले- अव्वल तो यह भी देखो कि सिर्फ शिष्य नहीं, शिष्याएं भी हैं आसपास। तुम कब सुधरोगे? मैंने गलती मानी और कहा- सब आप ही का दिया है। आपकी शिक्षा है। जो बन पाया, आज मैं जो हूं, जहां हूं, सब आप ही की देन है। वे खुश हुए। बोले- ठीक है-ठीक है। अब सुनो- अभी मेरा टाइम आया नहीं है। ये जो भीड़ तुम देख रहे हो, यही लोग अपना टाइम खराब करके मेरा टाइम लाएंगे। बौछार तो चार दिन की है। मैं बादल फटने के इंतजार में हूं। तुम चाहो तो साथ आ सकते हो। फिर लंदन चलेंगे। माल्या के बगल में घर लेंगे।

मैं गुरु के पैरों पे सड़े आम की भांति गिर पड़ा। उनका माल्यार्पण किया। शिक्षक दिवस की बधाई दी। उन्होंने अस्वीकार कर दिया। मुझे चलता किया। उन्हें बधाई में बस फीस ही फबती है। खालिस बधाई उन्हें फब्तियां लगती हैं। अपना टाइम खराब करते हुए अपना टाइम आने के इंतजार में। गुरुजी दूर से दिख रहे थे। और मेरा मन फिर गाने लगा- शिक्षक खड़ा बजार में, लिए फीस का माल..।

घर लौटते हुए देखा कि रास्ते में सर्वपल्ली साहब की आत्मा तेजी से भागी जा रही थी। कारण पूछने पर उन्होंने बताया- शिक्षक दिवस पर देश के शिक्षकों का हाल जानने आया था। खूब जान लिया। अब निकल रहा हूं।

ट्वीट-ट्वीट

वर्ष 1947 में पाकिस्तान में अल्पसंख्यक 23 प्रतिशत थे जो आज घटकर तीन प्रतिशत रह गए हैं। एक वक्त जिन्ना यह कहते नहीं थकते थे कि वह एक ऐसा मुल्क बनाना चाहते हैं जहां सभी धर्मों के लोग अमन-चैन से रह सकें, पर मजहबी उन्माद ने इस मुल्क का बेड़ा गर्क कर दिया। यह दुनिया के लिए एक सबक है।

समीर अब्बास@TheSamirAbbas

अंतरराष्ट्रीय मीडिया कश्मीर की कहानी को अधूरे संदर्भों के साथ क्यों पेश कर रहा है? आखिर उसके द्वारा इस क्षेत्र में आतंकवाद को बढ़ावा देने की पाकिस्तानी कोशिशों को क्यों अनदेखा किया जा रहा है?

यूसुफ ऊंझावाला@YusufDFI

वित्त मंत्री कारों की बिक्री में गिरावट के लिए ओला-उबर और युवाओं को जिम्मेदार ठहरा रही हैं। मारुति सुजुकी के चेयरमैन उनकी बात से सहमत नहीं। वित्त मंत्री को यह समझ लेना चाहिए कि सुस्ती वास्तविक है और इसका दायरा यात्री कार बाजार से भी परे तक फैला हुआ है।

जयराम रमेश@Jairam_Ramesh

हिमाचल प्रदेश डायरी

क्रिकेट, राजनीति और धर्मदास की धर्मशाला

नवनीत शर्मा
राज्य संपादक,
हिमाचल प्रदेश

धर्मदास की धर्मशाला से धर्मशाला हो चुके शहर में दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम पहुंच चुकी है। भारत-दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट मैच के बहाने इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम फिर शहर को रोशन करेगा। 15 सितंबर के मैच के लिए उतना ही जुनून है, जितना एक छोटे शहर में बड़े क्रिकेट मैच के लिए होना चाहिए। खेल बहुत मजेदार है। क्रिकेट मैच तो रविवार को हो जाएगा, लेकिन धर्मशाला उपचुनाव वाले राजनीतिक मैच के लिए भी पिच तैयार हो रही है। इस मैच के अंपायर पटना से आकर एक बार जायजा ले गए हैं, बिहार के स्वास्थ्य मंत्री और हिमाचल प्रदेश भाजपा प्रभारी मंगल पांडेय। मजे की बात यह है कि वह कांग्रेस बनाम भाजपा उपचुनाव के अंपायर नहीं हैं, उन्हें भाजपा बनाम कुछ और भाजपा के मैच में व्यवस्था देनी है। चूंकि वे पार्टी प्रभारी हैं, इसलिए उनकी राय महत्वपूर्ण होगी। समय उनका भी कीमती है, क्योंकि वह रोज बिहार जैसे बड़े राज्य की नब्ज छोड़कर घरेलू मैच की अंपायरिंग करने नहीं आ सकते।

इस प्रसंग की पूर्वपीठिका उतनी सीधी नहीं है। बंटे होने की जो बातें कुछ वर्ष पूर्व तक या अब भी कांग्रेस के बारे में कही जा सकती हैं, अब भाजपा के बारे में उठ रही हैं। ऐसा मुकाबला है जिसमें कुछ अदृश्य अहंकार टकरा रहे हैं, चेहरे सामने होते हुए भी सामने नहीं हैं। बात धर्मशाला से इसलिए उठ रही है, क्योंकि यह सबसे बड़े जिले कांगड़ा का मुख्यालय है। इसका असर प्रदेश की राजनीति पर पड़ता है। यह वही जिला है, सरकार बनाने के लिए जिसके बिना शिमला की ओर नहीं देखा जा सकता। पंद्रह विधायक जाते हैं विधानसभा में। खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री किशन कपूर सांसद बन गए तो उपचुनाव होना ही है। कभी एक नाम चला तो कभी दूसरा। और तो और, धर्मशाला से प्रेम कुमार धूमल का नाम भी चला। लेकिन उन्होंने न हामी भरी, न खंडन किया। शांता कुमार की पसंद भी जगजाहिर है। विद्यार्थी परिषद से भी कुछ नाम चले हैं। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर कुछ दिन पहले शांता कुमार से मिले। उसी दिन दोनों नेता कुछ देर लिफ्ट में भी फंसे। बताया गया कि 'बोझ' अधिक हो गया था। जाहिर है, केवल शांता कुमार और मुख्यमंत्री ही होते तो बोझ नहीं होता। लेकिन यही सच्चाई है। देर रात उन्होंने सक्रिय राजनीति छोड़ने की घोषणा को ट्वीट कर दिया। बाद में कहा कि वह धर्मशाला उपचुनाव में सक्रिय रहेंगे। यह भी कहा कि उनका कोई प्रत्याशी नहीं होगा। इससे पूर्व इसी जिले से इंदू गोस्वामी प्रकरण हुआ था, जब उन्होंने प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दे दिया था। पहले तो उसका संज्ञान नहीं लिया गया, बाद में आनन-फानन स्वीकार कर लिया गया। सवाल तब भी उठे थे, बल्कि कुछ तो अनुत्तरित भी हैं। उसके साथ ही ज्वालामुखी के विधायक रमेश धवाला के खिलाफ एक प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री के समक्ष गुहार लगाने पहुंचा। बाद में संगठन और रमेश धवाला के बीच ऐसा बयानयुद्ध छिड़ा जो भाजपा की परंपरा से मेल नहीं खाता।

अब पालमपुर में शांता कुमार, स्वास्थ्य मंत्री विपिन परमार, उद्योग मंत्री बिक्रम ठाकुर और स्वयं मुख्यमंत्री से तीखे सवाल पूछने वाला पत्र सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया। पुलिस की जांच पूर्व मंत्री रविंद्र रवि तक पहुंची। उनका फोन भी लिया गया। संभवतः पूछताछ भी होगी। इस सारी कवायद में कोई ठीक हो सकता है, कोई गलत। लेकिन जांच के नश्तर जहां भी चलेंगे, सिसकी भाजपा की ही निकलेगी, चेहरों का क्या है, वे तो अपना प्रबंध कर ही लेते हैं। यह त्रिगर्त यानी कांगड़ा की दीवारों की सूरत है। यह सब कुल मिलाकर मुख्यमंत्री की परीक्षा है। अब कांग्रेस से सुधीर शर्मा अपनी दावेदारी लेकर हाजिर हैं। लेकिन भाजपा को अभी अपना चेहरा तलाश करना है। चार अहम लोगों को जिम्मेदारी बांट दी गई है। सत्ता का साथ है, कोई बड़ा संकट भी नहीं है, मुख्यमंत्री भी सबको उपलब्ध हैं, इसके बावजूद घोर असमंजस क्यों? केवल एक चेहरे के लिए इतना असमंजस? क्या इस असमंजस और एक के बाद एक चिंगारी के पीछे कोई 'ज्वालामुखी' है? यह भाजपा को अवश्य सोचना चाहिए। मैच चेहरों के साथ होता है, पारदर्शिता के साथ होता है।

सपनों की खरीद-बिक्री : सपने ऐसी चीज हैं जिन्हें बेचना और खरीदना सबको अच्छा लगता है। लेकिन जब सपने के साथ कीमत जुड़ जाती है तो अपनी आर्थिक स्थिति को कोई भी समझदार व्यक्ति देखता है। हिमाचल प्रदेश की जनता ने ऐसा ही महसूस किया। केंद्रीय वित्त एवं कंपनी मामलों के राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर ने हाल में शिमला में कहा कि ऊना से हमीरपुर तक रेललाइन के लिए सर्वेक्षण पूरा हो चुका है। डीपीआर बन चुकी है। अब राज्य सरकार को रेल मंत्रालय के पत्र का जवाब देना है। अगले दिन, हिमाचल प्रदेश के प्रधान सचिव, परिवहन ने साफ कहा कि रेलवे को जवाब दिया जा चुका है कि इस परियोजना में हिमाचल अंशदान देने की स्थिति में नहीं है। क्या रेललाइन पर केंद्र पूरा पैसा खर्च करेगा? या यह योजना ब्रॉडगेज पठानकोट-जोगेंद्रनगर रेल मार्ग की तरह दूर का ढोल है? ये सवाल इतना दम तो रखते ही हैं कि हिमाचल जागे व अपने संसाधन जुटाए।

जागरण जनमत

कल का परिणाम

क्या मौजूदा दौर में आरक्षण की समीक्षा की जानी चाहिए?

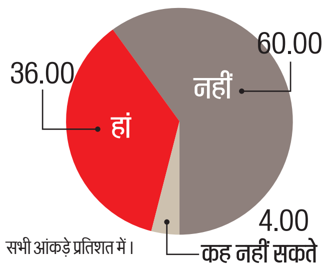

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

क्या आपको लगता है कि ओला-उबर की बढ़ती मांग भी ऑटो सेक्टर में मंदी का एक कारण है?

अपनी राय और अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए अपने मोबाइल के मैसेज बॉक्स में जाकर **POLL** लिखें, स्पेस देकर **Y, N** या **C** लिखकर 57272 पर भेजें
Y -हां, **N**-नहीं, **C**-कह नहीं सकते

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

आईं थीं वह खेलने राजनीति का खेल,
पर पहले ही टेस्ट में हुईं उर्मिला फेल।
हुईं उर्मिला फेल भाड़ में जाय सियासत,
कौन सुबह से शाम मोल ले इसमें आफत!
पांच माह भी आप न जब इसमें टिक पाईं,
राजनीति में आप भला क्या करने आईं!!

- ओमप्रकाश तिवारी

मुद्दा

कश्मीरी भाषाओं के जीवंत होने की उम्मीद

कश्मीर को संविधान के अनुच्छेद 370 से आजाद करने के निर्णय ने देश भर में फैले डोगरी और कश्मीरी भाषी समुदाय में नई आशाएं पैदा की हैं। यह निर्णय उनके लिए अपनी सांस्कृतिक और भाषाई पहचान मजबूत करने का मौका भी लेकर आया है

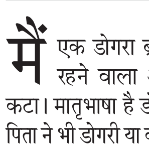

विमल मिश्र

प्रतीकात्मक फोटो

मैं एक डोगरा ब्राह्मण हूं, वतन से दूर रहने वाला और जड़ों से बिल्कुल कटा। मातृभाषा है डोगरी। पर मैंने क्या, मेरे पिता ने भी डोगरी या कश्मीरी कभी नहीं बोली। पुरखों की मातृभाषा से वास्ता पड़ा तो प्रवासियों के सालाना मिलन समारोहों में या रिश्तेदारों के घर जम्मू जाने पर। जब तक जम्मू-कश्मीर से अपने गहरे रिश्तों का भान होता, गंगा में बहुत सारा पानी बह चुका था। अखबार की नौकरी बनारस से मुंबई खींच लाई, जहां डोगरी तो दूर, ढंग से मराठी भी नहीं सीख पाया हूं।

महानगर में इस समुदाय से जो साबका पड़ा उससे अपने ही पुरखों की भाषा, रीति-रिवाज और संस्कार से परिचित न होने की कुंठा बढ़ती गई। महसूस किया कि तादाद में बहुत कम होने के बावजूद इन लोगों में अपनी जड़ों से जुड़ने की कामना कितनी प्रबल है। उन्हें हर जगह देखा-सिक्योरिटी एजेंसी और फौज में। आइटी, व्यापार और होटल बिजनेस में। सबसे ज्यादा तो फिल्म लाइन के साइड धंधों में। दिल्ली के बाद देश में सबसे ज्यादा डोगरे और कश्मीरी पंडित मुंबई में ही बसे हैं।

कुंठा के बाद जो पहली प्रतीति हुई वह गर्व की। देश की आर्थिक राजधानी में ऐसे बहुत कम समुदाय हैं, जिन्होंने दर-बदर और वतन से दूर होकर भी अपना अलग स्थान बनाने की जद्दोजहद नहीं छोड़ी है। डोगरे और कश्मीरी जहां भी हैं, अपनी मेहनत से नई जगह बनाते जा रहे हैं। अनुपम खेर तो खैर, सभी को मालूम हैं, पर मुंबई में ही ऐसे कितने ही लोगों को मैं जानता हूं। जैसे ऑफ बीट प्रोफेशन की दो लड़कियां-अफशान आशिक और कश्मीआ वाही। 25 वर्षीया अफशान-जिन्हें कश्मीर घाटी में 'पुरुषों का खेल' खेलने के लिए बैन कर दिया गया था-आज महिलाओं के फुटबॉल में धमाल मचा रही हैं। किशोरावस्था कश्मीआ, जिन्होंने मेनसा आइक्यू टेस्ट में सबसे ज्यादा स्कोर कर खुद को इंटेलिजेंट साबित कर दिया है। कश्मीरी पंडित समुदाय की उर्मिला जुत्शी से हुई मुलाकात याद आती है। कश्मीर घाटी में पंडितों के घर-बार और जमीन-जायदाद पर आतंकवादियों का नजला फूटा था, तो जुत्शी परिवार भी नहीं बच पाया था। करीब 12 वर्ष पहले जब वापस लौटने की सारी उम्मीदें खत्म हो गईं, तो मजबूर होकर सब कुछ बेचकर उसे मुंबई को ही स्थायी ठौर बनाना पड़ा। 1989 के पलायन के बाद उनके बच्चों ने कश्मीर देखा तक नहीं है। अगर वे उन्हें अपनी परंपरा और संस्कृति के बारे में बताएंगे नहीं, तो उन्हें पता कैसे चलेगा कि कश्मीर है क्या?

'यहूदियों का तो लंबे संघर्ष के बाद अपना एक ठिकाना भी है, पर हम तो दर-ब-दर ही भटक रहे हैं', कश्मीरी पंडित एसोसिएशन के राजेन कौल कहते हैं, 'अपनी भाषा और संस्कृति हमने बचाकर नहीं रखी तो यह खत्म हो जाएगी।' इसीलिए 65 वर्षों से मुंबई के सारे डोगरे परिवार जनवरी-फरवरी के किसी सप्ताहांत में मिलकर 24 घंटों तक हवन और सामूहिक भोज का आयोजन करते आए हैं।

कायम है उम्मीद : सौ से भी ज्यादा वर्ष हुए मेरे पूर्वज कश्मीर घाटी से बनारस आ बसे थे। यहां से मेरे दादा कोलकाता गए और वहां से 'भारत मित्र' नामक अखबार निकाला। कोई चार दशक पुरानी वह याद आज तक स्मृति पटल पर अमर हो गई है। पिताजी बताते थे, सांभा कस्बे में हमारा एक बेशकीमती मकान था, जिस पर किराएदारों ने कब्जा जमा लिया था। पिता जब उसका हाल लेने गए तो कब्जेदारों ने धमकाकर उन्हें भगा दिया था।

जाने-माने हिंदी फिल्मकार और डोगरी व हिंदी के ख्यातनाम लेखक वेद राही की पीढ़ियों को भी यही समस्या पेश आ रही है। वेद राही की दोनों बेटियों का विवाह डोगरों से इतर कुल में हुआ है। वे बताते हैं, 'मेरी एक बेटी जम्मू-कश्मीर आने पर ठहरने का ठिकाना चाहती थी, तो मैंने कहा कि भूल जाओ, क्योंकि तुम्हें संविधान के तहत इसकी इजाजत ही नहीं है।'

कश्मीर को संविधान के अनुच्छेद 370 से आजाद करने के निर्णय ने यह वाकया याद करा दिया। मालूम नहीं, मेरे जैसे लोगों को अपनी खोई संपत्ति मिलेगी या नहीं, पर इसकी धुंधली आशा पैदा हुई यह क्या कम बात है! जिस समुदाय को अपना घर-बार, जमीन-जायदाद-सब कुछ वहीं छोड़ आने के लिए बाध्य होना पड़ा, वह सबसे खुश हो, स्वाभाविक है। मुंबई के कश्मीरी पंडित एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी सुनील रंजन कौल कहते हैं, 'अनुच्छेद 370 खत्म होगा, यही किसे आशा थी, पर यह हुआ। जब तक हम जिंदा हैं, उम्मीद का साथ नहीं छोड़ेंगे।'

यह उम्मीद ही इस निर्णय की सबसे खास बात है। उम्मीद अपनी जुबान, बोली और संस्कृति से फिर से जुड़ने की। रोजी-रोटी और रोजगार के नए रास्ते खुलने की। देश में शरणार्थी शिविरों में बसे लाखों की तादाद में बसे इन बेघर लोगों के फिर से अपने पूर्वजों की जगहों पर आबाद होने की। निःसंदेह इसके साथ बहुत सी जोखिमें भी जुड़ी हैं। पर जब इतना बड़ा निर्णय हुआ है, तो हम इन जोखिमों से निस्तार की उम्मीद भी क्यों छोड़ें!

बात फिर भाषा पर। डोगरी न बोल पाने की मजबूरी के लिए मैं जम्मू-कश्मीर से पीढ़ियों पहले से अलगाव को जिम्मेदार ठहरा खुद को सांत्वना दे सकता हूं। पर उनका क्या जिन्हें पिछले 30 वर्षों में वहां से जाना पड़ा है! ये लोग जिन सूबों में जाकर बसे हैं, वहां कहीं भी डोगरी-कश्मीरी सीख पाने की व्यवस्था नहीं है। ये भाषाएं सीखी जा सकती हैं तो केवल घरों और समुदाय के सदस्यों के बीच आपसी बातचीत में। आप पूछकर देखिए, इन घरों में भी अब डोगरी और कश्मीरी स्वाभाविक जुबान नहीं रही, वहां हिंदी, उर्दू या उन जगहों की स्थानीय भाषा बोली जा रही है। अनुच्छेद 370 खत्म करने के बाद अब हमारी सरकारों को इस दिशा में भी कुछ सोचना चाहिए।

(लेखक जम्मू-कश्मीर से संबंध रखते हैं)

7039 स्टार्टअप हैं दिल्ली-एनसीआर में। यह देश के कुल स्टार्टअप का 23 फीसद है। वहीं, बेंगलुरु में इनकी संख्या 5,234 और मुंबई में 3,829 है। यह जानकारी एक ताजा रिपोर्ट में सामने आई है।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
गुरुवार 12 सितंबर 2019

'बांसुरी थेरेपी' से किया जा रहा गायों का इलाज

जम्मू शहर के अंबफला स्थित गोशाला में वर्तमान में 450 गायें और बछड़े पल रहे हैं। यहां बीमार गायों का इलाज किया जा रहा है। गोशाला में रोजाना 12 घंटे बांसुरी की धुन बजती है। जागरण

गुलदेव राज, जम्मू

जागरण विशेष

- बीमार और लावारिस गोवंश के लिए वरदान बनी बांसुरी की धुन
- गायों के स्वभाव में सकारात्मक बदलाव, दुग्ध उत्पादन भी बढ़ा

गायों के संरक्षण, नस्लीय सुधार और उनके स्वास्थ्य की चिंता से आगे बढ़कर जम्मू की एक गोशाला उन्हें खुशनुमा माहौल दे रही है। उपचार के साथ 'बांसुरी थेरेपी' दिए जाने से बीमार गायों में भी आश्चर्यजनक परिवर्तन दिख रहा है। दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हुई है तो गोवंश का स्वभाव भी बदला है।

जम्मू शहर के अंबफला स्थित यह गोशाला 1960 में शुरू हुई थी। समाजसेवी मूलराज शास्त्री और उनके कुछ दोस्तों ने घायल, बीमार व लावारिस गायों को आश्रय देने के उद्देश्य से बनवाई। इसकी देखरेख करने वाली ऑल जम्मू-कश्मीर गोशाला समिति के प्रधान राजकुमार राजा बताते हैं कि गोशाला चलाने के लिए कोई सरकारी सहायता नहीं मिलती। निजी स्रोत और लोगों के सहयोग से यह चल रही है। गायों की देखभाल के लिए 15 ग्वाले काम करते हैं।

घायल व बीमार गोवंश लाए जाते हैं : इस गोशाला में वर्तमान में 450 गायें और बछड़े पल रहे हैं। इनमें 250 साहिवाल, गीर, रेड सिंधी नस्ल और देसी गायें हैं। बाकी बछड़े-बछड़ियां हैं। इनमें कुछ गायें ऐसी हैं जो दूध नहीं देतीं। दिलचस्प यह है कि गोशाला में पल रहीं गायें कहीं से खरीदी नहीं गई हैं। बीमारी की हालत में सड़कों पर पड़ीं या वाहनों की टक्कर से घायल होने पर इन्हें यहां लाया गया। यहीं इनका इलाज किया जाता है। सरकार से एक वेटनरी डॉक्टर मिले हैं, जो इनका इलाज करते हैं।

रोजाना बांसुरी की धुन : इस गोशाला में कोई गाय बांधी नहीं जाती। सभी खुली रहती हैं। खुशनुमा माहौल देने के लिए रोजाना 12 घंटे बांसुरी की धुन सुनाई जाती है। सुबह छह बजे से दोपहर 12 बजे और दोपहर तीन बजे से रात नौ बजे तक बांसुरी बजती है। सुबह-शाम आरती होती है। समिति के सदस्य बताते हैं कि इससे गायों के स्वभाव में बदलाव आया है। पांच से दस फीसद दूध का उत्पादन बढ़ा है। बांसुरी की धुन शुरू होते ही सभी गायें एक-साथ खड़ी हो जाती हैं। राधे नाम की गाय तो झूमने लगती है। उसके पीछे अन्य गायें भी हो जाती हैं।

भगवान कृष्ण से मिली प्रेरणा : राजकुमार बताते हैं कि एक बैठक में संगीतमय माहौल बनाने की सोच बनी। चूंकि भगवान कृष्ण भी गाय चराते समय बांसुरी बजाया करते थे, इसलिए तय हुआ कि बांसुरी की धुन पूरे गोशाला में बजाई जाए।

संगीत से होता है ऑक्सीटोसिन हारमोन रिलीज : शेर-ए-कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी के वेटनेरी विंग के वरिष्ठ डॉक्टर नीलेश शर्मा इसका चिकित्सकीय पक्ष बताते हैं। उन्होंने कहा, तनाव के माहौल में दुधारू पशु में ऑक्सीटोसिन हारमोन रिलीज नहीं हो पाता, जिससे पूरा दूध नहीं उतरता। संगीत से माहौल बदलता है। पशु तनाव से दूर रहता है। ऑक्सीटोसिन हारमोन रिलीज होने से दूध भी ज्यादा उतरता है। स्वास्थ्य में भी सुधार होता है।

जागरण विशेष की अन्य खबरें पढ़ें
www.jagran.com/topics/jagran-special

वैक्सीन के जरिये मलेरिया पर लगेगा अंकुश

रूमा सिन्हा, लखनऊ

दुनिया के 41 वैज्ञानिकों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा हालिया तैयार ऐतिहासिक रिपोर्ट में भले ही वैश्विक रूप से मलेरिया के खात्मे की समयसीमा 2050 तय की गई हो, लेकिन भारतीय वैज्ञानिक लोगों की जिंदगी के साथ खेलने वाले इस मर्ज का मर्म पकड़ चुके हैं। अब वैक्सीन के जरिये इस रोग से दो-दो हाथ करने को वे तैयार हो रहे हैं। केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान (सीडीआरआइ) के वैज्ञानिक इस प्रयास में जुट गए हैं। वैक्सीन निर्माण की प्रारंभिक प्रक्रिया के नतीजे भी उत्साहजनक सामने आए हैं। चूहों पर किया गया ट्रायल पूरी तरह सफल साबित हुआ है। अब पूरे शोध को एथिकल कमेटी के समक्ष रखा जाएगा, जिसकी अनुमति मिलते ही इंसानों पर वैक्सीन के प्रयोग शुरू हो जाएंगे। वैज्ञानिकों को उम्मीद है, भारत मलेरिया पर अंकुश लगाने की दिशा में बड़ी उपलब्धि हासिल करने के करीब है।

अब तक मलेरिया के नियंत्रण के लिए कोई प्रभावी दवा या वैक्सीन उपलब्ध नहीं है। वक्त के साथ इसके परजीवी में प्रतिरोधक क्षमता भी विकसित हो चुकी हैं। जिस कारण मौजूदा दवाएं निष्क्रिय साबित हो रही हैं। जो वैक्सीन उपलब्ध हैं वे मात्र 50 फीसद तक ही असरदार हैं।

जानलेवा बीमारी : डॉ सतीश मिश्रा के अनुसार मादा एनाफिलीज मच्छर के काटने पर परजीवी त्वचा से रक्त में और फिर लिवर में पहुंच जाता है। लिवर कोशिकाओं में यह बहुत तेजी से खुद की संख्या बढ़ाता है। दूसरा परजीवी प्लाज्मोडियम वाइवेक्स लिवर में शांत पड़ा रहता है और कभी भी रोग का कारण बन जाता है।

इन स्तर पर शोध के प्रयास : डॉ. मिश्रा के मुताबिक, उन्होंने शोध के दौरान लिवर में मौजूद छह हजार जीन में से उस एक जीन (एससीबी) की पहचान की, जो परजीवियों को उनकी संख्या बढ़ाने में मदद करता है। जब मलेरिया परजीवी लिवर में पहुंचता है, तो उसे वहां चक्र पूरा करने में करीब 60 घंटे का वक्त लगता है। इसके बाद वह ब्लड में जाता है। इस जीन को निष्क्रिय करने से 45 से 48 घंटे तक तो वह खुद की संख्या में इजाफा करता है मगर, बाद में विकसित नहीं होता। परजीवी के जीन 30-40 घंटे के दौरान प्रोटीन बनाते रहते हैं, जो उसके प्रतिरक्षी तंत्र को मजबूत करते हैं। वैक्सीन तैयार करने के लिए एससीबी जीनरहित परजीवी को वैक्सीन के रूप में तीन डोज में इंजेक्ट किया जाएगा। जब भी किसी मनुष्य को मच्छर काटेगा उसमें मौजूद परजीवी की एंटीबॉडीज उसे वहीं खत्म कर देंगी। डॉ. मिश्रा को इस शोध के लिए इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आइसीएमआर) ने सम्मानित भी किया है।

> मलेरिया की मौजूदा दवाएं सिर्फ बुखार तक सीमित हैं। धीरे-धीरे वे भी बेअसर हो रही हैं। ऐसे में नए विकल्प के रूप में वैक्सीन ही मलेरिया पर अंकुश लगा सकती है, जिसके लिए हमने प्रयास प्रारंभ किए हैं।
>
> **डॉ सतीश मिश्रा**, वरिष्ठ वैज्ञानिक, आण्विक परजीवी एवं प्रतिरक्षा विज्ञान विभाग, सीडीआरआइ

सरोकार की अन्य खबरें पढ़ें
www.jagran.com/topics/positive-news

रोग का प्रकोप

दुनिया में

(डब्ल्यूएचओ के ताजा आंकड़े)

21.9 करोड़ के मामले दुनिया में सामने आए

04 लाख से ज्यादा लोगों की हो गई मौत

देश में

1.31 करोड़ मामले भारत में पाए गए

24 हजार से ज्यादा लोगों की चली गई जान

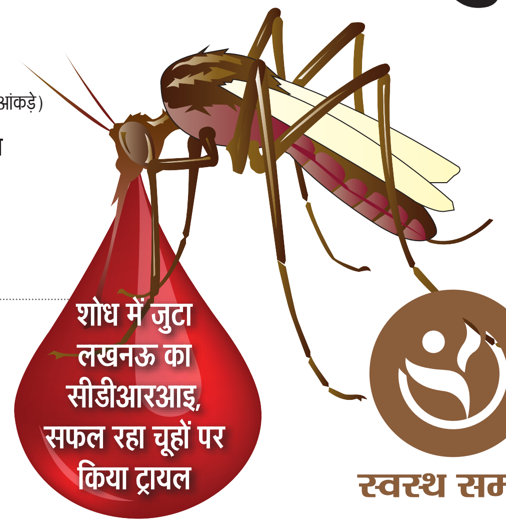
शोध में जुटा लखनऊ का सीडीआरआइ, सफल रहा चूहों पर किया ट्रायल

अब एथिकल कमेटी से अनुमति का इंतजार, फिर होगा इंसानों पर प्रयोग

स्वस्थ समाज

भारत एशिया का एकमात्र और एकमात्र गैर अफ्रीकी देश है जो मलेरिया के मामलों से पीड़ित शीर्ष दस देशों में शामिल है।

भारत में खोजा गया परजीवी

1897 में पहली बार मलेरिया के वाहक मादा एनाफिलीज के बारे में पता चला। इसकी खोज अंग्रेज सैन्य अधिकारी के बेटे रोनाल्ड रॉस ने की थी जिसके लिए उन्हें 1992 में नोबल पुरस्कार भी मिला।

रोनाल्ड रॉस

सर्वाधिक प्रभावित राज्य

ओडिशा, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश। अगस्त से अक्टूबर तक सबसे ज्यादा प्रभाव।

2050 तक संभव होगा उन्मूलन

दुनिया के 41 नामचीन मलेरिया विशेषज्ञों, बॉयोमेडिकल साइंटिस्ट, आर्थिक विशेषज्ञ और स्वास्थ्य नीति निर्माताओं द्वारा तैयार और ऐतिहासिक बताई जा रही हालिया रिपोर्ट के अनुसार मलेरिया का वैश्विक खात्मा 2050 तक संभव होगा। मलेरिया उन्मूलन पर लैंसेट आयोग के सह चेयरमैन सर रिसर्च फीचेम के अनुसार लंबे समय से यह माना जाता रहा है कि मलेरिया का खात्मा एक सपने की तरह है, लेकिन दुनिया के कई हिस्सों में हो रही चिकित्कीय तरक्की ने इसका खात्मा संभव बना दिया है।

अभी तक चेचक का ही खात्मा हुआ है

अभी तक केवल चेचक का ही खात्मा किया जा सका है। कभी महामारी का रूप लेने वाली यह बीमारी हर साल 20 लाख लोगों को लील लेती थी, लेकिन वैक्सीन के द्वारा ही 1979 में दुनिया इस मर्ज से मुक्त हो गई। 2011 में अफ्रीका के पशुओं में होने वाले रिंडरपेस्ट रोग से मुक्ति मिली। 1998 में पोलियो से मुक्ति का शुरू अभियान रंग लाया। वैक्सीन के बूते दुनिया इससे छुटकारा पाने के बेहद करीब है। 2023 में इससे निजात मिल जाएगी।

मलेरिया से मुक्ति को उठे कदम

तीन अफ्रीकी देशों में भी वैक्सीन का व्यापक ट्रायल चल रहा है। इस रोग से सर्वाधिक यही देश प्रभावित हैं।

अब होंगे मां वैष्णो देवी के 'स्वर्णिम दर्शन'

भवन पर प्राचीन गुफा के बाहर सोने, चांदी व तांबे से प्रवेश द्वार तैयार, 25 फीट है ऊंचाई

राकेश शर्मा, कटड़ा

- विधिवत पूर्जा-अर्चना के बाद कल से श्रद्धालु कर सकेंगे दर्शन

देश-विदेश से माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के लिए खुशखबरी। 13 सितंबर यानी शुक्रवार से भक्तों को वैष्णो देवी भवन पर प्राचीन गुफा के प्रवेश द्वार के स्वर्णिम दर्शन होंगे।

श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड की ओर से प्राचीन गुफा के बाहर सोने, चांदी व तांबे से भव्य प्रवेश द्वार का निर्माण करवाया गया है, जिसका कार्य अंतिम चरण में है। 25 फीट ऊंचा व 16 फीट चौड़ा प्रवेश द्वार रिकॉर्ड 65 दिन में तैयार किया गया है। अपने आप में अद्भुत व आलौकिक प्रवेश द्वार की विधिवत पूजा-अर्चना के बाद इसे शुक्रवार से दर्शन के लिए खोल दिया जाएगा। इसके दर्शन के बाद श्रद्धालु पहले की तरह कृत्रिम गुफा से होकर मां भगवती के चरणों में माथा टेकेंगे। प्रवेश द्वार का उद्घाटन इसलिए 13 सितंबर को किया जा रहा है ताकि 29 सितंबर से शुरू होने वाले पवित्र नवरात्र तक गुफा की सजावट के लिए पर्याप्त समय मिल सके।

प्रवेश द्वार में अंकित देवी के नौ रूपों व अन्य देवताओं के चित्र : स्वर्णिम प्रवेश द्वार पर गुबंद के साथ ही तीन सोने के झंडे तथा विशाल स्वर्ण युक्त छतर होगा। इसके अलावा इस पर मां वैष्णो देवी के नौ रूपों के स्वर्ण युक्त चित्र अंकित होंगे। प्रवेश द्वार के दाएं तरफ महालक्ष्मी का करीब छह फीट लंबा स्वर्ण युक्त चित्र होगा। इसी तरह दाएं तरफ ही स्वर्ण युक्त मां वैष्णो देवी की आरती अंकित होगी। प्रवेश द्वार के मध्य में सोने व चांदी की करीब 25 किलो की घंटी होगी। प्रवेश द्वार के भीतर त्रिदेव यानी ब्रह्मा, विष्णु, महेश के साथ ही भगवान सूर्य देव के चित्र अंकित होंगे। प्रवेश द्वार की ऊपरी सतह पर भगवान गणेश के साथ ही हनुमान के स्वर्ण युक्त चित्र अंकित होंगे।

दिल्ली व उत्तर प्रदेश से विशेष रूप से बुलाए थे कारीगर : आने वाले वर्षों में भी प्रवेश द्वार की चमक बरकरार रहे, इसके लिए ही सोने, चांदी तथा तांबे का इस्तेमाल किया गया है। प्रवेश द्वार में 1000 किलो तांबा, 1000 किलो चांदी और करीब 10 किलो सोने का इस्तेमाल हुआ है। इसे बनाने के लिए विशेष रूप से दिल्ली व उत्तर प्रदेश से 20 कारीगर को बुलाया गया था। इसके लिए भवन पर विशेष वर्कशॉप बनाई गई, जहां कारीगर दिन-रात स्वर्ण युक्त प्रवेश द्वार को बनाने में जुटे रहे। इन विशेषज्ञ कारीगर ने ही सिद्धि विनायक मंदिर सहित कई मंदिरों में अपनी सेवाएं दी हैं।

माता वैष्णो देवी के भवन पर प्राचीन गुफा के बाहर सोने, चांदी व तांबे से बने प्रवेश द्वार को अंतिम रूप देते कारीगर। जागरण

सोने के छतर को अंतिम रूप देते कारीगर। इस प्रवेश द्वार को शुक्रवार को विधिवत पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया जाएगा। जागरण

तीसरी बार हो रहा प्रवेश द्वार का पुनर्निर्माण

माता वैष्णो देवी के इतिहास में प्राचीन गुफा के प्रवेश द्वार का पुनर्निर्माण तीसरी बार हो रहा है। वर्ष 1962 से पहले केवल मां वैष्णो देवी की प्राचीन गुफा से ही श्रद्धालु दर्शन के लिए जाते थे। तब गुफा का प्रवेश द्वार पूरी तरह से प्राकृतिक होता था।

1962 में यूको बैंक के तत्कालीन सीएमडी लद्दा राम सुनेजा मां वैष्णो देवी के दरबार पहुंचे तो उन्होंने सबसे पहले प्राचीन गुफा के प्रवेश द्वार पर संगमरमर लगवाया था। यह संगमरमर वर्ष 2005 तक रहा। 2005 में श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने इस गुफा के प्रवेश द्वार पर मकराना संगमरमर लगवाकर नया रूप दिया।

समय-समय पर धार्मिक आस्था को लेकर यह आवाज उठती रही कि जहां भी मां लक्ष्मी या देवी देवताओं का वास होता है, वहां प्रवेश द्वार पीले रंग का होना चाहिए, क्योंकि भारत के प्रसिद्ध तीर्थ विशेषकर पश्चिमी राज्यों के अधिकांश मंदिरों के गर्भ ग्रह या फिर प्रवेश द्वार स्वर्ण युक्त हैं। इसको लेकर श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने भी इस पर विचार शुरू किया।

इसी वर्ष श्राइन बोर्ड की 64वीं बोर्ड मीटिंग में फैसला लिया गया कि वैष्णो देवी की प्राचीन गुफा के प्रवेश द्वार को स्वर्ण युक्त किया जाए। इसके बाद कार्य जोर-शोर से शुरू हो गया।

प्रवेश द्वार की विशेषताएं

25 फीट ऊंचा व **16** फीट चौड़ा

65 दिन में तैयार हुआ

1000 किलो तांबा, **1000** किलो चांदी, **10** किलो सोने का इस्तेमाल

20 कारीगरों ने दिल्ली व उत्तर प्रदेश से आकर किया निर्माण

स्वर्णिम द्वार बोर्ड की महत्वपूर्ण परियोजना : सिमरनदीप सिंह

श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के सीईओ सिमरनदीप सिंह ने कहा कि स्वर्णिम प्रवेश द्वार बोर्ड की महत्वपूर्ण परियोजना थी, जो अंतिम चरण में है। 13 सितंबर को विधिवत पूजा-अर्चना के इसे श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोल दिया जाएगा। वैष्णो देवी की कृत्रिम गुफाओं के द्वार को भी स्वर्ण युक्त करने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि फिलहाल ऐसा कोई विचार नहीं है। इसको लेकर श्राइन बोर्ड के सदस्यों को ही फैसला लेना है।

उत्तराखंड में प्लास्टिक कचरे का निस्तारण न करने पर दस कंपनियों को नोटिस

सुमन सेमवाल, देहरादून : उत्तराखंड पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने स्वयं के प्लास्टिक कचरे के निस्तारण की व्यवस्था न बनाने पर देश की 10 नामी कंपनियों को नोटिस जारी किया है। इन कंपनियों के उत्पाद प्लास्टिक की बोतल, डिब्बे, पाउच या सैशे आदि में आ रहे हैं। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने 13 जून को आदेश जारी कर कंपनियों को आदेश दिए थे कि उन्हें अपने प्लास्टिक कचरे के निस्तारण की जिम्मेदारी स्वयं उठानी होगी। इसके लिए चाहे वह अपने स्तर पर निस्तारण करें या फिर स्थानीय निकायों को पैसे देकर अपने प्लास्टिक कचरे का निस्तारण कराएं। आदेश में प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट रूल-2016 का हवाला देते हुए कहा गया था कि इसके लिए सबसे पहले संबंधित कंपनियों को बोर्ड में अपना पंजीकरण कराना होगा और यह भी बताना होगा कि उनके उत्पादों के जरिये कितना प्लास्टिक उत्तराखंड में पहुंच रहा है। यह व्यवस्था करना तो दूर कंपनियों ने अब तक पंजीकरण भी नहीं कराया है।

इन कंपनियों को जारी किया गया नोटिस

- नेस्ले इंडिया लिमिटेड, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, दिल्ली
- आइटीसी लिमिटेड, नेहरू रोड, कोलकाता
- पारले प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, विले पारले, ईस्ट मुंबई
- हल्दीराम फूड्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, भंडारा रोड, नागपुर
- पतंजलि फूड एंड हर्बल पार्क, लक्सर, हरिद्वार
- हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेस प्राइवेट लिमिटेड, हैदरपुर, हरियाणा
- पेप्सिको इंडिया लिमिटेड, गुरुग्राम, हरियाणा
- बीकानेरवाला प्राइवेट लिमिटेड, लॉरेंस रोड, दिल्ली
- बिसलेरी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, अंधेरी (ईस्ट) मुंबई
- ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, महेदेवपुरा, बेंगलुरु

पक्षियों को मालूम है झारखंड के कैलाश के घर का पता

लक्ष्मण दांगी, गिद्धौर (चतरा)

झारखंड के चतरा जिले के गिद्धौर के कैलाश दांगी की पहचान पक्षी प्रेमी के रूप में है। पक्षियों को दाना खिलाने का कैलाश का जुनून ऐसा है कि अब पक्षी भी उनकी आहट दूर से ही पहचान लेते हैं। किराने की दुकान चलाने वाले कैलाश की दुकानदारी पक्षियों को दाना खिलाने से ही शुरू होती है। हर दिन सुबह सैकड़ों कबूतरों और कौओं को दाना खिलाते हैं। बड़ी की बात यह है कि जिस दिन कैलाश देर से दुकान खोलते हैं या दुकान नहीं जाते हैं उस दिन पक्षी उनके घर की छत पर डेरा डाल देते हैं। जब तक कैलाश या उनके परिवार के अन्य सदस्य पक्षियों को दाना नहीं देते तब तक पक्षी वहां डेरा जमाए रहते हैं।

कैलाश अपनी दुकान सुबह 6:30 बजे खोलते हैं। दुकान खोलने के साथ ही कौओं व कबूतरों के झुंड उनके आसपास मंडराने लगते हैं। कैलाश अपनी दुकान की प्रतिदिन साफ-सफाई व पूजा-अर्चना के बाद उनको दाना खिलाते हैं। ऐसे वह कई वर्षों से लगातार कर रहे हैं। कैलाश के पक्षी प्रेमी होने की चर्चा गांव के साथ-साथ संपूर्ण प्रखंड में है। कई बार लोग खासतौर उनकी दुकान पर इस नजारे को देखने के लिए पहुंचते हैं।

पक्षियों को दाना खिलाते कैलाश। जागरण

इस तरह हुई शुरुआत

कैलाश बताते हैं कि वह पहले मुंबई में रहते थे। वहां आसपास के लोग पक्षियों का दाना खिलाते थे। उन्हीं लोगों से प्रेरित होकर वह भी दाना खिलाने लगे। जब अपने पैतृक गांव आए, तो यहां भी इसकी शुरुआत की। यह सिलसिला पिछले पांच वर्षों से चल रहा है। कैलाश बताते हैं कि प्रारंभ में दो-चार ही पक्षी आते थे, लेकिन धीरे-धीरे उनकी संख्या बढ़ने लगी। वर्तमान समय में प्रतिदिन सैकड़ों पक्षी आते हैं।

लोहावती व गंडक नदी से गायब हो रही महाशीर

चिंताजनक

नदियों का प्रदूषित पानी व अवैध शिकार बन रहा जल की रानी का काल, पंचेश्वर और रामेश्वर की सरयू व काली नदी में भी अस्तित्व पर संकट

विनोद चतुर्वेदी, चंपावत

उत्तराखंड की लोहावती और गंडक नदी में पाई जाने वाली दुर्लभ प्रजाति की गोल्डन महाशीर यहां पर विलुप्त होने के कगार पर है। 20 वर्ष पूर्व तक इन नदियों में महाशीर अच्छी-खासी संख्या में पाई जाती थी, लेकिन अब प्रकृति से छेड़छाड़ और सिस्टम की लापरवाही से इस मछली का अस्तित्व खत्म हो रहा है। सीवर का पानी छोड़े जाने से लोहावती और उत्तरवाहिनी गंडक नदी का पानी इतना दूषित हो गया है कि इन नदियों में अब महाशीर तो दूर अन्य प्रजाति की मछलियां भी नहीं मिल रही हैं। पंचेश्वर की महाकाली और रामेश्वर की सरयू नदी अभी भी गोल्डन महाशीर का आशियाना है।

महाशीर मछली तेज बहते हुए साफ पानी में पाई जाती है। कभी लोहाघाट की लोहावती नदी और चंपावत की गंडक नदी में यह मछली बड़ी तादात में थी। बढ़ते शहरीकरण से इन नदियों में सीवर का पानी छोड़े जाने से अब इनका अस्तित्व यहां समाप्त होने के कगार पर पहुंच गया है। मछली पकड़ने के अवैध तरीके जैसे विद्युत करंट, विषैले रसायन, डायनामाइट आदि के प्रयोग से भी इनकी संख्या में गिरावट आ रही है। पर्यावरणविद बीडी कलौनी, एडवोकेट नवीन मुरारी, बीडी सुतड़ी राजेंद्र गहतोड़ी का कहना है कि दस वर्ष पूर्व तक भी इन नदियों में महाशीर दिख जाती थी, लेकिन वर्तमान में यहां दिखाई नहीं देती।

होता है सुनहरा रंग : प्राकृतिक जल स्रोतों में लगभग नौ फीट लंबी और 54 किलो तक की महाशीर मछली पाई जाती है। पंचेश्वर की महाकाली नदी में अब तक अधिकतम 40 किलो तक की मछली पाई गई है। यह स्वयं को विभिन्न प्रकार के भोजन और पर्यावरण के अनुकूल ढालने में सक्षम होती है।

आखेट के लिए पसंदीदा मछली है महाशीर : टायगर इन वाटर्स के रूप में प्रसिद्ध यह मछली मत्स्य आखेट करने वालों की पहली पसंद है। पंचेश्वर की महाकाली नदी में महाशीर के आखेट के लिए प्रतिवर्ष देश-विदेश से सैलानी पहुंचते हैं। महाशीर की संख्या यहां भी कम होने से सैलानी भी मायूस हो रहे हैं।

20 वर्ष पूर्व तक इन नदियों में महाशीर मछली की थी अच्छी संख्या। फाइल

> लोहावती और गंडक नदी से प्रदूषण के कारण महाशीर विलुप्ति के कगार पर पहुंच गई है। पंचेश्वर क्षेत्र की काली नदी में महाशीर के अवैध शिकार को रोकने के लिए वन विभाग ने सख्त कदम उठाए हैं। समय-समय पर गश्त की जाती है। इसके अस्तित्व को बचाने के लिए हर संभव कोशिश की जाएगी।
>
> **- दीप जोशी, वन क्षेत्राधिकारी लोहाघाट (चंपावत)**

गुच्छी (स्पंज मशरूम) खाएं हृदय रोग भगाएं

गुच्छी औषधीय गुणों से भरपूर होती है। इसका औषधीय नाम मार्कुला एस्क्यूपलेटा है। यह स्पंज मशरूम के नाम से देश भर में मशहूर है। स्थानीय भाषा में इसे छतरी, टटमोर या डुंघरू कहा जाता है। गुच्छी चंबा, कुल्लू, शिमला, मनाली सहित प्रदेश के कई जिलों के जंगलों में पाई जाती है।

32.7%	2%	17.6%	38%
प्रोटीन	फैट	फाइबर	कार्बोहाइड्रेट

गुच्छी के लाभ

- हृदय रोग में फायदा
- विटामिन बी, सी, डी व के की प्रचुर मात्रा
- मोटापा, सर्दी, जुकाम से लड़ने की क्षमता बढ़ाने में सहायक
- प्रोस्टेट व स्तन कैंसर की आशंका को कम करना
- ट्यूमर बनने से रोकना
- कीमोथेरेपी से आने वाली कमजारी दूर करने में सहायक
- सूजन दूर करने में लाभदायक

सुपोषण की जंग

> गुच्छी विटामिन से भरपूर होती है। इसके सेवन से कई बीमारियों से दूर रहा जा सकता है।
>
> **डॉ. संजीव शर्मा**, सीएमडी, रेबिसन इलेक्ट्रो होम्योपैथी एसोसिएशन

पौष्टिक तत्वों से भरपूर

औषधीय गुणों से भरपूर गुच्छी के नियमित सेवन से हृदयरोग नहीं होता है। हृदयरोगियों को गुच्छी के सेवन से लाभ होता है। गुच्छी के सेवन से कई घातक बीमारियां दूर होती हैं। इसका प्रयोग कई प्रकार की दवा बनाने में किया जाता है। आज के दौर में अधिकतर लोग गुच्छी के गुणों से अनजान हैं। इसलिए इसका पूरा फायदा नहीं उठाया जा रहा है। गुच्छी ऊंचे पहाड़ी इलाके के घने जंगलों में कुदरती रूप से पाई जाती है। जंगलों के अंधाधुंध कटान के कारण यह अब काफी कम मात्रा में मिलती है। यह सबसे महंगी सब्जी है। इसका दाम 25 हजार रुपये प्रति किग्रा से भी अधिक है। इसका सेवन सब्जी के रूप में किया जाता है। हिमाचल से बड़े होटलों में ही इसकी सप्लाई होती है।

(चंबा से सुरेश ठाकुर का इनपुट)

दैनिक जागरण
सबरंग
साहित्य के...
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 12 सितंबर, 2019
सुझाव व प्रतिक्रिया के लिए लिखें : sabrang@nda.jagran.com
https://www.facebook.com/jagransabrang/

हिंदी हैं हम

अब हिंदी मीडियम टाइप्स नहीं कहलाते

प्रभात रंजन
जाकिर हुसैन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

तीस साल पहले जब दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ने आया था तो एक नया शब्द सुना था- एचएमटी यानी हिंदी मीडियम टाइप्स! बिहार के उत्तरवर्ती सुदूर कस्बे से दिल्ली विवि में पढ़ने आना अनुभव तो था, लेकिन हिंदी का विद्यार्थी होकर दिल्ली विवि के कैंपस में पढ़ना न भूलने वाला अनुभव था। हम कॉलेज में होकर भी नहीं होते थे, कैंपस में होकर भी नहीं होते थे। क्योंकि हम हिंदी मीडियम टाइप्स होते थे। कैंपस के कॉलेज में हिंदी ऑनर्स और संस्कृत ऑनर्स का विद्यार्थी होना वैसे ही होता था जैसे गांवों के बाहर अछूत कहे जाने वाले समाज की बस्ती। इससे फर्क नहीं पड़ता था कि आप अपने विषय में किस तरह के विद्यार्थी थे, अन्य विषयों में आपकी गति कैसी होती थी आप हिंदी वाले की छवि में ढाल दिए जाते थे।

आप हिंदी के अच्छे विद्यार्थी हैं- इस बात का महत्व दूसरे विषयों के विद्यार्थियों को केवल तब समझ में आता था जब उनको अनिवार्य हिंदी के पेपर में पास होना होता था। उनके लिए अच्छे विद्यार्थी होने के बड़े प्रमाणों में एक यह था कि हिंदी के अनिवार्य पर्चे में तब तक फेल होते रहें जब तक कि हिंदी में पास होने का अंतिम मौका न आ जाए। हिंदी में फेल होना अच्छे विद्यार्थी होने की निशानी मानी जाती थी। वैसी स्थिति में उनको मेरे जैसे टॉपर विद्यार्थियों की याद आती थी और परीक्षा के उन मौसमों में हम कुछ दिन इस बात को लेकर गर्व महसूस करते थे कि अंग्रेजी, इतिहास जैसे विषयों के लड़के लड़कियां मुझसे हिंदी पढ़ने आते थे और धन्यवाद भी करते थे। मुझे याद आ रहा है कि मैं उन दिनों कैंपस के हिंदू कॉलेज में छात्र कार्यकर्ता था और अपने आपको बाकी हिंदी वालों से विशिष्ट दिखाने के लिए लड़के लड़कियों के छोटे मोटे काम करवाया करता था। देखते-देखते कॉलेज की लड़कियां मुझे भैया बुलाने लगीं। बाद में समझ आया कि दिल्ली में रिक्शे वालों, सब्जी वालों के लिए यह संबोधन आम था- जिससे हिंदी में बात की जाए वह भैया! बाद में 'यू आर अनंतमूर्ति' का लेख पढ़ा था जिसमें उन्होंने यह चिंता व्यक्त की थी कि आने वाले समय में हिंदी जैसी भाषाएं 'किचन लैंग्वेज' बनकर रह जाएंगी यानी नौकर-चाकरों, मजदूरों से बातचीत की भाषा। यह सत्ता की भाषा नहीं बन पाएगी। प्रसंगवश, यह भी बताता चलूं कि कि केवल हिंदी-संस्कृत पढ़ने वाले विद्यार्थियों के साथ यह संकट नहीं था बल्कि कैंपस कॉलेजों में हिंदी माध्यम से इतिहास, राजनीतिशास्त्र पढ़ने वाले विद्यार्थियों के साथ भी दोयम दर्जे का बर्ताव किया जाता। यह हाल केवल विद्यार्थियों का रहा हो ऐसा नहीं था बल्कि स्टाफ रूम में हिंदी पढ़ाने वाले प्राध्यापकों को भी कोना पकड़ कर रहना पड़ता था या अंग्रेजी में संवाद करने की कोशिश करनी पड़ती थी।

पिछले लगभग पंद्रह सालों से दिल्ली विवि के एक कॉलेज में पढ़ाते हुए महसूस होता है कि यह अनुभव अब अतीत की बात हो गई है। अब कुछ सालों में दिल्ली विवि में ऐसा लगता है कि अंग्रेजियत का लबादा उतार दिया है। अब हिंदी के एक प्राध्यापक विवि के शीर्ष पद पर भी पहुंचे यानी विवि के उपकुलपति बने। हिंदी पढ़ने वालों में अब पहले से अधिक आत्मविश्वास दिखाई देने लगा है। पहले हिंदी का विद्यार्थी अधिक से अधिक किसी सार्वजनिक निगम में हिंदी अधिकारी बनने का सपना देखता था, अब वह मीडिया की ग्लैमरस नौकरी के सपने देखता है। पिछले कई सालों में मैंने 'एचएमटी' जैसा व्यंग्य भी नहीं सुना। कॉलेज की गतिविधियों में हिंदी वाले कोना पकड़े नहीं दिखाई देते बल्कि वे बीचोबीच होते हैं। लेकिन एक सच अभी भी नहीं बदला है- आज हिंदी पढ़ने वाले अधिकतर विद्यार्थी वही होते हैं जो किसी अन्य विषय में दाखिला नहीं ले पाते!

हिंदी दिवस विशेष

पटरानी की चिंता नहीं जुबां पर तो हूं

हंसी ठिठोली वाली हिंदी...गपशप करने वाली हिंदी...स्नेह और क्रोध में अच्छे से भावों को अभिव्यक्त करने वाली हिंदी...जुबां पर रची बसी हिंदी पटरानी की चिंता नहीं करती। बस बात करती है कितना सभी के दिलों में बसती है। हिंदी भवन में चिंतन करो, साहित्यिक गोष्ठियों में मंथन करो। मैं हूं, मैं थी और मैं रहूंगी हिंदी इसी भाव से संयमता से जुबां-जुबां पर कहीं आधी सी तो कहीं पूरी सी बसती है। सबरंग के इस अंक में 14 सितंबर, हिंदी दिवस के अवसर पर दिल्ली की रगों में हिंदी से रूबरू करा रही हैं **मनु त्यागी**

हिंदी भवन के अंदर के दृश्य पुस्तकालय भी है, विचार-विमर्श केंद्र सहित भारतीय भाषाओं के चिंतन-मंथन की सभी सुविधाएं हैं।

'हिंदी क्या है' इस मामले में राजधानी में बड़ी उदारता नजर आती है। ऊंचे सामाजिक स्तर वालों के लिए हिंदी पूजा कराने वाले पंडित बोलते हैं, बच्चों को घर पर हिंदी पढ़ाने वाले मास्टर साहब बात करते हैं। बाकी लोगों में भाषा को 'दरयागंज एक सवारी और 'बैंगन क्या भाव' से ज्यादा आगे इस्तेमाल करने की जरूरत कम ही पड़ती है जिसको पड़ती है वह अपने जिले की बोली से काम चलाते हैं।

दरअसल आसान हिंदी के सवाल पर भी आज राजधानी में जो उत्तेजना है उसने असल सवाल को किसी हद तक ढक सा लिया है। सवाल 'आसान' हिंदी का नहीं 'अच्छी' हिंदी का है। आज जिसे आसान बनाने की कोशिश हो रही है, वह हिंदी कठिन सिर्फ इसलिए है क्योंकि वह अच्छी नहीं है और जो 'आसान हिंदी' चलाई जा रही है वह और भी कठिन है, क्योंकि वह और भी कम अच्छी है। लेकिन फिर भी हिंदी तो देश के माथे की बिंदी है। हिंदी के चिंतन-मंथन का दायित्व यूं तो दिल्ली में अकादमी, साहित्यकार सभी निभा रहे हैं। इन्हीं में एक हिंदी भवन भी है। जिसमें रची-बसी हिंदी की आत्मा और संघर्ष कहानी कुछ ऐसी है।

-यूं दिल्ली में बसती बढ़ती गई हिंदी

'जब तक दिल्ली में हिंदी नहीं आएगी तब तक देश में हिंदी नहीं आएगी।' पुरुषोत्तम दास टंडन जी का यह समाज के लिए संदेश भी था और लाल बहादुर शास्त्री जी और मेरे पिता जी गोपाल व्यास को निर्देश भी कि हिंदी के लिए चिंतन करो। हिंदी भवन के संचालक गोविंद व्यास बताते हैं कि ये 1956 के आसपास की बात होगी जब शास्त्री जी रेल मंत्री हुआ करते थे। दिल्ली में उस दौर में तीन तरह के लोग रहते थे पंजाबी, मुस्लिम और बनिया-व्यापारी वर्ग। अब तीनों की ही भाषा बिलकुल जुदा ऐसे में शास्त्री जी और गोपाल जी के लिए यही चुनौती थी कि इन तीनों ही वर्गों से ऐसा सामंजस्य बैठाया जाए कि हिंदी सभी की जुबां पर सजे। इसके लिए इन दोनों ने हिंदी साहित्य सम्मेलनों के माध्यम से शुरुआत की। फिर सभी बैंकों, डाकघर व सरकारी कार्यालयों में सिर्फ हिंदी में ही हस्ताक्षर का अभियान चलाया जो कि काफी सफल भी हुआ था। जब यहां लोगों की स्वीकृति बढ़ती गई तो हिंदी को साइनबोर्ड/सूचना पर जगह दिलाने की मुहिम शुरू की। जितने भी दिल्ली में व्यापारिक क्षेत्र थे मसलन चांदनी चौक, कनॉट प्लेस, करोल बाग आदि सभी जगह सूचना पट को हिंदी भाषी बना दिया गया। इस आयोजन की सफलता में सभी भाषा के हजारों लोग जुड़ गए। तब टंडन जी के वक्तव्य को और साकार बनाने के लिए एक ऐसे स्थान की जरूरत महसूस हुई जहां सब हिंदी के शुभचिंतक, प्रशंसक बैठकर चिंतन-मंथन कर सकें। और शास्त्री जी के सहयोग से गोविंद जी ने हिंदी भवन बनाने की इच्छा जताई जिसे पुरुषोत्तम दास टंडन जी की स्मृति के तौर पर बनाना चाहते थे। टंडन जी कांग्रेस के बड़े नेता थे लेकिन हिंदी के प्रति उनका अनुकरणीय प्रेम था। उनके जवाहर लाल नेहरु जी से हमेशा ही वैचारिक मतभेद भी रहे। जिसका कई बार राजनीतिक असर भी दिखा। बहरहाल यह दूसरा पक्ष है। टंडन जी ने तब नेहरु जी से कहा था कि आप देश संभालिए मैं देश की भाषा को संभालूंगा। सन् 1965 में शास्त्री जी भी नहीं रहे तब गोविंद जी ने एक-एक रुपया इकट्ठा किया सिर्फ दिल्ली से ही नहीं देशभर से लोगों ने आर्थिक सहयोग दिया। हिंदी भवन का निर्माण हुआ धर्मवीर जी उस जमाने में इंडियन सिविल सर्विस (आइसीएस) हुआ करते थे वे यहां के अध्यक्ष बने। बहु भाषी दिल्ली को अंततः एक हिंदी का भवन यानी हिंदी को घरौंदा मिल गया। यहां बहुत सी गोष्ठियां, सेमिनार आदि का आयोजन होने लगा। जब पिता जी अस्वस्थ रहने लगे उसके बाद वर्ष 2000 से मैंने ही यहां की कमान संभाली। और भाषा को और समृद्ध बनाने के लिए अन्य भारतीय भाषाओं को भी हिंदी के आलिंगन में लेने की प्रक्रिया शुरू की। गोविंद जी यहां सभागार भी बनाना चाहते थे। उन दिनों अटल बिहारी वाजपेयी भी यहां आया करते थे। उनसे मेरे बेहद घनिष्ठ संबंध थे। मैंने उनसे पत्र लिखवाया कि सभी हिंदी भाषी प्रदेश से आने वाले सांसद इस भवन में सभागार बनवाने के लिए चंदा दें। अटल जी ने खुद 5000 रुपये दिए और बाकी सब जगह से भी आर्थिक सहयोग मिला। उनके द्वारा ही सभागार का उद्घाटन कराया गया। गोविंद व्यास जी की याद में व अहिंदी भाषी को हिंदी भाषी सम्मान पुरस्कार की भी गोविंद जी ने शुरुआत की थी। मेरा एक निर्णय यह भी रहा कि हिंदी के इस घरौंदे के लिए सरकार से किसी तरह का अनुदान नहीं लिया जाएगा। दरअसल सरकार हिंदी को पीठ पर लादा हुआ महसूस करती है पेट से जोड़ा हुआ नहीं। जिस दिन हिंदी पेट से जुड़ जाएगी उस दिन खुद बड़े स्तर पर समाज में परिवर्तन नजर आएगा। आज मैं किसी भी विभाग को नगर निगम, दिल्ली विकास प्राधिकरण कहीं ई-मेल करता हूं तो जवाब अंग्रेजी में आता है। मैं तो उस पर यही जवाब दे देता हूं मुझे अंग्रेजी नहीं आती फिर पलट कर कभी जवाब ही नहीं आता। हालांकि आज केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार के दौर में कुछ आमूलचूल परिवर्तन तो आया है। लेकिन अब भी हिंदी लगती पीठ पर लदी हुई है।

हिंदी भवन में होने वाले प्रमुख आयोजन

- अब तक यहां 20 साहित्यकारों की जन्मशती मनाई गई।
- देश की हर भाषा के आयोजन आज यहां होते हैं।
- 5 कार्यशाला होती हैं, विचार विमर्श होते हैं।
- हिंदी से इतर अन्य भाषी कवियों को बुलाकर कवि सम्मेलनों का आयोजन कराया जाता है।
- बगैर हिंदी विषय वाले विशेषज्ञों को यानी विज्ञान, समाजशास्त्र, राजनीतिकशास्त्र आदि विषयों के जानकारों से गोष्ठी कराते हैं। हाल ही में इसरो विषय पर भी हिंदी में गोष्ठी कराई। साल में दो-तीन ऐसी गोष्ठी होती हैं।
- ऐसे निपुण साहित्यकारों को पुस्तक विमोचन के लिए मंच दिया।
- हिंदी रत्न और व्यंग्यश्री सम्मान गोविंद व्यास जी के समय में 5000 रुपये की राशि के साथ शुरू हुए थे वे आज 1 लाख 11 हजार की राशि तक पहुंच गए।

भाषा के प्रति उत्सुकता रही मौलिकता नहीं

दिल्ली और राष्ट्रभाषा प्रचार सभा

संसद भवन के जिस कक्ष में अपना संविधान भारतीय जनता ने अंगीकार किया, उसी कक्ष में गत मास उसी तारीख को 14 सितंबर संसदीय हिंदी परिषद, हिंदी साहित्य सम्मेलन, दिल्ली और राष्ट्रभाषा प्रचार सभा, दिल्ली की ओर से हिंदी दिवस का आयोजन हुआ। संविधान में हिंदी संबंधि आदेशों का स्मरण किया गया। हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने के लिए उत्साही संसद सदस्यों की उस परिषद के प्रमुख कार्यकर्ता नलिनविलोचन शर्मा का नाम भी नहीं मालूम था। थोड़ी देर बाद, मानो यह साबित करने के लिए कि नलिन जी का नाम नहीं सुना तो क्या साहित्य की गतिविधि से हमारा संपर्क है, उन्होंने एक हिंदी कवि को आदेश दिया कि वह अपनी कविता पढ़े। कवि जी आए। उन्होंने कविता पढ़ी, 'तुम मूर्ख बनो मतिमंद बनो'

पिछले दिनों दिल्ली नगर निगम में बड़ी नोकझोंक रही। विषय था निगम की भाषा हिंदी हो या उर्दू...तो झगड़ा पटरानी का था। दिल्ली नगर निगम के माननीय सदस्यों के भाषा संबंधी भाषण से क्या यह समझा जाए कि हिंदी वाले उर्दू तब समझते हैं जब उसमें उनकी बात का जवाब दिया जा रहा हो और उर्दू वाले उस वक्त तक हिंदी को हिंदी नहीं मानते जब तक हिंदी के पक्षधर न बोल रहे हों। उर्दू वाले अगर जनसाधारण की बोली समझते हैं तो क्या वही बोली हिंदी नहीं, पर दुर्भाग्य तो यह है कि कृत्रिम रूप से क्लिष्ट भाषा, जिसमें आत्मरक्षा की भावना भरी हो सहम मिलनसारिता की नहीं, असली हिंदी है बाकी सब उर्दू। गुड़ खाएं गुलगुले से परहेज। **नकल करने का काम हिंदी में** : दिल्ली में हिंदी के विकास के लिए सरकारी खर्च से और हिंदी प्रेमियों के उत्साह से बहुत काम होता है, पर इसका पांच फीसद भी मौलिक नहीं होता। अंग्रेजी से अनुवाद होता है। लिखने का काम अंग्रेजी में, नकल करने का काम हिंदी में। सरकारी साइनबोर्ड पर सर्वत्र हिंदी माता विराजमान हैं, पर वहां हाल यह है कि जब तक आप थोड़ी बहुत अंग्रेजी न जानते हों अपनी मातृभाषा भी नहीं समझ सकते। 'दिए गए भाड़े के बदले टिकट लेना न भूलिए' से आप क्या समझे? किसको दिए गए भाड़े के बदले? जो आपको घर से चलते समय मुन्नी की अम्मा ने दिया है? नहीं, जो आपने बस कंडक्टर को दिया है। यानी अंग्रेजी में जिसे लिखा गया है 'इन रिटर्न ऑफ फेयर टेंडर्ड'। 'पूछताछ और स्वागत' का बहुत बड़ा भारी साइनबोर्ड देखकर उसके हिंदी अक्षरों के आकार से नहीं, मन में अंग्रेजी को जो संस्कार है उसी से उसका अर्थ स्पष्ट होता है। इंक्वायरी एंड रिसेप्शन का अनुवाद ही न करना पड़ता। सहज भाव से कहा गया होता कृपया यहां होकर जाइएए क्योंकि उस कार्यालय का काम अंदर जानेवालों को रोककर सही जगह पहुंचाना ही तो है। और अपने जनजीवन का इससे भी गहरा संस्कार यदि बचा होता तो शायद उस कार्यालय को केवल ड्योढ़ी की संज्ञा दे दी गई होती जिसमें जो कुछ उसका कार्य संपूर्णतया अभिव्यक्त हो जाता है।

एक और मिसाल, राजधानी के खादी ग्रामोद्योग भवन के किराना में सौदा लेते हुए एक दिन देखी। एक सम्भ्रांत पुरुष से उनकी पत्नी ने कहा 'डार्लिंग', यहां हाथ का आटा भी मिलता है, कैसा होगा ऐं? यह कहकर उन्होंने चक्की चलाने की नकल करके दिखाई। पतिदेव बोले 'ले लो, कोशिश करके देखें। मुझे कुछ अचरज हुआ कि भीड़ तो थी नहीं फिर लेने की कोशिश का क्या सवाल था? फिर पत्नी ने कुछ पूछा और फिर उन्होंने कहां, हां, हां, कोशिश करके देखो।' तब अचानक समझ में आया मतलब था 'ट्राइ' करके देखो। ट्राइ करना माने कोशिश करना।

(ट्राइ करने के दो अर्थ होते हैं आजमाना और कोशिश करना। पति महोदय, कहना चाहते थे आजमाकर देखे)। काफी ट्राइंग था यह...

अटल जी की आत्मज हिंदी के दीवाने : राज्यसभा के जनसंघी प्रतिनिधि अटलबिहारी वाजपेयी के हिंदी भाषणों को सुनने के लिए प्रेस गैलरी में हमेशा भीड़ लग जाती है और उस वक्त कोई शिकायत नहीं करता कि यह हिंदी कठिन थी। वाजपेयी जी की हिंदी आत्मज हिंदी रही इसीलिए सहज भी रही और उनके विचारों से सहमत होना जरूरी नहीं, पर उनकी वाणी की विन्यास शक्ति, सही जगह सही शब्द का प्रयोग करने का शऊर और मुहावरों के प्रति उनकी आदर भावना सुनने वालों को पूरा अर्थ खोलकर समझा देती। अन्यत्र हिंदी के साथ धीरे-धीरे दिल्ली में ढीलेढालेपन और फूहड़पन का एक ऐसा संबंध जुड़ गया है जो मुश्किल से तोड़े टूटेगा पर जिसको तोड़ना नई पीढ़ी की अर्थात् उनकी जो भाषा को भाषा की हैसियत से प्यार करते हैं इसकी हैसियत से नहीं, सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। हिंदी के पक्ष में होने वाले बड़े कार्यों में आज अधिकांश ऐसे ही लोगों का सहयोग यहां दिखाई देता है जो हिंदी ही जानते हैं, जीवन के और कार्यक्षेत्रों से जैसे विज्ञान, कला, टेक्नोलॉजी से उनका सीधा संबंध नहीं है। ये लोग हिंदी की रक्षा की बात करते हैं, हिंदी में और विषयों की बात नहीं करते।

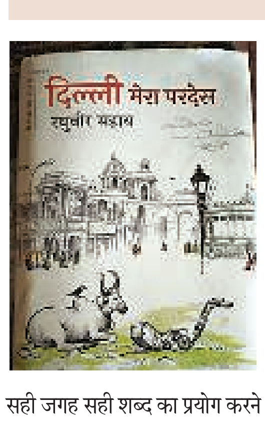

रघुवीर सहाय, दिल्ली की डायरी (1960-63)
दिल्ली मेरा परदेस किताब से भाषा भ्रमजाल का अंश

दिग्गजों की जुबानी हिंदी की कहानी

दैनिक जागरण
सान्निध्य

हिंदी, जो बदलते समय के साथ पुष्पित-पल्लवित होती रही। समकालीन साहित्यकारों ने अपनी लेखनी से इसे समृद्ध किया तो प्रमुख समाचार पत्रों ने इसे जन-जन तक पहुंचाने का काम किया। हिंदी के बारे में और विस्तार से जानना चाहते हैं उसके विविध रूपों को समझना चाहते हैं तो हिंदी दिवस की पूर्व संध्या पर दैनिक जागरण की ओर से आयोजित होने वाले कार्यक्रम जागरण सान्निध्य जरूर जाएं।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में प्रसून जोशी समेत हिंदी के तमाम दिग्गज जुटेंगे, जहां चार सत्रों में हिंदी और उसके विभिन्न रूपों पर चर्चा होगी। 13 सितंबर यानी शुक्रवार को आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम की शुरुआत दैनिक जागरण की 75 साल की यात्रा पर आयोजित प्रदर्शनी से होगी। इस प्रदर्शनी में दैनिक जागरण के महत्वपूर्ण पड़ावों को दिखाया जाएगा। इसके अलावा हिंदी को मजबूत करने के दैनिक जागरण के प्रकल्पों को भी प्रदर्शित किया जाएगा।

गांधी की नजरों में हिंदी : कार्यक्रम के पहले सत्र में जहां इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के सदस्य सचिव हिंदी के भविष्य पर व्याख्यान देंगे। वहीं दूसरे सत्र में रेडियो की बदलती भाषा पर आकाशवाणी के जैनेन्द्र सिंह और रेडियो सिटी की आरजे दिव्या से युवा लेखक राहुल नील का संवाद होगा। महात्मा गांधी ने भी हिंदी भाषा को लेकर काफी कुछ लिखा है। हिंदी को लेकर उनकी स्पष्ट राय थी। वह हिंदी को भारत के लिए कितना आवश्यक मानते थे 'गांधी और हिंदी' विषय पर चर्चा के दौरान इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के अध्यक्ष रामबहादुर राय और समाजशास्त्री प्रोफेसर आनंद कुमार की बातों से जान-समझ सकेंगे। उनसे बातचीत करेंगे वरिष्ठ पत्रकार हर्षवर्धन त्रिपाठी।

विज्ञापन और धर्म पर कितना प्रभाव : अगर आप हिंदी भाषा का समाज और धर्म पर क्या प्रभाव है जानने को इच्छुक हैं और विशेषज्ञों की राय जानना चाहते हैं तो दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो सुधीश पचौरी के साथ उपन्यासकार अब्दुल बिस्मिल्लाह और हंसराज कॉलेज की प्राचार्या डॉ रमा का चर्चा सत्र उपयोगी है। इस संवाद का संचालन उपन्यासकार भगवानदास मोरवाल करेंगे। कार्यक्रम के आखिरी सत्र में गीतकार, कवि और विज्ञापन की दुनिया की बड़ी हस्ती प्रसून जोशी विज्ञापन में हिंदी भाषा पर अपनी राय रखेंगे। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के सहयोग से आयोजित जागरण सान्निध्य कार्यक्रम दैनिक जागरण की मुहिम हिंदी हैं हम का हिस्सा है। इस मुहिम के तहत जागरण ज्ञानवृत्ति, जागरण हिंदी बेस्टसेलर और जागरण वार्तालाप का भी आयोजन किया जाता है।

सरकारी हिंदी की ऋतु आई, सखि!

कह कर रहूंगा

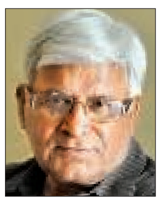

प्रेम जनमेजय
वरिष्ठ व्यंग्यकार

दोनों सखियां इन दिनों काम के बोझ की मारी हैं। दोनों सरकारी नौकरी में हैं। दोनो ही राजभाषा विभाग की शोभा बढ़ा रही हैं। जो गति सरकार की है वही गति इनके काम की। सरकारें विज्ञापनों में काम करती दिखाई देती हैं और इनकी हिंदी भी विज्ञापित होती रहती है। वैसे तो इनकी सीट पर काम आता नहीं पर जब आता है तो चुनावकाल में आश्वासनों की तरह आता है। दोनों सखियां भी बढ़े हुए काम के जलस्तर से बचने के लिए कॉफी शॉप में उपाय ढूंढ रही हैं।

- आई डोंट नो हाउ टू मैनेज दिस हिंदी दिवस, यार! यू नो, छह महीने पहले ट्रांसफर हुआ है एंड बॉस ने ऑडर दे दिया है...'डोंट वरी यार! मेरे पास पूरी लिस्ट है हिंदी स्कॉलर्स की। किसी भी बड़े स्कॉलर को कनेक्ट कर ले, तीन-चार नाम वो बता देगा। क्या टॉपिक होना चाहिए, ये भी वो बता देगा। कविता, डिबेट, हैंडराइटिंग का कंप्टीशन रख। भूल गई, प्राइमरी तक स्कूल में जो कंप्टीशन होते थे। हैवी एक्सपेंडिचर का बजट बना। बाहर से आने वालों को बढ़िया टीए और डीए दे, कंप्टीटर्स को महंगे प्राइज दे, बढ़िया खाना-पीना रख। लास्ट डे प्राइज डिस्ट्रीब्यूशन पर बॉस को बुला ले। बॉस के हिंदी प्रेम पर खूब मक्खन लगा। चीफ गेस्ट को पहले ही हैवी पेमैंट कर देना। वो जब बोलेगा तो तेरे कसीदे कढ़ेगा। सिंपल।'

- ओह यार दिज इज सो सिंपल।

दोनों सखियां गाने लगीं-नाच सखि, सरकारी हिंदी दिवस ऋतु आई!

हिंदी दिवस आता है तो मुझे आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का निबंध याद आता है-'आम फिर बौरा गए'। दो सखियन की वार्ता सुन मुझे फिर याद आया। द्विवेदी जी लिखते हैं-वसंतपंचमी में अभी देर है, पर आम अभी से बौरा गए। हर साल ही मेरी आंखें इन्हें खोजती हैं। बचपन में सुना था कि वसंत पंचमी के पहले अगर आम्र मंजरी दिख जाए तो उसे हथेली पर रगड़ लेना चाहिए, क्योंकि ऐसी हथेली साल भर तक बिच्छू के जहर को आसानी से उतार देती है।' मुझे पूर्ण विश्वास है कि इन सखियों को भी साल भर हिंदी का जहर असर नहीं करेगा। इन सखियों को ही क्या, जो भी हिंदी दिवस, सप्ताह, पखवाड़ा आदि को रगड़ता है, उसे वर्ष भर तक हिंदी का जहर असर नहीं करता है।

हिंदी दिवस अभियान चालू है। डेंगू अभियान चालू है। स्वच्छता अभियान भी चालू है। सब चालू हैं। सब अभियान चला रहे हैं, संस्कार कोई नहीं दे रहा। अभियान चलाने से पब्लिसिटी मिलती है, वोट मिलता है। रोज हाथ में झाड़ू पकड़ सफाई करने वाले का फोटू नहीं छपता है, उसे तो गालियां मिलती हैं। फोटू तो अभियान वाले का छपता है। जो प्रतिदिन सफाई का संस्कार देता है वो अछूत होता है।

पब्लिक स्कूल में हिंदी डे अभियान चालू है। हिंदी टीचर क्योंकि हिंदी टीचर है इसलिए प्रिंसिपल रूम में घुसते हुए डरती है। अंग्रेजी की टीचर प्रिंसिपल से कुर्सी पर बैठकर बात करती हैं पर हिंदी वाली खड़े-खड़े बात करने को अभिशप्त है। आज भी हिंदी टीचर ने भूत पिशाच निकट नहीं आए, मंत्र का जाप करते हुए प्रिंसिपल रूम में प्रवेश किया। प्रिंसिपल ने भयभीत हिंदी को अपने अंग्रेजी चश्मे से झांका और पूछा- यस सुनीता, से क्विक्ली वाट्स द इंपोर्टेंट इशु यू हैव टू डिस्कस। आइ एम वैरी बिजी...

- मैडम स्कूल में हिंदी डे सेलिब्रेट करना है।

-व्हॉट! हिंदी डे सेलिब्रेशन!' प्रिंसिपल पर सर्जिकल अटैक जैसा हुआ। 'एंड यू से दैट दिज इज एन वैरी इंपोटेंट मैटर! यू हिंदी वालाज न...''

-सॉरी मैडम! वो एजुकेशन डिपार्टमेंट से ऑर्डर आया है। इट्स मस्ट...'

-दिस गवर्नमेंट ... हम स्टूडेंट को वर्ल्ड से कंपीट कराना चाहते हैं और ये बिहार से कराना चाहते हैं। डू इट...गवर्नमेंट ऑर्डर है। बट बी केयरफुल सुनीता हिंदी का ये वायरेस स्कूल में फैलना नहीं चाहिए। एंड माइंड इट किसी पैरेंट्स का कंप्लेंट नहीं आना चाहिए कि उसके चाइल्ड को हिंदी के लिए कंप्लेन किया गया। किसी ने मैनेजमेंट को कंप्लेंट कर दिया तो आई विल नॉट बी एबल टू सेव यूअर जॉब। मैं तुम्हारी नौकरी नहीं बचा पाउंगी-मैं हिंदी में बोल रही हूं कि समझो और वार्न हो जाओ।' सुनीता को तुलसी याद आ गए। लंका में रावण विरोधियों की स्थिति दांतों के बीच जिह्वा-सी होती थी और पब्लिक स्कूल में हिंदी की स्थिति...!

किताबों के संसार में कात सकेंगे चरखा

दिल्ली पुस्तक मेला

गांधी जी के साथ एक सेल्फी हो जाए... प्रगति मैदान में आयोजित दिल्ली पुस्तक मेले में यूं दिखा लोगों का उत्साह। ध्रुव कुमार

दिल्ली पुस्तक मेले में उपयोगी किताबों की तलाश करते युवा पाठक। ध्रुव कुमार

प्रगति मैदान मेट्रो स्टेशन से बाहर निकल स्कूली छात्र और युवाओं की टोली तेज कदमों से प्रगति मैदान की तरफ बढ़ रही है। उनकी चर्चा के केंद्र में गांधी के आदर्श, प्रेमचंद की कहानियां और पसंदीदा कवियों की कविताएं हैं। प्रगति मैदान परिसर में पहुंचते ही निगाहें यहां वहां लगे किताबी पोस्टरों पर जा टिकती हैं। 25 वें दिल्ली पुस्तक मेले के पहले दिन पुस्तक प्रमियों का उत्साह कुछ ऐसा ही रहा। हर स्टॉल पर पसंदीदा किताबों की तलाश से साफ जाहिर हो रहा था कि दिल्ली वाले खाने-पीने के साथ किताबों के भी बेहद शौकीन हैं।

गांधी और किताबें : दिल्ली पुस्तक मेले का यह 25 वां संस्करण कई मायनों में खास है। महात्मा गांधी 150 वर्ष थीम पर आयोजित इस पुस्तक मेले में गांधीवाद को बढ़ावा दिया जाएगा। यहां विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए गांधी की जिंदगी प्रदर्शित की जाएगी। हॉल नंबर सात में उदघाटन समारोह के बाद गांधी कथा का आयोजन हुआ। इसमें गांधी के जन्म से लेकर उनके द्वारा दक्षिण अफ्रीका समेत अन्य देशों के किए गए अहिंसक आंदोलनों को कथा के जरिए प्रस्तुत किया गया।

मिलेगा चरखा कातने का मौका : मेले में लगाए गए दस चरखे पुस्तक प्रेमियों के आकर्षण का केंद्र है। हर कोई कुछ देर वहां रुक कर उसे नजर भर कर देखता जरूर है। मेला आयोजन समिति के अध्यक्ष नवीन गुप्ता के मुताबिक यहां गांधी पर एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाएगा। जिसमें उनके सत्याग्रहों को दिखाया जाएगा। गांधी स्मृति दर्शन के सहयोग से लगाए गए 10 चरखों पर वॉलेंटियर्स बैठकर चरखा कातेंगे एवं चरखे की खासियत बताएंगे। इससे मनुष्य की मानसिक स्थिति पर पड़ने वाले प्रभावों को भी बताएंगे। यदि कोई व्यक्ति चरखा कातना चाहे तो वॉलेंटिसर्य उनका मार्गदर्शन भी करेंगे।

दिखेगी स्कूली बच्चों की प्रतिभा : दिल्ली के स्कूली बच्चे गांधी को कितना जानते हैं, उनके बारे में क्या सोचते हैं, उनके आदर्शों पर कितना अमल करते हैं, उनके सत्याग्रहों की कितनी जानकारी है, इसे एक इवेंट के जरिये जानने का मौका मिलेगा। इवेंट में दिल्ली नगर निगम के स्कूली बच्चे गांधी पर आधारित कलाकृतियां बनाएंगे।

डीयू छात्रों का भी जलवा : दयालसिंह कॉलेज, जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज और रामजस कॉलेज के छात्र सांस्कृति प्रस्तुति से गांधी को जीवंत करेंगे। तीन अलग समूहों में प्रस्तुति होगी।

गांधी पर लिखी किताबों का लोकार्पण : मेले में महात्मा गांधी पर लिखी दो पुस्तकों का लोकार्पण होगा। एम चंद्रा द्वारा लिखी पुस्तक ये गांव बिकाऊ है का लोकार्पण हाल नंबर 8 में किया जाएगा। इस पुस्तक के लोकार्पण में राज्यसभा सदस्य विजय गोयल भी शामिल होंगे। साहित्य विमर्श पत्रिका का भी मेले में लोकार्पण होगा। इसके अलावा रंगनाथन रिसर्च सर्किल द्वारा भी पुस्तकालय और बुक प्रमोशन का कार्यक्रम होगा।

-संजीव कुमार मिश्र

स्टेशनरी और उपहार मेला भी

भारतीय व्यापार संवर्धन परिषद (आइटीपीओ) और भारतीय प्रकाशक संघ (एफआइपी) द्वारा आयोजित इस पुस्तक मेले में स्टेशनरी मेला, ऑफिस ऑटोमेशन मेला और कॉरपोरेट उपहार मेला भी आयोजित किया जा रहा है। मेले में 120 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं। पुस्तक मेले में बाल साहित्य, क्लासिक और अन्य श्रेणियों के अलावा कथाओं एवं गैर कथाओं, अकादमिक पुस्तकों की एक विस्तृत श्रृंखला के अलावा डिजिटल पुस्तकें भी प्रदर्शित हैं। मेले में साहित्य अकादमी, हिंदू, उर्दू, पंजाबी, सिंधी, संस्कृत अकादमी सहित प्रकाशन विभाग के स्टाल भी हैं।

हांगकांग शेयर बाजार ने लगाई एलएसई के लिए बोली

लंदन : हांगकांग शेयर बाजार ने लंदन स्टॉक एक्सचेंज (एलएसई) को खरीदने के लिए करीब 32 अरब पाउंड यानी करीब तीन लाख करोड़ रुपये की बोली लगाई है। इस बोली में 40 अरब डॉलर यानी 36 अरब यूरो का कर्ज भी शामिल है। इस सौदे के बाद दुनिया के एशिया और यूरोप स्थित दो सबसे बड़े वित्तीय केंद्र एक साथ आ जायेंगे। हालांकि, यह सौदा इस बात पर निर्भर करेगा कि लंदन शेयर बाजार वित्तीय आंकड़े मुहैया कराने वाली अमेरिकी कंपनी रीफिनिटिव के 27 अरब डॉलर के अधिग्रहण प्रस्ताव को रद कर दे। (रायटर)

बैंकों को चाहिए कि वे फ्रॉड की जानकारी तत्काल संबंधित प्राधिकारों को दें। अच्छी नीयत के साथ लिए गए स्वतंत्र फैसले के लिए किसी को परेशान नहीं किया जाएगा।

— अनुराग ठाकुर, वित्त राज्यमंत्री

संसेक्स 37,270.82 ▲ 125.37
निफ्टी 11,035.70 ▲ 32.65
सोना प्रति दस ग्राम ₹ 38,975 ▼ ₹ 272
चांदी प्रति किलोग्राम ₹ 48,590 ▼ ₹ 1150
डॉलर ₹ 71.68 ▼ ₹ 0.03
क्रूड (ब्रेंट) प्रति बैरल $ 63.20

मंदी की काट खोजने में जुटी मारुति सुजुकी

तैयारी ▶ दिवाली से पहले एक और कार लांच करेगी देश की सबसे बड़ी कार कंपनी

ग्रामीण इलाकों में क्षेत्रीय बैंकों के जरिये ऑटो लोन देने की योजना

जयप्रकाश रंजन, नई दिल्ली

- कस्टमर सर्विस को बेहतरीन व आकर्षक बनाने की नई योजना की हुई शुरुआत
- शिक्षकों, सरकारी कर्मचारियों को आसानी से ऑटो लोन दिलाएगी कंपनी

कंपनी को उम्मीद है कि त्योहारी सीजन में सुस्ती नहीं दिखेगी। फाइल

देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी बाजार की लीडर होने के नाते मौजूदा मंदी के माहौल में अपना उत्तरदायित्व निभाने को पूरी तरह से तैयार है। मारुति ना सिर्फ बड़े पैमाने पर विस्तार करने की तैयारियों में जुटी है, बल्कि इलेक्ट्रिक कार बाजार के हिसाब से भी अपनी तैयारियों को अंतिम रूप दे रही है। सरकारी कर्मचारियों व शिक्षकों को नई कार खरीदने के लिए लुभाने की नई कोशिश शुरू की गई है। ग्रामीण क्षेत्र में ऑटो लोन की उपलब्धता बढ़ाने के लिए कंपनी क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के जरिए कर्ज वितरित करने की भी तैयारी में है।

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर (मार्केटिंग व सेल्स) शशांक श्रीवास्तव ने दैनिक जागरण को बताया कि फेस्टिवल सीजन बाजार की मंदी को दूर करने का सबसे सही समय है। इस बार दो बातें सकारात्मक दिख रही है। एक तो आरबीआइ ने बैंकों के लिए खुदरा लोन को रेपो रेट से जोड़ने का निर्देश दिया है जिसके वजह से आटो लोन के भी सस्ता होने की पूरी उम्मीद है।

मारुति सुजुकी की कुल बिक्री में ग्रामीण क्षेत्र की हिस्सेदारी 25 फीसद के करीब होती है। ग्रामीण क्षेत्रों में नए ग्राहक बनाने के लिए क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के जरिए आटो लोन वितरित करवाने की योजना है। हाल के दिनों में कई तरह की वजहों से गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों की तरफ से वितरित होने वाले कर्जे की रफ्तार काफी कम हो गई है। भारत में तकरीबन 80-85 फीसद कारें आटो लोन के जरिए बिकती हैं। मारुति सुजुकी का मानना है कि क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के जरिए इस समस्या का समाधान कुछ हद तक निकाला जा सकता है। श्रीवास्तव के मुताबिक, 'चुनौतीपूर्ण समय में हम हर तरह से नई चीजें आजमाने की कोशिश में है। मसलन, ग्राहकों को उनके घर पर या उनके कार्यालय पर कार देखने या उसे ड्राइव करने की सुविधा की शुरुआत कर चुके हैं।'

मंदी का असर नहीं : बताते चलें कि मारुति सुजुकी ने हाल ही में एक्सएल-6 नाम से एक एसयूवी हाल ही में लांच की है और इस महीने के अंत तक एस-प्रेसो नाम से एक नई कार भारतीय बाजार में उतारने जा रही है। इस तरह से त्योहारी सीजन में मारुति सुजुकी की दो नई कारें बाजार में होंगी। इससे भी ग्राहकों को आकर्षित करने में मदद मिलेगी। इससे साफ है कि मंदी के बावजूद नए उत्पाद लांच करने की तैयारियों पर कोई असर नहीं पड़ा है। गुजरात में कंपनी की नई फैक्ट्री की तीसरी मैन्यूफैक्चरिंग लाइन भी अगले वर्ष के शुरुआत में चालू हो जाएगी। डीलरों की बढ़ी हुई लागत को देखते हुए मारुति सुजुकी देश भर में 100 नए शो-रूम व वर्कशॉप बनाकर उन्हें लीज पर डीलरों के बीच आवंटित करेगी। कंपनी ने इसका फैसला पिछले वर्ष किया गया था। 3,000 वर्ग फीट से 5,000 वर्ग फीट क्षेत्रफल वाले इन शो-रूम का निर्माण काम तेजी से चल रहा है और अगले वित्त वर्ष से लॉटरी के जरिये इनका आवंटन किया जाएगा।

इन ऑफर का भरोसा

- अभी 40 हजार रुपये से लेकर एक लाख रुपये तक की छूट ग्राहकों को दी जा रही है
- सर्विसिंग ऑफर के तहत ग्राहक पांच वर्षों या एक लाख किलोमीटर तक निश्चिंत रह सकते हैं
- पूरे सितंबर में शिक्षकों को आसानी से ऑटो लोन दिलाने की एक स्कीम भी शुरू की है

नए लांच के बाद एपल पुरानी सीरीज के आइफोन पर दे रही बड़ी छूट

- आइफोन 7 (32जीबी) अब 39,000 की जगह 29,000 हजार में मिलेगा
- कंपनी नवंबर से एपल टीवी प्लस भी लांच कर रही है

नई दिल्ली, प्रेट्र : इस त्योहारी सीजन में एपल उपभोक्ताओं के लिए एक साथ कई सौगात लेकर आई है। कंपनी ने स्मार्टफोन की नई सीरीज आइफोन 11 लांच की है। साथ ही पुरानी जनरेशन के फोन की कीमतों में कटौती की घोषणा भी की है।

कंपनी ने भारत में त्योहारों की सीजन में बिक्री बढ़ाने के लिए पुरानी जेनरेशन के फोन की कीमतें कम कर दी है। एपल की वेबसाइट के मुताबिक आइफोन-7 (32जीबी) अब 39 हजार रुपये की जगह 29 हजार रुपये में मिलेगा। आइफोन-8 की कीमत 59 हजार रुपये से घटाकर 39,900 रुपये कर दी गई है। वहीं आइफोन-8 प्लस अब 69,900 की जगह 49,900 रुपये में उपलब्ध होगा। कंपनी ने अपने लगभग सभी पुराने मॉडलों की कीमत में कटौती की है।

एपल सिर्फ स्मार्टफोन बाजार तक सिमट कर नहीं रहना चाहती। कंपनी वेब सीरीज सेग्मेंट में भी उतर आई है। इसने एपल टीवी प्लस नाम से ओरिजनल वीडियो सब्सक्रिप्शन सर्विस लांच करने की घोषणा की है। यह सर्विस एक नवंबर से भारत सहित 100 से अधिक देशों में लांच की जाएगी। इसके तहत एपल ओरिजनल शो, फिल्में और डॉक्यूमेंटरी दिखाई जाएंगी। इस सेग्मेंट में एपल की सीधी टक्कर नेटफ्लिक्स और अमेजन जैसी कंपनियों से होगी।

आइफोन 11 मंगलवार को उतारे गए थे। एएनआइ

ये फोन हुए थे लांच

- आइफोन 11 : 64,900 रुपये से शुरू (64,128 और 256 जीबी के मेमोरी के साथ)
- आइफोन 11 प्रो : 99,900 रुपये (64, 256 और 512 जीबी मेमोरी वैरिएंट में)
- आइफोन 11 प्रो मैक्स : 1,09,900 रुपये से शुरू (64, 256 और 512 जीबी मेमोरी वैरिएंट में)

सिर्फ 99 रुपये में वीडियो स्ट्रीमिंग

भारत में एपल टीवी प्लस महज 99 रुपये प्रति महीने के सब्सक्रिप्शन चार्ज पर ली जा सकेगी। कंपनी एक सप्ताह का फ्री ट्रायल भी दे रही है। भारत स्मार्टफोन का बड़ा बाजार है। यहां स्मार्टफोन के इंपोर्ट में 9 .9 परसेंट की दर से वृद्धि हो रही है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 3 .6 करोड़ स्मार्टफोन इंपोर्ट होकर भारतीय बाजार में आए।

एयरटेल का एक्सट्रीम फाइबर बुधवार से कई शहरों में उपलब्ध

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : रिलायंस जियो के गीगा फाइबर की शुरुआत के जवाब में दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल ने भी अपना अल्ट्रा फास्ट ब्रॉडबैंड 'एयरटेल एक्सट्रीम फाइबर' लांच करने का एलान किया है। इसके तहत 3,999 रुपये प्रतिमाह में कंपनी 1 जीबीपीएस की स्पीड से अनलिमिटेड ब्रॉडबैंड उपलब्ध करा रही है। यह प्लान बुधवार से ही उपलब्ध हो गया है।

एयरटेल के एक बयान के मुताबिक यह भारत में किसी भी नेटवर्क पर अनलिमिटेड लैंडलाइन कॉल्स और एक्सक्लूसिव एयरटेल थैंक्स बेनिफिट जैसे तीन माह का नेटफ्लिक्स सब्सक्रिप्शन गिफ्ट, एक साल की अमेजन प्राइम मेम्बरशिप और जी 5 एवं एयरटेल एक्सट्रीम एप से प्रीमियम कंटेंट का एक्सेस प्रदान करेगा। एयरटेल एक्सट्रीम फाइबर बुधवार से ही दिल्ली, गुड़गांव, फरीदाबाद, नोएडा, इंदौर, जयपुर और अहमदाबाद के घरों और छोटे कॉमर्शियल संस्थानों को उपलब्ध हो जाएगा। एक्सट्रीम फाइबर जल्द अन्य बाजारों में भी उपलब्ध होगा। भारती एयरटेल के सीईओ ब्रॉडबैंड समीर बतरा ने कहा कि 4के एचडी कंटेंट, हाई एंड ऑनलाइन गेमिंग व आइओटी के विस्तार के साथ कंपनी ने 1 जीबीपीएस एयरटेल एक्सट्रीम फाइबर प्रस्तुत किया है।

नौकरियों के मामले में अच्छा रहा बीता वित्त वर्ष, हुई छह परसेंट वृद्धि

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- 2018-19 में नौकरियों में हुई छह परसेंट की बढ़ोतरी
- ज्यादातर नौकरियां आइटी सेक्टर में, 2019-20 की पहली तिमाही भी अच्छी

प्रतीकात्मक

इकोनॉमी की रफ्तार में सुस्ती की चर्चा भले ही पिछले वित्त वर्ष 2018-19 में हो गई हो, लेकिन यह वर्ष नौकरियों के मामले में खराब नहीं रहा। वित्तीय रिसर्च एजेंसी सीएलएसए की रिपोर्ट के मुताबिक इस अवधि में नौकरियों में छह परसेंट की वृद्धि दर्ज की गई। इनमें 75 परसेंट नौकरियां आइटी सेक्टर से संबंधित रहीं। इन कंपनियों में नौकरियों के मामले में चालू वित्त वर्ष 2019-20 की पहली तिमाही में भी रफ्तार तेज बनी रही।

वित्त वर्ष 2018-19 में नौकरियों की स्थिति का अनुमान लगाने के लिए सीएलएसए ने देश की 241 लिस्टेड कंपनियों का सर्वे किया। ये सभी कंपनियों में कुल 45 लाख नौकरियां उपलब्ध कराती हैं। सीएलएसए की सितंबर महीने की रिपोर्ट के मुताबिक बीते वित्त वर्ष में इन कंपनियों में नौकरियों में छह परसेंट की वृद्धि हाल के कुछ वर्षों में सर्वाधिक है। इन कंपनियों ने करीब ढाई लाख नई नौकरियां इस अवधि में जोड़ीं।

सीएलएसए के मुताबिक इस दौरान आमतौर पर प्रति कर्मचारी लागत में चार परसेंट की बढ़ोतरी हुई। एजेंसी ने अपने सर्वे के आधार पर कहा है कि जहां तक बड़े कॉरपोरेट सेक्टर का सवाल है वित्त वर्ष 2018-19 में नई नौकरियों की स्थिति संतोषजनक रही। एजेंसी के मुताबिक अगर कुल कंपनियों की संख्या में से अधिकांश काम आउटसोर्सिंग पर काम कराने वाली तीन कंपनियों को निकाल दें तो शेष 238 कंपनियों में नौकरियों के अवसरों में 4.1 परसेंट की बढ़ोतरी हुई। यह साल 2017-18 के 1.4 फीसद की वृद्धि से काफी अधिक है और बीते तीन साल का सर्वाधिक है। एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक 2018-19 में करीब ढाई लाख नई नौकरियों के अवसर बने।

रिपोर्ट के मुताबिक कुल 241 कंपनियों में जितनी नौकरियां बनीं उनमें 80 परसेंट नौकरियां आइटी सेक्टर से आई। अर्थात यदि पांच नौकरियां बनी तो उनमें से चार आईटी सेक्टर और आउटसोर्सिंग कंपनी से थीं। इस अवधि में आइटी सेक्टर में नौकरियों के अवसरों में वृद्धि की दर नौ परसेंट रही। साल 2017-18 में यह दर फ्लैट रही थी। इसके विपरीत एनबीएफसी सेक्टर में नौकरियों की वृद्धि दर 13 परसेंट रही। इस सेक्टर में सबसे ज्यादा नौकरी देने वाली लिस्टेड कंपनियों में बजाज फाइनेंस और एचडीएफसी रहीं।

बीते वित्त वर्ष में नौकरियों के जितने अवसर बने उनमें अधिकांश केवल वित्तीय और आइटी सेक्टर से आई हैं। वित्तीय सेक्टर में 28 परसेंट या करीब 13 लाख लोगों को नौकरियां मिलीं। वित्तीय सेक्टर में भी सरकारी कंपनियों ने 60 परसेंट नौकरियां दीं।

एनसीएलटी को अंतिम विकल्प बनाएं बैंक : अनुराग ठाकुर

मुंबई, प्रेट्र : सरकार ने बैंकों से कहा है कि वह फंसे कर्ज यानी एनपीए से निजात पाने की हरसंभव कोशिश करें। कोई विकल्प नहीं होने की स्थिति में ही एनसीएलटी के पास जाएं। इंडियन बैंक्स एसोसिएशन की बैठक को संबोधित करते हुए वित्त राज्यमंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि एनपीए के लिए सीधे एनसीएलटी के पास नहीं जाएं। उन्होंने कहा कि बैंक एनसीएलटी के पास सिर्फ उसी स्थिति में जाएं जब किसी अन्य तरीके से उनकी समस्या दूर नहीं हो पाए।

ठाकुर ने बैंकों को आश्वस्त करते हुए कहा कि वह जांच एजेंसियों से डरे बिना इंडस्ट्री को कर्ज उपलब्ध कराएं। अच्छी नीयत के साथ लिए गए स्वतंत्र फैसले की वजह से किसी को परेशान नहीं किया जाएगा। बैंकों को किसी भी तरह के फ्रॉड की शिकायत समय से करनी चाहिए।

रिजर्व बैंक ने पिछले कुछ महीनों में रेपो रेट में 110 आधार अंकों की कटौती की है। लेकिन बैंकों ने इसका पूरा फायदा ग्राहकों को नहीं दिया है। ठाकुर ने कहा कि मैं बैंकों से अनुरोध करता हूं कि वह रेपो रेट में कमी का लाभ उन कंपनियों को दें जो खपत में बढ़ोतरी करती हैं। सरकार ने बैंकों को नकदी की कमी से उबारने के लिए 70,000 करोड़ रुपये दिए हैं।

वाणिज्य मंत्रालय में तेज हुई फैसले लेने की रफ्तार

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- पहले सौ दिन में मंत्रालय ने लिए कई अहम फैसले

मोदी सरकार ने अगले पांच साल इकोनॉमी के आकार को बढ़ाकर पांच ट्रिलियन डॉलर करने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए देश में कारोबार को बढ़ावा देने को कई कदम उठाए हैं। इसी दिशा में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सरकार के शुरुआती 100 दिनों में ही न सिर्फ एफडीआइ के नियमों को उदार बनाया है बल्कि कई विधायी सुधारों की दिशा में भी कदम उठाये हैं।

केंद्र में नई सरकार के गठन के बाद से ही वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सिलसिलेवार उद्योग प्रतिनिधिमंडलों से बैठकें कीं ताकि कारोबार को बढ़ाने की दिशा में निर्णय लिए जा सकें। इनमें न केवल घरेलू स्तर पर कारोबारी माहौल में सुधार की चर्चा हुई बल्कि विदेश व्यापार को बढ़ाने की दिशा में अन्य देशों के साथ हुए समझौतों पर भी खुल कर चर्चा हुई। इन्हीं मंत्रणाओं के बाद वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने अपने कामकाज की रूपरेखा तय की। मंत्रालय ने मोदी सरकार के 100 दिनों की पहल व उपलब्धियों का ब्यौरा देते हुए कहा कि इन उपायों से भारत में 5 ट्रिलियन डालर की इकोनॉमी के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मेक इन इंडिया, इन्वेस्ट इन इंडिया तथा व्यापार को प्रोत्साहन एवं निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ावा देने के लिए किए गए उपायों की जानकारी देते हुए मंत्रालय ने कहा कि सिंगल ब्रांड रिटेल ट्रेडिंग में प्रक्रिया को सरल बनाया गया है।

वहीं कोयला व खनन गतिविधियों में ऑटोमेटिक रूट से शत प्रतिशत एफडीआइ की मंजूरी दी गई है। कारोबारी गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष आर्थिक क्षेत्र संशोधन अधिनियम, 2019 के जरिये एसईजेड में जमीन के लिए 30 साल की लीज की ऊपरी सीमा हटाई गई है। एनआइडी अधिनियम 2019 राज्य सभा से पारित होने के बाद आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, असम और हरियाणा में राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों के रूप में 4 नए एनआइडी घोषित किए गए हैं। व्यापारियों के मुद्दों के समाधान के लिए नेशनल ट्रेडर्स वेलफेयर बोर्ड की स्थापना की गई है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस पर राष्ट्रीय नीति और ईज ऑफ लिविंग को बढ़ावा देने के लिए कारोबारियों की सुविधा के लिए प्रस्तावों को अंतिम रूप भी दिया गया है। सरकार ने नेशनल लॉजिस्टिक्स पॉलिसी 2019 को भी मंजूरी दी है।

सोना 372 रुपये फिसला चांदी 1,150 रुपये लुढ़की

39,000 रुपये के नीचे फिसल गया सोना

48,590 रुपये पर रह गई प्रति किग्रा चांदी

नई दिल्ली, प्रेट्र : सोने के 40,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी के 50,000 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर पहुंचने के बाद से ही दोनों बेशकीमती धातुओं के भाव में लगातार गिरावट दिख रही है। हालांकि एकाध सत्र में दोनों के भाव में सुधार भी दिखा, लेकिन वे मनोवैज्ञानिक स्तर से दोबारा ऊपर जाने में कामयाब नहीं रहे।

इस सप्ताह के दूसरे कारोबारी सत्र में बुधवार को भी सोना 372 रुपये फिसल गया, जबकि चांदी के भाव में 1,150 रुपये की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। कारोबार के आखिर में सोना 38,975 रुपये प्रति 10 ग्राम पर स्थिर था। चांदी का भाव 48,590 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया।

एचडीएफसी सिक्युरिटीज के सीनियर कमोडिटीज एनालिस्ट तपन पटेल का कहना था कि त्योहारी सीजन सामने होने के बावजूद ऊंचे भाव के चलते सराफा कारोबारी फिलहाल सोने की खरीद से दूर हैं। चांदी को भी संस्थागत खरीदारों और सिक्का निर्माताओं का भरपूर साथ नहीं मिल पाया। न्यूयॉर्क में सोना बढ़त के साथ 1,490 डॉलर, जबकि चांदी भी उछलकर 18.10 डॉलर प्रति औंस (28.35 ग्राम) पर कारोबार कर रहे थे। नई दिल्ली में 99.9 फीसद खरा सोना 38,975 रुपये, जबकि 99.5 फीसद खरा सोना 38,805 रुपये प्रति 10 ग्राम का रह गया।

प्रतीकात्मक

धूल से भी सोना निकाल रही तनिष्क

आशीष त्रिवेदी, पंतनगर (उत्तराखंड) : 80 किलो धूल से निकलता है ढाई किलो सोना। जी हां, तनिष्क के प्लांट में 80 किलो धूल व वेस्ट सामग्री को एकत्र कर अत्याधुनिक मशीनों की मदद से हर महीने करीब ढाई किलो सोना निकाला जाता है। काम कर रहे कर्मचारी व अधिकारियों के कपड़े, कारीगरों के हाथ धोने वाले पानी व चप्पल में लगी धूल को एकत्र कर एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (ईटीपी) की मदद से सोना निकाला जाता है।

टाइटन इंडस्ट्रीज की ज्वैलरी डिवीजन तनिष्क इस बार दीपावली पर अपने नए प्लांट, आधुनिक मशीनों और आयातित कच्चे माल की बदौलत शुद्ध गहनों की रणनीति लेकर आ रही है। उत्तराखंड में पंतनगर स्थित तनिष्क यूनिट में अमेरिका व जर्मनी से खरीदी गई अत्याधुनिक मशीनों में प्रतिदिन 1,100 चेन, अंगूठी व हार सहित अन्य ज्वैलरी तैयार की जा रही है। तनिष्क इस कच्चे माल के तौर पर प्रयोग होने वाला जिंक, सिल्वर व कॉपर अमेरिकी बाजारों से खरीदती है। हालांकि भारत में इसका दाम छह गुना सस्ता है लेकिन कंपनी का दावा है कि ग्राहकों को शुद्धता और क्वालिटी देने के लिए ही बाहर से महंगा माल मंगाया जा रहा है।

शेयर बाजारों को मिला बैंकिंग स्टॉक्स का दम

- बैंक और ऑटो सेक्टर के शेयरों में तेजी का दौर रहा
- चीन द्वारा ट्रेड वार में नरमी के संकतों से बाजार को मिला बल

लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में घरेलू शेयर बाजार हुए मजबूत। प्रतीकात्मक

मुंबई, प्रेट्र : सरकार द्वारा सुधार की उम्मीदों और ट्रेड वार में नरमी के संकेतों के चलते प्रमुख भारतीय शेयर बाजार लगातार तीसरे सत्र में बढ़त के साथ बंद हुए। इस दौरान सेंसेक्स 125.37 अंक यानी 0.34 परसेंट की बढ़त के साथ 37,270.82 पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 32.65 अंक यानी 0.30 परसेंट की बढ़त के साथ 11,035.70 पर बंद हुआ।

बुधवार को बैंकिंग और ऑटो सेक्टर के शेयरों में तेजी देखी गई। इस दौरान सेंसेक्स में यस बैंक के शेयर 13.47 परसेंट की वृद्धि के साथ बंद हुए। इसके अलावा टाटा मोटर्स, मारुति सुजुकी, टाटा स्टील, वेदांता, बजाज ऑटो, एसबीआइ, हीरो मोटोकॉर्प, आरआइएल आदि कंपनियों के शेयरों में 10.21 परसेंट तक की वृद्धि देखी गई। इसके अलावा ओएनजीसी, एचसीएल टेक, एनटीपीसी, सन फार्मा, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, पॉवर ग्रिड, टेक महिंद्रा और इन्फोसिस के शेयर 2.93 परसेंट तक की गिरावट के साथ बंद हुए। जानकारों के मुताबिक वित्त मंत्री द्वारा और सुधारों के संकेतों के साथ ट्रेड वार में नरमी की संभावना से निवेशकों की सकारात्मक धारणा को मजबूती मिली। सैंक्टम वेल्थ मैनेजमेंट के मुख्य निवेश अधिकारी सुनील शर्मा के मुताबिक चीन द्वारा ट्रेड वार को खत्म करने के संकेत दिए जाने से बाजारों में तेजी देखी गई। चीन ने कहा है कि वह अमेरिका के 16 उत्पादों को बढ़ी हुई टैक्स दरों से बाहर रखेगा। इससे पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट में तेजी लाने के लिए टास्क फोर्स गठित किए जाने की बात कही थी।

यस बैंक के शेयरों में तेज उछाल

नई दिल्ली : पेटीएम द्वारा यस बैंक में हिस्सेदारी की खबरों के बीच यस बैंक के शेयरों में तेजी देखी गई। बुधवार को यस बैंक के शेयर 13 .5 परसेंट तक की बढ़त के साथ बंद हुआ। इससे पहले खबर आई थी कि पेटीएम यस बैंक के सहायक संस्थापक राना कपूर से बैंक में हिस्सेदारी खरीदेगी। दिन के कारोबार में बीएसई में यस बैंक के शेयर 13 .47 परसेंट की बढ़त के साथ 71.60 के स्तर पर बंद हुए। वहीं निफ्टी में भी कंपनी के शेयरों में 12 .99 परसेंट की तेजी दर्ज की गई। इस दौरान यह 71 .30 के स्तर पर बंद हुए।

चीन ने अमेरिका के 16 उत्पादों को टैक्स में छूट दी

नई दिल्ली, एएफपी : ट्रेड वार पर अक्टूबर में प्रस्तावित नए दौर की बातचीत से पहले चीन ने अमेरिका के 16 उत्पादों को बढ़ी हुई शुल्क दर से बाहर करने का फैसला किया है। चीन की ओर से बुधवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की गई। शुल्क दरों में यह छूट इसी महीने की 17 तारीख से लागू हो जाएगी और एक साल के लिए वैध होगी। चीन के कस्टम टैरिफ कमीशन की ओर से जारी सूची में समुद्री भोजन, कैंसर-रोधी दवाएं और मोल्ड रिलीज एजेंट सहित कुल 16 उत्पादों को शामिल किया गया है।

हालांकि इस सूची में सोयाबीन और पोर्क जैसी उन वस्तुओं को शामिल नहीं किया गया है, जिनका बड़ी मात्रा में इंपोर्ट होता है। दुनिया की दो सबसे बड़ी इकोनॉमी के बीच पिछले एक साल से ट्रेड को लेकर तनाव चल रहा है। इस दौरान दोनों देशों ने कई बार इंपोर्ट टैक्स में इजाफा किया है। ट्रेड वार के चलते ग्लोबल इकोनॉमी में सुस्ती देखी जा रही है। दोनों देशों में हजारों नौकरियां खतरे में हैं। चीन-अमेरिका ने एक-दूसरे पर आखिरी बार एक सितंबर को बढ़ी हुई शुल्क दरें लागू की थी।

बड़ा कदम

बीएस-6 मानक लागू होने से छह महीने पहले ही उतारा एक्टिवा-125, नवरात्र के पहले दिन से शुरू हो जाएगी इस नए वाहन की डिलीवरी

एचएमएसआइ ने बाजार में उतारा पहला बीएस-6 एक्टिवा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

मंदी और सुस्त रफ्तार को पीछे छोड़ते हुए ऑटो उद्योग ने भविष्य की तरफ कदम बढ़ा दिए हैं। दोपहिया वाहन बनाने वाली होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर्स इंडिया (एचएमएसआइ) ने देश में बीएस-6 मानक लागू होने की तय अवधि से पहले ही इस श्रेणी का मॉडल बाजार में उतारने की घोषणा की है। इस क्रम में कंपनी ने 125 सीसी क्षमता वाला नया एक्टिवा बीएस-6 लांच किया है। इसे तीन नए वैरिएंट में दिल्ली में 67,490 रुपये की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत के साथ उतारा गया है। इस महीने के अंत में नवरात्र के पहले दिन से इसकी डिलीवरी शुरू हो जाएगी।

इस मौके पर मौजूद केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग और एमएसएमई मंत्री नितिन गडकरी ने कहा, 'पहले एक्टिवा 125 बीएस-6 का लांच ग्रीन एन्वायर्नमेंट की दिशा में अनूठा कदम है। मैं होंडा 2व्हीलर्स इंडिया को बधाई देता हूं जिन्होंने निर्धारित समय से बहुत पहले यह शुरुआत कर दी है।' दोपहिया वाहन इंडस्ट्री में बीएस-6 मॉडल का यह पहला लांच है। कंपनी अब 125 सीसी में बीएस 4 मानक वाले मॉडल का निर्माण नहीं करेगी। कंपनी के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट (सेल्स एंड मार्केटिंग) यदविंदर सिंह गुलेरिया ने कहा इस श्रेणी में अब केवल बीएस-6 आधारित वाहनों का ही निर्माण हो रहा है। गुलेरिया ने बताया कि इस मौके पर लांच करने की एक प्रमुख वजह देश में त्योहारों के सीजन की शुरुआत है। उत्तर भारत में नवरात्र से लेकर दशहरा और दिवाली तक के समय को काफी शुभ माना जाता है। यही वजह है कि कंपनी ने नवरात्र के पहले दिन से ही इसकी डिलीवरी शुरू करने का फैसला किया है। मौजूदा बीएस-4 एक्टिवा के मुकाबले नया बीएस-6 एक्टिवा-125 छह से आठ हजार रुपये महंगा है।

बात पते की

मॉडल : एक्टिवा-125 बीएस-6
दाम : **67,490** रुपये (दिल्ली में एक्स-शोरूम)
वैरिएंट : तीन
डिलीवरी : इसी महीने शुरू होने वाले नवरात्र के पहले दिन से

खासियतें

- नए इंजन के साथ साथ कई नए फीचर भी जोड़े गए हैं। इसमें होंडा का भरोसेमंद पीजीएम-एफआइ एचटी इंजन और एन्हांस्ड स्मार्ट पावर तकनीक शामिल की गई है
- एन्हांस्ड स्मार्ट पावर के तहत एसजीजी स्टार्टर का इस्तेमाल किया गया है, जिससे इंजन बिना किसी शोर के स्टार्ट हो जाता है। साथ ही यह राइडिंग के दौरान बैटरी को चार्ज करता है
- बीएस-6 एक्टिवा-125 को फिलहाल देश में उपलब्ध बीएस-4 ईंधन से भी चलाया जा सकेगा। कंपनी ने इसे 26 नए पेटेंट एप्लीकेशंस के साथ बाजार में उतारा है

नितिन गडकरी ने बीएस-6 आधारित पहले दोपहिया वाहन की लांचिंग में शिरकत की। प्रेट्र

सरकार जल्द घोषित करेगी ऑटो स्क्रैप पॉलिसी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : सरकार ने ऑटो इंडस्ट्री को फिर भरोसा दिया है कि स्क्रैपिंग पॉलिसी की घोषणा जल्द होगी। केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि इसका मसौदा तैयार हो गया है। फिलहाल सभी संबंधित पक्षों से बातचीत जारी है। उन्होंने कहा कि स्क्रैपिंग नीति दोपहिया वाहन उद्योग पर भी लागू होगी।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के नए बीएस-6 एक्टिवा-125 के लांच के मौके पर गडकरी ने कहा कि स्क्रैपिंग पॉलिसी पर विचार विमर्श के दौरान कुछ दिक्कतें सामने आई हैं। संबंधित पक्षों ने कुछ मुद्दों को लेकर सवाल खड़े किए हैं। सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री ने कहा कि इसे अंतिम रूप देने के लिए न सिर्फ ऑटो मैन्यूफैक्चरर्स के सहयोग की आवश्यकता है, बल्कि वित्त मंत्रालय से भी इसके लिए मंजूरी की जरूरत होगी। गडकरी ने कहा कि उनका मंत्रालय इसे जल्द से जल्द जारी करने के प्रयास कर रहा है। स्क्रैपिंग पॉलिसी लागू होने के बाद प्रत्येक वाहन की एक निश्चित उम्र तय हो जाएगी जिसके बाद उसे सड़क पर नहीं चलाया जा सकेगा। इससे ऑटो इंडस्ट्री को भी लाभ होगा।

राष्ट्रीय संस्करण www.jagran.com
दैनिक जागरण
गुरुवार 12 सितंबर 2019

40 टन बम गिराए हैं अमेरिकी युद्धक विमानों ने आइएस के कब्जे वाले टाइग्रेस नदी के एक द्वीप पर। अमेरिका के नेतृत्व वाले गठबंधन का कहना है कि इराक की राजधानी बगदाद के उत्तर में स्थित सलाहेद्दीन प्रांत के किनूस द्वीप पर हुई बमबारी में एफ15 और एफ35 युद्धक विमानों ने भाग लिया।

बैग से मुंह ढककर की गई थी खशोगी की हत्या

अंकारा, आइएएनएस : तुर्की के अखबार सबा ने सऊदी अरब के पत्रकार जमाल खशोगी के अंतिम पलों की बातचीत का ब्योरा प्रकाशित किया है। अखबार ने आडियो रिकार्डिंग के हवाले से दावा किया है कि सऊदी सरकार के मुखर आलोचक और वाशिंगटन पोस्ट के पत्रकार खशोगी की हत्या बैग से मुंह दबाकर की गई थी। पिछले साल दो अक्टूबर को इस्तांबुल स्थित सऊदी वाणिज्य दूतावास में खशोगी की हत्या कर दी गई थी।

अखबार का कहना है कि यह रिकार्डिंग दूतावास के अंदर की है और उसे तुर्की के अधिकारियों ने बरामद किया था। इसमें कथित तौर पर खशोगी की आखिरी बातें रिकार्ड हो गई थीं। अखबार के अनुसार, खशोगी की हत्या के लिए आई सऊदी टीम में एक फोरेंसिक विशेषज्ञ भी था। यह विशेषज्ञ वाणिज्य दूतावास में खशोगी के पहुंचने से पहले उन्हें बलि का जानवर बता रहा था। खशोगी के दूतावास पहुंचते ही उन्हें बताया गया कि इंटरपोल के आदेश के चलते उन्हें सऊदी अरब की राजधानी रियाद जाना होगा। उन्होंने इस आदेश को मानने से इन्कार कर दिया और तुरंत अपने बेटे को मैसेज किया। इसके बाद उन्हें नशीला पदार्थ खिला दिया गया था। अखबार के मुताबिक, खशोगी के आखिरी शब्द थे कि उनका मुंह बंद ना किया जाए क्योंकि उन्हें अस्थमा है। इस रिकार्डिंग में फोरेंसिक विशेषज्ञ द्वारा खशोगी के शव के टुकड़े किए जाने की भी जानकारी है।

खशोगी की मौत पर विरोधाभासी जानकारियां देने के लिए सऊदी शासन की काफी आलोचना हुई थी। बाद में सऊदी सरकार ने इस हत्या के लिए कुछ बदमाशों को दोषी ठहराया और 11 लोगों को आरोपित बनाया। अमेरिकी की खुफिया एजेंसी सीआइए समेत कई अन्य एजेंसियों ने इस हत्या में सऊदी प्रिंस मुहम्मद बिन सलमान का हाथ होने का दावा किया है। सऊदी सरकार इस दावे को खारिज करती रही है।

- **तुर्की के अखबार ने किया दावा, हत्याकांड के लिए सऊदी से फोरेंसिक विशेषज्ञ भी आया था इस्तांबुल**
- **अखबार ने सऊदी वाणिज्य दूतावास से बरामद की गई ऑडियो रिकार्डिंग का ब्योरा प्रकाशित किया**

लांच पैड के पास आग लगने से जापान ने रद की रॉकेट लांचिंग

टोक्यो, एएफपी : जापान की अंतरिक्ष एजेंसी ने बुधवार तड़के तानेगाशिमा द्वीप स्थित अपने लांच पैड के पास लगी आग के कारण बेहद अहम रॉकेट लांचिंग टाल दी। यह रॉकेट अंतरिक्ष यात्रियों के लिए 5.3 टन रसद लेकर इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आइएसएस) जाने वाला था।

इस एच-2बी रॉकेट को स्थानीय समयानुसार तड़के तीन बजकर पांच मिनट पर लांच किया जाना था। यह रॉकेट जापान की अंतरिक्ष एजेंसी के मालवाहक यान कोउनोतोरी-8 को आइएसएस पर लेकर जाने वाला था। इस यान में आइएसएस पर मौजूद वैज्ञानिकों के लिए भोजन व पानी के साथ ही बैटरियां और शोधकार्य के लिए जरूरी अन्य सामान था।

जापान की अंतरिक्ष एजेंसी कोउनोतोरी-8 को दुनिया का सबसे बड़ा अंतरिक्ष मालवाहक यान बताती है। इस लांचिंग का जिम्मा जापान की मित्सुबिशी हेवी इंडस्ट्रीज (एमएचआइ) के पास था। एमएचआइ आग लगने की घटना की जांच कर रही है। यह भी पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि आग से रॉकेट या लांच पैड को कोई नुकसान तो नहीं पहुंचा है। इसके बाद आगे का कार्यक्रम तय होगा।

ब्रिटेन ने बदला अपना वीजा नियम भारतीय छात्रों को मिलेगा लाभ

लंदन, प्रेट्र/रायटर

- **पढ़ाई के बाद नौकरी तलाशने के लिए विदेशी छात्रों को दो साल तक रहने की छूट दी**
- **इस नए वीजा कार्यक्रम को अगले साल से प्रभावी किया जाएगा**

ब्रिटेन ने अपने वीजा नियमों में बड़ा बदलाव करते हुए दो साल के लिए नए पोस्ट-स्टडी वीजा का एलान किया है। इस वीजा से भारतीय छात्रों को लाभ होने की संभावना जताई जा रही है। नए वीजा के तहत विदेशी छात्र अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद ब्रिटेन में दो साल तक रहकर नौकरी कर सकेंगे या काम तलाश सकेंगे। इस नए वीजा कार्यक्रम को अगले साल से प्रभावी किया जाएगा। मौजूदा नियम के तहत विदेशी छात्रों को ग्रेजुएशन करने के बाद सिर्फ चार माह तक ब्रिटेन में रहने की इजाजत है।

प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने बुधवार को कहा कि नए बदलाव से छात्र ब्रिटेन में अपना करियर संवार सकेंगे। जॉनसन सरकार में गृह मंत्री भारतवंशी प्रीति पटेल ने कहा, 'नए बदलाव से अंतरराष्ट्रीय छात्र ब्रिटेन में विज्ञान और गणित या प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर सकेंगे। पढ़ाई के बाद वे काम का बहुमूल्य अनुभव हासिल कर अपना सफल करियर बना सकेंगे। यह हमारे वैश्विक दृष्टिकोण को दर्शाता है और यह सुनिश्चित करेगा कि हम सर्वश्रेष्ठ और प्रतिभाशाली छात्रों को आकर्षित करना जारी रखेंगे।'

ब्रिटिश विश्वविद्यालयों ने किया स्वागतः पोस्ट-स्टडी वीजा दोबारा शुरू करने के फैसले का ब्रिटेन के विश्वविद्यालयों के प्रमुखों और प्रतिनिधियों ने स्वागत किया है। यूनिवर्सिटीज यूके इंटरनेशनल की निदेशक विविन स्टर्न ने कहा, 'करीब 82 फीसद भारतीय छात्र अपने करियर से संतुष्ट हैं। हम जानते हैं कि डिग्री हासिल करने के बाद उनके लिए ब्रिटेन में काम करने का अवसर मिलना कितना अहम है।'

ब्रिटेन में कितने भारतीय छात्रः ब्रिटेन में पढ़ने जाने वाले भारतीय छात्रों की संख्या में 2010 से गिरावट दर्ज की गई थी। उस साल करीब 39 हजार भारतीय छात्रों ने ब्रिटिश विश्वविद्यालयों में दाखिला लिया था। यह आंकड़ा 2017 में कम होकर 20 हजार के स्तर पर आ गया था। पिछले साल हालांकि इस आंकड़े में वृद्धि दर्ज की गई थी। 2018 में करीब 22 हजार छात्र ब्रिटेन पढ़ने के लिए पहुंचे।

2012 में बंद कर दिया गया था पोस्ट-स्टडी वीजा

2012 में ब्रिटेन की तत्कालीन गृह मंत्री टेरीजा मे के कार्यकाल के दौरान दो वर्षीय पोस्ट-स्टडी वीजा बंद कर दिया था। इस कदम के बाद ब्रिटेन में भारत जैसे देशों के छात्रों की संख्या में बड़ी गिरावट देखी गई थी।

यूएई में भारतीय ने चाकू मारकर पत्नी की हत्या की

दुबई, प्रेट्र : संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में एक भारतीय ने चाकू मारकर अपनी पत्नी की हत्या कर दी। स्थानीय मीडिया के अनुसार, बीते सोमवार को अल कुओज इलाके की पार्किंग में दोनों के बीच बहस हो गई थी। बात इतनी बढ़ गई कि 43 वर्षीय भारतीय ने पत्नी सी विद्या चंद्रन (39) को चाकू मार दिया। भारतीय की पहचान सिर्फ यूसी के रूप में की गई है। दुबई में रह रहे इस दंपती की 16 और पांच वर्ष की दो बेटियां हैं, जो केरल में अपने नाना-नानी के साथ रहती हैं।

विद्या ओणम पर केरल आने वाली थी। उनकी मौत की खबर से पूरा परिवार सदमे में है। विद्या के भाई विनयचंद्रन ने कहा, 'दो दिन पहले ही मैंने उनसे बात की थी। वह ओणम में घर आने और बच्चों से मिलने के लिए बहुत उत्साहित थीं। मुझे यकीन नहीं हो रहा कि अब वह हमारे बीच नहीं हैं।' विनय ने बताया कि विद्या घरेलू हिंसा की शिकार थी। उन्होंने कहा, 'वह आदमी मेरी बहन को लंबे समय से प्रताड़ित कर रहा था। मेरी बहन ने पुलिस में शिकायत भी की थी। बाद में काउंसलिंग से चीजें बेहतर हो रही थीं। हमें नहीं मालूम था कि वह उन्हें मार देगा।' दोनों डेढ़ साल पहले दुबई गए थे। यूसी ने बड़ा लोन लिया था। इसे चुकाने में मदद के लिए विद्या भी दुबई जाने को तैयार हुई थी।

न्यूज गैलरी

आंख के बदले आंख की सजा के पक्ष में युगांडा के राष्ट्रपति

कंपाला : अफ्रीकी देश युगांडा में अपराध की बढ़ती संख्या पर अंकुश लगाने को लेकर राष्ट्रपति योवेरी मुसेवेनी ने कहा कि हत्यारों को आंख के बदले आंख की तर्ज पर सजा देनी चाहिए। उन्होंने यह बात पिछले सप्ताह अपने भतीजे की हत्या होने के बाद कही है। मंगलवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर मुसेवेनी ने कोर्ट से अपराधियों को कड़ी-से-कड़ी सजा सुनिश्चित करने को कहा। पिछले कुछ वर्षों से युगांडा में हत्या से लेकर अपहरण और डकैती जैसे वारदातों में वृद्धि देखी जा रही है। (रायटर)

जापान के पीएम ने कैबिनेट में किया फेरबदल

टोक्यो : जापान के प्रधानमंत्री शिंजो एबी ने बुधवार को कैबिनेट में बड़ा फेरबदल किया। विदेश मंत्री तारो कोनो को अब रक्षा मंत्रालय का जिम्मा सौंपा गया है। जापान के नए विदेश मंत्री के तौर पर तोशिमित्सु मोटेगी को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। एबी के कैबिनेट में नए चेहरे के तौर पर पूर्व पीएम जुनिचिरो कोइजुमी के बेटे शिनिजिरो कोइजुमी (38) को शामिल किया गया है जो जापान के एक चर्चित हस्ती हैं। उन्हें पर्यावरण मंत्रालय का जिम्मा दिया गया है। इस साल नवंबर में शिंजो एबी जापान के सबसे लंबे समय तक शासन करने वाले प्रधानमंत्री बन जाएंगे। (एएफपी)

जापान के फुकुशिमा परमाणु रिएक्टर हादसे की होगी जांच

टोक्यो : जापान की न्यूक्लियर रेगुलेशन अथॉरिटी (एनआरए) ने बुधवार को कहा कि वह आठ साल पहले हुए फुकुशिमा परमाणु रिएक्टर हादसे की जांच करेगा। जांच में यह पता लगाया जाएगा कि 2011 में भूकंप के बाद आई सुनामी से किस तरह परमाणु रिएक्टर नष्ट हुए और उनसे खतरनाक विकिरण फैला। परमाणु संयंत्रों को चलाने वाली टोक्यो इलेक्ट्रिक पॉवर ने कहा है कि वह जांच में सहयोग करेगा। घातक रेडिएशन फैलने के कारण इलाके में रहने वाले डेढ़ लाख से ज्यादा लोगों को वहां से भागना पड़ा था। (रायटर)

तीन ऑस्ट्रेलियाई नागरिक ईरान की हिरासत में

सिडनी : ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने बुधवार को कहा कि उसके तीन नागरिकों को ईरान ने हिरासत में ले रखा है। विदेश मामले के प्रवक्ता ने बताया कि तीनों नागरिकों के परिजनों को सरकार मदद मुहैया करा रही है। तीन में से दो महिलाएं हैं जो ब्रिटिश मूल की ऑस्ट्रेलियाई नागरिक हैं। दोनों तेहरान की एविन जेल में बंद हैं। इनमें से एक महिला के ब्वॉयफ्रेंड को भी पकड़ा गया है। ईरान में ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों को हिरासत में लिए जाने की खबर ऑस्ट्रेलिया के उस एलान के बाद आई है जिसमें उसने कहा था कि वह ईरान से लगे होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की सुरक्षा के लिए अमेरिका को सैन्य मदद देगा। (रायटर)

पाकिस्तान तालिबान का सरगना वैश्विक आतंकी घोषित

सख्त कदम ▸ अमेरिका ने दो दर्जन आतंकियों पर प्रतिबंध की घोषणा की

टीटीपी ने पाकिस्तान में किए हैं कई बड़े आत्मघाती हमले

वाशिंगटन, एएनआइ : वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए हमले की बरसी पर अमेरिका ने आतंकवाद से लड़ने के संकल्प को जाहिर करते हुए बुधवार को 11 आतंकी संगठनों के दो दर्जन आतंकियों पर प्रतिबंध लगा दिया। अमेरिका ने पाकिस्तान में सक्रिय तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के सरगना नूर वली उर्फ मुफ्ती नूर वली मसूद को भी वैश्विक आतंकी घोषित किया है। पाकिस्तान तालिबान के नाम से कुख्यात इस आतंकी संगठन ने कई आत्मघाती हमले अंजाम दिए हैं, जिनमें सैकड़ों लोग जान गंवा चुके हैं। अमेरिका टीटीपी को पहले ही वैश्विक आतंकी संगठन घोषित कर चुका है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय के अनुसार, पिछले साल जून में टीटीपी सरगना मुल्ला फजलुल्ला के मारे जाने के बाद नूर वली ने इस आतंकी संगठन की कमान संभाली थी। विदेश मंत्रालय ने अलकायदा से जुड़े सीरिया-हुर्रस अल-दीन को भी वैश्विक आतंकी संगठन घोषित किया है।

ये भी घोषित किए गए वैश्विक आतंकी : अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने हिजबुल्ला, हमास, फलस्तीन इस्लामिक जिहाद, इस्लामिक स्टेट (आइएस), आइएस-फिलीपींस, आइएस-वेस्ट अफ्रीका जैसे कुल 12 आतंकी संगठनों के सरगनाओं को भी वैश्विक आतंकी घोषित किया है। इन प्रतिबंधित आतंकी संगठनों के 15 अन्य सदस्यों को भी वैश्विक आतंकी सूची में डाला गया है।

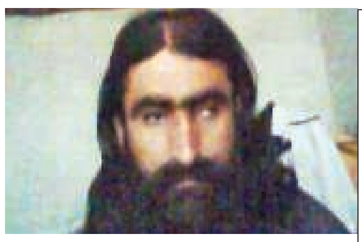

मुफ्ती नूर वली मसूद। फाइल

एफएटीएफ के रडार पर पाक

अमेरिका के इस कदम को पाकिस्तान के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है क्योंकि वैश्विक समुदाय कई बार कह चुका है कि पाकिस्तान आतंकी संगठनों का समर्थन करना है। वह लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मुहम्मद जैसे आतंकी संगठनों को पनाह देने के कारण फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) के रडार पर है। पाकिस्तान पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकी फंडिंग पर नजर रखने वाले इस संगठन की काली सूची में डाले जाने का खतरा मंडरा है।

13 आतंकी धड़ों ने मिलकर बनाया था टीटीपी

2007 में बैतुल्ला महसूद के नेतृत्व में 13 आतंकी धड़ों ने मिलकर टीटीपी का गठन किया था

2014 में टीटीपी ने पेशावर के सैन्य स्कूल पर हमला किया था। इसमें 150 से ज्यादा लोग मारे गए थे

2016 में बाशा खान यूनिवर्सिटी पर हुए हमले में 30 छात्रों और शिक्षकों ने जान गंवाई थी

2007 में रावलपिंडी में पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो की हत्या के लिए भी टीटीपी को ही जिम्मेदार ठहराया गया था

कश्मीरियों के प्रति एकजुटता दिखाने को मुजफ्फराबाद में बड़ा जलसा करेंगे इमरान

इस्लामाबाद, एएनआइ : कश्मीरियों के प्रति घंटेभर के लिए एकजुटता प्रदर्शन (सोलिडॉरिटी ऑवर) के फुस्स पटाखा साबित होने के बाद पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने अब गुलाम कश्मीर की राजधानी मुजफ्फराबाद में बड़ा जलसा करने की घोषणा की है।

दरअसल, भारत के खिलाफ जहर उगलने के लिए इन दिनों ट्विटर इमरान खान का पसंदीदा स्थान बना हुआ है। इसी क्रम में इमरान ने बुधवार को ट्वीट कर कहा कि शुक्रवार को वह मुजफ्फराबाद में एक बड़ा जलसा करेंगे ताकि जम्मू-कश्मीर में लगातार जारी घेरेबंदी के बारे में दुनिया को संदेश दिया जा सके और कश्मीरियों को दिखाया जा सके कि पाकिस्तान उनके साथ दृढ़ता से खड़ा है। खास बात यह है कि अभी सोमवार को ही पाकिस्तानी सेना के अत्याचारों और मानवाधिकारों के उल्लंघन के मसले पर गुलाम कश्मीर में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए थे।

दरअसल, पाकिस्तान सरकार द्वारा बहुप्रचारित 'कश्मीर सोलिडॉरिटी ऑवर' को पाकिस्तानियों का बहुत ज्यादा समर्थन नहीं मिला है। 30 अगस्त को कश्मीरी लोगों के समर्थन में आयोजित विरोध प्रदर्शन में पाकिस्तानी अधिकारियों ने स्कूली बच्चों को शामिल करने की बहुत कोशिश की थी, लेकिन वे उन्हें जुटाने में सफल नहीं हो सके। यही नहीं, विरोध प्रदर्शनों के मद्देनजर अधिकारियों ने यातायात तक को प्रतिबंधित किया था और कई सड़कों को बंद कर दिया था। जिसकी वजह से पाकिस्तानियों को दुश्वारियों का सामना करना पड़ा और सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। मालूम हो कि जब से भारत ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने की घोषणा की है, पाकिस्तान और उसके प्रधानमंत्री भारत के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। पाकिस्तान ने कश्मीर मसले का अंतरराष्ट्रीयकरण करने की असफल कोशिश भी की। लेकिन भारत लगातार कहता रहा है कि कश्मीर भारत का अंदरूनी मसला है।

पाकिस्तान में पेट्रोल से भी महंगा बिक रहा दूध

कराची, आइएएनएस : बदहाल अर्थव्यवस्था से जूझ रहे पाकिस्तान में महंगाई आसमान छू रही है। आलम यह है कि दूध पेट्रोल से भी महंगा बिक रहा है। मुहर्रम के चलते कराची और सिंध प्रांत के कई शहरों में दूध के दाम 140 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गए हैं। पेट्रोल और डीजल का भाव इससे कम है। पाकिस्तान में इस समय पेट्रोल 113 रुपये और डीजल 91 रुपये प्रति लीटर है। पाकिस्तानी मीडिया में आई खबरों के अनुसार, सिंध प्रांत के कई हिस्सों में दूध 140 रुपये प्रति लीटर तक बेचा जा रहा है। एक दुकानदार ने कहा, 'कराची में मांग बढ़ने के कारण दूध 120 रुपये से लेकर 140 रुपये तक बिक रहा है। मुहर्रम के दौरान शहर में निकलने वाले जुलूस में शामिल लोगों के लिए जगह-जगह दूध, जूस और ठंडे पानी का स्टाल लगाया जाता है। इसके चलते दूध की मांग बढ़ गई है।' मुहर्रम पर हर साल दूध का स्टाल लगाने वाले कराची के एक बाशिंदे ने कहा, 'मैंने अपने जीवन में कभी दूध का दाम इतना ज्यादा नहीं देखा।' लोगों का कहना है कि कराची के कमिश्नर दूध की कीमत नियंत्रित करने के लिए कुछ नहीं कर रहे।

भारत ने दी सलाह, तालिबान से नहीं, अफगानी जनता से हो शांति वार्ता

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- **दूसरे देशों के आतंकी संगठनों से अफगानिस्तान को सबसे ज्यादा खतरा**
- **भारत की प्रतिक्रिया यूएन में अफगानिस्तान को लेकर जारी एक परिचर्चा में जताई गई**

तालिबान और अमेरिकी सरकार के बीच जारी शांति वार्ता टूटने के एलान के बाद वहां हालात किस करवट बैठते हैं इसको लेकर भारत बेहद सतर्क नजर रखे हुए है। वैसे भारत यह जरूर मानता है कि जब तक पाकिस्तान आधारित तमाम आतंकी संगठनों पर लगाम नहीं लगाई जाती तब तक अफगानिस्तान में स्थायी शांति स्थापित नहीं की जा सकती। साथ ही भारत ने अमेरिका को यह सलाह भी दी है कि वह सीधे तौर पर अफगानिस्तानी नागरिकों से वार्ता करे। भारत की यह प्रतिक्रिया संयुक्त राष्ट्र में अफगानिस्तान को लेकर जारी एक परिचर्चा में जताई गई।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि सैयद अकबरुद्दीन ने अपने चिरपरिचित अंदाज में पड़ोसी देश पाकिस्तान के आतंकी मंसूबे और उसकी वजह से पड़ोसी देशों को हो रही समस्या को सामने रखा। हालांकि उनके भाषण में कहीं भी पाकिस्तान का नाम सीधे तौर पर नहीं लिया गया, लेकिन उनका इशारा किसकी तरफ है यह किसी से भी छिपा नहीं रहा। यह भी उल्लेखनीय है कि अमेरिका-तालिबान वार्ता टूटने के बाद पहली बार भारत की यह प्रतिक्रिया आई है।

अकबरुद्दीन ने कहा, 'अफगानिस्तान में स्थायी शांति के लिए तालिबान, हक्कानी नेटवर्क, दयेश, अल-कायदा जैसे अन्य आतंकी संगठनों और इनसे जुड़े लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मुहम्मद के कामकाज पर लगाम लगाना जरूरी है जो अफगानिस्तान की सीमा के बाहर से संचालन कर रहे हैं। आतंक के माहौल में शांति को आगे नहीं बढ़ाया जा सकता। हाल के दिनों में अफगानिस्तान में हिंसा में काफी इजाफा हुआ है। इससे वहां के प्रस्तावित चुनाव को भी प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। आतंक का इस्तेमाल वार्ता में अपना पक्ष मजबूत करने के लिए किया जा रहा है।'

उन्होंने भारत का यह पक्ष भी रखा कि वहां शांति स्थापित करने के लिए सीधे नागरिकों से बातचीत होनी चाहिए। इस बयान के साथ भारत ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि तालिबान के साथ वार्ता टूटने के मुद्दे पर वह अमेरिका के साथ है।

अमेरिका के राष्ट्रपति ने रविवार को तालिबान के साथ वार्ता तोड़ने का एलान किया था। उसके बाद उन्होंने आगे भी तालिबान से बातचीत नहीं करने की बात कही है।

पाकिस्तान को लगा है बड़ा झटका

अभी अमेरिका ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि आगे क्या होगा, लेकिन ट्रंप के फैसले को पाकिस्तान के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। अमेरिका और तालिबान के बीच चल रही शांति वार्ता में पाकिस्तान अपना उल्लू सीधा करने में लगा हुआ था। एक तरफ वह सोच रहा था कि अफगानिस्तान में तालिबान के जरिये उसकी पकड़ मजबूत होगी जबकि अमेरिका के साथ भी वह वित्तीय मदद हासिल करने की कोशिश कर रहा था। अब उसके सारे मंसूबों पर पानी फिर गया है। बहरहाल, भारत को उम्मीद है कि 28 सितंबर, 2019 को अफगानिस्तान में होने वाले चुनाव शांति से निपटेंगे और वहां लोकतांत्रिक प्रक्रिया मजबूत होगी।

उत्तर कोरिया ने किया बड़े रॉकेट लांचर का परीक्षण

परीक्षण स्थल पर मौजूद किम जोंग उन। रायटर

सियोल, एएफपी : उत्तर कोरिया के शीर्ष नेता किम जोंग उन की अगुआई में मंगलवार को एक बड़े रॉकेट लांचर का परीक्षण किया गया। उत्तर कोरिया की सरकारी न्यूज एजेंसी के अनुसार, आकार में बहुत बड़े इस रॉकेट लांचर से एक साथ कई रॉकेट दागे जा सकते हैं। मंगलवार को पड़ोसी मुल्क दक्षिण कोरिया ने उत्तर कोरिया के काएचोन इलाके से एक रॉकेट दागे जाने की जानकारी दी थी। इस रॉकेट की रेंज करीब 330 किलोमीटर बताई गई थी। उत्तर कोरिया ने इस रॉकेट को दागने से कुछ देर पहले ही परमाणु निरस्त्रीकरण को लेकर इस महीने अमेरिका से बातचीत शुरू करने की गुजारिश की थी। रॉकेट दागे जाने को उत्तर कोरिया द्वारा दबाव बनाने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। इस साल जून में किम के साथ मुलाकात के वक्त अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उत्तर कोरिया के साथ फिर वार्ता शुरू करने के संकेत दिए थे। उत्तर कोरिया ने अमेरिका से आर्थिक पाबंदियों में ढील देने की गुजारिश भी की है।

स्कॉटलैंड की हाई कोर्ट ने कहा संसद निलंबन का फैसला गलत

लंदन, रायटर : ब्रिटेन में यूरोपीय यूनियन से अलगाव के मसले पर अजीब खींचतान की स्थिति बनी हुई है। अब स्कॉटलैंड के हाई कोर्ट ने प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के संसद को निलंबित करने के फैसले को गैरकानूनी करार दिया है। कहा है अविलंब संसद की कार्यवाही शुरू की जाए और सांसद जाकर उसमें शामिल हों। इससे पहले लंदन की हाई कोर्ट भी संसद के निलंबन को गलत ठहरा चुकी है। स्कॉटलैंड की हाई कोर्ट का ताजा फैसला जॉनसन सरकार के लिए बड़ा झटका है।

31 अक्टूबर को यूरोपीय यूनियन से अलगाव के रास्ते पर आगे बढ़ रही ब्रिटिश सरकार को पार्टीजनों के एक गुट और विपक्ष के अवरोधों का सामना करना पड़ रहा है। ...तो कोर्ट भी संसद के निलंबन के फैसले पर लगातार सरकार के खिलाफ टिप्पणी कर रही है। स्कॉटलैंड की कोर्ट ने प्रधानमंत्री को नाम से संबोधित कर कहा है कि आप कानून नहीं तोड़ सकते। सरकार ने कहा है कि वह सुप्रीम कोर्ट (यूनाइटेड किंगडम की सर्वोच्च न्यायालय) में अपील करेगी। स्कॉटिश नेशनल पार्टी की सांसद जोन्ना चेरी ने कहा है कि संसद अविलंब आहूत की जाए। विदित हो कि संसद ने निलंबित होने से पहले कानून बना दिया है कि सरकार बिना शर्त यूरोपीय यूनियन से बाहर नहीं आ सकती।

- **ब्रिटेन में पीएम जॉनसन को फिर लगा झटका**

लेबर पार्टी की फिर से जनमत संग्रह की मांग

ब्रिटेन के मुख्य विपक्षी दल लेबर पार्टी के उप प्रमुख टॉम वाट्सन ने कहा है कि पार्टी ब्रेक्जिट के खिलाफ है। यूरोपीय यूनियन से संबंध विच्छेद से पहले इस मसले पर एक बार फिर जनमत संग्रह कराया जाए। 2016 में हुए जिस जनमत संग्रह को अलगाव का आधार बनाया जा रहा है, उसमें सहमति और असहमति के बीच मामूली अंतर था।

लेकिन प्रधानमंत्री जॉनसन हर हालत में 31 अक्टूबर को यूरोपीय यूनियन छोड़ने के फैसले पर डटे हुए हैं। वह यूरोपीय यूनियन से ब्रेक्जिट के लिए एक अंतरिम समझौता करने का भी प्रस्ताव तैयार कर रहे हैं। यह समझौता प्रस्ताव जॉनसन 17 अक्टूबर को यूरोपीय यूनियन के नेताओं के साथ होने वाली बैठक में रख सकते हैं। ब्रेक्जिट को लेकर बनी उहापोह की स्थिति में जर्मनी की चांसलर एंजेला मर्केल ने कहा है कि वह व्यवस्थित ब्रेक्जिट चाहती हैं जिससे भविष्य में समस्याएं पैदा न हों।

भयावह

हमले के करीब दो दशक बाद भी नहीं मिट रही यादें, टॉवर से बचकर निकलने वालों को पोस्ट ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर ने घेरा

9/11 के सदमे से अब तक जूझ रहे अमेरिकी

न्यूयॉर्क टाइम्स से

वाशिंगटन : न्यूयॉर्क के पोर्ट अथॉरिटी की पूर्व कर्मचारी कायला बर्जरॉन के लिए 11 सितंबर, 2001 का वह दिन सामान्य दिनों जैसा ही था। वह वर्ल्ड ट्रेड सेंटर की 68 वीं मंजिल पर अपने कार्यालय में काम कर रही थीं। तभी भागता हुए एक व्यक्ति अंदर आया और कहने लगा कि इमारत से एक विमान की टक्कर हो गई है।

बर्जरॉन को पहले लगा कि कोई छोटा सा विमान टकराया है। हालांकि, थोड़ी देर में ही स्थिति साफ हो गई। वह बिना सोचे समझे सीढ़ियों की तरफ भागीं। बर्जरॉन बताती है कि उन्हें नहीं पता कि वह कैसे सीढ़ियों से निकली और बच गई। उस दिन सीढ़ियों पर घुप अंधेरा था। सेंटर के दोनों टावर ढहने के चलते कई पाइप फट गए थे जिससे सीढ़ियों पर जगह-जगह पानी भी भरा था। इस घटना ने बर्जरॉन की जिंदगी को बुरी तरफ प्रभावित किया। उनकी नौकरी छूट गई। 2013 में शराब पीकर गाड़ी चलाने के लिए उन्हें हिरासत में लिया गया था। पिछले साल भी इसी कारण दोबारा उनकी गिरफ्तारी हुई। कोर्ट के आदेश पर जब वह शराब छुड़ाने के कार्यक्रम से जुड़ी तो पता चला कि वह पोस्ट ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर (पीटीएसडी) से ग्रस्त है। यह एक तरह का मनोरोग है जो किसी बुरी घटना का अनुभव करने या उसका साक्षी बनने के कारण होती है। बर्जरॉन 2001 में हुए हादसे के चलते इस डिसऑर्डर से ग्रस्त हुई थीं।

अलकायदा ने किया था हमलाः 2001 में आतंकी संगठन अलकायदा ने चार विमान हाईजैक कर उन्हें दुनिया की सबसे ऊंची इमारतों में शुमार वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के उत्तरी व दक्षिणी टावर से भिड़ा दिया था। इस घटना में करीब तीन हजार लोगों की मौत हो गई और छह हजार घायल भी हुए थे। इस हमले ने पूरे देश को हिला कर रख दिया था। हमला हुए करीब दो दशक बीत चुके हैं लेकिन, अब भी बर्जरॉन समेत सैकड़ों लोग उसके सदमे से उबर नहीं पाए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए हमले में बचे लोग पूरी तरह सुरक्षित नहीं है। उन्हें अब भी पीटीएसडी समेत कई अन्य मानसिक रोगों का खतरा हो सकता है।

पीटीएसडी की बढ़ रही समस्याः अमेरिका में भिन्न हेल्थ कार्यक्रम से जुड़े 24,550 मरीजों में से 7,425 पीटीएसडी से जूझ रहे हैं। इनमें से 2,625 ऐसे मरीज हैं जो टावर से भागे थे या हमले के वक्त सेंटर के आसपास मौजूद थे। वकील जॉन फील ने कहा कि 9-11 हमले के पीड़ितों में पीटीएसडी सबसे आम बीमारी है। अब भी कई लोगों के सामने उस भयावह घटना का मंजर आ जाता है। माउंट सिनाई अस्पताल में मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. रशेल येहुदा ने कहा, 'कई बार विशेष तरह की आवाज या दृश्य देखकर व्यक्ति को तुरंत ही पूरी घटना याद आ जाती है। 9/11 के पीड़ितों के साथ भी ऐसा है। इसी के चलते उनमें पीटीएसडी के लक्षण कभी भी दिखाई दे सकते हैं।'

लाइटिंग के जरिए श्रद्धांजलि : न्यूयॉर्क सिटी में 9/11 के भीषण हमले की 18 वीं बरसी पर हमले में मारे गए लोगों की याद में ग्राउंड जीरो पर लाइटिंग करके भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। रायटर

काबुल में अमेरिकी दूतावास में रॉकेट से हमला

काबुल, एपी: 9/11 की 18वीं बरसी पर अफगानिस्तान में अमेरिकी दूतावास पर रॉकेट से हमला किया गया, लेकिन अधिकारियों ने लगभग एक घंटे बाद घोषित कर दिया कि इस हमले में कोई घायल नहीं हुआ है।

न्यूज एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक यह एक रॉकेट हमला था। पास ही स्थित नाटो मिशन की ओर से भी कहा गया कि कोई भी कर्मी घायल नहीं हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका-तालिबान शांति वार्ता को रद किए जाने के फैसले के बाद अफगानिस्तान की राजधानी में पहला बड़ा हमला हुआ है। पिछले हफ्ते के अंत में ट्रंप ने अमेरिकी-तालिबान वार्ता को बंद कर दिया था।

इससे पहले तालिबान ने दो कार बमों से हमला किया था, जिसमें कई नागरिकऔर नाटो मिशन के दो सदस्य मारे गए। ट्रंप ने उन धमाकों में से एक में अमेरिकी सेवा सदस्य की मौत का हवाला देते हुएअमेरिका-तालिबान शांति वार्ता को रद कर दिया था। हालांकि, किसी आतंकी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। लेकिन ये हमला ऐसे वक्त में हुआ है, जब पिछले दिन ही तालिबान ने अमेरिकी सैनिकों के खिलाफ बड़े हमले की चेतावनी दी।

अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में 9-11 की बरसी पर बम धमाके के बाद अमेरिकी दूतावास के पास से उठता धुआं। रायटर

हमारी टीम ने कोसोवा के खिलाफ मैच में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन हमने कई गलतियां भी की जिससे हम गोल खा बैठे।

— गेरेथ साउथगेट, कोच, इंग्लिश फुटबॉल टीम

आनंद ने कहा मेरा जीसीटी फाइनल्स पर ध्यान

कोलकाता, प्रेट्र : भारत के शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद ने कहा कि उन्हें लंदन में 30 नवंबर से 10 दिसंबर तक होने वाले ग्रैंड शतरंज टूर फाइनल्स में जगह बनाने का यकीन है, हालांकि अब दो ही कोटा स्थान बचे हैं। लंदन में जीसीटी फाइनल्स लंदन शतरंज क्लासिक के दौरान खेला जाएगा। आनंद उससे पहले यहां 22 से 26 नवंबर तक रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट में एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करके अपनी तैयारी पुख्ता करना चाहेंगे।

मिशन स्पिन की तैयारी में जुटी द. अफ्रीकी टीम

दक्षिण अफ्रीका की कमजोर कड़ी रही है स्पिन गेंदबाजी जडेजा, चाहर व क्रुणाल को लक्ष्य बना किया बल्लेबाजी का अभ्यास

मुनीष गारिया ● धर्मशाला

दक्षिण अफ्रीका की टीम बल्लेबाजों की कमजोर कड़ी रही स्पिन गेंदबाजी से उबरने के लिए मेहनत कर रही है, ताकि 15 सितंबर को धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में होने वाली टी-20 मुकाबले में भारत के स्पिन गेंदबाजों पर उसके बल्लेबाज फतह पा सकें। अंतरिम निदेशक इनोक क्वे ने नए खिलाड़ियों को नए रंग में रंगने का प्लान बनाया है।

दक्षिण अफ्रीकी टीम ने मंगलवार को पहले दिन के अभ्यास से यह तो स्पष्ट कर दिया था कि वह इस मैच में मजबूत बल्लेबाजी के साथ मैदान में उतरेगी। बुधवार को दूसरे दिन दक्षिण अफ्रीकी टीम ने अलग से तरीके से अभ्यास किया। उसने अपनी कमजोरी स्पिन गेंदबाजी से उबरने का अभ्यास किया। करीब डेढ़ बजे टीम स्टेडियम पहुंची। यहां पहुंचकर दक्षिण अफ्रीकी टीम ने डेविड मिलर और उप कप्तान रेसे वेन डेर डुसेन की अगुआई में करीब 15 मिनट पर एक्सरसाइज की। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के सभी खिलाड़ी दो टीमों में बंट गए और उन्होंने करीब आधे घंटे तक रग्बी खेलकर वार्मअप किया। वार्मअप करने के बाद टीम सीधे नेट पर पहुंची, जहां कप्तान क्विंटन डिकॉक, तेंबा बावुमा, रीजा हेंड्रिक्स व जूनियर डाला ने नेट पर बल्लेबाजी की।

वार्मअप करने के बाद पूरी टीम एकदम से नेट प्रैक्टिस करने पहुंच गई, लेकिन टीम के सबसे अनुभवी खिलाड़ी व मध्य क्रम के बल्लेबाज डेविड मिलर करीब आधे घंटे के बाद नेट प्रैक्टिस करने पहुंचे। नेट प्रैक्टिस में कप्तान डिकॉक ने कैगिसो रबादा की गेंदबाजी पर अभ्यास किया, जबकि अन्य बल्लेबाजों ने स्पिन गेंदबाज तबरेज शम्सी, डुसेन के अलावा कुछ स्थानीय स्पिन गेंदबाजों के साथ नेट प्रैक्टिस की। भारतीय टीम में इस सीरीज के लिए रवींद्र जड़ेजा, राहुल चाहर व क्रुणाल पांड्या तीन मुख्य स्पिनर हैं, जबकि दक्षिण अफ्रीका को पता है कि मैदान के यही तीन स्पिन गेंदबाज उनके बल्लेबाजों का खेल बिगाड़ सकते हैं।

बांगर बोले, बाहर के प्रस्ताव अभी नहीं ले सकता : भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगर ने कहा है कि उन्हें अपने कार्यकाल पर गर्व है और वह तुरंत ही देश के बाहर से मिलने वाले प्रस्तावों को स्वीकार नहीं करेंगे। बांगर ने कहा कि मैं पांच साल से सफर कर रहा हूं। मैं भारत के बाहर के प्रस्ताव तुरंत ले सकता हूं। निराश होना एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया है, जो कुछ दिनों तक रहती है। मुझे भारत की सेवा करने के लिए पांच साल मिले।

अभ्यास सत्र के दौरान दक्षिण अफ्रीका के कप्तान क्विंटन डिकॉक ● एपी

मानसून ने उड़ाई हिमाचल प्रदेश क्रिकेट संघ के मैदानकर्मियों की नींद

धर्मशाला : भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन मैचों की टी-20 सीरीज का पहला मैच धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट संघ (एचपीसीए) स्टेडियम में रविवार को खेला जाएगा, लेकिन यहां के मैदानकर्मियों के लिए वापस लौटता मानसून मुसीबत बन सकता है। मौसम विभाग ने पहले ही इस क्षेत्र में बुधवार से लगातार बारिश की भविष्यवाणी की है। इसी कारण रविवार को होने वाले मैच पर भी संकट के काले बादल छाये हुए हैं। इस मामले से संबंध रखने वाले एक सूत्र ने कहा कि मैदानकर्मी अपना काम जारी रखना चाहते हैं, लेकिन वे जानते हैं कि आने वाले कुछ दिन उनके लिए काफी मुश्किल होने वाले हैं। सूत्र ने कहा, 'इस जगह के बारे में एक बात यह है कि एक बार यहां बारिश शुरू हो जाए तो यह कुछ दिनों तक चलती रहती है। टीम अपना काम कर रही है, लेकिन समस्या यह है कि आपको मैच के लिए विकेट तैयार करने के लिए छह से सात दिन चाहिए होते हैं और इस दौरान जरूरी होता है कि मौसम साफ रहे। लेकिन, रविवार को होने वाले मैच को लेकर बारिश की संभावना है, ऐसे में मैदानकर्मियों की नींद उड़ी हुई है।' जब उनसे पूछा गया कि क्या मौसम के कारण पिच तेज गेंदबाजों की मदद कर सकती है, इस पर उन्होंने कहा, 'यहां तेज गेंदबाजों को थोड़ा फायदा तो होगा, लेकिन अगर पिच पर कवर होते हैं और पिच को लंबे समय तक के लिए धूप नहीं मिलती है तो यह निश्चित तौर पर तेज गेंदबाजों के मुफीद होगी। तब ऐसी स्थिति बन सकती है जब गेंद का पलड़ा भारी रहेगा।' भारत ने इस सीरीज के लिए जसप्रीत बुमराह, मुहम्मद शमी, भुवनेश्वर कुमार को आराम दिया है, जबकि दक्षिण अफ्रीका के पास कैगिसो रबादा और जूनियर डाला हैं जो भारतीय बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं।

मेरा ध्यान अपने खेल को सुधारने में : पंत

कोलकाता : युवा भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज रिषभ पंत ने बुधवार को कहा है कि वह महेंद्र सिंह धौनी का सम्मान करते हैं और इस जब पूर्व कप्तान के साथ उनकी तुलना की जाती है तो वह इस पर ध्यान ना देने के बजाय अपने खेल को सुधारने पर ध्यान लगाते हैं। धौनी को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए भारतीय टीम में नहीं चुना गया है और उनकी जगह पंत को टीम में जगह मिली है। भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज खेलनी है, जिसकी शुरुआत 15 सितंबर को धर्मशाला से हो रही है। यहां एक कार्यक्रम में आए पंत ने धौनी के ऊपर सवाल पर कहा, 'मैं धौनी को प्यार करता हूं। मैं अपने खेल पर ध्यान दे रहा हूं और एक बार में एक ही मैच पर अपना ध्यान लगाए हूं। मैं हर दिन सुधार करने की कोशिश कर रहा हूं। टीम ने वेस्टइंडीज में काफी अच्छा किया है। मैं अपने आप में सुधार करने की कोशिश कर रहा हूं और एक ऐसा खिलाड़ी बनने की कोशिश में हूं जो अपनी टीम को मैच जिता सके।' पंत से जब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेली जाने वाली सीरीज के बारे में पूछा तो उन्होंने माना की टीम को घर में खेलने का फायदा मिलेगा, लेकिन साथ ही कहा कि दक्षिण अफ्रीकी टीम काफी मजबूत है।'

पांड्या बनाम पांड्या : दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी-20 मैच से पहले बुधवार को भारत के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने नेट पर जमकर अभ्यास किया और अपने भाई क्रुणाल पांड्या की गेंदों को मैदान के बाहर पहुंचाया। हार्दिक ने ट्वीट किया, 'अभ्यास के दौरान, पांड्या बनाम पांड्या। लगभग सभी गेंदों को आपके सिर के ऊपर से बाहर पहुंचाने के लिए माफी चाहता हूं।'

रोहित या राहुल

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए आज होगा टीम का चयन, अनफिट भुवनेश्वर कुमार बाहर तो पांड्या की हो सकती है वापसी

टेस्ट में रोहित शर्मा	टेस्ट	पारी	रन	सर्वश्रेष्ठ	औसत	100/50
ओवरऑल	27	47	1585	177	39.62	3/5
नंबर तीन	04	05	107	53	21.40	0/1
नंबर चार	01	01	04	04	4.00	0/0
नंबर पांच	09	16	437	79	29.13	0/3
नंबर छह	16	25	1037	177	54.57	3/6

टेस्ट में लोकेश राहुल	टेस्ट	पारी	रन	सर्वश्रेष्ठ	औसत	100/50
ओवरऑल	36	60	2006	199	34.58	5/11
अंतिम 12 पारी	7	12	95	44	17.72	0/0
ओपनर	33	54	1915	199	36.82	05/10

अभिषेक त्रिपाठी ● नई दिल्ली

06, 13, 38, 44, 09, 00, 02, 44, 02, 33*, 04, 00...ये आंकड़े विराट कोहली के दोस्त केएल राहुल के पिछली 12 टेस्ट पारियों के हैं। वह पिछले सात टेस्ट की 12 पारियों में एक भी अर्धशतक नहीं लगा पाए हैं और क्रिकेट के सबसे बड़े फॉर्मेट में उनकी पिछली बड़ी पारी 149 रनों की थी जो उन्होंने पिछले साल सितंबर में ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ खेली थी। यही कारण है कि राहुल की उपयोगिता पर सवाल उठने लगे हैं। राहुल ने अपनी अंतिम 30 टेस्ट पारियों में सिर्फ 664 रन जुटाए हैं और इसमें उनका शानदार प्रदर्शन पिछले साल ओवल में 149 रन का ही था। मयंक अग्रवाल ने अपना स्थान पक्का कर लिया है तो चर्चा का विषय केवल दूसरे सलामी बल्लेबाज के लिए ही होगा।

गुरुवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए चयन होना है और राहुल पर खराब प्रदर्शन की गाज गिर सकती है।

रोहित को मिलेगा फायदा : वेस्टइंडीज के खिलाफ पिछले दो टेस्ट मैचों में राहुल ने मयंक अग्रवाल के साथ ओपनिंग की थी जबकि विश्व कप में पांच शतक मारने वाले रोहित शर्मा को अंतिम एकादश से बाहर बैठना पड़ा था। राहुल के बाहर रहने पर वनडे व टी-20 के उपकप्तान रोहित को टेस्ट में ओपनिंग का मौका मिल सकता है। हनुमा विहारी और अजिंक्य रहाणे पांचवें और छठे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। मुख्य चयनकर्ता एमएसके प्रसाद पहले ही इस बात के संकेत दे चुके हैं कि राहुल का हनीमून पीरियड खत्म हो चुका है और अब रोहित को ओपनिंग में मौका मिलेगा। रोहित भारत के लिए अंतिम टेस्ट 2018 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में खेले थे। चेतेश्वर पुजारा तीसरे नंबर के लिए और कप्तान विराट कोहली चौथे नंबर के लिए फिक्स हैं। मुख्य कोच रवि शास्त्री और कप्तान कोहली के पास एक ही विकल्प बचा है कि वह आक्रामक खिलाड़ी जैसे रोहित को शीर्ष क्रम में आजमाएं। बंगाल के सलामी बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन ने घरेलू और भारत-ए मैचों में शानदार प्रदर्शन किया है और अगर चयन समिति राहुल को हटाने का फैसला करती है तो टीम में रिजर्व सलामी बल्लेबाज के तौर पर उन्हें स्थान दिया जा सकता है। गुजरात के प्रियांक पंचाल और पंजाब के शुभमन गिल भी ओपनिंग की दौड़ में शामिल हैं।

भारत के कारण खिलाड़ियों ने पाक दौरे का नहीं किया बहिष्कार : श्रीलंका

नई दिल्ली आइएएनएस : श्रीलंका ने पाकिस्तान के उन दावों को खारिज कर दिया जिसमें कहा था कि भारत के कारण ही श्रीलंकाई खिलाड़ियों ने पाकिस्तान दौरे पर जाने से मना कर दिया। श्रीलंका के खेल मंत्री हरिन फर्नांडो ने ट्वीट किया, 'इस बात में कोई सच्चाई नहीं है कि भारत ने श्रीलंकाई खिलाड़ियों को पाकिस्तान में नहीं खेलने के लिए प्रभावित किया। कुछ लोगों ने 2009 की घटना के कारण नहीं जाने का फैसला किया। उनके फैसले का सम्मान करते हुए हमने उन खिलाड़ियों को चुना, जो यात्रा करने के इच्छुक थे। हमारी टीम में पूरी ताकत है और हमें उम्मीद है कि हम पाकिस्तान को उसी के घर में हराएंगे।'

श्रीलंका ने पाकिस्तान दौरे के लिए कमजोर टीम चुनी : सुरक्षा कारणों के चलते 10 खिलाड़ियों के हटने के बाद श्रीलंका ने पाकिस्तान के छह मैचों के दौरे के लिए बुधवार को कमजोर टीम का चयन किया। लाहिरु थिरिमाने ने वनडे अंतरराष्ट्रीय कप्तान दिमुथ करुणारत्ने की जगह ली, जिन्होंने टी-20 कप्तान लसित मलिंगा के साथ दौरे पर जाने से इन्कार कर दिया। थिरिमाने 15 सदस्यीय वनडे टीम की अगुआई करेंगे, जबकि 16 सदस्यीय टी-20 टीम के कप्तान दासुन शनाका होंगे।

मार्च 2009 में लाहौर में श्रीलंकाई टीम की बस पर हुए आंतकी हमले के बाद ज्यादातर अंतरराष्ट्रीय टीमों ने पाकिस्तान का दौरा करने से इन्कार कर दिया था। दौरे से हटने वाले अन्य आठ श्रीलंकाई खिलाड़ी तिसारा परेरा, एंजेलो मैथ्यूज, निरोशन डिकवेला, कुशल परेरा, धनंजय डिसिल्वा, अकिला धनंजय, सुरंगा लकमल और दिनेश चांदीमल हैं। वनडे कराची और टी-20 लाहौर में खेले जाएंगे। पहला, दूसरा और तीसरा वनडे क्रमशः 27 सितंबर, 29 सितंबर और दो अक्टूबर को खेला जाएगा।

वनडे टीम : लाहिरु थिरिमाने (कप्तान), दनुष्का गुणातिलके, सदीरा समरविक्रम, अविष्का फर्नांडो, ओशदा फर्नांडो, शेहान जयसूर्या, दासुन शनाका, मिनोद भानुका, एंजेलो परेरा, वानिंदु हसरंगा, लक्षण संदाकन, नुवान प्रदीप, इसुरु उडाना, कासुन रजिता और लाहिरु कुमार।

टी-20 टीम : दासुन शनाका (कप्तान), दनुष्का गुणातिलके, सदीरा समरविक्रम, अविष्का फर्नांडो, ओशदा फर्नांडो, शेहान जयसूर्या, एंजेलो परेरा, भानुका राजपक्ष, मिनोद भानुका, लाहिरु मदुशंका, वानिंदु हसरंगा, लक्षण संदाकन, इसुरु उडाना, नुवान प्रदीप, कासुन रजीता और लाहिरु कुमार।

18 साल बाद इंग्लैंड में एशेज सीरीज जीतने उतरेगा ऑस्ट्रेलिया

लंदन, एएफपी : ऑस्ट्रेलियाई टीम पांचवें और आखिरी टेस्ट के लिए गुरुवार को ओवल मैदान पर उतरेगी तो उसका लक्ष्य 2001 के बाद इंग्लैंड में पहली एशेज सीरीज जीतना होगा और शानदार फॉर्म में चल रहे स्टीव स्मिथ उसके 'ट्रंपकार्ड' साबित होंगे। टिम पेन की टीम ने ओल्ड ट्रैफर्ड में इंग्लैंड को हराकर पांच मैचों की सीरीज में 2-1 से बढ़त बना ली। एक मैच रहते ऑस्ट्रेलिया ने एशेज अपने पास रखना भी सुनिश्चित कर लिया है।

स्मिथ को रोकना होगा : सीरीज में बराबरी के लिए विश्व कप विजेता इंग्लैंड को स्मिथ के बल्ले पर अंकुश लगाना होगा जो पांच पारियों में 134 से अधिक की औसत से 671 रन बना चुके हैं। स्मिथ ने मैनचेस्टर में दोहरे शतक समेत तीन शतक और दो अर्धशतक लगाए हैं। ऑस्ट्रेलिया की ताकत उसकी तेज गेंदबाजी भी रही। जोश हेजलवुड और दुनिया के नंबर एक गेंदबाज पैट कमिंस मिलकर 42 विकेट ले चुके हैं। दुनिया के नंबर एक टेस्ट बल्लेबाज और गेंदबाज के टीम में होने से ऑस्ट्रेलियाई कोच जस्टिन लैंगर की दिक्कतें भी कम हुई हैं। मेहमान टीम की तेज गेंदबाजी आक्रमण ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है और वे ओवल में भी इसे जारी रखना चाहेंगे।

वार्नर ने बढ़ाई चिंता : वॉर्नर ने सीरीज में अब तक केवल 79 रन बनाए हैं। तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने उन्हें काफी बार आउट किया है। चौथे टेस्ट की दोनों पारियों में वार्नर खाता तक नहीं खोल पाए थे और दोनों बार उनका विकेट ब्रॉड ने ही चटकाया था। हालांकि वार्नर के खराब फॉर्म के बावजूद कोच लेंगर ने उनका समर्थन किया।

इंग्लैंड की चिंता : दूसरी ओर 50 ओवरों का विश्व कप पहली बार जीतने वाली इंग्लैंड टीम सीरीज में बराबरी के इस आखिरी मौके को गंवाना नहीं चाहेगी। टीम इस समय चिंता से परेशान हैं। कप्तान जो रूट का बल्ला नहीं चल रहा है। रूट की टीम में स्थिति पर सवाल उठने लगे हैं। स्टोक्स की फिटनेस देखने के बाद इंग्लिश टीम ने बुधवार को अंतिम एकादश की घोषणा की जिसमें इस ऑलराउंडर को शामिल किया है। इसके अलावा जेसन रॉय को बाहर करके सैम कुर्रन को जगह दी है।

टीम के लिए बेलिस का आखिरी मैच : इंग्लैंड के कोच ट्रेवर बेलिस का यह टीम के साथ आखिरी मैच होगा और टीम अपने कोच को विजयी विदाई देना चाहेगी। इंग्लैंड की टीम चाहेगी कि उसके बल्लेबाज इस मैच में रन बनाएं। स्टोक्स ने जरूर हेडिंग्ले में मैच जिताऊ पारी खेली थी, लेकिन चौथे मैच में अपने 11वें ओवर में वह अपना कंधा चोटिल करा बैठे थे। इसके बाद वह ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में गेंदबाजी कराने नहीं आए थे। खराब फॉर्म से जूझ रहे जॉनी बेयरस्टो और जोस बटलर अंतिम एकादश में अपने जगह बनाने में सफल रहे हैं।

आखिरी मुकाबला

- इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज का पांचवां और अंतिम टेस्ट आज से
- स्मिथ से फिर शानदार पारी की उम्मीद, स्टोक्स अंतिम एकादश में

युवा खिलाड़ियों को अनुभव हासिल करना होगा। हम खुशकिस्मत हैं कि स्टीव स्मिथ हमारी टीम में हैं। मैंने किसी को कभी ऐसे बल्लेबाजी करते नहीं देखा। युवा बल्लेबाजों को उसका अनुसरण करना होगा।
जस्टिन लैंगर, कोच, ऑस्ट्रेलिया

रूट किसी तरह से दबाव में नहीं है। उससे कोई सवाल नहीं किए जा रहे हैं। हर किसी के करियर में ऐसा दौर आता है कि रन नहीं बनते, लेकिन ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया है।
ट्रेवर बेलिस, कोच, इंग्लैंड

हम यहां एशेज जीतने आए हैं और हम यह दौरा एशेज जीतकर खत्म करना चाहते हैं। हमारी कोशिश यह मैच भी जीतने की रहेगी। **टिम पेन**, कप्तान, ऑस्ट्रेलिया

इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ● रायटर

ब्रैडमैन का 89 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं स्मिथ

नई दिल्ली : बेहतरीन फॉर्म में चल रहे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ गुरुवार को इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच के दौरान दिग्गज बल्लेबाज सर डॉन ब्रैडमैन का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। दायें हाथ के बल्लेबाज स्मिथ इस मैच में 304 रन बनाकर ब्रैडमैन का 89 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं जो उन्होंने साल 1930 में हुई एशेज सीरीज के दौरान बनाया था। पांच मैचों की उस सीरीज में ब्रैडमैन ने कुल 974 रन बनाए थे जो कि एशेज के साथ-साथ किसी भी टेस्ट सीरीज में एक बल्लेबाज द्वारा बनाए गए सबसे ज्यादा रन हैं और यह रिकॉर्ड तब से अब तक बरकरार है। स्मिथ एशेज सीरीज के तीन मैचों में 134.20 के औसत से कुल 671 रन बना चुके हैं। इस दौरान उन्होंने एक दोहरा शतक, दो शतक और दो अर्धशतक भी लगाया है।

मैं समझता हूं कि हमारी पिचों ने ऑस्ट्रेलिया की टीम को अधिक मदद पहुंचाई। मैं पिचों पर अधिक घास देखना चाहता था क्योंकि यहां इसी तरह की पिचें होती हैं। ऑस्ट्रेलिया में हमें जो पिचें देखने को मिलती हैं वो मेजबान टीम के अनुकूल होती है। वे यहां आए और उन्हें वैसी ही पिचें मिली जैसा कि वह चाहते थे। मुझे यह सही नहीं लगता। पिछले साल भारत के खिलाफ हमें सही पिचें मिलीं। एक देश के रूप में हमें इसका लाभ उठाना चाहिए।
जेम्स एंडरसन, तेज गेंदबाज, इंग्लैंड

इंग्लैंड की अंतिम एकादश : जो रूट (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, जॉनी बेयरस्टो (विकेटकीपर), स्टुअर्ट ब्रॉड, रॉरी बर्न्स, जोस बटलर, सैम कुर्रन, जोए डेनली, जैक लीच, बेन स्टोक्स और क्रिस वोक्स।

ऑस्ट्रेलिया : डेविड वार्नर, मार्कस हैरिस, मार्नस लाबुशाने, स्टीव स्मिथ, मैथ्यू वेड, मिशेल मार्श, टिम पेन (कप्तान और विकेटकीपर), पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क, पीटर सीडल, जोश हेजलवुड और नाथन लियोन।

विश्व कप 2022 के क्वालीफायर में भारत ने कतर को गोलरहित बराबरी पर रोका, गुरप्रीत सिंह ने किए कई शानदार बचाव, नहीं उतरे नियमित कप्तान छेत्री

भारत ने एशियन चैंपियन के पसीने छुड़ाए

फीफा क्वालीफायर

दोहा, प्रेट्र : नियमित कप्तान सुनील छेत्री की गैरमौजूदगी में खेलने उतरी भारतीय फुटबॉल टीम ने फीफा विश्व कप 2022 के क्वालीफायर में एशियन चैंपियन कतर के पसीने छुड़ा दिए। इस दौरान भारतीय गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने कई अहम बचाव करके इस टूर्नामेंट में भारत के लिए एक अंक अर्जित करने में अहम भूमिका निभाई। हालिया समय में यह भारतीय टीम के सर्वश्रेष्ठ नतीजों में से एक रहा।

दोहा के जाहिम बिन हमाद स्टेडियम में खेले गए ग्रुप-ई के मुकाबले में दुनिया की 103वें नंबर की भारतीय टीम ने अगले फीफा विश्व कप के मेजबान और दुनिया की 62वें नंबर की टीम कतर को गोलरहित (0-0) बराबरी पर रोक दिया। ओमान के खिलाफ अपने पहले मुकाबले में दिल तोड़ने वाली 1-2 की हार के बाद भारतीय टीम को उस समय झटका लगा जब इस मुकाबले से पहले कप्तान छेत्री बुखार से ग्रसित हो गए। हालांकि उनकी अनुपस्थिति में गोलकीपर गुरप्रीत ने भारतीय दल की बखूबी अगुआई की और कई अहम बचाव करके कतर की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। इस दौरान कतर ने करीब एक दर्जन से ज्यादा शॉट्स गोल पोस्ट पर लगाए लेकिन वह भारतीय दीवार को नहीं भेद पाया। इगोर स्टिमक की भारतीय टीम के लिए संदेश झिंगना, आदिल खान और उदांता सिंह ने भी दमदार प्रदर्शन किया। अपने घरेलू प्रशंसकों की मौजूदगी में कतर ने भारतीय खेमे पर लगातार आक्रमण बनाए रखा लेकिन भारतीय डिफेंडरों ने उसे गोल करने से महरूम रखा। इस मुकाबले के दौरान कतर के घरेलू प्रशंसकों की भारी संख्या के बीच बहुत कम संख्या में मौजूद भारतीय प्रशंसकों ने टीम इंडिया में उत्साह भरने का काम किया। भारतीय प्रशंसक लगातार इंडिया, इंडिया का उद्घोष करते रहे। छेत्री की अनुपस्थिति में भारतीय स्ट्राइकर और मिडफील्डर ने गोल के कुछ अच्छे मौके भी बनाए लेकिन दोनों में से किसी टीम का खाता नहीं खुल सका। भारत और कतर के इस मुकाबले को देखने के लिए स्पेन के दिग्गज फुटबॉल जाबी हर्नांडेस भी पहुंचे। बार्सिलोना के पूर्व स्टार जाबी अब कतर के क्लब अल साद से खेलते हैं। इस मुकाबले से पहले भारतीय टीम केवल एक बार कतर से भिड़ पाई थी। तब उसे 2007 में कतर ने 6-0 से हराया था। भारत अपने अगले मुकाबले में 15 सितंबर को बांग्लादेश से कोलकाता में भिड़ेगा। भारत का अबतक एक ही अंक है।

छेत्री ने जाहिर की खुशी

इस मुकाबले के बाद छेत्री ने अपनी खुशी का इजहार ट्विटर के जरिये किया। उन्होंने लिखा, प्यारे भारत, यह मेरी टीम है और यह मेरे साथी खिलाड़ी हैं। मैं इस समय अपनी खुशी को शब्दों में बयां नहीं कर सकता। अंक तालिका के लिए बेशक यह बड़ा नतीजा ना हो लेकिन मुकाबले के रूप में यह जीत की तरह है। कोचिंग स्टाफ और ड्रेसिंग रूम को बहुत-बहुत बधाई।

मुकाबला ड्रॉ कराने के बाद जोश में भारतीय टीम के कप्तान गुरप्रीत सिंह संधू ● रायटर

भारत की दीवार बने गुरप्रीत सिंह संधू

दोहा, प्रेट्र : फीफा विश्व कप क्वालीफायर के दूसरे दौर में भारतीय फुटबॉल टीम ने एशियन चैंपियन कतर को गोलरहित (0-0) बराबरी पर रोक दिया जिसका बहुत हद तक श्रेय गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू को जाता है। चुस्त, चौकन्ने और दीवार की तरह गोल पोस्ट के आगे खड़े रहने वाले गुरप्रीत ने कई बेहतरीन बचाव करके ग्रुप-ई में भारत को एक अंक दिलाया। 2022 फीफा विश्व कप के मेजबान कतर ने 63 फीसद समय तक गेंद को अपने कब्जे में रखा और 13 बाद गोल पोस्ट पर निशाना साधा लेकिन वह संधू की मुस्तैदी को भेद नहीं पाया। 27 वर्षीय गुरप्रीत ने 2011 में भारतीय टीम की ओर से पदार्पण किया था। इससे पहले वह भारत की अंडर-19 और अंडर-23 टीमों की ओर से अपनी गोलकीपिंग प्रतिभा की झलक दिखा चुके थे। पिछले आठ वर्षों में उन्हें ज्यादा मुकाबले खेलने को नहीं मिले लेकिन कतर के खिलाफ सुनील छेत्री की जगह कप्तानी कर रहे गुरप्रीत के प्रदर्शन को लंबे समय तक भारतीय खेल प्रेमी याद रखेंगे। चंडीगढ़ के गुरप्रीत इंग्लिश क्लब मैनचेस्टर युनाइटेड के गोलकीपर एडविन वान डेर सर और भारतीय गोलकीपर सुब्रत पॉल के बहुत बड़े प्रशंसक हैं।

गुरप्रीत का मानना है कि फुटबॉल में कुछ भी संभव है। कतर के खिलाफ मुझे अपने खिलाड़ियों पर गर्व महसूस हो रहा है। टीम के एकजुट प्रयास से यह नतीजा मिला। इस नतीजे से हमें क्वालीफायर में बहुत मदद मिलेगी। हमने केवल दो मुकाबले खेले हैं और हम अच्छा खेले हैं और वह भी दो मजबूत टीमों के खिलाफ। इससे हममें यह आत्मविश्वास जगा है कि फुटबॉल में कुछ भी संभव है। गुरप्रीत ने कहा कि सभी दिलो जान से इस मुकाबले में खेले। इससे हमें संतोष और एक अहम अंक के साथ ड्रेसिंग रूम में लौटे। गुरप्रीत ने स्टेडियम में पहुंचे भारतीय समर्थकों के बारे में कहा कि घर से बाहर खेलने के बावजूद हमें घर जैसा प्रतीत हुआ। टीम को जबरदस्त समर्थन मिला। वे पूरे मैच के दौरान हमें प्रेरणा देते और हम में उत्साह भरते रहे।

शाबास

- कतर के खिलाफ भारतीय गोलकीपर ने पेश की मिसाल
- गुरप्रीत ने कहा, फुटबॉल में कुछ भी है संभव

एक कोच के तौर पर एशियन चैंपियन के खिलाफ एक अंक हासिल करके हद से ज्यादा खुश हूं। हालांकि अभी हमें कुछ विभागों में काम करने की जरूरत है। मैं ना सिर्फ मेरे खिलाड़ियों को बल्कि कतर के खिलाड़ियों को भी बधाई देना चाहूंगा। दोनों गोल पोस्ट के आगे रोमांच ही रोमांच नजर आ रहा था। यह हमारे लिए एक अच्छा अनुभव रहा। इसका पूरा श्रेय खिलाड़ियों को जाता है, मुझे अपने खिलाड़ियों पर फख है। हालांकि मैं खिलाड़ियों से कहना चाहूंगा कि वे अपने पांव जमीन पर बनाए रखें। हमें आने वाले मुकाबलों में और अंक बटोरने होंगे। इस नतीजे ने भारतीय खिलाड़ियों की फिटनेस पर सवाल उठाने वालों को भी कड़ा जवाब दिया है। हमारे देश की जनसंख्या एक अरब 30 करोड़ से ज्यादा है। मैं बांग्लादेश के खिलाफ कोलकाता में 80000 लोगों को देखना चाहता हूं। उन्हें आकर हमें सपोर्ट करने की जरूरत है।
इगोर स्टिमक, भारतीय कोच

काम आई कोच की रणनीति

दोहा : 2019 में एशियन चैंपियन कतर के खिलाफ क्लीन शीट रखने वाली चौथी टीम बनने के बाद भारतीय टीम के खिलाड़ी बेहद खुश दिखाई दिए। मंदार राव ने कोच स्टिमक की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि कोच ने विरोधियों के खेल की बहुत सारी जानकारियां हासिल कीं और हमें कई छोटे वीडियो देखकर तैयारी करने को कहा। हमने उन्हें लाखों बार देखा। ओमान के परिणाम के बाद, कतर के खिलाफ खेलना आसान नहीं था। साल 2018-19 के एआइएफएफ के उभरते हुए फुटबॉलर चुने गए अब्दुल साहल ने कहा कि यह नतीजा अविश्वसनीय है। सभी खिलाड़ी कोच के लिए खुश हैं। उन्होंने हमारे खेल में बहुत सारे बदलाव किए हैं। हमें और अच्छा प्रदर्शन करना है और हम करेंगे। हाफ टाइम के बाद कोच ने हमें आक्रमण करने और अपनी फुटबॉल का आनंद लेने को कहा। इससे हमें और प्रेरणा मिली। वहीं मिडफील्डर अनिरुद्ध थापा ने कहा कि यह नतीजा सबसे अहम है। कतर एक बेहतरीन टीम है। मुझे खुशी है कि हम यहां उनके घर आकर एक अंक के साथ वापस लौटेंगे। कोच ने सबकुछ बदल दिया। हम सभी उनके लिए बहुत खुश हैं। साथ ही सेंट्रल मिडफील्डर आदिल खान ने कहा कि स्टिमक एक अच्छी टीम बना रहे हैं। हम उनके मार्गदर्शन में अच्छी प्रगति कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि अधिक से अधिक प्रशंसक इस प्रदर्शन के बाद उन पर विश्वास करना शुरू करेंगे। नतीजे के बारे में सोचकर मेरे रोयें खड़े हो रहे हैं। उधर पूर्व भारतीय खिलाड़ी रेनेडी सिंह ने भी स्टिमक की जमकर सराहना की है और इस नतीजे को ऐतिहासिक बताया है। उन्होंने कहा कि हमें याद रखना होगा कि हम एशियन चैंपियन के खिलाफ खेल रहे थे।

सीपीएल में गेल ने 54 गेंदों में जड़ा शतक

नई दिल्ली, जेएनएन : वेस्टइंडीज के तूफानी बल्लेबाज और क्रिकेट जगत के 'यूनिवर्सल बॉस' क्रिस गेल ने कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) में गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। गेल ने टी-20 क्रिकेट में एक बार फिर ताबड़तोड़ शतक जड़कर अपनी टीम जमैका थलावाज को बड़े स्कोर तक पहुंचाया, लेकिन फिर भी उनकी टीम यह मैच हार गई। गेल सीपीएल में सबसे ज्यादा शतक (04) जड़ने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।

> मेरी टीम के खिलाड़ी अभी भी विश्व कप 2019 के फाइनल के बारे में सोचते हैं। खिताबी मुकाबले की हार से हम निराश थे।
> – केन विलियमसन, कप्तान, न्यूजीलैंड

फ्रांस और इंग्लैंड की आसान जीत, रोनाल्डो चमके

फुटबॉल डायरी ▶ यूरो 2020 क्वालीफायर में फ्रांस ने एंडोरा और इंग्लैंड ने कोसोवो को हराया

पुर्तगाल की जीत में क्रिस्टियानो ने दागे चार गोल

पेरिस, एएफपी : यूरो 2020 क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में विश्व चैंपियन फ्रांस, इंग्लैंड और पुर्तगाल ने अपने-अपने मुकाबले जीते। पुर्तगाल और इंग्लैंड ने पांच गोल दागते हुए अपनी-अपनी विरोधी टीमों के खिलाफ जीत दर्ज की, जबकि तीन गोल के एकतरफा मुकाबले में फ्रांस ने बाजी मारी।

साउथैंप्टन में खेले गए मुकाबले में गेरेथ साउथगेट की इंग्लिश फुटबॉल टीम ने ग्रुप-ए में शुरुआती गोल खाने के बाद दुनिया के 120वें नंबर की टीम कोसोवो को 5-3 से हरा दिया। इस दौरान कोसोवो के वेलोन ब्रिशा ने खेल के 34वें सेकेंड में गोल करके इंग्लैंड को चौंका दिया। हालांकि, रहीम स्टर्लिंग (आठवें मिनट) और हैरी केन (19वें मिनट) ने एक-एक और जाडोन सांचो (44वें व 45+1वें मिनट) ने दो गोल करके इंग्लैंड को पहले ही हाफ में 5-1 की बड़ी बढ़त दिला दी। वेलोन (पहले और 49वें मिनट) और वेडाट मारक्यू (55वें मिनट) ने जहां कोसोवो को वापसी दिलाने की कोशिश की तो वहीं उसके खिलाड़ी मेर्गिम वोज्दोवा (38वें मिनट) ने आत्मघाती गोल करके अपनी टीम के लिए मुश्किलें खड़ी कर दीं। इस जीत से ग्रुप तालिका में इंग्लैंड (12 अंक) ने दूसरे स्थान पर काबिज चेक गणराज्य (नौ अंक) पर तीन अंकों की बढ़त बना ली।

उधर, ग्रुप-एच में विश्व चैंपियन फ्रांस ने पेरिस में दुनिया की 136वें नंबर की टीम एंडोरा को 3-0 से हरा दिया। स्टेड डे फ्रांस स्टेडियम में फ्रांस का यह 100वां मुकाबला था। इस मुकाबले के दौरान फ्रांस के स्टार स्ट्राइकर एंटोनी ग्रीजमैन पेनाल्टी किक को गोल में तब्दील करने से चूक गए, लेकिन किंगस्ले कोवान (18वें मिनट), क्लेमेंट लेंग्लेट (52वें मिनट) और विसाम बेन येडेर (90+1वें मिनट) ने गोल करके फ्रांस के लिए तीन अहम अंक जुटाए। पेनाल्टी किक चूकने के सवाल पर ग्रीजमैन ने कहा कि यह बहुत ही कष्टकारक था। मैं इस पर काम करूंगा। आप हमेशा अपने खेल के शीर्ष पर नहीं हो सकते। वहीं, तुर्की ने एक अन्य मुकाबले में मोलदोवा को 4-0 से हराकर इस ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि आइसलैंड को अल्बेनिया के हाथों 2-4 से शिकस्त झेलनी पड़ी।

रोनाल्डो का चौका : विलनियस में ग्रुप-बी में खेले गए मुकाबले में पुर्तगाल ने लिथुएनिया को 5-1 से करारी शिकस्त दी। इस दौरान अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का 160वां मुकाबला खेलने उतरे कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो (सातवें, 61वें, 65वें और 76वें मिनट) ने चार गोल दागे और अपने कुल अंतरराष्ट्रीय गोल की संख्या 93 पर पहुंचा दी। दुनिया की 130वें नंबर की लिथुएनिया की टीम के खिलाफ मिली जीत के बाद पुर्तगाल ग्रुप-बी में आठ अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। इस ग्रुप में 13 अंकों के साथ यूक्रेन शीर्ष पर है। रोनाल्डो ने पिछले तीन अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में दूसरी बार हैट्रिक बनाई। लिथुएनिया की ओर से जहां व्यातौत्स एंड्रिसकेविस (28वें मिनट) ने इकलौता गोल दागा तो वहीं पुर्तगाल की ओर से विलियम कारवाल्हो (90+2वें मिनट) ने भी स्कोर किया।

बार्सिलोना के तुरान को सजा

अंकारा, रायटर : स्पेनिश क्लब बार्सिलोना के मिडफील्डर अर्दा तुरान को बंदूक चलाने के जुर्म में दो साल और आठ महीने की जेल की सजा सुनाई गई है, लेकिन वह यह सजा काटने से बच सकते हैं। वह अभी तुर्की के क्लब बासेकसेहिर से खेलते हैं।

हालांकि, तुर्की की कोर्ट ने बताया है कि अगर तुरान अगले पांच साल में कोई और जुर्म नहीं करते हैं तो उनको जेल की सजा नहीं काटनी पड़ेगी। पिछले साल तुरान इस्तांबुल के एक नाइट क्लब में तुर्की के गायक बार्के साहिन से भिड़ गए थे, जहां उन्होंने इस गायक की नाक तोड़ दी थी। इसके बाद तुरान ने उस अस्पताल में पहुंचकर बंदूक चलाई, जहां साहिन अपना इलाज करा रहे थे।

गोल करने के बाद पुर्तगाल के रोनाल्डो। एएफपी

अर्जेंटीना जीता, ब्राजील की हार

लास एंजिलिस, एएफपी : अर्जेंटीना ने मेक्सिको को एक दोस्ताना मुकाबले में 4-0 से हरा दिया, जहां विजेता टीम की ओर से लॉतारो मार्टिनेज ने 22 मिनट के अंदर अपनी हैट्रिक पूरी की। इंटर मिलान के स्ट्राइकर मार्टिनेज ने 17वें, 22वें और 39वें मिनट में गोल दागे, जबकि पेरिस सेंट जर्मेन के मिडफील्डर लिएंड्रो पेरेडेस (33वें मिनट) ने भी अर्जेंटीना की ओर से स्कोर किया। हाफ टाइम में ही अर्जेंटीना की टीम 4-0 से आगे थी। इस मुकाबले में अर्जेंटीना की टीम अपने कई स्टार खिलाड़ियों के बगैर उतरी, जिसमें स्टार स्ट्राइकर लियोन मेसी, सर्जियो अग्यूरो और एंजेल डि मारिया शामिल थे। उधर, एक अन्य दोस्ताना मुकाबले में पेरू ने ब्राजील को 1-0 से हराकर कोपा अमेरिका फाइनल में मिली हार का बदला लिया। मुकाबले का इकलौता गोल पेरू के लुइस अबराम ने 85वें मिनट में किया। इस हार के साथ ही ब्राजील का 17 मुकाबलों से चला आ रहा विजय क्रम रुक गया, जो एक साल पहले अमेरिका के खिलाफ शुरू हुआ था। पिछले मुकाबले में दमदार वापसी करने वाले नेमार को ब्राजील के कोच टिटे ने अपनी शुरुआती लाइन-अप से बाहर रखा। हालांकि वह दूसरे हाफ में खेलने उतरे। एक अन्य दोस्ताना मुकाबले में अमेरिका ने उरुग्वे को 1-1 की बराबरी पर रोक दिया।

बॉयकॉट बोले, आलोचना की परवाह नहीं

लंदन, प्रेट्र : इंग्लैंड के जेफ्री बॉयकॉट को 'नाइटहुड' की उपाधि दिए जाने के बाद उनकी फ्रांस में घरेलू हिंसा के एक पुराने मामले को लेकर आलोचना हो रही है। बॉयकॉट ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें इस आलोचना की परवाह नहीं है क्योंकि उन्हें सिर्फ क्रिकेट की वजह से यह सम्मान मिला है। ब्रिटेन की पूर्व प्रधानमंत्री टेरीजा मे ने बॉयकॉट को नाइट की उपाधि दी थी। ब्रिटेन की सीनियर महिला सांसद हैरियट हरमन ने इस आधार पर इसकी आलोचना की थी कि अपनी तत्कालीन गर्लफ्रेंड को पीटने के आरोप में 1998 में फ्रांस की एक अदालत ने बॉयकॉट को दोषी पाया था। बॉयकॉट ने कहा, 'मैं इसकी परवाह नहीं करता। वह 25 साल पुरानी बात है। 25 साल पहले फ्रांस की एक अदालत में उसने मुझे पैसों के लिए ब्लैकमेल करने की कोशिश की। मैंने इन्कार कर दिया क्योंकि इंग्लैंड में अगर आप इस तरह पैसा देते हैं तो लोगों को लगता है कि कुछ तो गलत रहा होगा। मैंने कुछ भी देने से इन्कार कर दिया। मुझे नाइटहुड की उपाधि क्रिकेट में मेरे योगदान के लिए मिली है।'

युवराज के खिलाफ घरेलू हिंसा का मामला बंद : नई दिल्ली, प्रेट्र : पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह के परिवार ने कहा कि उनके भाई जोरावर सिंह के खिलाफ घरेलू हिंसा के मामले में युवराज का नाम गलत कारणों से घसीटा गया था। लेकिन आरोपी के माफी मांगने के बाद हाल में यह मामला निपट गया। परिवार ने कहा कि युवराज राहत की सांस ले सकते हैं। जोरावर से अलग रह रही उनकी पत्नी आकांक्षा शर्मा ने युवराज के खिलाफ घरेलू हिंसा का मामला दर्ज कराया था। चार महीने की कानूनी लड़ाई के बाद आकांक्षा और जोरावर के बीच इस महीने तलाक हो गया। आकांक्षा ने युवराज और उनके परिवार के खिलाफ झूठे आरोप लगाने के लिए उनसे माफी भी मांगी। युवराज के परिवार की ओर से कहा गया, 'अपने खिलाफ कानून की प्रक्रिया से बचने का कोई तरीका नहीं होने के कारण आकांक्षा ने माफी मांग ली और स्वीकार किया कि उनके सभी आरोप झूठे और गलत थे। उन्होंने इन आरोपों को वापस ले लिया।'

क्रिकेट डायरी

भारत-बांग्लादेश अंडर-23 वनडे सीरीज की मेजबानी लखनऊ को

नई दिल्ली, जेएनएन : भारत और बांग्लादेश की अंडर-23 क्रिकेट टीमों के बीच होने वाली पांच मैचों की वनडे सीरीज की मेजबानी लखनऊ का इकाना अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम करेगा। यह सीरीज पहले रायपुर में होनी थी, लेकिन लगातार बारिश के कारण स्थान बदलना पड़ा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने एक बयान जारी कर इस बात की जानकारी दी। पांच मैचों की सीरीज के मैच 19, 21, 23, 25 और 27 सितंबर को खेले जाएंगे।

भारतीय अंडर-23 टीम : प्रियम गर्ग (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, माधव कौशिक, बीआर शरथ (विकेटकीपर), समर्थ व्यास, आर्यन जुयाल (विकेटकीपर), रित्विक राय चौधरी, कुमार सूरज, अतीत सेठ, शुभांग हेगड़े, रितिक शौकीन, ध्रुशांत सोनी, अर्शदीप सिंह, कार्तिक त्यागी और हरप्रीत बरार।

सबा करीम एक बार फिर झारखंड राज्य क्रिकेट एसोसिएशन से बाहर

जितेंद्र सिंह, जमशेदपुर

झारखंड राज्य क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) के चुनाव की तिथि (22 सितंबर) जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, सदस्यता सूची में घालमेल की जानकारी भी सामने आनी शुरू हो गई है।

भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड के जनरल मैनेजर (क्रिकेट ऑपरेशन) सबा करीम से लेकर केवीपी राव जैसे क्रिकेटर का नाम सदस्यता सूची से गायब है। दोनों ही पूर्व खिलाड़ी अविभाजित बिहार की ओर से खेल चुके हैं। यही नहीं 2017 की सदस्यता सूची में दोनों का नाम दर्ज हैं, लेकिन 2019 की सूची से नदारद है। यह दूसरा मौका है जब सबा करीम को जेएससीए से बाहर किया गया है। 2006 में जेएससीए के हाई प्रोफाइल चुनाव में जब सबा ने अध्यक्ष पद के लिए खड़े राज्य के तत्कालीन गृह मंत्री सुदेश महतो का समर्थन किया था, तब जीतने के बाद अमिताभ चौधरी गुट ने उन्हें जेएससीए से बाहर का रास्ता दिखा दिया था। लेकिन जब उन्हें जीएम बनाया गया तो एक बार फिर जेएससीए में उनकी वापसी हो गई। अविभाजित बिहार की ओर से 54 प्रथम श्रेणी मैचों में 212 विकेट लेने वाले केवीपी राव को भी बिना सूचना दिए जेएससीए ने बाहर कर दिया है। जब इस बाबत जेएससीए के अध्यक्ष कुलदीप सिंह ने पूछा गया तो इस मामले में यह कहते हुए कुछ भी कहने से इन्कार कर दिया कि दस्तावेज सचिव देवाशीष चक्रवर्ती के पास रहते है। सचिव को कई बार फोन किया गया, लेकिन उन्होंने रिसीव नहीं किया।

भारत के लिए खेलना चाहते हैं यूएई के रिषभ

▶ अगले साल अंडर-19 विश्व कप में यूएई के लिए खेलेंगे मुखर्जी

▶ कोलकाता लौटकर बंगाल की टीम में बनाना चाहते हैं जगह

कोलकाता, आइएएनएस : कोलकाता मूल के ऑफ स्पिनर रिषभ मुखर्जी अब जल्द ही संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की टीम के लिए खेल सकते हैं, लेकिन रिषभ का सपना भविष्य में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करना है। रिषभ अब अगले साल होने वाले अंडर-19 विश्व कप के लिए यूएई टीम से खेल सकते हैं।

18 वर्षीय रिषभ जब पांच साल के थे तभी वह अपने परिवार के साथ दुबई चले गए थे। रिषभ ने विश्व कप के लिए क्वालीफाई कराने में यूएई की काफी मदद की है। उन्होंने विश्व कप क्वालीफायर के पांच मैचों में नौ विकेट लिए थे।

रिषभ ने कहा, 'मेरा सपना भारत के लिए खेलना है। मैं वापस कोलकाता आना चाहता हूं और अंडर-19 विश्व कप समाप्त होने के बाद बंगाल की टीम में जगह बनाना चाहता हूं। मैं दोबारा से सब कुछ शुरू करने के लिए तैयार हूं। मैंने कई कोचों से बात की है और उन्होंने मुझे प्रोत्साहित किया है।' रिषभ 2006 से ही अपने परिवार के साथ दुबई में रह रहे हैं। उन्होंने वहां इंटर अकादमी लीग में बेहतरीन प्रदर्शन करके चयनकर्ताओं को प्रभावित किया था। उन्होंने कहा, 'मैं क्लब क्रिकेट के लिए तैयारी कर रहा था, क्योंकि मैं वापस कोलकाता जाने की योजना बना रहा था। पिछले दो साल से मैं कड़ी मेहनत कर रहा हूं। लेकिन, इंटर अकादमी में अच्छा करने के बाद मुझे यूएई अंडर-19 कैंप के लिए बुलाया गया। कैंप में दो चयन मैच थे जिसमें मैंने एक में पांच विकेट और दूसरे में चार विकेट हासिल किए। यह सब फरवरी में हुआ।' ऑफ स्पिनर रिषभ शुरुआत में फुटबॉल खेलना चाहते थे, लेकिन अस्थमा से पीड़ित होने के कारण उन्हें इसमें इजाजत नहीं मिली। उन्होंने कहा, 'मैं इसमें नहीं खेल सकता था, इसलिए मेरे पिता (प्रदीप मुखर्जी) ने मुझे क्रिकेट में कोशिश करने को कहा। तब मैं स्कूल टीम से जुड़ा। मेरे पिता जब युवा थे तो पेशेवर क्रिकेट खेलते थे, लेकिन वह अपना सपना पूरा नहीं कर सके। अब उनका सपना है कि वह मुझे और मेरे भाई को सर्वोच्च स्तर पर क्रिकेट खेलते देखना चाहते हैं। असल में, वह हमारे जरिये अपने सपने को जीना चाहते हैं। इसलिए इन सभी चीजों ने मुझे क्रिकेट जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया।' रिषभ ऑस्ट्रेलिया के ऑफ स्पिनर नाथन लियोन को अपना आदर्श मानते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं विविधता का बहुत बड़ा प्रशंसक नहीं हूं। मेरी निजी सोच है कि ऑफ स्पिन कई तरीके से की जा सकती है और नाथन लियोन सर्वश्रेष्ठ करते हैं।'

भारत-ए के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका मुश्किल में

तिरुअनंतपुरम, प्रेट्र : भारत-ए ने यहां ग्रीनफील्ड अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका-ए के खिलाफ खेले जा रहे पहले अनाधिकारिक टेस्ट मैच के तीसरे दिन बुधवार को मेहमान टीम को दबाव में ला दिया। दूसरे दिन हालांकि बारिश के कारण खेल प्रभावित हुआ और सिर्फ 20 ओवर ही फेंके जा सके। खराब रोशनी के कारण दिन का खेल जल्दी खत्म कर दिया गया।

दिन का खेल खत्म होने तक मेहमान टीम ने दूसरी पारी में अपने नौ विकेट महज 179 रनों पर खो दिए। उसके पास हालांकि 40 रनों की बढ़त है। मेहमान टीम ने दिन की शुरुआत पांच विकेट पर 125 रनों के साथ की थी। बारिश के कारण मैच देरी से शुरू हुआ। हेनरिक क्लासेन और वियान मल्डर ने स्कोर बोर्ड को आगे बढ़ाया। मल्डर अपने स्कोर में 34 रनों का इजाफा कर 46 के निजी स्कोर पर रन आउट हो गए। उनका विकेट 168 के कुल स्कोर पर गिरा। एक रन बाद डेन पिएट (01) को जलज सक्सेना ने अपना शिकार बनाया। शाहबाज नदीम ने 170 के कुल स्कोर पर मार्को जेनसेन (00) को आउट कर दक्षिण अफ्रीका को आठवां झटका दिया। क्लासेन भी अपने अर्धशतक से चूक गए। जलज ने उन्हें 48 के निजी स्कोर पर पवेलियन की राह दिखाई। वह 178 के कुल स्कोर पर आउट हुए। दिन का खेल खत्म होने तक लुथो सिपांला 05 रन बनाकर खेल रहे हैं। लुंगी नगिदी तीन गेंद खेल चुके हैं, लेकिन खाता नहीं खोल पाए हैं। दक्षिण अफ्रीका की टीम अपनी पहली पारी में 164 रनों पर ढेर हो गई थी। भारत ने अपनी पहली पारी में 303 रन बनाए थे और 139 रनों की बढ़त ले ली थी।

विविध

'दारा शिकोह बादशाह बनते तो भारत में इस्लाम और फलता-फूलता'

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

▶ 'भारत की समन्वयवादी परंपरा के नायक दारा शिकोह' विषय पर परिसंवाद में संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल ने रखे विचार

मुस्लिम समुदाय में कथित बुद्धिजीवियों द्वारा पैदा किए जा रहे डर के माहौल के बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने मुस्लिम समुदाय से सीधे संवाद किया है। संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल ने एक परिसंवाद में कहा कि जिस देश में 16-17 करोड़ मुस्लिम हों, जिस समाज ने 600 वर्षों तक शासन किया, वह डर में क्यों? वह किससे भयभीत है? इस पर बहस करें। उन्होंने कहा कि दारा शिकोह अगर मुगल बादशाह बनते तो भारत में इस्लाम और अच्छे से फलता-फूलता। इस्लाम को और उसके गूढ़ भावों को हिंदू समाज और अच्छे से समझता। जिस तरह से हिंदुत्व और वेदों में छिपे हुए भावों को दारा शिकोह ने देखा, वह पूरा भारत देखता। डॉ. कृष्ण गोपाल कांस्टीट्यूशन क्लब में 'भारत की समन्वयवादी परंपरा के नायक दारा शिकोह' विषय पर परिसंवाद कर रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन एकेडमिक्स फॉर नेशन ने किया।

डॉ. कृष्ण गोपाल ने कहा कि देश में 50 हजार पारसी, 45 लाख जैन, 80-90 लाख बौद्ध और महज पांच हजार यहूदी हैं, लेकिन उन्हें कभी भी डर नहीं लगा। इसका जवाब भी उन्होंने ही दिया कि समन्वय के धागे ढूंढ़ेंगे तो मिलेंगे। भारतीय संस्कृति, परंपरा और विचारों में ये धर्म चीनी और दूध की तरह घुल-मिल गए, लेकिन मुस्लिमों को लेकर बंटवारे की सियासत अभी तक जारी है। जो यह मानते हैं कि उन्होंने जो कहा वही सच है, जबकि भाव दारा शिकोह वाला चाहिए कि आप जो कह रहे हैं वह भी सत्य है, जो मैं कह रहा वह भी सत्य है। उन्होंने कहा कि भारत में घृणा की परंपरा नहीं है। यह बंटवारे के विचारों को प्रश्रय नहीं देता है। हमसे और आपसे मिलकर ही भारत है। यह भारत की संस्कृति है। सारी धरती अपनी, वसुधैव कुटुंबकम, सर्वे भवंतु सुखिनः। सर्वे के भाव में पाकिस्तान मुल्क के लोग भी शामिल हैं। यही सोच दारा शिकोह की भी थी, जिसे अपनाने की जरूरत है। यह सोच बताएं, उस पर बहस करें।

इस मौके पर अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के वाइस चांसलर तारिक मंसूर ने दारा शिकोह को बहुप्रतिभा का धनी बताते हुए कहा कि उनके मूल्यों को विश्वविद्यालय में आगे बढ़ाया जाएगा। कार्यक्रम में अधिवक्ता व विचारक ऐहतशाम आबिदी, जेएनयू के प्रोफेसर ऐनुल हसन व पद्मश्री हनीफ खान शास्त्री ने भी अपने विचार रखे।

छद्म धर्मनिरपेक्ष इतिहासकारों की असहिष्णुता का शिकार हुए दारा शिकोह : मुख्तार अब्बास नकवी

परिसंवाद में केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि औरंगजेब, जो क्रूरता और आतंक का प्रतीक है, उसके नाम पर रोड तो थी, लेकिन दारा शिकोह के नाम पर अब रोड बनी है। दारा शिकोह छद्म धर्मनिरपेक्ष इतिहासकारों की असहिष्णुता का शिकार हुए। दारा शिकोह अपने इस्लाम के पाबंद थे। दूसरे मजहब के लिए नफरत का नजरिया नहीं था। वह भारत की समावेशी संस्कृति व संस्कारों में रचे-बसे थे। अगर उनके विचारों को विश्व में जिंदा रखा जाता तो आइएस (इस्लामिक स्टेट) व अलकायदा जैसे आतंकी संगठन नहीं होते। उन्होंने फारसी में अनुवाद करते उपनिषद को विश्व में पहुंचाया। उन्होंने कहा कि दाराशिकोह के जीवन और विचारों पर आधारित नाटकों का मंचन अल्पसंख्यक मंत्रालय द्वारा कराया जाएगा।

दारा शिकोह
बुधवार, 11 सितंबर 2019
constitution club of india

नई दिल्ली में कांस्टीट्यूशन क्लब में आयोजित परिसंवाद में बोलते संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल। साथ में प्रोफेसर ऐनुल हसन, केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी और अन्य। जागरण

नगर कीर्तन को लेकर आपस में भिड़ रहे सिख नेता

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

▶ गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व पर दिल्ली से ननकाना साहिब तक प्रस्तावित है नगर कीर्तन

▶ दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी और शिरोमणि अकाली दल दिल्ली के बीच बढ़ता जा रहा विवाद

गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व पर दिल्ली से ननकाना साहिब तक प्रस्तावित नगर कीर्तन को लेकर दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीपीसी) और शिरोमणि अकाली दल दिल्ली (सरना) के बीच विवाद बढ़ता जा रहा है। शिअद दिल्ली के अध्यक्ष परमजीत सिंह सरना ने आरोप लगाया था कि डीएसजीपीसी अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा नगर कीर्तन के नाम पर संगत से चंदा इकट्ठा कर रहे हैं।

उन्होंने यह भी दावा किया था कि पाकिस्तान गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने डीएसजीपीसी को नगर कीर्तन की अनुमति नहीं दी है। इस पर सिरसा ने पलटवार करते हुए कहा कि सरना नगर कीर्तन के नाम पर संगत को गुमराह कर रहे हैं, क्योंकि उन्होंने इसके लिए भारत सरकार के पास आवेदन नहीं किया है। इसके साथ ही उन्होंने सरना पर संगत से पांच-पांच हजार रुपये वसूलने का भी आरोप लगाया है। वह डीएसजीपीसी कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित कर रहे थे।

सिरसा ने कहा कि डीएसजीपीसी शिरोमणी गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, तख्त श्री पटना साहिब प्रबंधक कमेटी और तख्त श्री हुजूर साहिब प्रबंधक कमेटी के साथ मिलकर दिल्ली से ननकाना साहिब तक नगर कीर्तन निकालेगी। भारत और पाकिस्तान के बीच 1974 में हुए समझौते के तहत नगर कीर्तन निकाला जाएगा। इसके लिए भारत सरकार के पास आवेदन किया गया है। दो देशों के बीच का मामला होने के कारण भारत सरकार पाकिस्तान सरकार से इसकी अनुमति लेगी। इसके विपरीत सरना ने भारत सरकार के पास कोई आवेदन नहीं किया है। करतारपुर कॉरिडोर को लेकर हुई बैठक में भी सिर्फ पाकिस्तान से भारत आने वाले और डीएसजीपीसी द्वारा ननकाना साहिब तक ले जाने वाले नगर कीर्तन को लेकर ही चर्चा हुई थी। इस तरह से स्पष्ट है कि सरना कोई नगर कीर्तन लेकर पाकिस्तान नहीं जा रहे हैं, वह सिर्फ संगत को गुमराह व कमेटी को बदनाम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि नगर कीर्तन के लिए पाकिस्तान गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी से किसी तरह की अनुमति की जरूरत नहीं है। वर्ष 2004 में सरना जब कमेटी के अध्यक्ष थे उस समय नगर कीर्तन के लिए एकत्र की गई राशि का उन्होंने कोई हिसाब नहीं दिया है। इस बार भी वह 15 सौ लोगों से पांच-पाचं हजार रुपये वसूल रहे हैं, जबकि सरकारी फीस सिर्फ दो सौ रुपये है। उन्होंने कहा कि डीएसजीपीसी की ओर से 13 अक्टूबर को शुरू होकर 17 अक्टूबर को नगर कीर्तन पाकिस्तान पहुंचेगा। नगर कीर्तन में कुल 550 श्रद्धालु शामिल होंगे उनसे दो-दो सौ रुपये सरकारी शुल्क लिया जा रहा है।

दिलजीत दोसांझ ने अमेरिका का शो स्थगित किया

मुंबई, प्रेट्र : फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लाइज (एफडब्लूआइसीई) के आपत्ति जताने के बाद फिल्म अभिनेता और गायक दिलजीत दोसांझ ने अमेरिका में अपना शो स्थगित कर दिया है। एफडब्लूआइसीइ ने दोसांझ के शो को रद करने की मांग करते हुए कहा है कि इस शो का आयोजक एक पाकिस्तानी नागरिक रेहान सिद्दीकी है।

एफडब्लूआइसीई ने भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव को देखते हुए विगत 31 अगस्त को दोसांझ से इस शो को रद करने की अपील की थी। सिने कर्मियों की संस्था ने बताया कि उन्हें इस बारे में जानकारी एक पोस्टर के जरिए मिली थी। संस्था की रिलीज में कहा गया है कि उन्होंने दिलजीत दोसांझ को पत्र लिखकर कहा कि वह देश की भावनाओं और मान का ख्याल रखते हुए इस शो में हिस्सा न लें। इस बीच, दिलजीत ने ट्वीट करके बताया कि ह्यूस्टन में 21 सितंबर को होने वाले शो को लेकर उन्हें फेडरेशन से अब तक कोई जानकारी नहीं मिली है। अभिनेता ने कहा कि देश हित में ही उनका अपना हित भी है। उन्होंने सफाई दी कि उनका कांट्रैक्ट सिर्फ श्री बालाजी इंटरटेनमेंट कंपनी के साथ है। लेकिन अब फेडरेशन के पत्र की बात सामने आने पर मैंने ह्यूस्टन में होनेवाले अपने शो को स्थगित करने का फैसला लिया है।

एफडब्लूआइसीई ने अपने पत्र में यह भी दावा किया है कि अभिनेता सैफ अली खान और गायिका श्रेया घोषाल जैसे कलाकार सिद्दीकी के कहने पर अमेरिका में कार्यक्रम करने जा रहे हैं। हमारी देश के उन सभी कलाकारों से अपील है कि वह इस मौके पर धन को वरीयता न दें और पूरी दुनिया में कहीं भी पाकिस्तानी नागरिकों और पाकिस्तानी कलाकारों के साथ काम न करें। इसके अलावा, एफडब्लूआइसीइ ने विगत तीन सितंबर को विदेश मंत्रालय को भी एक पत्र लिखा है। इसमें कहा गया है कि अमेरिका में दिलजीत दोसांझ के कार्यक्रम को रोकने के लिए उनका वीजा रद कर दिया जाए। चूंकि इसे राष्ट्रविरोधी कृत्य माना जाएगा।

वाल्मीकि समुदाय की मंजूरी के बाद प्रसारित होगा 'राम सिया के लव कुश'

कमल जोशी, चंडीगढ़

▶ धारावाहिक निर्माता फिलहाल बैन सहने को भी तैयार, विशेष बैठक में बनी सहमति

▶ लेखक 16 सितंबर को वाल्मीकि समुदाय के नेताओं और पंजाब सरकार के अधिकारियों के साथ करेंगे बैठक

पंजाब में वाल्मीकि समुदाय के तीखे विरोध के बाद विवाद में उलझे कलर्स टीवी चैनल के धारावाहिक 'राम सिया के लव कुश' की पटकथा अब प्रसारण से पहले वाल्मीकि समुदाय के नेताओं को दिखाई जाएगी। इस विवाद के संबंध में पंजाब के अतिरिक्त गृह सचिव के कार्यालय में बुधवार को हुई बैठक में फैसला लिया गया है कि धारावाहिक के पटकथा लेखक 16 सितंबर को वाल्मीकि समुदाय के नेताओं और पंजाब सरकार के अधिकारियों के साथ बैठक में शामिल होंगे। अतिरिक्त गृह सचिव के कार्यालय में होने वाली इस बैठक में वाल्मीकि समुदाय के प्रतिनिधियों को पटकथा दिखाई जाएगी। अगर उसमें कोई आपत्ति जताई गई तो आवश्यक बदलाव किए जाएंगे। गौरतलब है कि पंजाब सरकार की ओर से इस धारावाहिक के प्रदर्शन पर बैन लगाने के खिलाफ कलर्स टीवी चैनल की ओर से दायर की गई याचिका पर गुरुवार को पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में सुनवाई होनी है, जिसमें पंजाब सरकार ने अपना जवाब दायर करना है।

धारावाहिक के निर्माता वाल्मीकि समुदाय के लोगों को अपनी पटकथा दिखाने के लिए तैयार है। उन्होंने 20 सितंबर तक पंजाब सरकार की ओर से लगाए गए बैन को हटाने की मांग भी हाई कोर्ट में न उठाने का आश्वास दिया है। इसके अलावा धारावाहिक निर्माताओं ने यह भी कहा है कि अगर पहले से प्रसारित धारावाहिकों के अंश में वाल्मीकि समुदाय की ओर से कोई आपत्ति जताई जाती है तो उन अंशों में भी आवश्यक सुधार करके उन्हें दोबारा प्रसारित किया जाएगा।

भावनाओं को आहत करने का इरादा नहीं : बुधवार की बैठक के दौरान, कलर्स टीवी के प्रतिनिधियों ने कहा कि चैनल का इरादा किसी समुदाय विशेष की भावनाओं को आहत करना नहीं है। उन्होंने बताया कि धारावाहिक के एपिसोड प्रसारण से कुछ ही समय पहले तैयार होते हैं। इन्हें प्रसारण से पहले वाल्मीकि समुदाय के प्रतिनिधियों या सरकारी अधिकारियों को दिखाना संभव नहीं है। गौरतलब है कि बुधवार को हुई बैठक की अध्यक्षता पंजाब राज्य भंडारण निगम के चेयरमैन राज कुमार ने की। इस बैठक में डीजीपी इंटेलीजेंस, डीजीपी लॉ एंड ऑर्डर, एडवोकेट जनरल कार्यालय से एडिशनल एडवोकेट जनरल मालविका और सफाई कर्मचारी आयोग के चेयरमैन गेजा राम भी मौजूद थे।

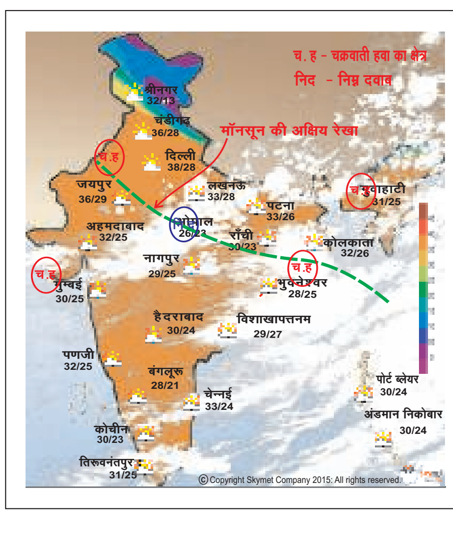

मौसम विशेष

पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान के शेष भागों में मौसम मुख्यतः शुष्क व काफी गर्म बना रहेगा। दक्षिण पूर्वी राजस्थान में अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होगी। जम्मू कश्मीर में मौसम शुष्क तथा काफी गर्म रहेगा। हिमाचल प्रदेश में एक-दो स्थानों पर हल्की वर्षा संभव है।

भारत के मुख्य शहरों का तापमान: 🟥

शहर		शहर	
मुम्बई	29/25/आंबा	अहमदाबाद	34/25/व
कोलकाता	33/27/व	बड़ौदा	31/24/व
चेन्नई	36/27/व	नागपुर	32/26/आंबा
हैदराबाद	31/23/व	इन्दौर	27/22/आंबा
बंगलूरू	29/21/व	राँची	31/24/व
त्रिवेन्द्रम	32/26/सा	पटना	32/25/आंबा
गुवाहाटी	28/26/व	जमशेदपुर	34/25/व
गंगटोक	17/10/आंबा	पुणे	23/22/व

इंटीग्रेटड सर्किट का प्रदर्शन किया गया

1958 में आज ही जैक किल्बी ने इंटीग्रेटड सर्किट बनाकर दुनिया के समाने प्रदर्शित किया। इस सर्किट की वजह से छोटे आकार की मशीनें और पर्सनल कंप्यूटर बनाना संभव हुआ। इसके लिए किल्बी को नोबल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

चांद पर पहुंचने वाला पहला अंतरिक्ष यान लांच किया गया

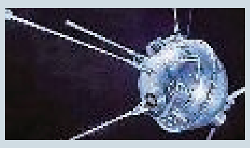

1959 में आज ही लूना 2 सोवियत संघ की लूना परियोजना के अंतर्गत छोड़ा गया दूसरा अंतरिक्ष यान था। 13 सितंबर, 1959 को यान सफलतापूर्वक चांद की सतह पर पहुंचा। इसे चांद पर पहुंचने वाली पहली मानव निर्मित वस्तु भी माना जाता है।

सारागढ़ी का ऐतिहासिक युद्ध लड़ा गया

1897 में आज ही यह युद्ध ब्रिटिश भारतीय सेना की 36वीं सिख बटालियन के 21 सिख जवानों और दस हजार अफगानियों के बीच लड़ा गया था। अफगानियों ने उत्तर पश्चिम सीमांत प्रांत (पाकिस्तान) पर हमला बोल दिया था। यह लोग गुलिस्तां किले पर कब्जा करना चाहते थे। किले के पास बनी सारागढ़ी सुरक्षा चौकी पर सिर्फ 21 जवान तैनात थे। इन वीर सैनिकों ने अफगान हमलावरों के सामने आत्मसमर्पण नहीं किया और ये किले को बचाने में कामयाब रहे। युद्ध के अंत में सभी जवान शहीद हो गए। मरणोपरांत सभी शहीद सैनिकों को इंडियन मैरिट ऑफ ऑर्डर अवार्ड से सम्मानित किया गया।

विक्रम से बात होगी या नहीं!

14 दिन के भीतर चंद्रयान-2 के लैंडर विक्रम से संपर्क साधना वैज्ञानिकों के लिए बनी बड़ी चुनौती

चांद की सतह से महज दो किमी पहले चंद्रयान-2 के लैंडर विक्रम से इसरो का संपर्क टूट गया। तब से लेकर वैज्ञानिक विक्रम से संपर्क साधने की कोशिशों से जूझ रहे हैं। पूरा देश उनके साथ खड़ा है और उस पल का का इंतजार कर रहा है जब लैंडर विक्रम की ध्वनि तरंगें आर्बिटर और इसरो के धरती पर बने केंद्रों में गुंजायमान हों। हालांकि उनके मन के किसी कोने में एक आशंका भी है कि लैंडर से संपर्क हो भी पाएगा या नहीं? समय तेजी से बीता जा रहा है। सिर्फ 14 दिन थे इसरो के पास। उसमें से करीब चार दिन बीतने वाले हैं।

यहां उतरा था
अपोलो यान

चंद्रयान-2 पर लगे टेरेन मैपिंग कैमरे से ली गई चांद की तस्वीरें (स्रोत: इसरो)

कितनी उम्मीदें हैं बरकरार

संपर्क टूटने के बाद से समय तेजी से बीत रहा है। हालांकि समय बीतने और लैंडर विक्रम से संपर्क साधने की घटती उम्मीदों में सीधा संबंध नहीं है। लेकिन इस लक्ष्य की एक समयसीमा है। विक्रम की हार्ड लैंडिंग से 14 दिन के भीतर यानी 21 सितंबर तक उससे संपर्क साधने की चुनौती है।

समयसीमा की अनिवार्यता

21 सितंबर के बात चांद पर रात शुरू हो जाएगी जो धरती के 14 रातों के बराबर होगी। चांद की रातों में वहां तापमान बहुत अधिक कम होकर -200 डिग्री सेल्सियस तक चला जाता है। लैंडर में लगे उपकरण इतने कम तापमान को सहने में समर्थ नहीं हैं। उसके इलेक्ट्रॉनिक उपकरण क्षतिग्रस्त हो सकते हैं या एकदम से खराब होने की आशंका है। इसलिए 21 सितंबर तक अगर संपर्क सध पाया तो ठीक, उसके बाद उम्मीद न के बराबर होगी।

ऐसे हो रही संपर्क साधने की कोशिश

सुदूर अंतरिक्ष में मौजूद किसी वस्तु से संपर्क इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तरंगों द्वारा साधा जाता है। अंतरिक्ष संचार के लिए एस बैंड (माइक्रोवेव) और एल बैंड (रेडियो वेव) आवृत्ति वाली तरंगों का इस्तेमाल होता है। अभी संपर्क टूटने की वजहों का पता नहीं चल सका है। चूंकि संपर्क लैंडर के उतरने के करीब पहुंचने पर टूटा है लिहाजा माना जा रहा है कि इसके संचार यूनिट की पावर का फेल हो गई हो। हार्ड लैंडिंग की स्थिति में लैंडर के आंशिक नुकसान की आशंकाओं को भी नहीं खारिज किया जा सकता है। विक्रम ऑर्बिटर के साथ धरती पर बने केंद्रों से भी संपर्क साधने में सक्षम है। संपर्क साधने के लिए किए जा रहे प्रयासों के तहत खास आवृत्ति वाले सिग्नल छोड़े जा रहे हैं जिन्हें लैंडर में लगे उपकरण रिसीव कर सकते हैं। ऐसा इस उम्मीद में किया जा रहा है कि लैंडर के एक या एक से अधिक उपकरण इन संकेतों को रिसीव करके प्रतिक्रिया व्यक्त कर सकें।

क्या होगा सहायक या नुकसानदायक

कुछ दिन पहले वैज्ञानिकों की एक सोच सामने आई थी कि क्यों न ऑर्बिटर की कक्षा घटाई जाए जिससे लैंडर के वह ज्यादा करीब से गुजर सकेगा। हालांकि इसमें ज्यादा ईंधन खर्च होने की आशंका भी उठी। लैंडर पर लगे एंटीना की पोजीशन बहुत निर्णायक है। इसे सीधा और अवरोधों से मुक्त होना चाहिए जिससे ये ज्यादा व्यापक क्षेत्र के संकेतों को पकड़ सके। यदि ये एंटीना चांद की सतह में दब गया है या अवरोधों से दब गया है तो संकेतों को पकड़ने की उम्मीद धूमिल होती जाएगी। हालांकि ऑर्बिटर से उम्मीदें बरकरार हैं। जब भी यह विक्रम को पार करेगा तो उसे संकेत भेजेगा। बस देश को विक्रम के जवाब का इंतजार है।

इधर-उधर की

सचमुच खुला का खुला रह गया मुंह

बीजिंग, एजेंसी : ठहाका मारकर हंसने को कई रोगों का इलाज माना जाता है, लेकिन कभी-कभी यही ठहाका दुखद स्थिति भी पैदा कर देता है। चीन के दक्षिणी गुआंगझू में एक महिला ट्रेन में सफर कर रही थी। तभी वह किसी बात पर इतनी जोर से हंसी कि उसका जबड़ा अपने स्थान से हिल गया। अब वह अपना मुंह बंद ही नहीं कर पा रही थी। ट्रेन में बैठे मुसाफिर भी सकते में आ गए। किसी को कुछ समझ ही नहीं आ रहा था कि अब क्या किया जाए। अन्य लोग भी यह सब देख कर हैरान रह गए। संयोग से ट्रेन में एक चिकित्सक सवार थे, उन्होंने तुरंत ही मौके पर पहुंच कर महिला की मदद की और उससे जोर से मुंह दबाने को कहा। काफी मशक्कत के बाद महिला को आराम मिला, लेकिन तब तक उनको काफी तकलीफ झेलनी पड़ गई। अब भविष्य में पता नहीं कभी वे जोर से हंसेगी भी या नहीं।

भारतीय उपमहाद्वीप में सूखे के आसार बढ़ा रहे एरोसॉल

चिंताजनक ▶ एरोसॉल सूखे की गंभीरता 17 फीसद ज्यादा बढ़ा देता है

भारत, अमेरिका और कनाडा के वैज्ञानिकों ने उपमहाद्वीप पर किया अध्ययन

नई दिल्ली, आइएसडब्ल्यू : भारत, अमेरिका और कनाडा के वायुमंडलीय वैज्ञानिकों की एक टीम ने पता लगाया है कि अलनीनो वाले वर्षों के दौरान वायुमंडल में उपस्थित एरोसॉल भारतीय उपमहाद्वीप में सूखे की गंभीरता को 17 प्रतिशत तक बढ़ा सकते हैं।

इस अध्ययन में पता चला है कि मानसून के दौरान अलनीनो पूर्वी एशियाई क्षेत्र के ऊपर कम ऊंचाई पर पाए जाने वाले एरोसॉल को दक्षिण एशियाई क्षेत्र के ऊपर अधिक ऊंचाई (12-18 किलोमीटर) की ओर ले जाकर वहां एशियाई ट्रोपोपॉज एरोसॉल लेयर नामक एक परत बना देती है, जो वहीं पर स्थिर रहकर भारतीय मानसून को और कमजोर कर देती है।

इस एरोसॉल परत के अधिक घने और मोटे होने से पृथ्वी तक पहुँचने वाली सौर ऊर्जा की मात्रा में कमी आती है, जिससे मानसून का परिसंचरण कमजोर होने के कारण सूखे की स्थिति की गंभीरता बढ़ जाती है। भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आइआइटीएम), पुणे के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए अध्ययन में यह जानकारी सामने आई है। यह अध्ययन शोध पत्रिका साइंटिफिक रिपोर्ट्स में प्रकाशित किया गया है।

साइंटिफिक रिपोर्ट्स में प्रकाशित हुआ अध्ययन। प्रतीकात्मक

क्या होता है एरोसॉल

एरोसॉल हवा में मौजूद सूक्ष्म ठोस कणों अथवा तरल बूंदों की एक परत होती है। प्रदूषण के कण मिलकर एरोसॉल की परत को और मजबूत करते हैं, जिससे सूर्य का प्रकाश अवरुद्ध होकर धरती पर पहुंचता है और वाष्पन कम होता है। इस वजह से मानसून भी कमजोर आता है।

प्रमुख शोधकर्ता डॉ. सुवर्णा एस फडणवीस के मुताबिक भारत में अलनीनो के कारण पहले ही कम वर्षा होती है और इस तरह एरोसॉल के समावेश होने से वर्षा की कमी और बढ़ जाती है। हमें पता चलता है कि अलनीनो और एरोसॉल के संयुक्त प्रभाव से भारतीय उपमहाद्वीप में होने वाली वर्षा में बेहद कमी आती है, जिससे सूखे की स्थिति और गंभीर हो जाती है। सैटेलाइट ऑब्जरवेशंस और मॉडल सिमुलेशंस की मदद से पाया गया कि अलनीनो वाले वर्षों के दौरान भारतीय उपमहाद्वीप में सूखे की गंभीरता 17 प्रतिशत बढ़ जाती है।

अलनीनो एक ऐसी प्राकृतिक घटना है, जो प्रशांत महासागर के असामान्य रूप से गर्म होने के कारण होती है। यह महासागरों से भारतीय भूभाग की ओर आने वाली नमी भरी हवाओं के प्रवाह को अवरुद्ध करती है। हाल के दशकों में अलनीनो घटनाओं की आवृत्ति और भारत में सूखे की आवृत्ति में वृद्धि हुई है। इसे देखते हुए, शोधकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि पूर्व और दक्षिण एशिया से औद्योगिक उत्सर्जन में भविष्य में होने वाली वृद्धि से ऊपरी क्षोभमंडल में एरोसॉल परत अधिक चौड़ी एवं मोटी हो सकती है, जिससे संभावित रूप से सूखे की स्थिति अधिक गंभीर हो सकती है।

फडणवीस ने कहा कि भारत जल और मौसमी परिस्थितियों की मार के प्रति संवेदनशील है। ऐसे में, अलनीनो और एरोसॉल के संयुक्त प्रभाव से सूखे की गंभीर स्थिति जल संकट को बढ़ावा दे सकती है। इसका सीधा असर कृषि के साथ-साथ लोगों की आजीविका पर पड़ सकता है। एरोसॉल उत्सर्जन को कम करने के लिए हवा की गुणवत्ता में सुधार के साथ-साथ सूखे की स्थिति को कम करना जरूरी है।

हाईवोल्टेज इलेक्ट्रिक ईल का पता चला

टोक्यो, एएफपी : डीएनए शोधकर्ताओं ने अमेजन बेसिन में इलेक्ट्रिक ईल की दो पूरी तरह की नई प्रजातियों की खोज की है। इसमें से एक रिकॉर्ड तोड़ने वाला झटका देती है।

शोधकर्ताओं ने बताया कि यह खोज सुबूत है कि अमेजन के वर्षावन में अद्‌भुत विविधताएं मौजूद हैं। जो अभी भी मानव पहुंच से बहुत दूर हैं। इसलिए इस वर्षावन की रक्षा करना बेहद महत्वपूर्ण है। स्मिथसोनियन नेशनल म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री के साथ काम करने वाले जूलॉजिस्ट सी डेविड सैंटाना ने बताया कि पिछले 50 वर्षों में अमेजन में सभी मानवीय प्रभावों के बावजूद, अभी भी जीवों की कई प्रजातियों की खोज की जा सकती है। शोधकर्ताओं ने बताया कि इलेक्ट्रिक ईल एक प्रकार से ईल मछली की एक प्रजाति है। इलेक्ट्रिक ईल से प्रेरित होकर ही पहली इलेक्ट्रिक बैटरी का डिजाइन बनाया गया था।

सदियों से यह माना जाता रहा है कि अमेजन के पूरे क्षेत्र में जिसमें ब्राजील, सूरीनाम, गुएना सहित देशों के कुछ हिस्से भी शामिल हैं, केवल एक ही प्रजाति ग्रेटर एमजोनिया पाई जाती है, लेकिन डी सैंटाना और उनकी टीम ने दक्षिण अमेरिका के दूरदराज के हिस्सों में इलेक्ट्रिक ईल और अन्य वन्यजीवों को समझने के लिए एक सर्वे शुरू किया। पहली नजर में उन्हें अमेजन बेसिन के विभिन्न हिस्सों से एकत्र किए गए जीवों के बीच थोड़ा अंतर मिला। लेकिन आगे 107 सैंपल के डीएनए का विश्लेषण करने पर इलेक्ट्रिक ईल्स की दो पूरी तरह से नई प्रजातियों का पता चला। इन प्रजातियों के नाम इलेक्ट्रोफोरस वोल्टाई और इलेक्ट्रोफोरस वरी हैं। इसके साथ ही वैज्ञानिकों ने बताया कि इ. वोल्टाई 860 वोल्ट तक का झटका देती है। यह प्राकृतिक रूप से बना सबसे शक्तिशाली करंट है। इस शोध को नेचर कम्युनिकेशंस जर्नल में प्रकाशित किया गया है।

यहां हुई थी सबसे पहले दूध के उत्पादों की खपत

लंदन, प्रेट्र : शोधकर्ताओं का दावा है कि उन्होंने दुनिया में दूध के उत्पादों की खपत का सबसे पुराना प्रमाण पता किया है। उन्हें 6000 साल पुराने ब्रिटिश किसानों के दातों के अवशेष में इसके प्रमाण मिले हैं।

ब्रिटेन की यॉर्क यूनिवर्सिटी के पुरातत्वविदों के नेतृत्व में एक दल ने नवपाषाण काल के सात व्यक्तियों के दातों के अवशेष में दूध के एक प्रोटीन बीटा लैक्टोग्लोबुलिन (बीएलजी) की पहचान की है।

यह अध्ययन 'अर्कियोलॉजिकल एंड एंथ्रोपोलॉजिकल साइंसेज' पत्रिका में प्रकाशित किया गया है। नवपाषाण काल 4000 से 2400 ईसा पूर्व तक चला। इस दौरान खेती का आविष्कार हुआ, जिसमें गेहूं और जौ की फसलों की शुरुआत हुई। इसके साथ ही इसी काल में पालतू पशुओं का प्रचलन शुरू हुआ, जिसमें गाय, भैंस, सुअर और बकरी को पाला जाने लगा।

इस दौरान पुरातत्वविदों ने सांस्कृतिक प्रथाओं के प्रमाण भी खोजे हैं। जैसे कि बड़े स्मारक बनाना और दफन स्थलों का निर्माण करना आदि।

अध्ययन में जिन प्राचीन मानव अवशेषों का परीक्षण किया गया है वे तीन अलग-अलग नवपाषाणिक जगहों- इंग्लैंड के हैंबल्डन हिल और हेजलटन और बनबरी लेन से इकट्ठा किए गए हैं। इसमें से प्रत्येक जगह के अवशेष से भेड़, गाय और बकरी के दूध के प्रोटीन का पता चला है। इससे इस बात को बल मिलता है कि नवपाषाण युग में डेयरी का काम शुरू हो गया था। इसके लिए लोग विभिन्न जानवरों को पालने लगे थे।

▶ **6000 वर्ष पुराने नवपाषाण काल के मानवों के दातों के अवशेष में मिला दूध का प्रोटीन**

प्रतीकात्मक

इस नए शोध से प्राचीन मनुष्य के आहार के बारे में भी कई नई जानकारियां निकलकर सामने आई हैं।

अध्ययन के प्रमुख लेखक सोफी चार्लटन ने बताया कि दूध के सेवन की खोज बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि हाल के अनुवांशिक अध्ययनों से पता चला था कि जो लोग इस समय रहते थे उनमें दूध में मौजूद लैक्टोज को पचाने की क्षमता नहीं थी। शोधकर्ताओं ने बताया कि प्राचीन किसान दूध का सीधे सेवन नहीं करते थे, जबकि वे दूध को दूसरे रूपों में जैसे- पनीर में बदलकर उसका सेवन करते थे। क्योंकि इसमें लैक्टोज की मात्रा कम हो जाती है।

हालांकि, बाद में डीएनए में परिवर्तन होने के कारण मनुष्य में लैक्टोज को सीधे पचाने की क्षमता विकसित हो गई, लेकिन यह क्षमता किस तरह से विकसित हुई इसका अभी कुछ पता नहीं चल सका है।

शोध अनुसंधान

दिल की बीमारियां बढ़ा सकते हैं कुछ एंटीबॉयोटिक

इलाज के लिए आमतौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले कई एंटीबॉयोटिक दिल की बीमारियों का कारण हो सकते हैं। वैज्ञानिकों ने एंटीबॉयोटिक और दो तरह के हृदयरोग में संबंध का पता लगाया है। अमेरिका कॉलेज ऑफ कॉर्डियोलॉजी में छपे शोध के अनुसार एमॉक्सासिलिन की तुलना में फ्लोरोक्विनलोन नामक एंटीबॉयोटिक इस्तेमाल करने वालों में एऑर्टिक एंड मिट्रल रिगर्जिटेशन का खतरा 2.4 गुना अधिक हो जाता है। इस बीमारी में रक्त का हृदय में उल्टा प्रवाह होने लगाता था। वैज्ञानिकों के अनुसार एंटीबॉयोटिक के इस्तेमाल के तीस दिन के भीतर बीमारी का सबसे अधिक खतरा रहता है। शोध के लिए अमेरिका के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन के डाटा का अध्ययन किया गया था। यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया के प्रोफेसर ने कहा, 'फ्लोरोक्विनलोन आसानी से उपलब्ध है। लेकिन, इंफ्लुएंजा व निमोनिया जैसे फैलाने वाले संक्रामक रोगों में इसकी जरूरत नहीं होती है। इस दवा के गलत इस्तेमाल से दिल की गंभीर बीमारियों के साथ ही एंटीबॉयोटिक के प्रति प्रतिरोधक क्षमता बढ़ने का भी खतरा रहता है।' (आइएएनएस)

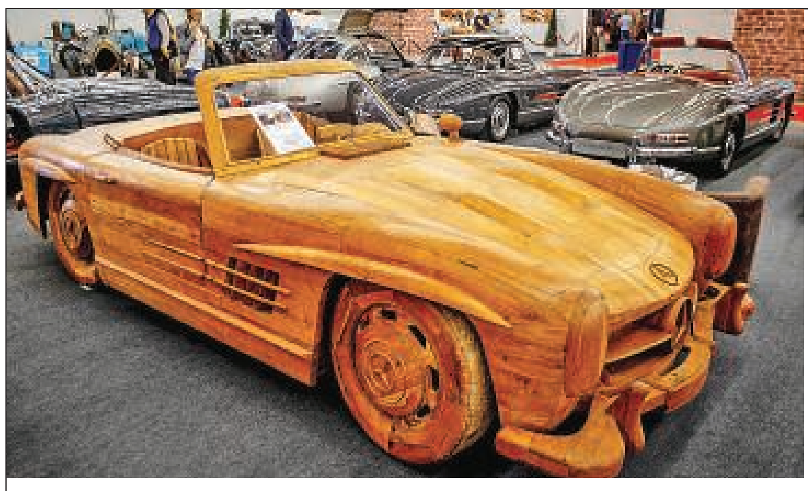

सागौन की लकड़ी से बनाई कार

जर्मनी के एक आर्टिस्ट ने सागौन की लकड़ी से 1955 की मर्सिडीज कार का मॉडल तैयार किया है। यह कार शिल्प कौशल का शानदार नमूना है। फ्रंकफर्ट में आयोजित आइएए ऑटो शो में इस कार को प्रदर्शित किया गया। इसकी कीमत 6,668 डॉलर (लगभग 4.78 लाख) रुपये है। बॉडी से लेकर इसके सभी पाट्‌र्स लकड़ी से बनाए गए हैं। एपी

नेपाल में पूजी जाती है जीवित कन्या 'कुमारी'

कुमारी पूजा महोत्सव के लिए काठमांडू में आकर्षक भाव-भंगिमा में जीवित देवी 'कुमारी'। नेपाल दुनिया का ऐसा इकलौता देश है, जहां जीवित कन्या को देवी बनाकर उसकी पूजा की जाती है। कहा जाता है कि 17 वी शताब्दी में ही यह परंपरा शुरू हो गई थी। जिस कन्या को देवी बनाया जाता है, उसे 32 स्तर की परीक्षाओं से गुजरना पड़ता है। उन्हें समाज एवं परिवार से अलग मंदिर में ही रहना पड़ता है। ये कन्याएं ताउम्र देवी बनकर नहीं रहतीं। एक निश्चित अवधि के बाद उन्हें देवी के पदवी से हटा दिया जाता है या फिर तब जब उनके रक्त बहने लगे। चाहे वह मामूली सी खंरोच से ही क्यूं न बहे। रायटर

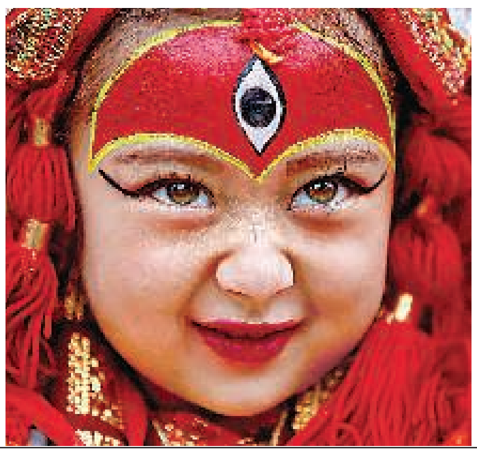

11
'कुमारी' देवियां होती हैं नेपाल में, ये शाक्य या वज्रचार्य जाति से संबंध रखती हैं

32
गुणों का होना अनिवार्य होता है कुंडली में 'कुमारी' देवी बनने के लिए

स्क्रीन शॉट

सलमान का ट्वीट...सौ दिन बाद रिलीज होगी 'दबंग 3'

'दबंग 3' की रिलीज तारीख को लेकर अब तक सस्पेंस बना हुआ था। इससे अब खुद 'चुलबुल पांडे' यानी सलमान खान ने पर्दा उठा दिया है। सोशल मीडिया पर बड़े ही स्टाइलिश अंदाज में उन्होंने फिल्म का मोशन वीडियो जारी करते हुए सौ दिन बाद आने का वादा किया है। इसमें उन्होंने बताया कि 20 दिसंबर को 'दबंग 3' रिलीज होगी यानी क्रिसमस की छुट्टियां इस बार सलमान खान के साथ होंगी। इस वीडियो में सलमान का एक्शन अवतार नजर आ रहा है। लगातार

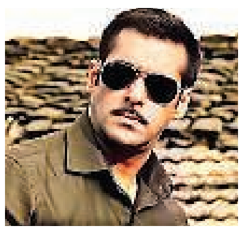

चार ट्वीट्स करते हुए उन्होंने लिखा, 'आ रहे हैं! चुलबुल रॉबिनहुड पांडे। ठीक 100 दिन बाद। स्वागत तो करोगे हमारा।'

यह सलमान की पहली फिल्म होगी जो हिंदी के साथ तमिल, तेलुगु और कन्नड़ में भी रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन प्रभुदेवा ने किया है। 'वांटेड' फिल्म के बाद एक बार फिर दोनों की हिट जोड़ी 'दबंग 3' में साथ होगी। फिल्म की शूटिंग अब भी चल रही है, लेकिन सौ दिन पहले ही सलमान ने फिल्म को रिलीज करने की तारीख का एलान करके अपने लिए रास्ता साफ कर लिया है। दिसंबर में रिलीज होने वाली फिल्मों की बात की जाए तो छह दिसंबर को कार्तिक आर्यन, अनन्या पांडे और भूमि पेडणेकर अभिनीत फिल्म 'पति, पत्नी और वो' और अर्जुन कपूर की 'पानीपत' रिलीज होगी। 13 दिसंबर को रानी मुखर्जी की फिल्म 'मर्दानी 2' आएगी। 20 दिसंबर को 'दबंग 3' रिलीज होगी।

ब्रिटिश फिल्म में भारतीय किरदार में नहीं होंगे अली

बॉलीवुड से अनुपम खेर, इरफान खान, अनिल कपूर, प्रियंका चोपड़ा जैसे कई कलाकार हैं, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय फिल्मों में अपनी पहचान बनाई है। अली फजल भी इस लिस्ट में शामिल हैं। अली ने ब्रिटिश-अमेरिकी फिल्म 'विक्टोरिया ऐंड अब्दुल' के अलावा हॉलीवुड फिल्म 'फ्यूरियस 7' में काम किया है। उनके पास दो और अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट हैं, जिस पर वह काम कर रहे हैं। अपनी आगामी ब्रिटिश फिल्म की घोषणा वह जल्द ही कर सकते हैं। कुछ महीने पहले अली उस फिल्म के कॉस्ट्यूम ट्रायल और वर्कशॉप के लिए लंदन गए थे। जल्द ही वह एक बार फिर लंदन रवाना होंगे। ब्रिटिश फिल्म के बारे में बताते हुए अली ने कहा कि यह बड़ी फिल्म होगी, जिसमें कई बड़े कलाकार हैं। यही वजह है कि कॉस्ट्यूम ट्रायल पहले ही कर लिया गया है। अक्सर अंतरराष्ट्रीय फिल्मों में भारतीय कलाकार भारतीय किरदार ही निभाते हैं, लेकिन अली का किरदार भारतीय नहीं होगा। उनका कहना है कि ब्रिटिश फिल्म में उनका पूरा लुक अलग होगा।

हिमेश रेशमिया ने रिलीज किया रानू मंडल का गाना

हिमेश रेशमिया के साथ गाना रिकॉर्ड करने के बाद रानू मंडल लगातार सुर्खियों में हैं। रानू का गाना और वीडियो दोनों सोशल मीडिया पर लगातार ट्रेंड कर रहे हैं। बुधवार को मुंबई में हिमेश रेशमिया ने फिल्म 'हैप्पी हार्डी एंड हीर' में रानू मंडल के गाए हुए गाने 'तेरी मेरी कहानी...' को रिलीज किया। इस मौके पर हिमेश और रानू मंडल ने दर्शकों के सामने गाना भी गाया।

एक रियलिटी शो पर रानू से मिलने के बाद हिमेश ने उन्हें अपनी फिल्म में गाने का प्रस्ताव दिया था। हिमेश रानू के साथ

अपने सुपरहिट गाने 'आ आ आशिकी में तेरी...' को रीक्रिएट भी कर रहे हैं। इस गाने के कुछ क्लिप सोशल मीडिया पर इन दिनों वायरल भी हो रहे हैं। रानू के साथ गाना गाने के अनुभव को बताते हुए हिमेश ने कहा कि रानू को यहां तक पहुंचाने में इंडस्ट्री के बहुत से लोगों ने सहयोग दिया। यह सब अकेले करना उनके लिए संभव नहीं था। शुरू में रानू के साथ गाना रिकॉर्ड करने के लिए थोड़ी मशक्कत करनी पड़ी। रानू ने कभी पेशेवर तौर पर गाना नहीं गाया था। वह गाना रिकॉर्ड करने की तकनीकों से बिल्कुल अनजान थीं। उनके बगल में खड़े होकर उन्हें सुर पकड़ाना पड़ता था। रानू के लिए हेडफोन और माइक के बीच सामंजस्य बिठाना मुश्किल था। पहले गाने में उनके साथ भले ही मशक्कत करनी पड़ी हो, लेकिन बाद में वह धीरे-धीरे खुद सीख गईं।'

अमृता प्रीतम का किरदार निभाएंगी तापसी

हाल ही में अभिनेत्री तापसी पन्नू ने जानकारी दी थी कि वह फिल्म 'मुल्क' के निर्देशक अनुभव सिन्हा के साथ दोबारा एक प्रोजेक्ट पर काम करने जा रही हैं। अब उन्होंने अपने किरदार का भी खुलासा किया है। तापसी फिल्म में प्रसिद्ध उपन्यासकार अमृता प्रीतम का किरदार निभाएंगी।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'जब कोई पुरुष किसी महिला की शक्ति से इंकार करता है, तब वह खुद की अवचेतना को भी नकारता है।' इसके साथ ही तापसी ने अपने फैंस से सिनेमाघरों में अगले साल छह मार्च को मिलने की बात कही। इस पोस्ट के साथ उन्होंने अपनी एक तस्वीर भी शेयर की, जिसमें वह फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़ती नजर आ रही हैं। बता दें कि अमृता प्रीतम (1919-2015) एक प्रसिद्ध पंजाबी लेखिका थीं। उनकी कविता 'अज आखां वारिस शाह नूं' काफी मशहूर है। इसमें लेखिका ने भारत-पाकिस्तान विभाजन की भयावह तस्वीर को शब्दों में पिरोया है।

पता चला

शोधकर्ताओं ने बताया है कि संगीत सुनने के दौरान मस्तिष्क का जो हिस्सा सक्रिय होता है, उसे याद करने के दौरान ठीक उससे विपरीत वाला हिस्सा सक्रिय हो जाता है।

संगीत पर इस तरह प्रतिक्रिया देता है मस्तिष्क

वाशिंगटन, प्रेट्र

हम सभी संगीत को सुनते और उससे आनंदित होते हैं। कभी-कभी हमे कोई गाना इतना अधिक पसंद आता है कि हम उसे याद करके गुनगुनाते हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि संगीत को सुनना और उसे याद करना मस्तिष्क के दो अलग-अलग हिस्सों द्वारा किया जाता है। एक अध्ययन के अनुसार वैज्ञानिकों ने यह जानकारी दी है।

हालांकि, इसके पहले के शोध में यह कहा जाता रहा है कि संगीत के दौरान मस्तिष्क के दाएं ओर का हिस्सा मुख्य रूप से सक्रिय होता है। अभी भी बहुत कम शोधकर्ता इस बारे में जानते हैं कि किस तरह से संगीत सुनने के दौरान मस्तिष्क के हिस्सों में बदलाव होता है। अमेरिका की जॉन होपकिंस यूनिवर्सिटी और चीन की शिन्हुआ यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने महिला, पुरुष दोनों के दिमाग की विद्युत गतिविधि का अध्ययन किया। इस दौरान प्रतिभागियों को उन्होंने प्रशिद्ध संगीतकार बीथोवेन के 'फॉर एलिस' और रिचर्ड वैगनर की 'वेडिंग मार्च' जैसी लोकप्रिय संगीत रचनाएं सुनाईं।

इस अध्ययन को 'जेन्यूरोस्कि' जर्नल में प्रकाशित किया गया है। इसमें बताया गया है कि मस्तिष्क के हिस्सों में बदलाव का संबंध संगीत को सुनने और उसे दोबारा गुनगुनाने से है।

शोधकर्ताओं ने बताया कि संगीत की सूचनाएं उसे सुनने के दौरान मस्तिष्क के जिस हिस्से में संचरण करती हैं, उसे गुनगुनाने के दौरान व अपना क्षेत्र विपरीत दिशा में बदल देती हैं। सुनने के दौरान सूचनाएं संवेदी भागों से सामने की ओर संचरण करती हैं और उसे याद कर गुनगुनाने के दौरान सामने से पीछे संवेदी भागों की ओर चलती हैं। अध्ययन से पता चलता है कि मस्तिष्क की गतिविधि की विशेषताओं को समझकर यह पता लगाया जा सकता है कि व्यक्ति किसी संगीत को याद कर रहा है।

शोधकर्ताओं ने हालांकि, यह भी बताया कि मस्तिष्क द्वारा याद करने वाली प्रक्रिया का अध्ययन बेहतर और नियंत्रित प्रतिमानों के तहत करने की आवश्यकता है। क्योंकि वर्तमान पद्धति में यह बताना आसान नहीं है कि कब कोई संगीत को याद करता है और कब उसे समाप्त कर देता है।

'जेन्यूरोस्कि' जर्नल में प्रकाशित हुआ अध्ययन। प्रतीकात्मक

कुछ लोग नहीं ले पाते संगीत का मजा

कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जिन्हें संगीत में कोई रुचि नहीं होती है। पिछले किए गए एक अध्ययन में शोधकर्ताओं के अनुसार ऐसे लोगों में 'म्यूजिक एनहेडोनिया' नामक बीमारी होती है। ऐसे लोगों के मस्तिष्क में कॉर्टेक्स का आपसी संबंध बिगड़ा होता है।